राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 70

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, रविवार, 18 अगस्त, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

बिल गेट्स ने भारत को बताया ग्लोबल लीडर

>> 11

विश्वास.News

विधायक पर हमले का पुराना वीडियो प्रसारित

विश्वास न्यूज की पड़ताल ● पेज-5

रविवार विशेष

पौधे संभालिए पर्यावरण संवरेगा ● पेज-7

संपादकीय

अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्रधानमंत्री : प्रधानमंत्री ने लाल किले से पंथनिरपेक्ष नागरिक संहिता और एक साथ चुनाव पर बल देकर यही स्पष्ट किया कि वह किसी राजनीतिक मजबूरी में नहीं बंधे हैं। **संजय गुप्त** का आलेख।

मोबाइल पर एक चटपटी मुलाकात : अनजान लिंक पर क्लिक करने पर पैसे उड़ जाते हैं, पर मैंने न कोई लिंक छेड़ा था और न ही खाते में कोई पैसा छोड़ा था। **संतोष त्रिवेदी** का व्यंग्य। ● पेज-8

विमर्श

उच्च शिक्षा के वैश्विक संस्थान का स्वप्न : हमारा देश विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर है। ऐसे अनेक तथ्य आज हमारे समक्ष हैं, जो इसे रेखांकित भी करते हैं। परंतु उच्च शिक्षा के कई संस्थान अपने उद्देश्यों को पूरा कर पाने में काफी हद तक असफल होते दिख रहे हैं। इस बारे में सभी संबंधित पक्षों को विचार करना चाहिए। **अनंत विजय** का आलेख। ● पेज-9

सप्ताह का साक्षात्कार

'खेल महाशक्ति बनने के लिए प्रतिभाओं की बेहतर खोज जरूरी'

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा पेरिस ओलिंपिक में रजत पदक जीतने के साथ देश के सबसे सफल एथलीट बन गए हैं। ओलिंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट के बाद उन्होंने विश्राम करने के स्थान पर डायमंड लीग की तैयारी शुरू कर दी है। नीरज ने स्वीकारा कि पेरिस में आर्क स्पीड अच्छी थी, पर लाइन सीधी नहीं रही। भारत के खेल महाशक्ति बनने के सवाल पर कहा, इसके लिए प्रतिभाओं की बेहतर ढंग से खोज जरूरी है। दैनिक जागरण के वरिष्ठ उप संपादक सुकांत सौरभ ने नीरज चोपड़ा से विशेष बातचीत की। ● पेज-13

विकासशील देशों को कर्ज देने का भारत ने रखा वैकल्पिक प्रस्ताव

जयप्रकाश रंजन ● जागरण

- ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन में मोदी ने 'वैश्विक विकास समझौते' का प्रस्ताव रखा
- शुरुआत में भारत ने दिया 35 लाख डालर की मदद, विशेष फंड बनाने का सुझाव
- हमारा प्रस्ताव विकास के लिए जरूरतमंद देशों को कर्ज के नाम पर नहीं दबाएगा : पीएम

नई दिल्ली में शनिवार को पीएम नरेन्द्र मोदी ने तीसरे वायस आफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस भी इसमें शामिल हुए। प्रेट्र

नई दिल्ली : पिछले वर्ष जी-20 देशों की शिखर बैठक में भारत ने कुछ देशों की तरफ से विकास के नाम पर कर्ज देकर ग्लोबल साउथ यानी विकासशील और गरीब देशों को कर्ज-जाल में फंसाने का मुद्दा उठाया था। अब शनिवार को पीएम नरेन्द्र मोदी ने इन देशों को अपनी विकास प्राथमिकताओं के आधार पर कर्ज मुहैया कराने या वित्त सुविधा देने के लिए नई व्यवस्था 'ग्लोबल डेवलपमेंट काम्पैक्ट' (वैश्विक विकास समझौता) का प्रस्ताव रखा है।

मोदी ने तीसरे वायस आफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में यह प्रस्ताव रखा। शुरुआत में भारत ने इस फंड में 35 लाख डालर की मदद देने का प्रस्ताव रखा है। इसके उद्देश्य के बारे में मोदी ने कहा, यह विकास के नाम पर जरूरतमंद देशों को कर्ज तले नहीं दबाएगा। कार्यक्रम का आयोजन वर्चुअल तरीके से किया गया।

भारत ने विकासशील देशों के समक्ष कर्ज लेने की नई व्यवस्था का प्रस्ताव तब रखा, जब कई देशों ने विकास के लिए कर्ज देने के चीन के तरीके पर गंभीर सवाल उठाए। जी-20 के तहत भी इस मुद्दे पर चर्चा हो रही है, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकाला जा सका है।

मोदी ने कहा, आज मैं आपके सामने भारत की ओर से व्यापक 'ग्लोबल डेवलमेंट काम्पैक्ट' का प्रस्ताव रखना चाहता हूं। इस समझौते की नींव भारत की विकास यात्रा व विकास साझेदारी के अनुभवों पर आधारित होगी। यह ग्लोबल साउथ के देशों द्वारा स्वयं निर्धारित की गई विकास प्राथमिकताओं से प्रेरित होगा। यह मानव केंद्रित व बहु-आयामी होगा। यह भी स्पष्ट किया कि भारत इस समूह के देशों को विकास परियोजनाओं का चयन करने, उन्हें आर्थिक फैसले लेने में ज्यादा सक्षम बनाने और प्राथमिकता के आधार पर दूसरी एजेंसियों से कर्ज लेने के लिए प्रशिक्षित करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इस प्रस्ताव के तहत हम विकास के लिए कारोबार, सतत विकास के लिए क्षमता का निर्माण करने, एक दूसरे के साथ प्रौद्योगिकी साझा करने, छूट पर वित्त सुविधा हासिल करने और अनुदान उपलब्ध कराने पर ध्यान देंगे। इन देशों के बीच कारोबार को प्रोत्साहन देने के लिए भारत 25 लाख डालर का विशेष फंड स्थापित करेगा। क्षमता विस्तार व कारोबारी नीति व वार्ताओं के लिए प्रशिक्षण देने के लिए भी 10 लाख डालर का फंड उपलब्ध कराएगा। भारत इन देशों को सस्ती व जेनेरिक दवाइयां देगा और प्राकृतिक खेती के लिए भी प्रौद्योगिकी व अनुभव साझा करेगा।

हमारी ताकत हमारी एकता में है : मोदी
पेज>>3

10 करोड़ से अधिक सदस्य बनाएगी भाजपा, अभियान एक से

नई दिल्ली : भाजपा का राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान एक सितंबर से शुरू होगा। भाजपा ने 10 करोड़ से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। चुनावी राज्यों में सदस्यता अभियान बाद में चलेगा। राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को सदस्यता अभियान का राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया है। (पेज-4)

बिहार : तीसरी बार गिरा निर्माणाधीन पुल का भाग

भागलपुर : बिहार में भागलपुर और खगड़िया जिलों को जोड़ने के लिए गंगा पर निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा शनिवार की सुबह नदी में समा गया। पुल का सुपर स्ट्रक्चर एक साल पूर्व ही गिर गया था। वर्तमान में गिरा ढांचा तब क्षतिग्रस्त हुए पुल का हिस्सा था। (पेज-6)

डाक्टरों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल, मरीज बेहाल

कोलकाता में महिला डाक्टर से दुष्कर्म व हत्या के विरोध में हड़ताल का दिखा व्यापक असर

जागरण टीम, नई दिल्ली

- सरकारी के साथ निजी अस्पताल व नर्सिंग होम में भी डाक्टरों ने नहीं किया काम
- ओपीडी रहीं बंद, कई जगह नर्सिंग अधिकारी व फार्मेसिस्ट भी हड़ताल में शामिल
- एम्स के फैकल्टी ने पहली बार की हड़ताल, डाक्टरों ने किया जंतर-मंतर पर प्रदर्शन
- राजस्थान में डाक्टरों व नर्सिंगकर्मियों की छुट्टी अगले आदेश तक रद

कोलकाता के आरजी कर हास्पिटल में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म एवं हत्या के विरोध में हड़ताल के दौरान पैर में संक्रमण से ग्रस्त एक मरीज को वापस गोद में ले जाता वेटा। रायटर

मप्र हाई कोर्ट ने कहा, डाक्टर काम पर लौटें

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने हड़ताल को गैरकानूनी बताते हुए डाक्टरों को काम पर लौटने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा, यदि हड़ताल के कारण किसी की जान चली जाती है तो यह बहुत चिंता की बात होगी। हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की पीठ ने शनिवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, कोलकाता की घटना से पूरा समाज चिंतित है, पर उसका समाधान हड़ताल नहीं है। कोर्ट ने डाक्टरों के वकील से कहा, वह कानून सम्मत राय देकर डाक्टरों को हड़ताल खत्म करने के लिए प्रेरित करें। नरसिंहपुर निवासी अंशुल तिवारी ने याचिका में कहा था कि फरवरी 2023 में जब भोपाल में जूनियर डाक्टरों ने हड़ताल की थी, तब हाई कोर्ट ने मप्र चिकित्सा महासंघ व मेडिकल आफिसर एसोसिएशन को निर्देशित किया था कि डाक्टर कोर्ट की अनुमति के बिना सांकेतिक हड़ताल तक नहीं करेंगे। शुक्रवार को कोर्ट ने हड़ताल को लेकर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य व चिकित्सक एसोसिएशन को नोटिस जारी पूछा था कि बिना अनुमति के डाक्टर हड़ताल पर कैसे गए? अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी।

कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कालेज में महिला डाक्टर से दुष्कर्म व हत्या के विरोध में शनिवार को चिकित्सकों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल से चिकित्सा सेवाएं चरमरा गईं। देशभर के सरकारी अस्पतालों के साथ ही निजी व कारपोरेट अस्पताल और नर्सिंग होम में भी ओपीडी सेवाएं बंद रहीं। नियमित सर्जरी भी बाधित हुई जिससे आपरेशन टालने पड़े। हड़ताल के कारण दूर-दूर से आए मरीजों को वापस लौटना पड़ा। पहली बार हुआ कि दिल्ली एम्स में रेजिडेंट डाक्टरों के साथ-साथ फैकल्टी एसोसिएशन ने भी हड़ताल रखी।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) के आह्वान पर दिल्ली, उप्र, पंजाब, राजस्थान, बंगाल, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, मिजोरम, नगालैंड सहित विभिन्न राज्यों के डाक्टर 24 घंटे की हड़ताल में शामिल हुए। दिल्ली एम्स में ओपीडी सेवा ठप रही। सामान्य दिनों में यहां ओपीडी में 9,000 से 9,500 मरीज देखे जाते हैं। शनिवार को सिर्फ 202 मरीज देखे गए। सफदरजंग, आरएमएल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज, लोकनायक व जीबी पंत में भी ओपीडी में कम मरीज देखे गए। निजी क्षेत्र के अपोलो, गंगाराम, राजीव गांधी कैंसर अस्पताल, मैक्स पटपड़गंज, फोर्टिस जैसे बड़े निजी अस्पतालों में भी ओपीडी व नियमित सर्जरी प्रभावित रहीं। निजी कारपोरेट अस्पतालों में विदेश से भी मरीज पहुंचते हैं, उन सबका इलाज प्रभावित हुआ। सिर्फ गंभीर मरीजों की सर्जरी की गई। शाम को डाक्टरों ने मार्च किया और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया।

उप्र में दिनभर डाक्टरों के प्रदर्शन, सड़क पर धरना व जुलूस के चलते अस्पतालों में मरीज बिना इलाज बेहाल भटकते रहे। लखनऊ में 20 हजार से अधिक मरीज बिना उपचार लौट गए। केजीएमयू, लोहिया संस्थान, एसजीपीजीआइ में 200 से अधिक मरीजों की सर्जरी टल गई। पैथोलाजी व रेडियोलाजी की जांचें नहीं हो सकीं। वाराणसी में बीएचयू स्थित चिकित्सा विज्ञान संस्थान, प्रयागराज में मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज में छठे दिन रेजिडेंट डाक्टर हड़ताल पर रहे। कुछ जगह होम्योपैथी चिकित्सक भी कार्य से विरत रहे। बंगाल में जूनियर डाक्टर आठ दिन से हड़ताल पर हैं। शनिवार को वरिष्ठ चिकित्सक भी इसमें शामिल हो गए। बिहार में पटना के सभी प्रमुख अस्पतालों में ओपीडी सेवा बंद रही। 200 से अधिक आपरेशन टल गए। झारखंड में 17 हजार चिकित्सक व 25 हजार स्वास्थ्यकर्मी एक साथ हड़ताल पर रहे। उत्तराखंड में नर्सिंग अधिकारी, फार्मेसिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, एनएचएम संविदा कर्मी सहित तमाम संगठनों के कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर कार्य किया। हरिद्वार जिला अस्पताल के चिकित्सक डा. विकास दीप ने आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर भूख हड़ताल आरंभ कर दी। हिमाचल प्रदेश में पहली बार हुआ है जब सरकारी के साथ निजी अस्पतालों में भी सेवाएं बंद रहीं। मप्र में मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन ने भी सभी 17 सरकारी मेडिकल कालेजों में दोपहर 12 से एक बजे के बीच काम बंद रखा। राजस्थान में चिकित्सकों के कार्य बहिष्कार को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सकों व नर्सिंगकर्मियों के अवकाश अगले आदेश तक रद कर दिए हैं। हालात पर निगरानी के लिए जयपुर में नियंत्रण कक्ष बनाया गया है।

(संबंधित खबरें, पेज 5 पर)

भू-आवंटन घोटाले में सीएम सिद्दरमैया पर चलेगा मुकदमा

- कर्नाटक के सीएम पर पत्नी को नियमों का उल्लंघन कर भूखंड देने का आरोप
- राज्यपाल ने दी मंजूरी, कहा-निष्पक्ष जांच जरूरी, प्रथम दृष्टया आरोप और सुबूत घोटाले की ओर इशारा करते हैं
- सिद्दरमैया ने कहा, राज्यपाल का फैसला असंवैधानिक, इस्तीफा नहीं देंगे, अदालत की शरण लेंगे

बेंगलुरु में शनिवार को प्रेसवार्ता करते कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया। प्रेट्र

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक की 15 माह पुरानी कांग्रेस सरकार को शनिवार को जोर का झटका लगा। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मैसुरु अर्बन डेवलपमेंट अथारिटी (मुडा) से जुड़े जमीन घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्दरमैया पर मुकदमा चलाने को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री पर पत्नी पार्वती को नियमों का उल्लंघन कर मुडा का भूखंड आवंटित करने का आरोप है। उधर, सिद्दरमैया का कहना है कि राज्यपाल का फैसला असंवैधानिक है और हम इसे कानूनी चुनौती देंगे। साथ ही कहा, वह मुख्यमंत्री पद नहीं छोड़ेंगे। इस बीच, राज्यपाल के फैसले के बाद भाजपा-कांग्रेस में जबरदस्त सियासी जंग छिड़ गई है। भाजपा ने जहां सीएम का इस्तीफा मांगा है। वहीं कांग्रेसियों ने राज्यपाल के कदम के विरोध में राज्य के कई शहरों में प्रदर्शन किया।

इससे पूर्व राज्यपाल गहलोत ने मुडा भू-आवंटन घोटाले में एक्टिविस्ट प्रदीप कुमार, टीजे अब्राहम व स्नेहमयी कृष्णा की ओर से दायर अपील पर सिद्दरमैया के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत मुकदमा चलाने को मंजूरी दे दी। राज्यपाल ने कहा, तटस्थ व निष्पक्ष जांच करना बहुत जरूरी है। प्रथम दृष्टया आरोप और मौजूदा सुबूत घोटाले की ओर इशारा करते हैं। इसी के साथ जांच एजेंसियों के लिए मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोपों की जांच शुरू करने का रास्ता साफ हो गया। मुडा घोटाले में आरोप है कि सिद्दरमैया की पत्नी पार्वती को मैसुरु के एक महंगे इलाके में भू-आवंटन किया गया था। उनकी इस संपत्ति का मूल्य उस जमीन की तुलना में काफी अधिक है जिसे मुडा ने अधिग्रहित किया था। मुडा ने पार्वती को 3.16 एकड़ जमीन के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किया था। विपक्ष व कुछ एक्टिविस्टों का यह भी दावा है कि पार्वती के पास 3.16 एकड़ जमीन पर कोई कानूनी अधिकार ही नहीं था। भाजपा नेताओं ने दावा किया है कि मुडा घोटाला 4,000 करोड़ से 5,000 करोड़ रुपये तक का है।

राज्यपाल के कदम के खिलाफ कांग्रेसियों ने राज्य के कई हिस्सों में किया प्रदर्शन पेज>>5

उप्र में जल निगम के अधिशासी अभियंता की हत्या

जागरण संवाददाता, सुलतानपुर

- मुंह पर टेप चिपकाकर कुर्सी में हाथ-पांव बांधकर मारा गया
- विभाग के सहायक अभियंता समेत दो लोगों के खिलाफ एफआइआर

संतोष कुमार (फाइल फोटो) सौ. स्वजन

उप्र के सुलतानपुर जिले में शनिवार सुबह जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता संतोष कुमार की उनके आवास में हत्या कर दी गई। मुंह पर टेप लगाकर उनके हाथ-पैर कुर्सी से बांध दिए गए थे। मौके पर लाठी-डंडा या कोई हथियार नहीं मिला, जिससे आंशका है कि उन्हें लात-घूसों से पीटा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी मौत का कारण अंदरूनी चोटों के कारण रक्तस्राव होना बताया गया है।

मृतक के भाई संजय कुमार की तहरीर पर बिहार निवासी विभागीय सहायक अभियंता अमित समेत दो लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस की चार टीमें आरोपितों की तलाश में जुटी हैं। बताया जा रहा है कि संतोष कुमार ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्य करने वाली एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट करने और इस संबंध में 250 पेज की चार्जशीट बनाने की बात कही थी। इसीलिए उनकी हत्या की गई।

संतोष मूलतः बलिया के रतसड़कला के निवासी थे। उनका परिवार प्रयागराज में रेलवे कालोनी में रहता है। उनकी पत्नी ममता प्रयागराज में लोक निर्माण विभाग में अवर अभियंता हैं। संतोष सुलतानपुर में विनोबापुरी कालोनी में किराये के मकान में रहते थे, जहां शनिवार सुबह करीब आठ बजे उनकी हत्या की गई। मुंह पर टेप चिपका होने से उनकी चीखें आसपास रहने वालों को सुनाई नहीं दी। घटना की जानकारी तब हुई, जब चालक संदीप विश्वकर्मा कुछ सामान लेकर वापस लौटा और दरवाजा खुलवाया। आरोप है कि उस समय अमित व उसके साथी वहीं थे और उनके हाथ में खून लगा था। उन्होंने खामोश रहने के लिए संदीप को धमकाया। अंदर का नजारा देखने के बाद पड़ोस में रहने वाले पुलिसकर्मी ने अफसरों को घटना की सूचना दी। पुलिस अभियंता को लेकर मेडिकल कालेज पहुंची, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

भाई का आरोप, अमित अज्ञात लोगों के साथ सुबह आवास पर पहुंचा था पेज>>7

कानपुर में साबरमती एक्स. पलटाने का षड्यंत्र, 20 डिब्बे बेपटरी

जागरण संवाददाता, कानपुर

- कानपुर-झांसी रूट पर पनकी में रात 2:35 बजे घटना, आइबी व एटीएस ने की जांच
- अचानक किसी वस्तु से टकराया इंजन, ट्रैक के पास मिला तीन फीट लंबी पटरी का टुकड़ा
- कुछ यात्रियों को आई हल्की चोटें, सवा घंटे पहले गुजरी थी पटना-इंदौर एक्सप्रेस

पनकी औद्योगिक क्षेत्र के पास बेपटरी होने के बाद धंसे पहिए। जागरण

देश में बीते कुछ समय से ट्रेन के पटरी से उतरने की घटनाओं के बीच कानपुर में साबरमती एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 19168) को पलटाने का षड्यंत्र रचने की घटना सामने आई है। ट्रैक पर रेल पटरी का टुकड़ा फंसाया गया जिससे टकराकर वाराणसी से अहमदाबाद जा रही ट्रेन का इंजन और 20 डिब्बे पटरी से उतर गए। शुक्रवार रात 2.35 बजे हुई दुर्घटना में कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए दोपहर बाद खुफिया ब्यूरो (आइबी) और यूपी पुलिस का एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) जांच के लिए मौके पर पहुंचा। रेलवे के अधिकारी कुछ स्पष्ट नहीं कह रहे, लेकिन षड्यंत्र की बात से इन्कार भी नहीं कर रहे। सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड (एसएजी) स्तर की जांच के बाद ही सच्चाई सामने आने की उम्मीद है। प्रयागराज मंडल के जीएम उमेश चंद्र जोशी ने बताया कि जांच के बाद ही हादसे का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

> इंजन में कोई वस्तु टकराने से ट्रेन बेपटरी हुई। टकराने के निशान मिले हैं। सुबूतों को सुरक्षित कर लिया गया है। आइबी और उप्र पुलिस इस पर काम कर रही हैं। यात्रियों व ट्रेन स्टाफ को कोई नुकसान नहीं हुआ है। -अश्विनी वैष्णव, रेल मंत्री (एक्स पर पोस्ट)

पटरी का टुकड़ा इंजन के कैटल गार्ड में फंसा : जानकारी के अनुसार ट्रैक पर पड़ा पटरी का टुकड़ा साबरमती एक्सप्रेस के इंजन के कैटल गार्ड में फंस गया। इससे ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गया और इंजन व डिब्बे पटरी से उतर गए। दुर्घटना कानपुर सेंट्रल स्टेशन से करीब 10 किलोमीटर आगे झांसी रूट पर पनकी में हुई। घटनास्थल के पास अप और डाउन ट्रैक के बीच करीब तीन फीट लंबा पटरी का टुकड़ा मिला है। हादसे से एक घंटा 20 मिनट पहले पटना-इंदौर एक्सप्रेस इसी रूट से गुजरी थी। आशंका है कि इसके बाद ही पटरी का टुकड़ा ट्रैक में फंसाया गया। घटना के समय साबरमती एक्सप्रेस की रफ्तार 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे के बीच थी।

ऊपरी बर्थ से गिरे यात्री, ट्रैक के पत्थर कोच में पहुंचे पेज>>10

कानूनी जीत

अमेरिकी न्यायालय में तीन जजों के पैनल ने अस्वीकार की पाकिस्तानी कारोबारी की याचिका, राणा पर मुंबई आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ता हेडली की मदद का है आरोप

तहव्वुर राणा को भारत लाने का रास्ता हुआ सुगम

वाशिंगटन, प्रेट्र : पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा को अमेरिका के न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। भारत प्रत्यर्पित किए जाने से रोक की उसकी याचिका पर अमेरिकी न्यायालय ने कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच हुए प्रत्यर्पण समझौते के तहत राणा को भारत को सौंपा जा सकता है। इसी के साथ 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमले में शामिल राणा को भारत लाए जाने का रास्ता सुगम हो गया है।

इससे पहले कैलिफोर्निया की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने 63 वर्षीय राणा को भारत प्रत्यर्पित करने का आदेश दिया था जिसे उसने अपीलीय न्यायालय में न्यायाधीशों के पैनल के समक्ष चुनौती दी थी। राणा इस समय लास एंजिलिस की जेल में बंद है। उस पर मुंबई हमले में शामिल लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी डेविड कोलमन हेडली की मदद करने का आरोप है। हेडली को मुंबई में हुए हमले का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है।

तहव्वुर राणा का फाइल फोटो। एएनआइ

दस पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा किए गए उस हमले में देश-विदेश के कुल 166 लोग मारे गए थे। मारे गए विदेशियों में छह अमेरिकी नागरिक भी थे।

नाइंथ सर्किट के अपीलीय न्यायालय में तीन न्यायाधीशों के पैनल ने कहा, राणा पर जिस तरह के अपराध में शामिल होने का आरोप है उसमें जांच को आगे बढ़ाने के लिए समझौते के अनुसार प्रत्यर्पण की संभावना बनती है। पैनल में शामिल तीनों न्यायाधीशों ने मामले को निपटाते हुए कहा, आरोपित सह साजिशकर्ता की याचिका की सुनवाई में मूल आदेश से इतर कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है। राणा पर भारत ने जो आरोप लगाए हैं उनका अमेरिका में तहव्वुर राणा पर लगाए गए आरोपों से साम्य नहीं है। अमेरिका में लगे आरोपों से राणा बरी हो चुका है, लेकिन भारत की प्रत्यर्पण की याचिका के चलते उसे अभी जेल से रिहा नहीं किया गया है। वह पिछले सात वर्षों से कैद में है।

न्यायाधीश- मिलान डी स्मिथ, ब्रिगेट एस बाडे और सिडनी ए फिट्जबाटर के पैनल ने माना कि मुंबई हमले के मुख्य साजिशकर्ता हेडली की राणा द्वारा मदद करने के भारत के पास पुख्ता सुबूत हैं। उन सुबूतों की अनदेखी नहीं की जा सकती है, इसलिए तहव्वुर राणा की उसे भारत प्रत्यर्पित किए जाने के आदेश को खारिज करने की याचिका को स्वीकार करने की कोई वजह नहीं है।

****

मध्य प्रदेश के मदरसों में हिंदू बच्चे पढ़ते मिले तो होगी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल

- प्रदेश सरकार ने जारी किया आदेश, निरीक्षण के निर्देश

मध्य प्रदेश में गैर मुस्लिम बच्चों के मदरसों में पढ़ने पर रोक के लिए राज्य सरकार ने सख्त आदेश जारी किया है। मदरसों को इस बात के लिए चेताया गया है कि अगर उनके यहां हिंदू बच्चे पढ़ते पाए गए तो न सिर्फ आर्थिक सहायता बंद होगी, बल्कि मान्यता भी रद की जाएगी। इसके लिए प्रदेश सरकार ने संविधान के अनुच्छेद-28 (3) का हवाला दिया है। इस अनुच्छेद के अनुसार अभिभावकों की सहमति के बिना गैर-मुस्लिम बच्चों को धार्मिक शिक्षा प्रदान नहीं की जा सकती।

आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता की ओर से जारी आदेश में स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सभी मदरसों में निरीक्षण कर यह देखने के निर्देश भी दिए गए हैं कि उनमें गैर मुस्लिम बच्चे तो नहीं पढ़ रहे हैं।आदेश में कहा गया है कि जिन मदरसों में गैर मुस्लिम बच्चे पढ़ते पाए जाएं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। बता दें कि पूर्व में शासन स्तर से कराई गई जांच में मध्य प्रदेश में 56 मदरसों में हिंदुओं के नाम भी दर्ज पाए गए थे। माना जा रहा है कि इसके बाद ही सरकार ने यह कदम उठाया है।

> आयोग मप्र सरकार को लिख रहा है कि कोई हिंदू बच्चा मदरसे का छात्र हो तो संविधान के अनुच्छेद 28 (3) के तहत उसके अभिभावकों का सहमति पत्र हमें भेजा जाए। - प्रियंक कानूनगो, अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग।

सहपाठी पर हमले के आरोपित छात्र के घर पर चला बुलडोजर

जयपुर : उदयपुर में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले मुस्लिम छात्र द्वारा हिंदू सहपाठी पर चाकू से हमले के आरोपित के अवैध घर पर प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया। यह घर वन विभाग की जमीन पर बना था। सुबह प्रशासन ने आरोपित के स्वजन को घर के दस्तावेज पेश करने को कहा। जांच में सरकारी जमीन पर घर बने होने की बात सामने आई तो उसे गिरा दिया। (पेज-6)

रेडियो एक्टिव पदार्थ रिसने की बात पर एयरपोर्ट पर सनसनी

लखनऊ : लखनऊ एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह 10 बजे सनसनी फैल गई कि रेडियो एक्टिव पदार्थ लीक होने से तीन लोग बेहोश हो गए हैं। तीन घंटे तक मची अफरातफरी पर तब विराम लगा जब एयरपोर्ट प्रशासन ने कहा-यह गलती से बजा अलार्म था, किसी रेडियो एक्टिव पदार्थ का रिसाव नहीं हुआ। (पेज-7)

आज का मौसम

आकाश में बादल छाए रहेंगे। कई इलाकों में बहुत हल्की वर्षा हो सकती है। न्यूनतम तापमान 27 डिग्री पहुंचने के आसार हैं।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
18 अगस्त	36.0	27.0
19 अगस्त	36.0	26.0
नोएडा		
18 अगस्त	34.0	28.0
19 अगस्त	32.0	27.0
गुरुग्राम		
18 अगस्त	32.0	27.0
19 अगस्त	32.0	27.0

डिग्री सेल्सियस में

चिकित्सा सेवाएं बेहाल, अस्पतालों की ओपीडी व नियमित सर्जरी प्रभावित

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में जूनियर महिला रेजिडेंट डाक्टर की हत्या के विरोध में सरकारी अस्पतालों में रेजिडेंट डाक्टरों की हड़ताल के बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) के आह्वान पर शनिवार को दिल्ली के ज्यादातर निजी अस्पतालों में भी डाक्टरों ने एक दिन के लिए हड़ताल की। इस कारण निजी अस्पतालों में ओपीडी सेवा व नियमित सर्जरी प्रभावित रही। इससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, सरकारी अस्पतालों में लगातार छठे दिन रेजिडेंट डाक्टरों ने हड़ताल की। इससे ओपीडी सेवा और नियमित सर्जरी बाधित रही।

एम्स में रेजिडेंट डाक्टरों के साथ-साथ फैकल्टी एसोसिएशन ने भी हड़ताल रखी। इस कारण ओपीडी में फैकल्टी ड्यूटी पर नहीं पहुंचे। इससे एम्स में ओपीडी सेवा ठप रही। एम्स के सात सेंटरों की ओपीडी में एक भी मरीज नहीं देखे गए, जिसमें मातृ एवं शिशु ब्लाक, बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी ब्लाक, कार्डियक सेंटर, न्यूरो सेंटर, ट्रामा सेंटर, आइआरसीएच कैंसर सेंटर व राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआइ) शामिल है। इससे हृदय रोग, न्यूरो व कैंसर के मरीजों का इलाज नहीं हो पाया। ओपीडी के दरवाजे बंद कर दिए गए थे। इस वजह से दूरदराज से आए मरीजों को भी इलाज के बगैर लौटना पड़ा। एम्स के एक वरिष्ठ डाक्टर ने कहा कि संस्थान के फैकल्टी एसोसिएशन ने कुछ मुद्दों को लेकर कई बार अपना विरोध जताया है, लेकिन पहली बार फैकल्टी हड़ताल पर रहे। सिर्फ इमरजेंसी सेवाएं संचालित की गईं। हड़ताल के कारण नियमित मरीज अस्पताल में भर्ती नहीं लिए जा रहे हैं। सिर्फ गंभीर मरीज ही भर्ती लिए जा रहे हैं। इस वजह से एम्स में सिर्फ 240 मरीज भर्ती लिए गए, जो 90 प्रतिशत कम है। सर्जरी भी 90 प्रतिशत कम रही। सिर्फ 66 मरीजों की सर्जरी हुई। सफदरजंग, आरएमएल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज (एलएचएमसी) के अस्पतालों, लोकनायक व जीबी पंत अस्पताल में भी ओपीडी में बहुत कम मरीज देखे गए। आरएमएल, इंदिरा गांधी अस्पताल, राव तुला राम स्मारक अस्पताल सहित कई अन्य अस्पतालों में रेजिडेंट डाक्टरों ने प्रदर्शन भी किया।

दूसरी ओर, निजी क्षेत्र के अपोलो, गंगाराम, पीएसआरआइ, मणिपाल, राजीव गांधी कैंसर अस्पताल, धर्मशिला नारायणा अस्पताल, सरोज सुपर स्पेशियलिटी, मैक्स पटपड़गंज, फोर्टिस जैसे बड़े निजी अस्पतालों में भी ओपीडी व नियमित सर्जरी प्रभावित रहीं। गंगाराम अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन 2500 से 2800 और अपोलो की ओपीडी में करीब दो हजार मरीज पहुंचते हैं। हड़ताल के मद्देनजर मरीजों का अप्वाइंटमेंट रद कर दिया गया था।

कोलकाता में डाक्टर युवती से दुष्कर्म करके हत्या मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन लेडी हार्डिंग अस्पताल के समीप मार्च में शामिल चिकित्सक। जागरण

निजी अस्पतालों में भी रही हड़ताल, ओपीडी सेवा बंद होने से मरीजों को परेशानी का करना पड़ा सामना

लोकनायक अस्पताल में इलाज के लिए मरीज पति को लेकर भटकती महिला। चंद्र प्रकाश मिश्र

जरूरत पड़ने पर इमरजेंसी सेवा भी की जा सकती हैं ठप

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) के सचिव डा. प्रकाश लालचंदानी ने हड़ताल को सफल बताते हुए कहा कि छोटे नर्सिंग होम व 50 से ज्यादा निजी अस्पतालों ने हड़ताल रखने की सूचना दी। निजी अस्पतालों में 24 घंटे की हड़ताल रविवार सुबह छह बजे खत्म हो जाएगी। साथ ही डीएमए व आइएमए के साथ बैठकर आगे की रणनीति तय की जाएगी। जरूरत पड़ने पर इमरजेंसी सेवा भी ठप की जाएगी, लेकिन अभी ऐसा फैसला नहीं किया गया है।

डाक्टरों ने जंतर-मंतर के पास किया प्रदर्शन

फेडरेशन आफ आल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआइएमए) के नेतृत्व में शाम को डाक्टरों ने लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज से जंतर-मंतर तक पैदल मार्च कर प्रदर्शन किया। इसमें दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारी भी शामिल हुए। शुरूआत में पुलिस ने रेजिडेंट डाक्टरों को लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज का गेट बंद कर रोकने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने। डा. रोहन कृष्णन ने कहा कि एसोसिएशन के कार्यकारी समिति व अन्य से बात कर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

न्यूज गैलरी

बेसमेंट के सहमालिकों की जमानत पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली: कोचिंग सेंटर हादसा मामले में गिरफ्तार बेसमेंट के चार सह-मालिकों की जमानत याचिका पर अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया। राउज एवेन्यू कोर्ट की प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद आरोपित रविंदर सिंह, तजिंदर सिंह, हरविंदर सिंह और सरबजीत सिंह के आवेदन पर 23 अगस्त के लिए फैसला सुरक्षित रख लिया। आरोपितों की ओर से पेश अधिवक्ता ने मुवक्किलों के बचाव में दलील दी कि छात्रों की मौत एक दैवीय घटना थी। निगम ने अगर कर्तव्यों का पालन किया होता तो इसे टाला जा सकता था। (जासं)

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा

नई दिल्ली: दिल्ली विद्युत बोर्ड के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अब कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होगी। दिल्ली की ऊर्जा मंत्री आतिशी ने इसकी घोषणा की। मंगलवार तक इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा, वर्ष 2002 में दिल्ली विद्युत बोर्ड को भंग कर इसकी छह इकाई बनाई गई थीं। इसके सेवानिवृत्त कर्मचारियों को कैशलेस उपचार की सुविधा नहीं मिलने के कारण स्वास्थ्य बिल के भुगतान के लिए एक से दूसरे कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे उन्हें परेशानी होती थी। (राब्यू)

तीन आइपीएस अधिकारियों की दिल्ली पुलिस में वापसी

नई दिल्ली: केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर रहे यूटी काडर के तीन आइपीएस की दिल्ली पुलिस में वापसी हो गई है। इसमें दो आइपीएस सुरेंद्र कुमार व पुष्पेंद्र कुमार दोनों लंबे समय से दिल्ली पुलिस से बाहर थे। सुरेंद्र कुमार आइबी व अन्य जगहों पर तैनात रहे। पुष्पेंद्र कुमार रक्षा मंत्रालय में थे। श्रृष्टि पांडे की भी दिल्ली पुलिस में वापसी हुई है। (जासं)

'पार्किंग व जाम की समस्या दूर करने के लिए जल्द बनाएं नीति'

पुलिस, परिवहन, एनडीएमसी व एमसीडी साथ करें काम : एलजी

एलजी ने एक एप बनाने को कहा, जिस पर एनडीएमसी इलाके में माली अवैध रूप से पार्क वाहनों की तस्वीरें कर सकेंगे अपलोड

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

वीके सक्सेना। फाइल

शहर की सबसे बड़ी समस्या पार्किंग व जाम से लोगों को निजात दिलाने के लिए एलजी वीके सक्सेना ने कई कदम उठाने का निर्णय लिया है। इस मसले पर दिल्ली पुलिस, परिवहन विभाग, एनडीएमसी व एमसीडी अधिकारियों के साथ पहले दो बैठक कर चुके एलजी ने शुक्रवार को तीसरी बार राजनिवास में जाम व पार्किंग की समस्या दूर करने के लिए निर्णायक समीक्षा बैठक की।

बैठक में इन विभागों के शीर्ष अधिकारियों से कहा कि वे मिलजुल कर जल्द कोई ठोस नीति बनाएं, ताकि राजधानीवासियों की सबसे जटिल समस्याओं का कोई समाधान निकल सके। जाम व पार्किंग ऐसी जटिल समस्या है, जिसे कोई एक विभाग चाहकर भी दूर नहीं कर सकता है। शहर में यातायात के अलावा पार्किंग की समस्या बड़ी चिंता का विषय है, जिस पर सभी एजेंसियों को ध्यान देने की जरूरत है।

बैठक में एलजी ने यातायात पुलिस, परिवहन विभाग, एमसीडी और एनडीएमसी को मिलकर एक एप विकसित करने को कहा, जिसमें अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों की तस्वीरें फोन से अपलोड की जा सकेंगी, ताकि वाहन मालिकों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई की जा सके। एलजी ने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में एनडीएमसी क्षेत्र में तैनात मालियों को अपने-अपने क्षेत्र में गलत तरीके से खड़े वाहनों की तस्वीरें लेकर उन्हें एप पर अपलोड करने के लिए अधिकृत करने की बात कही। इस कार्य के लिए मालियों को प्रोत्साहित करने के तरीके तलाशने को कहा गया। एलजी ने पार्किंग क्षेत्रों और स्थानों के प्रबंधन में यातायात पुलिस को शामिल करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह सामने आया है, मल्टीलेवल पार्किंग का उपयोग उनकी पूरी क्षमता से नहीं हो रहा है, जिससे गलियों और सड़कों पर पार्किंग की समस्या है। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस को इस पर ध्यान देने और अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है, ताकि यह सुनिश्चित हो कि सभी गाड़ियां इसके लिए तय मल्टीलेवल पार्किंग स्थलों का ही इस्तेमाल करें।

कमला नगर और यूसुफ सराय मार्केट में मल्टीलेवल पार्किंग को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लेने को कहा गया। उन्होंने कहा कि सड़कों पर बनीं पार्किंग साइट पर वाहन चालकों को ठीक तरीके वाहन पार्क करने को कहा जाए, ताकि किसी को गाड़ी खड़ी करने और बाहर निकालने में परेशानी न आएं। मल्टीलेवल पार्किंग में डिस्काउंट के जरिये पार्किंग को प्रोत्साहित किया जाए। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की पार्किंग फीस में समुचित छूट दी जाए। इससे इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को एक विकल्प के रूप में प्रोत्साहित किया जा सकेगा। साथ ही इससे वाहनों के उत्सर्जन से होने वाले प्रदूषण को दूर करने में भी काफी मदद मिलेगी। एलजी ने ट्रैफिक पुलिस को यह भी निर्देश दिया कि वह यह सुनिश्चित करे कि सड़कों पर सभी भारी वाहन, बाईं लेन का ही उपयोग करें।

50 दिन बाद एयरपोर्ट टर्मिनल एक से शुरू हुई उड़ान सेवा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) एयरपोर्ट के टर्मिनल-एक से 50 दिन के बाद उड़ानों का संचालन शनिवार सुबह से फिर से शुरू हो गया। पहले चरण में स्पाइसजेट एयरलाइंस की उड़ानों का संचालन शनिवार से शुरू किया गया है। दो सितंबर से इंडिगो का संचालन भी शुरू होगा। 28 जून को तेज वर्षा के बाद आइजीआइ एयरपोर्ट के टर्मिनल-एक के फोरकोर्ट का हिस्सा गिर गया था। इसके नीचे दबने से कैब चालक की मौत हो गई थी। तब से ही यह टर्मिनल बंद था।

शनिवार को टर्मिनल-एक से 15 उड़ानों का संचालन किया गया। इनमें से आठ उड़ानों को एयरपोर्ट से अलग-अलग राज्यों के लिए जाना था और सात उड़ानों का आइजीआइ एयरपोर्ट पर आगमन होना था। जब से टर्मिनल एक बंद हुआ था, तब से यहां की सभी उड़ानों को टर्मिनल दो व तीन से संचालित किया जा रहा था। इस वजह से यहां पर भीड़ काफी बढ़ गई थी। इसे कम करने के लिए इसे दोबारा से खोल दिया गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि इंडिगो एयरलाइंस की 34 उड़ानों का संचालन दो सितंबर से शुरू किया जाएगा।

शनिवार को टर्मिनल एक से धर्मशाला के लिए पहला विमान सुबह 11.40 बजे एयरपोर्ट से अपने निर्धारित समय पर रवाना हुआ, वहीं पहले दिन चार उड़ानों का प्रस्थान देरी से हुआ और चार उड़ानें देरी से एयरपोर्ट पहुंचीं। शनिवार को स्पाइसजेट की उड़ान से सफर करने वाले यात्रियों ने टर्मिनल-एक के भूतल के गेट नंबर ए से एयरपोर्ट के अंदर प्रवेश किया व बाहर भी भूतल से ही गए। संभावना जताई जा रही है कि दो सितंबर से पहली मंजिल के गेट नंबर पांच व छह से यात्रियों को प्रवेश करने दिया जाएगा।

28 जून को तेज वर्षा के बाद आइजीआइ के टर्मिनल-एक की छत का हिस्सा गिर गया था और कैब चालक की हो गई थी मौत

आइजीआइ एयरपोर्ट के टर्मिनल एक से 50 दिन के बाद शुरू हुआ उड़ानों का संचालन। जागरण

'टर्मिनल तीन पर सुरक्षा जांच सबसे बड़ी बाधा'

जासं, नई दिल्ली: लोकल सर्किल्स की ओर से किए गए सर्वे की मानें तो इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) एयरपोर्ट के टर्मिनल-तीन पर सुरक्षा जांच के दौरान यात्रियों को परेशानी होती है। टर्मिनल-एक के बंद होने के बाद व 15 अगस्त को लोगों को इस वजह से दो से तीन घंटे की देरी हुई। लोकल सर्किल्स ने एयरपोर्ट के टर्मिनल-तीन पर समस्याओं का पता लगाने और यात्रियों की ओर से तीन टर्मिनलों को किस तरह से देखा जाता है।

डीयू ने वित्तपोषित 12 कालेजों में अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की अनुमति दी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली सरकार द्वारा वित्तपोषित 12 डीयू कालेजों को राहत देते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की अनुमति दे दी है, जो विश्वविद्यालय के अन्य कालेजों में प्रतिबंधित है। कालेजों में शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति में अत्यधिक देरी को देखते हुए डीयू प्रशासन ने कहा कि छात्रों के व्यापक हित में उसका पिछला निर्देश इन कालेजों पर लागू नहीं होगा।

डीयू के उप रजिस्ट्रार (कालेज) ने कहा कि किसी न किसी बहाने से दिल्ली सरकार के 12 वित्तपोषित कालेजों में शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति में देरी हुई है। इसलिए विश्वविद्यालय द्वारा केवल अवकाश रिक्ति यानी मातृत्व अवकाश, बाल देखभाल अवकाश, अध्ययन अवकाश, विश्राम अवकाश, चिकित्सा अवकाश और असाधारण अवकाश के विरुद्ध अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति करने के लिए भेजे गए निर्देश अगले निर्देश तक इन कालेजों पर लागू नहीं होंगे। इससे पहले आठ अगस्त को दिल्ली विश्वविद्यालय ने निर्देश जारी कर कालेजों व विभागों के प्रमुखों को निर्देश दिया था कि वे अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति तभी करें जब किसी स्टाफ के अवकाश पर होने के कारण कोई पद रिक्त हो।

पैतृक संपत्ति के लिए बेटी ने मंगेतर के साथ मिलकर की मां की हत्या

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- नजफगढ़ इलाके में अकेली रहती थी महिला
- पुलिस ने आरोपित बेटी सहित तीन को किया गिरफ्तार

नजफगढ़ इलाके में पैतृक संपत्ति के लिए बेटी ने मंगेतर के साथ मिलकर मां की धारदार हथियार से वारकर हत्या कर दी। बाद में पुलिस को काल कर गेट का दरवाजा न खुलने की जानकारी देकर गुमराह करने की कोशिश भी की। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने बेटी, उसके मंगेतर और मंगेतर के दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक महिला की पहचान नजफगढ़ की सुमित्रा के रूप में हुई है। आरोपितों की पहचान सुमित्रा की बेटी मोनिका, उसका मंगेतर नरेला का नवीन कुमार और हरियाणा के सोनीपत के अनिल कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को नजफगढ़ थाना पुलिस को काल कर महिला ने बताया था कि उसकी मां गेट नहीं खोल रही हैं। उन्हें गेट तोड़ने के लिए पुलिस की मदद चाहिए। पुलिसकर्मी जब नजफगढ़ के मुख्य बाजार स्थित इमारत की चौथी मंजिल पर पहुंचे, तो देखा कि फ्लैट का गेट टूटा हुआ था और फ्लैट के अंदर सुमित्रा बेडरूम के फर्श पर बेहोशी की हालत में पड़ी थीं। उसके माथे, आंख और हाथों समेत पूरे शरीर पर चोट के निशान थे। उनके मुंह से भी खून निकला था। मौके पर मोनिका ने बताया कि उनकी मां सुमित्रा इस फ्लैट में अकेली रहती हैं। गुरुवार को जब वे मां से मिलने आई थीं, तब वे ठीक थीं। शुक्रवार को जब वे आईं, तो उनकी मां ने दरवाजा नहीं खोला। इसलिए उन्होंने पुलिस को काल की। पुलिस ने इमारत में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तो शुक्रवार रात दो बजकर 18 मिनट पर दो लड़के महिला के साथ फ्लैट में आते दिखे। गहनता से जांच की गई, तो पता लगा कि फ्लैट में देर रात आने वाली महिला मोनिका है।

राजधानी में फिर सीलिंग और तोड़फोड का दौर लौटने की आहट, जारी किए कई आदेश

निहाल सिंह ● जागरण

- राव आइएएस स्टडी सर्किल की घटना के बाद एक्शन में मानीटरिंग कमेटी
- छतरपुर से लेकर वसंतकुंज का निरीक्षण कर कार्रवाई के दिए आदेश

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी में एक बार फिर से सीलिंग और तोड़फोड़ का दौर लौटने की आहट है। ओल्ड राजेंद्र नगर के कोचिंग सेंटर बेसमेंट की घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित मानीटरिंग कमेटी ने किए हैं। कमेटी ने वर्ष 2018 की तरह ही उन इलाकों का निरीक्षण शुरू कर दिया है, जहां मास्टर प्लान 2021 का उल्लंघन हो रहा है। इसके तहत ही कमेटी ने छह अगस्त को दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर, चंद्रहोला, फतेहपुर बेरी, राजपुर खुर्द, असोला, लाडो सराय, भाटी माइंस समेत कई इलाकों में निरीक्षण कर अवैध निर्माण, अतिक्रमण और संपत्ति के दुरुपयोग को लेकर डीडीए, एमसीडी और राजस्व विभाग को कार्रवाई के आदेश जारी किए। साथ ही सभी विभागों से कार्रवाई की एक्शन टेकेन रिपोर्ट (एटीआर) भी मांगी है।

दैनिक जागरण को मिले दस्तावेज के अनुसार कमेटी ने संत श्रीनागपाल मार्ग (100 फुट रोड) का निरीक्षण किया। कमेटी ने पाया कि यह गैरअधिसूचित रोड है। बावजूद इस मार्ग पर बहुतायत में व्यावसायिक गतिविधियां हो रही हैं। विभिन्न फ्लोर और बेसमेंट में यह गतिविधियां की जा रही हैं, जो कि मास्टर प्लान 2021 के साथ एकीकृत भवन निर्माण उप नियम 2016 का उल्लंघन है। इसलिए इन पर कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही कमेटी ने कुतुबमीनार मेट्रो स्टेशन के पास एक संपत्ति में पत्थरों और नर्सरी की दुकानें चल रही है। कमेटी ने जब अधिकारियों से पूछा तो यह डीडीए की भूमि पाई गई। इस पर कमेटी ने डीडीए को कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

इसी तरह कमेटी ने छतरपुर मेन रोड से लेकर चंद्रहोला, फतेहपुर बेरी, राजपुर खुर्द, असोला और अन्य इलाकों में मार्बल बिक्री से लेकर फार्म हाउस, शादी के आयोजन के स्थल, होटल, गेस्ट हाउस और रिसार्ट चल रहे हैं। कमेटी ने अधिकारियों को ध्यान दिलाया कि इस इलाके में कई गतिविधियां संचालन की अनुमति नहीं है, बावजूद इसके यह गतिविधियां चल रही है। इस पर कमेटी ने डीडीए, दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग से लेकर एमसीडी उन संपत्तियों की पहचान के निर्देश दिए हैं जहां नियमों के खिलाफ गतिविधियां की जा रही हैं।

फार्म हाउसों की भी लिस्ट मांगी: मानीटरिंग कमेटी ने दक्षिणी जोन के एमसीडी उपायुक्त को निर्देश दिए कि वह सभी फार्म हाउसों की लिस्ट दें और फार्म हाउसों के संचालन की जो नीति है उसे भी उपलब्ध कराएं। महरौली और साकेत के एसडीएम को कमेटी ने इलाके में अतिक्रमण से लेकर अवैध निर्माण, कृषि योग्य भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण की पहचान करने और उस पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

गुरुग्राम के एंबियंस माल को बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराया

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम

डीएलएफ फेज तीन थाना क्षेत्र में स्थित एंबियंस माल को बम से उड़ने की धमकी दी गई। शनिवार सुबह साढ़े दस बजे इसको लेकर माल प्रबंधन के पास धमकी भरा ई-मेल भेजा गया। जानकारी मिलने पर थाना पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डाग स्क्वायड की टीमों ने माल को खाली कराकर जांच अभियान चलाया। कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर पुलिस ने राहत की सांस ली। इसके कारण करीब चार घंटे अफरा-तफरी का माहौल रहा।

डीएलएफ फेज तीन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर बलराज यादव का कहना है कि करीब 11 बजे पुलिस कंट्रोल रूम में माल कर्मचारी की तरफ से बम रखे होने की धमकी से संबंधित शिकायत मिली थी। फिर उच्चाधिकारियों को सूचना दी गई और बम निरोधक दस्ता, डाग स्क्वायड के साथ पुलिस टीम मौके पर पहुंची। एसओपी के तहत माल में मौजूद लोगों को बाहर निकाला गया। पार्किंग समेत सभी जगहों पर गहन तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान ऐसी कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। ऐसा लगता है कि सिर्फ भय फैलाने के उद्देश्य से यह धमकी भरा ई-मेल भेजा गया।

सिरहोल वार्डर स्थित एंबियंस माल को बम से उड़ने की धमकी भरी मेल आई। जागरण

जांच में पता चला है कि किसी ने बल्क में देशभर के कई माल्स में बम रखे होने की धमकी भरा ईमेल भेजा था। पुलिस टीमों को कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। गुरुग्राम पुलिस अपील करती है कि सुरक्षा को लेकर चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। यह ई-मेल केवल भयभीत करने के लिए की थी। - मयंक गुप्ता, डीसीपी ईस्ट

अधिसूचना जारी

राखी गढ़ी के छह और सात नंबर टीले को माना जा रहा अधिक महत्वपूर्ण, इस साल भी यहां जारी रहेगी खोदाई, एएसआइ ने अनुमति दी

राखी गढ़ी के दो टीलों को भारत सरकार करेगी संरक्षित

वी के शुक्ला ● जागरण

नई दिल्ली: हड़प्पनकालीन प्रमुख खोदाई स्थल राखी गढ़ी के टीलों में से छह और सात नंबर के दो टीलों को भारत सरकार संरक्षित करेगी। राखी गढ़ी के ये टीले पुरातात्विक दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। सरकार ने इन्हें राष्ट्रीय महत्व का टीला माना है। इन टीलों पर अतिक्रमण होने के खतरे के चलते भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) के प्रस्ताव पर भारत सरकार ने फैसला लिया है। इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। वहीं, इस साल भी यहां खोदाई जारी रहेगी, एएसआइ ने इसकी अनुमति भी दे दी है।

राखीगढ़ी हरियाणा के हिसार जिले में सरस्वती और दृषद्वती नदियों के शुष्क क्षेत्र में स्थित एक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थान है। राखीगढ़ी सिंधु घाटी सभ्यता का भारतीय क्षेत्रों में धोलावीरा के बाद दूसरा विशालतम ऐतिहासिक नगर है। इसकी प्रमुख नदी घग्घर है। राखीगढ़ी का उत्खनन व्यापक पैमाने पर 1997-1999 के दौरान एएसआइ के पूर्व अधिकारी अमरेंद्र नाथ द्वारा किया गया। राखीगढ़ी से मातृदेवी अंकित एक लघु मुद्रा प्राप्त हुई।

राखीगढ़ी से महत्त्वपूर्ण स्मारक एवं पुरावशेष प्राप्त हुए हैं, जिनमें दुर्ग-प्राचीर, अन्नागार, स्तम्भयुक्त वीथिका या मंडल, जिसके पार्श्व में कोठरियां भी बनी हैं, ऊंचे चबूतरे पर बनाई गई अग्नि वेदिकाएं आदि मुख्य हैं। वर्ष 2014 में राखी गढ़ी सबसे बड़ा स्थान घोषित हुआ।

दुनिया के सबसे बड़े एवं पुराने सिंधु घाटी सभ्यता के स्थलों में एक राखी गढ़ी तेज आर्थिक विकास के उफान के कारण विलुप्ति के कगार पर पहुंच गया है।

हरियाणा स्थित राखी गढ़ी की खोज वर्ष 1963 में की थी। विश्व विरासत कोष की मई 2012 रिपोर्ट में 'खतरे में एशिया के विरासत स्थल' में 10 स्थानों को चिह्नित किया है। रिपोर्ट में इन 10 स्थानों को अपूरणीय क्षति एवं समाप्त होने के कगार पर बताया गया था। इनमें राखीगढ़ी भी है। भारतीय पुरातत्व विभाग ने राखीगढ़ी में खुदाई कर एक पुराने शहर का पता लगाया था और तकरीबन पांच साल पुरानी कई वस्तुएं बरामद की थीं। राखीगढ़ी में लोगों के आने जाने के लिए बने हुए मार्ग, जल निकासी की प्रणाली, वर्षा का पानी एकत्र करने का विशाल स्थान, कांसा सहित कई धातुओं की वस्तुएं मिली थीं।

नारनौंद के राखीगढ़ी गांव में कई साल पहले खोदाई के दौरान मिले कंकाल। जागरण अर्काइव

कंकाल के सिर के पीछे हड़प्पाकालीन काफी बर्तन मिले

भारत का यह वह खोदाई स्थल है, जिससे यह बात साबित हो चुका है कि भारत में आर्य विदेश से नहीं आए थे बल्कि यहीं के मूल निवासी थे। राखी गढ़ी में टीले नंबर सात की खोदाई से छह वर्ष पहले मिले कंकालों की डीएनए रिपोर्ट से इस रहस्य का पर्दा उठा था। खोदाई के दौरान मिले कंकाल के सिर के पीछे हड़प्पाकालीन काफी बर्तन मिले हैं, जिनमें मटकी, कटोरा, ढक्कन, बड़ा मटका, प्लेट, जार, स्टैंड के ऊपर रखने के बर्तन शामिल हैं। पुरातत्वविदों का दावा है कि उस समय अंतिम यात्रा के दौरान बर्तनों में अनाज या खाने की चीजें रखी जाती थीं, ताकि मृत्यु के बाद अंतिम यात्रा ठीक से पूरी हो सके। जैसे कि आज की परंपरा के अनुसार हम पितरों के लिए भोजन परोसने की परंपरा निभाते हैं।

रोड रेज में दो युवकों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला, एक की मौत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- घायल दूसरे युवक की हालत बनी हुई गंभीर, जीप से स्कूटी टच हो जाने पर प्रसाद नगर में हुआ झगड़ा

मध्य जिला के प्रसाद नगर इलाके में जीप से स्कूटी टच हो जाने पर जीप व स्कूटी सवार युवकों के बीच झगड़ा हो गया। झगड़े में एक पक्ष के युवकों ने दूसरे पक्ष के दो युवकों पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल दोनों युवक को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती करा दिया, जहां धर्मेंद्र उर्फ मोनू को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मोनू के दोस्त विमल प्रकाश अस्पताल में उपचाराधीन हैं।

पुलिस ने विमल के बयान के आधार पर मुकदमा दर्ज कर चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। इनकी पहचान जुगनू, अमित, विक्की और कर्ण के रूप में हुई है। पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर वारदात में शामिल अन्य आरोपितों के बारे में पता लगाने का प्रयास कर रही है ताकि उन्हें भी गिरफ्तार किया जा सके।

डीसीपी मध्य जिला एम हर्ष बर्धन के मुताबिक धर्मेंद्र बापा नगर में पिता सतीश कुमार व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहता था। वह बेरोजगार था और नौकरी की तलाश कर रहा था। 15 अगस्त की रात इसका दोस्त नीरज जीप से इलाके में घूम रहा था। उसी दौरान सामने से जुगनू नाम के युवक की स्कूटी की जीप से टक्कर हो गई। उसने नीरज से झगड़ा शुरू कर दिया। दोनों के बीच जमकर कहासुनी हुई। बात बढ़ने पर नीरज ने भी अपने दोस्त विमल प्रकाश और धर्मेंद्र को मौके पर बुला लिया।

517 मौतें दर्ज की गईहैं एमपाक्स से कारण 2024 में अफ्रीकी संघ के 13 देशों में। साथ ही 17,541 मामले आए हैं। 2023 की तुलना में रिपोर्ट किए गए मामलों की संख्या 160 प्रतिशत बढ़ गईहै।

महाराष्ट्र में एक करोड़ 'लाड़की बहनों' के खाते में पहुंचे तीन-तीन हजार रुपये

राशि आने से गरीब महिलाओं के चेहरे पर आने लगी है रौनक

ओमप्रकाश तिवारी ● जागरण

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार द्वारा महिलाओं के लिए घोषित की गई मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहिन योजना की औपचारिक शुरुआत से पहले ही करीब एक करोड़ बहनों के खाते में योजना की दो किस्तों के तीन हजार रुपये पहुंच चुके हैं। खाते में यह राशि आने से महिलाओं के चेहरे पर रौनक है, तो दूसरी ओर भाजपानीत महायुति को भी आसन्न विधानसभा चुनावों में उम्मीद की किरण दिखाई देने लगी है। योजना की औपचारिक शुरुआत शनिवार को पुणे में हुई।

लोकसभा चुनाव में राज्य की 48 में से सिर्फ 17 सीटें जीतने वाली सत्तारूढ़ महायुति को चार माह बाद ही प्रस्तावित विधानसभा चुनावों में भी अंधकार का ही आभास होने लगा था, लेकिन सोच-विचार के बाद मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार की तर्ज पर महाराष्ट्र में भी गरीब महिलाओं को आर्थिक मदद देने की योजना बनाई गई और राज्य के बजट में इसकी घोषणा भी कर दी गई। राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे कहती हैं कि योजना घोषित होने के बाद से अब तक 1.64 करोड़ लाभार्थियों के आवेदन मंजूर किए जा चुके हैं। इनमें से 1.36 करोड़ आवेदनों की पुष्टि भी हो चुकी है। योजना के तहत महिलाओं को राशि भेजने का औपचारिक कार्यक्रम रक्षा बंधन के दिन 19 अगस्त को पुणे जिले में रखा गया है, क्योंकि सबसे ज्यादा 8.5 लाख आवेदन पुणे से ही प्राप्त हुए हैं, लेकिन, इससे पहले ही जुलाई व अगस्त माह की किस्त स्वरूप तीन हजार रुपये 95 लाख महिलाओं के खाते में पहुंच भी चुके हैं।

ज्ञात हो, इस योजना का लाभ उन्हीं महिलाओं को मिलना है, जिनके परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से कम है। गत वर्ष बजट से पहले आए आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य के 11 जिलों में प्रति व्यक्ति आय का औसत 1,69,496 रुपये से कम ही है। इनमें भी सबसे खराब स्थिति विदर्भ व मराठवाड़ा के परिवारों की है। शहरी क्षेत्रों में घरों में काम करने वाली महिलाओं की भी बड़ी संख्या इस योजना से मिलने वाले लाभ को लेकर उत्साहित है, क्योंकि माह के डेढ़ हजार रुपये उनके लिए बड़ा सहारा बन सकते हैं। मुंबई की ऐसी ही एक घरेलू कामगार गीता बेटकर कहती हैं यह राशि उनके लिए एक घर में काम से मिलने वाली पगार के बराबर होगी।

उद्धव ने इसे बताया लुटेरों द्वारा बहनों को दी जा रही रिश्वत: शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे जहां इस योजना को लुटेरों द्वारा बहनों को दी जा रही रिश्वत बता रहे हैं तो अजीत पवार की चचेरी बहन एवं राकांपा (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले कहती हैं कि सरकार ने भाई-बहन के रिश्ते को भी चुनावी राजनीति से जोड़ दिया है। पैसा व रिश्ते जुड़ते हैं तो रिश्ता बरकरार नहीं रहता।

पुणे में शनिवार को 'मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहिन' योजना के लांच के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा अजीत पवार व अन्य। प्रेट्र

लाभार्थी महिलाएं भाजपा नेताओं को बांधेंगी राखी

विपक्षी दलों को यह योजना फूटी आंखों नहीं सुहा रही है। वह इसकी आलोचना कर रहे हैं। सरकार इस योजना में 31 अगस्त तक अधिक से अधिक महिलाओं को पंजीकृत करने के लिए जोर-शोर से प्रचार कर रही है, वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, दोनों उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार भी अपने-अपने राजनीतिक कार्यक्रमों में इस योजना के बारे में विस्तार से बता रहे हैं। रक्षा बंधन के अवसर पर अनेक लाभार्थी महिलाएं इन तीनों नेताओं को राखियां बांधने भी पहुंच रही हैं। रविवार को ऐसा ही एक कार्यक्रम देवेंद्र फडणवीस के लिए मुंबई में रखा गया है।

ग्लोबल साउथ की बैठक में चीन व पाक को नहीं दिया था आमंत्रण : जयशंकर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- भारत ने पेश किया विकासशील व गरीब देशों का लीडर बनने का दावा
- विकासशील व गरीब देशों को स्थानीय मुद्रा में कारोबार का दिया सुझाव

भारत के नेतृत्व में शनिवार को आयोजित तीसरे वायस आफ ग्लोबल साउथ समिट में चीन और पाकिस्तान को आमंत्रित नहीं किया गया था। वर्चुअल तरीके से संपन्न इस बैठक में कुल 10 सत्रों का आयोजन हुआ, जिसमें दुनिया के सौ से ज्यादा देशों ने कारोबार, स्वास्थ्य, कूटनीति, ऊर्जा व शिक्षा जैसे मुद्दों पर विमर्श किया। भारत ने इस बैठक में ग्लोबल साउथ की अगुआई करने का दावा करने वाले देश चीन को आमंत्रित नहीं किया था। न ही पाकिस्तान को न्योता दिया था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्वयं इसकी जानकारी दी। चीन व पाक के अलावा भारत के तकरीबन सभी पड़ोसी देशों के प्रमुखों ने इसमें हिस्सा लिया। बैठक के शुरुआती सत्र में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने भी हिस्सा लिया।

शिखर सम्मेलन में विदेश मंत्रियों के सत्र को संबोधित करते हुए जयशंकर ने फिर वैश्विक संस्थानों में बदलाव की जोरदार मांग रखी और इसे विकासशील व गरीब देशों के भविष्य की प्रगति से जोड़ कर पेश किया। उन्होंने कहा, अगर हमें इन संस्थानों की साख बनाकर रखनी है,तो शीघ्रता से बदलाव करना होगा। इस बारे में हर देश की समान राय है, पर हम कुछ नहीं कर पा रहे। खास तौर पर संयुक्त राष्ट्र में सुधार में जितनी देरी हो रही है, हमें उसकी उतनी ही ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। जयशंकर ने ग्लोबल साउथ के देशों की वित्त व प्रौद्योगिकी तक आसानी से पहुंच नहीं होने को उनकी प्रगति की राह में बड़ी अड़चन बताया। कई देशों पर लगाए जाने वाले आर्थिक प्रतिबंध का मुद्दा उठाते हुए कहा, इस समूह के देशों के बीच ज्यादा कारोबार, ज्यादा निवेश और ज्यादा सहयोग होना चाहिए। हमारी अपनी मुद्रा में कारोबार होना चाहिए। हमें एक परिवार के तौर पर काम करना चाहिए, ताकि ग्लोबल साउथ के देशों को कम लागत पर आर्थिक मदद व अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी आसानी से मुहैया हो सके। बाद में प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने बताया कि ग्लोबल साउथ के देश चाहते हैं कि भारत और तेजी से आगे बढ़े। भारत की आर्थिक प्रगति को लेकर ये देश बेहद उत्साहित हैं। बैठक में गाजा व यूक्रेन का मुद्दा भी उठा। भारत समेत कुछ देशों ने आतंकवाद का मुद्दा भी उठाया। बांग्लादेश व कुछ दूसरे देशों ने अन्य देशों की तरफ से राजनीतिक हस्तक्षेप का मुद्दा उठाया।

प्रेट्र के अनुसार, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, पैसों की कमी से विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में बाधा उत्पन्न हो रही है। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों की फंडिंग के लिए चार ट्रिलियन डालर का वार्षिक अंतर दूर करने पर जोर दिया। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि डिजिटल ढांचों का लोकतंत्रीकरण किया जाना चाहिए और विश्व में उन्हें स्वतंत्र रूप से साझा किया जाना चाहिए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विदेश मंत्रियों के सत्र को संबोधित किया। एएनआइ

मोदी ने कहा, हमारी ताकत हमारी एकता में है

प्रथम पृष्ठ से आगे

इसके पहले शुरुआती सत्र का उद्घाटन करते हुए मोदी ने अगले माह संयुक्त राष्ट्र के तत्वाधान में होने वाले समिट फार फ्यूचर का जिक्र किया और सभी विकासशील व गरीब देशों से सम्मेलन के लिए सकारात्मक नजरिया रखने का आह्वान किया। कहा, वायस आफ ग्लोबल साउथ समिट ऐसा प्लेटफार्म है, जहां हम उनकी जरूरतों व आकांक्षाओं को आवाज दे रहे हैं, जिन्हें अब तक अनसुना किया गया। हमारी ताकत हमारी एकता में है। इसी के बल पर हम नई दिशा में बढ़ेंगे।

कुछ लोग राजनीतिक हित राष्ट्र हित से ऊपर रखते हैं : धनखड़

वेंकटचलम (आंध्र प्रदेश), प्रेट्र: उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा, देश में कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक हित को राष्ट्र हित से ऊपर रखा है। उम्मीद है कि उन्हें सद्बुद्धि आएगी। उपराष्ट्रपति ने आशा व्यक्त की कि ऐसे लोग हमारे देश की स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किए गए सर्वोच्च बलिदानों से कुछ सीख लेंगे। धनखड़ ने एक दिन पहले नाम लिए बगैर राहुल गांधी पर निशाना साधा था।

नेल्लोर जिले के वेंकटचलम में स्वर्ण भारत ट्रस्ट के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा, 'देश के कुछ लोगों ने अनुचित कारणों से अपने राजनीतिक हित को राष्ट्र हित से ऊपर रखा है। उम्मीद करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि उनमें समझ आए।' उपराष्ट्रपति ने शुक्रवार को राहुल गांधी का नाम लिए बगैर यह चिंता जताई थी कि एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट से एक ऐसे नैरेटिव पर स्वतः संज्ञान लेने को कहा, जो हमारी आर्थिकी को बर्बाद करने के उद्देश्य से फैलाया जा रहा है।

- उपराष्ट्रपति ने ऐसे लोगों के लिए सद्बुद्धि आने की जताई उम्मीद

जगदीप धनखड़। फाइल

धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक भारतीय को आर्थिक राष्ट्रवाद में विश्वास करना चाहिए। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार देश से बाहर जा रहा है, क्योंकि अनावश्यक वस्तुओं का आयात किया जा रहा है। धनखड़ ने सभी भारतीयों से अनावश्यक आयातों में विदेशी व्यापार बंद करने की अपील की। साथ ही उद्योग, व्यापार और वाणिज्य संस्थाओं से इस मुद्दे पर निर्णय लेने का आह्वान किया।

भारत में एमपाक्स का अधिक खतरा नहीं, स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने की स्थिति की समीक्षा

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत में एमपाक्स का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। देश में इस रोग के प्रकोप का अधिक खतरा नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा एमपाक्स को फिर से वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर एमपाक्स की स्थिति और तैयारियों की समीक्षा की।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, फिलहाल एमपाक्स का खतरा नहीं है, हालांकि मंत्रालय ने आने वाले हफ्तों में कुछ मामलों का पता चलने की आशंका को खारिज नहीं किया। कहा, एमपाक्स के प्रसार को रोकने व नियंत्रित करने के लिए एहतियाती कदम उठाए जाएंगे। मंत्रालय ने बयान में कहा, डब्ल्यूएचओ ने पहली बार 2022 में एमपाक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। भारत में कुल 30 मामलों का पता चला था। भारत में एमपाक्स का आखिरी मामला इस साल मार्च में मिला था।

- भारत में एमपाक्स की दूसरी लहर में फिलहाल कोई मामला नहीं

इसके प्रसार को रोकने के लिए उठाए जाएंगे एहतियाती कदम

समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया कि सावधानी के तौर पर सभी हवाईअड्डों, बंदरगाहों और सीमाक्षेत्र में सतर्कता बरतने, 32 परीक्षण प्रयोगशालाओं को तैयार करने, किसी भी मामले का पता लगाने, प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य केंद्रों की क्षमताएं बढ़ाने जैसे कदम उठाए जाएंगे। एमपाक्स वायरस जो जानवरों से मनुष्यों में फैलता है। इसके लक्षणों में दाने निकलना, फफोले बनना, बुखार शामिल है। जिसके लक्षण चेचक के समान होते हैं, हालांकि चिकित्सकीय रूप से यह कम गंभीर होता है। सामान्यतया जिसके लक्षण दो से चार सप्ताह तक रहते हैं।

दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति ने मांगा समर्थन

जोहान्सबर्ग, आइएएनएस: दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने अफ्रीका में एमपाक्स के तेजी से फैलने पर शनिवार को चिंता जताई। उन्होंने महामारी का मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन का आह्वान किया।

रामफोसा ने कहा, मैं अफ्रीकी संघ के भीतर कई क्षेत्रों में एमपाक्स के तेजी से फैलने से चिंतित हूं। एमपाक्स के मामलों और इस बीमारी से होने वाली मौतों में वृद्धि हुई है,जो चिंताजनक है। 2024 में अफ्रीकी संघ के 13 देशों में एमपाक्स के 17,541 मामले और 517 मौतें दर्ज की गई हैं। 2023 की इसी अवधि की तुलना में 2024 में रिपोर्ट किए गए मामलों की संख्या 160 प्रतिशत बढ़ गई है। रामफोसा ने डब्ल्यूएचओ द्वारा एमपाक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने का भी स्वागत किया।

लोक लेखा समिति के अध्यक्ष होंगे कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल

नई दिल्ली, प्रेट्र : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रमुख संसदीय समितियों का गठन कर दिया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल लोक लेखा समिति (पीएसी) की अध्यक्षता करेंगे, जो सरकारी खर्च पर नजर रखती है। बिरला ने प्राक्कलन और सार्वजनिक उपक्रम समिति चार अन्य संसदीय समितियों का भी गठन किया है, जिनकी अध्यक्षता भाजपा नेता करेंगे। पांचों संसद की प्रमुख वित्तीय समितियां हैं। इनका काम सरकार के खातों और सार्वजनिक क्षेत्र की फर्मों के कामकाज पर नजर रखना है।

लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, ओबीसी कल्याण समिति की अध्यक्षता भाजपा के गणेश सिंह करेंगे। उनकी पार्टी के सहयोगी फग्गन सिंह कुलस्ते एससी और एसटी कल्याण समिति की अध्यक्षता करेंगे। भाजपा नेता संजय जायसवाल प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष होंगे। भाजपा के ही बैजयंत पांडा सार्वजनिक उपक्रम समिति की अध्यक्षता करेंगे। इन समितियों का कार्यकाल एक वर्ष का होता है और इसमें लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सदस्य होते हैं। वे दोनों सदनों द्वारा चुने जाते हैं। पीएसी का नेतृत्व आमतौर पर मुख्य विपक्षी दल के वरिष्ठ लोकसभा सदस्य करते हैं। इससे पहले कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने पांच साल तक पीएसी का नेतृत्व किया था। पिछली लोकसभा के विपरीत वर्तमान लोकसभा में संसदीय समितियों का गठन चुनावों के बजाय आम सहमति से हुआ है।

- लोस अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रमुख संसदीय समितियों का किया गठन
- भाजपा सांसद संजय जायसवाल होंगे प्राक्कलन समिति के मुखिया

केसी वेणुगोपाल।

संजय जायसवाल।

पीएम मोदी से मिले चंद्रबाबू, आंध्र प्रदेश के लिए मांगी सहायता

नई दिल्ली, प्रेट्र : आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर कर्ज में डूबे अपने राज्य के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाने की मांग की। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय बजट के बाद मोदी के साथ अपनी पहली बैठक में नायडू ने आंध्र प्रदेश के लिए की गई प्रमुख घोषणाओं के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इसमें नई राजधानी के विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपये की फंडिंग भी शामिल है। सूत्रों ने बताया कि तेलुगु देसम पार्टी प्रमुख ने राज्य की वित्तीय स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने राजकोषीय चुनौतियों से निपटने, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और राज्य की जीडीपी बढ़ाने को केंद्रीय समर्थन का अनुरोध किया। तेदेपा 16 लोकसभा सदस्यों के साथ केंद्र में राजग सरकार का प्रमुख घटक है। नायडू के गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात करने की संभावना है।

वक्फ विधेयक के लिए गठित जेपीसी की 22 अगस्त को होगी पहली बैठक

नई दिल्ली, प्रेट्र: वक्फ बोर्ड में सुधार से जुड़े विधेयक पर विचार के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की पहली बैठक अगले हफ्ते होगी। लोकसभा सचिवालय के नोटिस में कहा गया है कि भाजपा सदस्य जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति 22 अगस्त को अल्पसंख्यक मामलों और विधि और न्याय मंत्रालय के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगी। बैठक के दौरान अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के प्रतिनिधि सदस्यों को विधेयक और विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों के बारे में जानकारी देंगे।

जेपीसी में लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य हैं। समिति को संसद के अगले सत्र के पहले हफ्ते में विधेयक पर अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया है। यह विधेयक भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार की पहली बड़ी पहल है। इसका उद्देश्य केंद्रीकृत पोर्टल के माध्यम से वक्फ संपत्तियों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया में सुधार लाना है। इसमें कई सुधारों का प्रस्ताव है, जिसमें मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुस्लिम प्रतिनिधियों के प्रतिनिधित्व के साथ राज्य वक्फ बोर्डों के साथ केंद्रीय वक्फ परिषद की स्थापना भी शामिल है।

- अल्पसंख्यक मामलों, विधि और न्याय मंत्रालय के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगी जेपीसी
- जेपीसी सदस्यों को विधेयक के बारे में जानकारी देंगे अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के प्रतिनिधि

इस विधेयक को आठ अगस्त को लोकसभा में पेश किया गया था। बहस के बाद विधेयक को जेपीसी को सौंपने का फैसला लिया गया। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का विरोध किया था और इसे संविधान, संघवाद और अल्पसंख्यकों पर हमला करार दिया, वहीं अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा था कि विधेयक में किसी की धार्मिक स्वतंत्रता तथा संविधान के किसी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है।

मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक के 45 पदों पर नियुक्त होंगे विशेषज्ञ

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में संयुक्त सचिवों, निदेशकों व उप सचिवों के 45 पदों पर जल्द ही विशेषज्ञ नियुक्त किए जाएंगे। शासन की सुगमता के लिए मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत यह भर्ती होगी। आमतौर पर ऐसे पदों पर आइएएस, आइपीएस, आइएफएस और ग्रुप ए सेवाओं के अधिकारी होते हैं।

यूपीएससी ने शनिवार को 45 पदों के लिए विज्ञापन दिया, जिसमें 10 संयुक्त सचिव, 35 निदेशक और उप सचिव के पद शामिल हैं। इन पदों को अनुबंध के आधार पर लेटरल एंट्री के माध्यम से भरा जाना है। विज्ञापन के अनुसार, भारत सरकार संयुक्त सचिव, निदेशक/उप सचिव स्तर के अफसरों को लेटरल एंट्री के जरिये नियुक्ति करना चाहती है। यूपीएससी की वेबसाइट के जरिये 17 सितंबर तक आवेदन किए जा सकते हैं। लेटरल एंट्री का अर्थ विभागों में विशेषज्ञों को अनुबंध पर तीन साल की अवधि के लिए नियुक्त किया जा सकता है।

पर्यटन स्थलों के विकास पर राज्यों संग होगा मंथन

माला दीक्षित ● जागरण

नई दिल्ली: केंद्र सरकार मानती है कि भारत में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। इसके लिए पुराने पर्यटन स्थलों में सुविधाओं को ठीक करने के अलावा नए पर्यटन स्थल चिन्हित और विकसित करने की जरूरत है। सरकार इसके लिए सक्रिय भी हो गई है। इसे प्राथमिकता से एजेंडे में शामिल किया गया है। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय उत्तर भारत के राज्यों के पर्यटन मंत्रियों के साथ क्षेत्रीय कान्फ्रेंस करने वाला है। इस कान्फ्रेंस का प्रमुख एजेंडा पर्यटन स्थलों का विकास और पर्यटन से जुड़े व्यवसाय और व्यापार को आसान बनाना है। पर्यटन मंत्रियों की यह क्षेत्रीय कान्फ्रेंस 22 को चंडीगढ़ में होगी।

केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पिछले दिनों एक कार्यक्रम में स्वीकार किया था कि हम पर्यटकों की संख्या बढ़ने के अनुपात में नए पर्यटन स्थल विकसित नहीं कर पाए हैं। लेकिन, सरकार अब नए पर्यटन स्थल विकसित करने पर ध्यान दे रही है। क्षेत्रीय कान्फ्रेंस में राज्यों को इसके लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उत्तर भारत के नौ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश कान्फ्रेंस में हिस्सा लेंगे।

सूत्र बताते हैं कि कान्फ्रेंस में मुख्यतः दो एजेंडे हैं। पहला पर्यटन स्थलों का विकास करना और दूसरा पर्यटन क्षेत्र से जुड़े व्यापार और व्यवसाय को आसान बनाना। इसमें उप्र, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, दिल्ली, चंडीगढ़, हिमाचल व हरियाणा के पर्यटन मंत्री और अधिकारी हिस्सा लेंगे। पर्यटन स्थल चिन्हित करने का अधिकार राज्यों को है। केंद्र उनके विकास में वित्तीय और अन्य सहयोग देती है। इस कान्फ्रेंस का एक उद्देश्य पर्यटन में राज्यों की सहभागिता और क्षमता को बढ़ाना भी है। इस वर्ष की यह पहली क्षेत्रीय कान्फ्रेंस है। इसमें उत्तर भारत के राज्य हिस्सा लेंगे। इसके बाद ऐसी ही क्षेत्रीय कान्फ्रेंस पश्चिम, पूर्व और दक्षिण के लिए भी होंगी।

- चंडीगढ़ में 22 को उत्तर भारत के राज्यों के पर्यटन मंत्रियों की होगी कान्फ्रेंस
- नए पर्यटन स्थलों को चिन्हित और विकसित करने के लिए सरकार सक्रिय
- कान्फ्रेंस का एक उद्देश्य पर्यटन में राज्यों की सहभागिता और क्षमता को बढ़ाना भी है

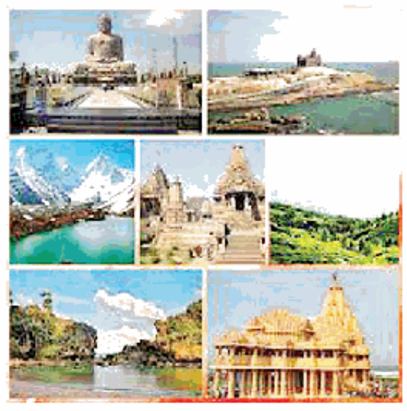

2023 में 90 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक भारत आए

प्रतीकात्मक।

तगादा

एक साल पहले हुए कान्क्लेव के खर्च की वसूली में जुटी इंदौर स्मार्ट सिटी कंपनी, 75 शहर ही दे पाए अपने हिस्से की राशि, राष्ट्रपति भी शामिल हुई थीं कान्क्लेव में, खर्च हुए थे 37 .40 करोड़, प्रत्येक स्मार्ट सिटी से लेने थे 37 .40 लाख रुपये

स्मार्ट सिटी कान्क्लेव कराकर 25 शहरों से व्यय राशि मांग रहा इंदौर

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में वर्ष 2023 में भव्य तरीके से इंडिया स्मार्ट सिटी कान्क्लेव का आयोजन हुआ। इंदौर स्मार्ट सिटी कंपनी ने कार्यक्रम पर 37.40 करोड़ रुपये खर्च किए थे। इस खर्च की भरपाई के रूप में देश की 100 स्मार्ट सिटी में प्रत्येक को अपने हिस्से की 37.40 लाख रुपये की राशि देना तय हुआ था। आयोजन को हुए एक साल बीतने जा रहा है, पर अभी तक देश की 75 स्मार्ट सिटी ही अंशदान दे पाई हैं।

कंपनी अब देश के 25 स्मार्ट सिटी से आयोजन पर हुए खर्च की राशि वसूलने के लिए तगादा कर रही है। बकायेदार स्मार्ट सिटी में मध्य प्रदेश का एकमात्र उज्जैन शहर ही है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में रायपुर और बिलासपुर, उत्तर प्रदेश के दो, आंध्र प्रदेश के दो, तमिलनाडु के तीन सहित 25 शहर शामिल हैं।

कान्क्लेव में राष्ट्रपति भी हुई थीं शामिल: इंडिया स्मार्ट सिटी कान्क्लेव इंदौर में पिछले वर्ष 26-27 सितंबर को आयोजित हुआ था। इसमें देश के 100 स्मार्ट सिटी के प्रतिनिधि सहित करीब चार हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए थे। इस आयोजन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि थीं और उन्होंने इंडिया स्मार्ट सिटी अवार्ड प्रतियोगिता-2022 के विजेता शहरों को पुरस्कार दिया था। इसमें इंदौर को बेस्ट स्मार्ट सिटी और मध्य प्रदेश को बेस्ट राज्य का पुरस्कार मिला था।

इंदौर में हुए इंडिया स्मार्ट सिटी कान्क्लेव में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने विजेता शहर व राज्यों के स्मार्ट सिटी को अलग-अलग केटेगरी में पुरस्कृत किया था। फाइल फोटो

कान्क्लेव में हुए खर्च का वहन सभी 100 स्मार्ट सिटी को करना पहले से तय था। खर्च का आकलन करने के बाद हमने नगरीय विकास मंत्रालय को रिपोर्ट भेजी, फिर वहां से सभी शहरों को पत्र जारी किया गया। 100 में से 25 स्मार्ट सिटी ही बाकी हैं, जिन्हें राशि देना है। वे अपनी स्मार्ट सिटी बोर्ड की बैठक में तय कर या अन्य प्रक्रिया के माध्यम से अपने अंशदान की राशि हमें देंगी। -दिव्यांक सिंह, सीईओ, इंदौर स्मार्ट सिटी कंपनी

पहले केंद्र सरकार करती थी खर्च, इस बार सभी स्मार्ट सिटी से वसूल रहे

विगत वर्षों में स्मार्ट सिटी कान्क्लेव के खर्च के लिए राशि केंद्र सरकार देती थी। सितंबर में इंदौर में स्मार्ट सिटी कान्क्लेव के खर्च के लिए यह तय हुआ था कि इस आयोजन में शामिल सभी 100 स्मार्ट सिटी इसके खर्च को आपस में बराबर-बराबर बांटेंगी। सितंबर के महीने में हुए इस आयोजन पर इंदौर स्मार्ट सिटी कंपनी ने मेहमानों को रुकवाने और आयोजन संबंधित अन्य व्यवस्थाओं पर 37 .40 करोड़ रुपये अपने मद से खर्च किए। आयोजन के पश्चात खर्चों का आकलन कर मई में इंदौर स्मार्ट सिटी कंपनी ने केंद्रीय आवासन और गृह मंत्रालय के स्मार्ट सिटी मिशन को अपनी रिपोर्ट दी थी। 24 मई को स्मार्ट सिटी मिशन ने देश की सभी 100 स्मार्ट सिटी को पत्र लिया और अपने-अपने हिस्से की राशि देने को कहा था, पर कई शहरों ने अभी भी पैसा नहीं दिया है।

कह कर रहेंगे — माधव जोशी

पुराने चेहरों पर दांव नहीं खेलेगी भाजपा, युवाओं को देगी मौका

चुनावी रण ▶ जम्मू-कश्मीर में पार्टी ने 50 सीट पार का रखा लक्ष्य

विवेक सिंह ● जागरण

- 90 प्रतिशत पुराने नेताओं के कट सकते हैं टिकट, पार्टी की प्रदेश इकाई की हाईकमान से हुई बैठक
- चुनावी तैयारियों को पंख लगाएंगे प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष, गृहमंत्री व रक्षामंत्री जैसे दिग्गजों के दौरे

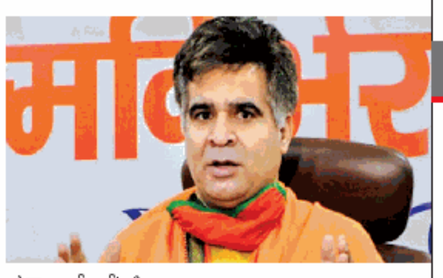

प्रदेश प्रभारी रवींद्र रैना। फाइल

जम्मू: नए जम्मू कश्मीर में प्रदेश भाजपा अब नए चेहरों पर दांव लगाने की तैयारी कर रही है। पार्टी को नया कलेवर देने और नई पीढ़ी को अवसर देने के लिए 2014 में उतरे 90 प्रतिशत उम्मीदवारों के टिकट कट सकते हैं। इनमें पार्टी की प्रदेश इकाई के कई बड़े नेता और पूर्व मंत्री भी शामिल हैं। पार्टी की प्रदेश इकाई की इस संबंध में हाईकमान से बैठक हुई है और इसमें युवाओं को आगे लाने पर सहमति बनी। लक्ष्य है कि पार्टी 50 पार के अपने लक्ष्य को पा सके और इस मुहिम में पार्टी युवाओं को साथ लेकर चलेगी।

पार्टी ने कश्मीर में भी ज्यादातर सीटों पर न केवल चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है, बल्कि वहां पूरी ताकत से प्रचार करने की भी तैयारी की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना पार्टी ने जम्मू-कश्मीर चुनाव प्रभारी जी किशन रेड्डी के संग राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस बैठक में पार्टी की चुनावी रणनीति पर अंतिम मुहर लगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार नए चेहरों को आगे लाकर पार्टी प्रदेश में मतदाताओं को यह विश्वास दिलाएगी कि उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप योग्य, ईमानदार, साफ छवि वाले नेता ही इस बार विधायक बनेंगे।

इसी माह के अंतिम सप्ताह से शुरू होंगे दौरे

प्रदेश भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि केंद्रीय मंत्रियों व वरिष्ठ नेताओं की धुआंधार रैलियां होंगी। अगस्त के तीसरे सप्ताह से वरिष्ठ नेताओं के दौरे शुरू हो जाएंगे। भाजपा विकास के मुद्दे को जोरशोर से उठाकर लोगों से समर्थन मांगेगी। संसदीय चुनाव में जम्मू संभाग में दो सीटें जीत कर पार्टी ने अपने मजबूत होने का सबूत दे दिया था। अब इस प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए नेता व कार्यकर्ता बेहतर समन्वय बनाकर काम करेंगे।

वर्ष 2014 में जीती थीं 25 सीटें: वर्ष 2014 के चुनाव में प्रदेश भाजपा ने विधानसभा की 25 सीटें जीती थी। इस बार पार्टी कश्मीर संभाग में भी अपना खाता खोलने के लिए पूरा जोर लगाएगी। बैठकों में जम्मू कश्मीर में भाजपा की वर्तमान स्थिति, संगठन की मजबूती के लिए हो रहे कार्यों, उम्मीदवारों के पैनल बनाने, चुनावी घोषणापत्र तैयार करने की दिशा में हुई पहल पर मंथन हुआ। आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह समेत अन्य कई वरिष्ठ नेताओं की रैलियां होंगी।

कश्मीर में उतारेंगे प्रत्याशी: प्रदेश भाजपा कश्मीर संभाग में आधार रखने वाले युवा नेताओं को विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बना सकती है। संसदीय चुनाव के दौरान भाजपा ने कश्मीर संभाग की तीन सीटों से अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे, लेकिन इस बार भाजपा सहयोगी दलों को समर्थन देने के साथ अपने उम्मीदवार उतारने को तैयार है।

अब पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए चुनावी घमासान

दफन हुए अलगाव के मुद्दे

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

- चुनावी इतिहास में यह पहला अवसर जब सभी राजनीतिक दल एक मुद्दे पर सहमत

नेशनल कान्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला जम्मू में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए। एएनआइ

अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार हो रहे विधानसभा चुनाव में अब विकास और रोजगार के मुद्दे हावी हैं, लेकिन इसी बीच एक मुद्दा सभी राजनीतिक दलों के एजेंडे में एक समान है। वह जम्मू-कश्मीर के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा। जम्मू-कश्मीर के चुनावी इतिहास में यह पहला अवसर है जब सभी राजनीतिक दल एक मुद्दे पर पूरी तरह सहमत हैं। भाजपा, कांग्रेस, माकपा, नेशनल कान्फ्रेंस, पीडीपी, अपनी पार्टी समेत विभिन्न दल सभी एक-दूसरे के खिलाफ बयान जारी कर अपने एजेंडे के साथ मतदाताओं को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में 18 सितंबर से पहली अक्टूबर तक चुनाव कराने की घोषणा कर दी है। पांच अगस्त 2019 से पूर्व जम्मू कश्मीर एक राज्य था, लेकिन जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के तहत 31 अक्टूबर 2019 को राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख के रूप में अस्तित्व में आया। बदलाव की बयार में अलगाववाद जैसे के कई मुद्दे अब दफन हो चुके हैं।

क्या कहते राजनीतिक विशेषज्ञ

जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक मामलों के सैयद अमजद शाह ने कहा कि अगर देखा जाए तो इस समय प्रदेश में लोग भी राज्य का दर्जा चाहते हैं। वह सशक्त विधानसभा की मांग कर रहे हैं। वह नहीं चाहते कि जम्मू कश्मीर में दिल्ली की तरह मुख्यमंत्री सचिवालय और राजभवन में आए दिन टकराव देखने को मिले। सभी राजनीतिक दल इस मद्दे को चुनाव प्रचार में उछालेंगे ताकि पुनर्बहाली पर श्रेय ले सकें।

एकमत हैं जम्मू-कश्मीर में ये सभी दल

- नेशनल कान्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती दोहरा चुके हैं कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दोबारा दिया जाए। अब वे इस मुद्दे को चुनाव प्रचार और चुनाव घोषणापत्र में शामिल करने जा रहे हैं।
- प्रदेश कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष रमण भल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले यह हमारी प्रमुख मांग और एजेंडा है। प्रदेश के लोग भी यही चाहते हैं।
- माकपा नेता मोहम्मद युसुफ तारीगामी ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में जम्मू-कश्मीर में सर्वाधिकार संपन्न विधानसभा की जरूरत है जो एक पूर्ण राज्य में ही संभव है।
- जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के चेयरमैन मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में विधानसभा की स्थिति नगरपालिका जैसी ही कही जाएगी।
- प्रदेश भाजपा प्रमुख रविंद्र रैना भी पीएम मोदी व केंद्रीय गृहमंत्री शाह से राज्य का दर्जा देने की मांग कर चुके हैं।

चुनावी तैयारी में भाजपा बना चुकी बढ़त, नेका व कांग्रेस भी लगा रहे दौड़

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू: जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही प्रदेश की राजनीतिक दलों में सियासी करंट दौड़ गया है। एक बार फिर सियासी आरोप-प्रत्यारोप का दौर तीखा हो गया है। प्रदेश भाजपा अन्य दलों के मुकाबले पहले ही बढ़त बना चुकी है तो वही कांग्रेस व नेका भी पीछे से दौड़ लगाने का प्रयास कर रही हैं। एक ओर जहां भाजपा अपनी चुनाव समितियों का गठन कर चुनाव कार्यालय भी खोल चुकी है, तो उधर कांग्रेस की घोषणापत्र समिति जगह-जगह जाकर लोगों के सुझाव आमंत्रित कर रही है। नेका ने पहले से ही विधानसभा क्षेत्र प्रभारी बना रखा है, इन्हें पार्टी का संभावित प्रत्याशी माना जा रहा है। पीडीपी अब तक उनींदी स्थिति में नजर आ रही है।

मजबूत तैयारियों का दंभ भरने वाली प्रदेश कांग्रेस की स्थिति यह है कि पार्टी ने 15 अगस्त तक जिला प्रधानों को संभावित उम्मीदवारों के नामों के पैनल भेजने के लिए कहा था, लेकिन अभी तक बैठकों का दौर ही चल रहा है। बताया जाता है कि पैनल भेजने में कम से कम एक और सप्ताह लगेगा। यह स्थिति तब है जब प्रदेश कांग्रेस ने चुनावी घोषणापत्र बनाने और उम्मीदवारों के नाम के पैनल तैयार करने की प्रक्रिया को पहले ही शुरू कर दिया था। अब चुनाव की घोषणा के साथ ही पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष भी बदल दिया है।

कांग्रेस ने झारखंड में नेतृत्व परिवर्तन कर महतो-मांझी को दिया संदेश

आशीष झा ● जागरण

- कुर्मी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर झारखंड के पिछड़ों की बड़ी आबादी को साधने की कोशिश

केशव कमलेश महतो।

रामेश्वर उरांव। फाइल

रांची: झारखंड विधानसभा चुनाव से ठीक तीन-चार माह पहले कांग्रेस ने बड़े संकेतों के साथ प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन किया है। अगड़ों का प्रतिनिधित्व करनेवाले राजेश ठाकुर के स्थान पर कुर्मी बिरादरी से केशव महतो कमलेश को प्रदेश अध्यक्ष और अनुसूचित जनजाति वर्ग के रामेश्वर उरांव को विधायक दल का नेता बनाया गया है। यूं तो यह परिवर्तन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर का कार्यकाल पूरा होने और आलमगीर आलम के भ्रष्टाचार के मामले में जेल जाने के मद्देनजर किया गया है। लेकिन केशव महतो को अध्यक्ष और रामेश्वर उरांव को विधायक दल का नेता बनाने के पीछे महतो (कुर्मी) और मांझी (आदिवासी) वोट बैंक को साधने का सीधा संदेश है। राज्य की राजनीति में महतो और मांझी प्रभावी भूमिका हैं। दोनों झामुमो के कोर वोटर रहे हैं। अब कांग्रेस भी इस वर्ग में अपनी पैठ बनाना चाहती है।

झारखंड में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बदले जाने को लेकर लंबे समय से चल रही अटकलों को शुक्रवार को विराम लग गया है। विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने शुक्रवार को झारखंड मे बड़ा बदलाव करने का निर्णय लिया और इस निर्णय से एक साथ आदिवासी एवं पिछड़ा वर्ग के मतदाताओं को साधने का प्रयास किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर के स्थान पर संयुक्त बिहार में मंत्री रह चुके केशव महतो कमलेश को पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। हेमंत सरकार में मंत्री रामेश्वर उरांव को विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल का नया नेता घोषित कर संदेश दिया कि आदिवासी वोटर कांग्रेस के पक्ष में आकर मतदान करें।

हरियाणा चुनाव में आप के प्रचार का दारोमदार रहेगा भगवंत मान पर

इन्द्रप्रीत सिंह, जागरण ● चंडीगढ़ : हरियाणा में एक अक्टूबर को विधानसभा चुनाव होना है। वहां आम आदमी पार्टी (आप) के चुनाव प्रचार का पूरा दारोमदार पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर रहेगा। इसका कारण यह है कि आप की हरियाणा इकाई के पास एक भी ऐसा नेता नहीं है, जो सत्तारूढ़ भाजपा, प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस और चौटाला परिवार की दो विभिन्न पार्टियों के नेताओं के खिलाफ खुलकर लड़ाई लड़ सके।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ऐसा कर सकते थे, लेकिन उनके जेल में होने के कारण पूरी जिम्मेदारी भगवंत मान के कंधों पर आ गई है। हरियाणा में प्रचार के लिए आप को बड़े चेहरों की कमी भी खल रही है। ऐसे में पार्टी मुख्यमंत्री भगवंत मान के अलावा पंजाब के मंत्रियों और विधायकों की ड्यूटी भी हरियाणा की सीटों पर लगाने की तैयारी कर रही है। चुनाव की घोषणा से पहले ही भगवंत मान ने हरियाणा में प्रचार अभियान शुरू कर दिया है और वह कई सीटों पर जा भी चुके हैं। अगले डेढ़ महीने तक उनके कई और चक्कर हरियाणा में लगेंगे।

हरियाणा में कांग्रेस व भाजपा के बीच होगी कांटे की टक्कर

अनुराग अग्रवाल ● जागरण

- लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद उत्साहित कांग्रेस को गुटबाजी से नुकसान की आशंका
- जजपा, इनेलो-बसपा और आम आदमी पार्टी को मुकाबले में आने के लिए करनी होगी मेहनत

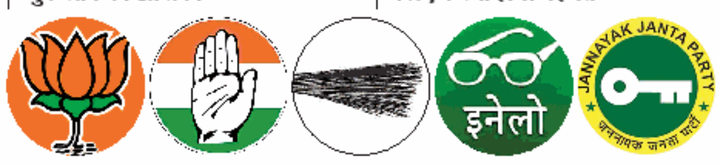

समझिए 2019 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव के नतीजे

2019 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने राज्य की सभी 10 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। उस समय भाजपा ने 79 विधानसभा सीटों पर बढ़त बनाई थी, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 10 विधानसभा सीटों पर बढ़त मिली थी। जजपा को सिर्फ एक सीट पर बढ़त मिली थी। लोकसभा चुनाव के पांच महीने बाद हुए विस के चुनाव में कांग्रेस को अच्छे नतीजों की उम्मीद नहीं थी, लेकिन भाजपा को 40, कांग्रेस को 31 और जजपा को 10 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। उसके बाद से कांग्रेस जनाधार बढ़ाने की कोशिश में लगी हुई है।

बंडीगढ़: हरियाणा में तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लिए चुनावी मैदान में उतरी सत्तारूढ़ भाजपा की राह इस बार आसान नहीं है। भाजपा को केंद्र में अपनी सरकार होने का फायदा मिलने की उम्मीद है, लेकिन 10 वर्ष की सत्ता विरोधी लहर का नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। कुछ माह पहले हुए लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस काफी उत्साह में है। दोनों पार्टियों ने पांच-पांच लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की है। लोकसभा चुनाव में राज्य की 90 विधानसभा सीटों में 42 पर कांग्रेस को बढ़त मिली है तो 44 पर भाजपा आगे रही है। चार विधानसभा सीटों पर आम आदमी पार्टी ने बढ़त बनाई है। ऐसे में मुख्य मुकाबला भाजपा व कांग्रेस के बीच ही होने जा रहा है।

लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने मुख्यमंत्री का चेहरा बदलकर मनोहर लाल के स्थान पर नायब सिंह सैनी को बागडोर सौंपी थी। हालांकि भाजपा को इसका उतना फायदा नहीं मिला, जितनी अपेक्षा थी। बाद में सैनी ने पकड़ बनाई और किसान, महिला, युवा तथा पिछड़ा वर्ग के समर्थन में इतने फैसले लिए कि भाजपा की हालत में सुधार महसूस किया जाने लगा। सैनी ने जनता से जुड़ाव मजबूत किया। सार्वजनिक मंचों पर जितनी घोषणाएं कीं, उनकी तुरंत अधिसूचना जारी कराई, ताकि यह संदेश न जाए कि भाजपा सिर्फ घोषणाओं तक सीमित है। उनकी पूरी कोशिश सत्ता विरोधी लहर कम करने की रही।

दूसरी तरफ, लोकसभा चुनाव के नतीजों से बना उत्साह कांग्रेस में साफ दिख रहा है। पार्टी हरियाणा मांगे हिसाब संदेश दिया है, उससे सभी धड़े एक मंच पर दिखाई दे सकते हैं।

चार विधायकों ने छोड़ा दुष्यंत चौटाला का साथ: विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद 24 घंटे के भीतर जननायक जनता पार्टी के चार विधायकों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिए हैं। पूर्व राज्यमंत्री एवं उकलाना के विधायक अनूप धानक ने चुनाव की घोषणा होते ही शुक्रवार को जजपा छोड़ दी थी, जबकि शनिवार को पूर्व पंचायत मंत्री एवं टोहाना के विधायक देवेंद्र बबली, शाहबाद के विधायक रामकरण काला और गुहला चीका के विधायक चौधरी ईश्वर सिंह ने जजपा से इस्तीफा दे दिए। जजपा पूरी तरह से हाशिये पर आ गई है। जजपा में अब दुष्यंत चौटाला तथा उनकी माता नैना चौटाला के अलावा विधायक अमरजीत ढांडा तथा विधायक रामकुमार गौतम बचे हैं। वह पहले ही दुष्यंत चौटाला के खिलाफ हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान पूर्व सीएम मनोहर लाल से मिले भी थे, लेकिन खुलकर अभी किसी पार्टी में नहीं गए। बरवाला से विधायक जोगीराम सिहाग चार अप्रैल को इस्तीफा दे चुके हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान भी जननायक जनता पार्टी, इनेलो और आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है।

मुंबई में कांग्रेस की रैली में राहुल के साथ होंगे शरद पवार और उद्धव

मुंबई, प्रेट्र : महाविकास आघाडी (एमवीए) के नेता उद्धव ठाकरे और शरद पवार पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर 20 अगस्त को मुंबई में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में राहुल गांधी के साथ शामिल होंगे। कांग्रेस के अनुसार, रैली का आयोजन बांद्रा कुर्ला काम्प्लेक्स में किया जाएगा। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और महाराष्ट्र के एआइसीसी प्रभारी रमेश चेन्निथला भी शामिल होंगे। कांग्रेस ने मुंबई में राजीव गांधी की जयंती मनाने के लिए कई कार्यक्रमों के आयोजन का निर्णय किया है। महाविकास आघाडी (एमवीए) में शामिल कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (यूबीटी) ने आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ने का एलान किया है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही महाविकास अघाड़ी के बैनर तले गठबंधन के नेताओं नें संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस कर यह बयान दिया था कि जो भी सीएम तय होगा, वह सभी को मान्य होगा।

ओडिशा : संस्कार पाठशाला में टकराव का पाठ

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

- केंद्रीय मंत्रियों को बुलाने से नाराज बीजद व कांग्रेस के विधायकों ने संस्कार पाठशाला का किया बहिष्कार
- भाजपा ने विपक्ष के विरोध को सरासर गलत बताया, लगाया अनावश्यक विवाद खड़ा करने का आरोप

ओडिशा में विधायकों की शुरू हुई संस्कार पाठशाला में केन्द्रीय संसदीय व्यापार मंत्री किरण रिजिजू, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी व अन्य। जागरण

चार जून को ओडिशा विधानसभा चुनाव-2024 का परिणाम आने से पहले राज्य की राजनीति में पक्ष (बीजू जनता दल)-विपक्ष (भाजपा) के बीच टकराव और तल्खी की अति देखने को नहीं मिलती थी। केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार को लोकसभा में विधेयकों को पास कराने समेत अन्य मुद्दों पर जब भी जरूरत पड़ती थी तो बीजद अध्यक्ष और तत्कालीन मुख्यमंत्री नवीन पटनायक मदद करते थे। इधर, ओडिशा विधानसभा चुनाव-2024 में बीजद की हार और भाजपा की जीत के बाद राज्य की राजनीति में बेहद तल्खी देखने को मिल रही है।

ताजा मामला विधायकों की संस्कार पाठशाला का है। ओडिशा विधानसभा में शनिवार को विधायकों की दो दिवसीय संस्कार पाठशाला शुरू हुई। इसका उद्घाटन केंद्रीय संसदीय व्यापार मंत्री किरण रिजिजू ने किया। इसकी अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी कर रहीं हैं। विधायकों के इस संस्कार पाठशाला (ज्ञान सुधार कार्यक्रम) में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री प्रभाति परिड़ा, उप-मुख्यमंत्री कनक बर्धन सिंहदेव समेत राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य एवं भाजपा विधायक मौजूद रहे। हालांकि बीजद एवं कांग्रेस के विधायकों ने पाठशाला का बहिष्कार किया। वे पाठशाला में केंद्रीय मंत्रियों को बुलाने से नाराज हैं। पहले दिन मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, विपक्ष के नेता नवीन पटनायक, पूर्व मंत्री और बीजद विधायक रणेंद्र प्रताप स्वांई, पूर्व मंत्री प्रफुल्ल घड़ेई और केंद्रीय मंत्री जोएल ओराम का एक-एक सत्र था। इस बार 84 नए विधायक विधानसभा में पहुंचे हैं। भाजपा ने कहा कि किरण रिजिजू केंद्र में संसदीय कार्य मंत्री हैं। वह इसमें भाग लेते हैं तो विपक्ष को विरोध नहीं करना चाहिए।

भारत जैसे विविधता वाले देश में एक राष्ट्र, एक चुनाव संभव नहीं : पित्रोदा

नई दिल्ली, आइएएनएस : इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव नीति भारत जैसे विविधता वाले देश में व्यावहारिक नहीं है और सरकार को देश पर एकरूपता थोपनी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में एक चुनाव कराना संभव नहीं है, क्योंकि हमारे पास कई राज्य हैं। पित्रोदा ने कहा, ''भारत में एकरूपता नहीं हो सकती, क्योंकि यह विविधता वाला देश है। उन्होंने इस विचार के लिए पीएम मोदी की आलोचना की।

सैम पित्रोदा। फाइल

पित्रोदा ने बांग्लादेश के मुद्दे पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस को अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व भारत के साथ पहले की तरह अच्छे रिश्ते बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने चाहिए।

एक सितंबर से शुरू होगा भाजपा का सदस्यता अभियान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- दस करोड़ से ज्यादा सदस्य बनाने का लक्ष्य, पहले सदस्य के रूप में पीएम मोदी भरेंगे फार्म
- अमित शाह सहित भाजपा के सभी मौजूदा सदस्य अपनी सदस्यता का करेंगे नवीनीकरण

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा करते राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा। प्रेट्र

भाजपा के पदाधिकारियों की बैठक में सदस्यता अभियान और सांगठनिक चुनावों की रणनीति को हरी झंडी मिल गई है। इसके तहत भाजपा की राष्ट्रव्यापी सदस्यता का अभियान एक सितंबर से शुरू होगा। भाजपा की सदस्यता के साथ-साथ उसके मोर्चों का भी सदस्यता का अभियान चलेगा। भाजपा ने 10 करोड़ से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। लेकिन जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड जैसे चुनावी राज्यों में सदस्यता अभियान चुनाव के बाद चलेगा। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को सदस्यता अभियान का राष्ट्रीय संयोजक और उपाध्यक्ष रेखा वर्मा को सह संयोजक बनाया गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुई बैठक में सदस्यता अभियान की प्रक्रिया, नियम, तकनीक और समय सारिणी पर विस्तार से चर्चा हुई। एक कार्यशाला के रूप में हुई बैठक में पांच तरीके से सदस्य बनाने का फैसला किया गया। इसके तहत कोई भी व्यक्ति मिस्ड काल के माध्यम से सदस्य बन सकता है। सूत्रों ने कहा है कि सदस्यता अभियान के लिए मिस्ड काल नंबर 8800002024 होगा।

2019 में भी पहली बार मिस्ड काल को सदस्यता अभियान में शामिल किया गया था। इस बार क्यूआर कोड और नमो एप को सदस्यता अभियान में शामिल किया गया है। यानी कोई भी व्यक्ति क्यूआर कोड को स्कैन कर या फिर नमो एप पर जाकर भाजपा का सदस्य बन सकता है। इसी तरह से भाजपा की आधिकारिक वेबसाइट बीजेपीडाटओआरजी के माध्यम से सदस्य बना जा सकता है। इन नई तकनीकों से वंचित व्यक्ति के लिए फिजिकल फार्म भरकर सदस्य बनने का पुराना तरीका भी जारी रहेगा। सूत्रों के अनुसार, पहले सदस्य के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फार्म भर सकते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसे शीर्ष नेताओं सहित भाजपा के सभी मौजूदा सदस्य अपनी सदस्यता का नवीनीकरण करेंगे।

सूत्रों के अनुसार, एक सितंबर से शुरू होने वाले सदस्यता अभियान की प्रक्रिया 10 नवंबर तक चलेगा। एक सितंबर से 25 सितंबर तक सदस्यता अभियान का पहला चरण और एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक दूसरा चरण चलेगा। इसके बाद 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता का अभियान चलेगा। एक नवंबर से 10 नवंबर तक प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्यता का रजिस्टर तैयार किया जाएगा। संबित पात्रा के अनुसार भाजपा का पूरा जोर बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक अधिक से अधिक लोगों को भाजपा से जोड़ने पर रहेगा। 2014 में अमित शाह के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते समय भाजपा ने 11 करोड़ सदस्य बनाया था। 2019 में जेपी नड्डा के अध्यक्ष बनने के बाद सात करोड़ नए सदस्य जोड़े गए। भाजपा के 18 करोड़ सदस्य हो गए थे। हालांकि, सत्यापन के बाद 12.50 करोड़ तक पहुंच गई थी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार मोर्चो की सदस्यता अभियान प्रभारी

युवा मोर्चा	ऋतुराज सिन्हा
महिला मोर्चा	रेखा वर्मा
किसान मोर्चा	अतुल गर्ग
ओबीसी मोर्चा	विनोद तावड़े
एससी मोर्चा	अरविंद मेनन
एसटी मोर्चा	राजदीप रॉय
अल्पसंख्यक मोर्चा	दुष्यंत गौतम

नया कैडर

एसटी वर्ग में दुर्गादास उइके व सावित्री ठाकुर तो एससी में जगदीश देवड़ा व लाल सिंह आर्य को आगे ला रही पार्टी, पिछले वर्ष विधानसभा चुनाव में एससी की 35 में 26 पर भाजपा जीती, पर एसटी की 47 में 24 ही जीत पाई

मप्र में एससी-एसटी वर्ग में अब नया नेतृत्व सामने ला रही भाजपा

धनंजय प्रताप सिंह ● नईदुनिया

दुर्गादास उइके। फाइल

सावित्री ठाकुर। फाइल

जगदीश देवड़ा। फाइल

लाल सिंह आर्य। फाइल

भोपाल: भारतीय जनता पार्टी एससी-एसटी वर्ग में अब नया नेतृत्व सामने ला रही है। पार्टी के पास मध्य प्रदेश में अब तक एससी में पूर्व केंद्रीय मंत्री थावरचंद गहलोत और एसटी में फग्गन सिंह कुलस्ते ही दो ऐसे बड़े चेहरे थे, जिनकी प्रदेशव्यापी पहचान है। यही वजह है कि पार्टी में इन वर्गों के नए विकल्प तैयार नहीं हो पाए, लेकिन अब भाजपा एसटी वर्ग के दो नेताओं को केंद्रीय मंत्री के तौर पर पार्टी में आगे बढ़ा रही है। इनमें से एक बैतूल सांसद दुर्गादास उइके हैं तो दूसरी सावित्री ठाकुर। एक मध्य भारत से हैं तो दूसरी मालवांचल से। इसी तरह, एससी वर्ग में भी भाजपा उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को आगे बढ़ाकर थावरचंद गहलोत का विकल्प तैयार कर रही है। गहलोत फिलहाल कर्नाटक के राज्यपाल हैं। पहले वह मप्र में एससी वर्ग के बड़े नेता रहे हैं। मोदी सरकार के दो कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री भी रहे हैं। पार्टी का दूसरा एससी चेहरा लाल सिंह आर्य का है। आर्य पार्टी के एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं और ग्वालियर-चंबल का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग को जोड़ने भाजपा ही नहीं आरएसएस भी चिंतित

मध्य प्रदेश में अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग को जोड़ने के लिए भाजपा ही नहीं आरएसएस भी चिंतित है। अजा वर्ग की प्रदेश में 35 सीटें हैं। इनमें से भाजपा के पास 26 सीट हैं, कांग्रेस के पास नौ सीट हैं। यही वजह है कि अनुसूचित जाति वर्ग का प्रतिनिधित्व भाजपा ने बढ़ाया है। दलित वर्ग का साथ बनाए रखने के लिए ही उपमुख्यमंत्री का पद एससी नेता जगदीश देवड़ा को दिया गया है। देवड़ा मालवांचल का प्रतिनिधित्व करते हैं इसलिए उन्हें एससी वर्ग का बड़ा चेहरा बनाया जा रहा है। महाराष्ट्र सहित कई अन्य राज्यों के चुनाव में भी देवड़ा को एससी बहुल क्षेत्रों में भेजा गया। इसी तरह ग्वालियर- चंबल अंचल में लाल सिंह आर्य को भी पार्टी आगे बढ़ा रही है।

आदिवासी वर्ग में भाजपा बढ़ा रही पैठ: मध्य प्रदेश का आदिवासी वर्ग मूलरूप से कांग्रेस के साथ रहा है। कुछ वर्ष पहले 2003 से 2018 तक ये वर्ग भाजपा के पास आया तो लेकिन अभी भी पूरे मन से नहीं। यही वजह रही कि पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा को उम्मीद थी कि उसे मध्य प्रदेश विधानसभा की 230 सीटों में से आदिवासी वर्ग के लिए सुरक्षित 47 सीटों में अच्छी विजय मिलेगी, लेकिन इसमें भाजपा को 24 और कांग्रेस को 22 सीट मिली। एक सीट भारत आदिवासी पार्टी ने जीती। लोकसभा चुनाव में अवश्य ही छह की छह आदिवासी सीटों पर भाजपा को जीत मिली लेकिन अब पार्टी इस वर्ग के नए चेहरे को सामने लाना चाहती है। फग्गनसिंह कुलस्ते मप्र के पुराने आदिवासी नेता हैं लेकिन वह केंद्रीय मंत्रिमंडल से बाहर होने के बाद से हाशिए पर हैं।

सभी वर्गों के समुचित प्रतिनिधित्व एवं विकास के लिए भाजपा हमेशा से ही प्रतिबद्ध रही है। केंद्रीय या प्रदेश के मंत्रिमंडल में नए चेहरे लाने का विषय हो या संगठन में पर्याप्त दायित्व देने का हो, पार्टी सामूहिकता से इन निर्णयों को लेती है और वरिष्ठों के सम्मान के साथ दायित्व पर रखती है। इधर, कांग्रेस ने इन वर्गों को वोटबैंक माना और छला है, वहीं भाजपा ने सभी वर्ग के बहुमुखी विकास की योजनाएं बनाई। -विष्णु दत्त शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष भाजपा, मप्र

****

30 मिनट तक अस्पताल में था प्रशिक्षु महिला डाक्टर से दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या करने वाला आरोपित संजय राय। वह रात 11 बजे यहां आया था। उसके बाद एक बार फिर देर रात 3.45 से 3.50 के बीच अस्पताल पहुंचा था।

वारदात कहीं और हुई, हत्या के पीछे बहुत बड़ा गिरोह

मृतका के पिता ने कहा- लगता है गिरफ्तार आरोपित असली दोषी नहीं, फिर से अस्पताल पहुंची सीबीआइ

प्रशिक्षु डाक्टर से दरिंदगी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में जूनियर महिला डाक्टर से दुष्कर्म वहत्या की घटना में शनिवार को फिर नया मोड़ आ गया। अब मृतका के पिता ने ये वारदात कहीं और होने का संदेह जताया है। मृतका के पिता ने कहा- 'जिस जगह से मेरी बेटी का शव मिला है, हो सकता है कि वहां उसकी हत्या न हुई हो। अस्पताल में किसी और जगह वारदात को अंजाम देने के बाद शव को सेमिनार हाल में लाकर रख दिया गया हो।' उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा लगता है कि गिरफ्तार आरोपित इस घटना का असली दोषी नहीं है। मेरी बेटी की हत्या के लिए पूरा विभाग जिम्मेदार है। इसके पीछे बहुत बड़ा गिरोह है। दुखी मन से कहा कि मेरी बेटी को अस्पताल के सीनियर डाक्टरों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिलता था, जिससे उसे पेशेवर जीवन में काफी परेशानी हो रही थी। उसे चार पुरुषों के साथ ड्यूटी दी जाती थी, जिससे वह काफी असहज महसूस करती थी। मालूम हो कि एक दिन पहले ही मृतका के पिता ने मुआवजे के तौर पर 10 लाख रुपये का प्रस्ताव दिए जाने की बात कही थी। मामले में संजय राय नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल से दूसरे दिन भी पूछताछ: दूसरी तरफ मामले की जांच में जुटी सीबीआइ ने अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल डा. संदीप घोष से शनिवार को लगातार दूसरे दिन मैराथन पूछताछ की। शुक्रवार रात 9.30 बजे से रात 1.40 बजे तक उनसे पूछताछ हुई थी। शनिवार सुबह 10.30 बजे फिर डा घोष केंद्रीय जांच एजेंसी के समन पर सीबीआइ कार्यालय में हाजिर हुए। खबर लिखे जाने तक उनसे पूछताछ जारी थी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पहले चरण की पूछताछ में डा. घोष से जूनियर महिला डाक्टर की मौत की जानकारी मिलने के बाद उनकी पहली कार्रवाई के बारे में पूछा गया। मसलन उन्होंने किसे मृतका के स्वजन को इसकी सूचना देने को कहा था और पुलिस से किसने और कैसे संपर्क किया। उनसे अस्पताल के साप्ताहिक रोस्टर के बारे में भी पूछा गया, जिसके आधार पर डाक्टरों की ड्यूटी निर्धारित की जाती है। बता दें कि रोस्टर में महिला डाक्टर को 36 और कभी-कभी 48 घंटे तक ड्यूटी पर लगाए जाने की बात भी सामने आई है। पूर्व प्रिंसिपल के जवाब में कई विसंगतियां पाई गई हैं। मालूम हो कि घटना के सामने आने के बाद डा. घोष ने प्रिंसिपल के पद से इस्तीफा दे दिया था।

कोलकाता में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म एवं उसकी हत्या के विरोध में शनिवार को वर्षा के मध्य प्रदर्शन के दौरान न्याय की मांग की गई। एएनआइ

सुबूतों से छेड़छाड़ की जताई आशंका

राष्ट्रीय महिला आयोग ने घटना को लेकर राज्य प्रशासन व पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि जिस जगह पर दुष्कर्म व हत्या की घटना हुई, वहां कै क्षतिग्रस्त सामान को ठीक करवा दिया गया। आयोग ने सुबूतों के साथ छेड़छाड़ की भी आशंका जताई है। साथ ही पुलिस की जांच में कई खामियां बताई है।

नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा- शव कहीं और से लाकर रखा

भाजपा विधायक व बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने भी कहा है कि मृतका की अस्पताल में किसी और जगह हत्या करने के बाद उसके शव को सेमिनार हाल में लाकर रखा गया था और इसमें कई लोग शामिल थे। उन्होंने एक्स पर लिखा- 'मुझे अपने विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि कोलकाता पुलिस ने जांच के नाम पर मृतका की विसरा रिपोर्ट बदल दी है। घटना के बाद खून से सनी चीजों को भी बदल दिया गया। पुलिस की सीजर लिस्ट में जो चीजें हैं, वे वास्तविक नहीं हैं और उनसे डीएनए जांच में मदद नहीं मिलेगी। वाश बेसिन को हटाकर नया बेसिन लगा दिया गया है। मुझे उम्मीद है कि सीबीआइ इन पहलुओं पर भी गौर करेगी।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल के निर्देश पर ये सारा कुछ किया गया था।

घटनास्थल की डिजिटल मैपिंग, तैयार किया जाएगा वर्चुअल इमेज

सीबीआइ की एक टीम शनिवार सुबह फिर घटनास्थल पर डिजिटल मैपिंग के लिए पहुंची। मालूम हो कि डिजिटल मैपिंग के तहत डाटा संकलित कर उसे आभासी छवि (वर्चुअल इमेज) का रूप दिया जाता है। इस तकनीक का प्राथमिक कार्य ऐसा मानचित्र तैयार करना होता है, जो किसी विशेष क्षेत्र की सटीक जानकारी उपलब्ध कराए, जिसमें प्रमुख रास्ते, स्थान और अन्य आवश्यक तथ्यों का विवरण हो। अब तक की जांच में अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि मामले में गिरफ्तार सिविक वालंटियर संजय राय घटना वाली रात करीब 11 बजे अस्पताल आया था और करीब 30 मिनट तक वहां था। इसके बाद वह दोबारा देर रात 3.45 से 3.50 के बीच अस्पताल पहुंचा था और सेमिनार हाल में गया। करीब 35 मिनट बाद वह सेमिनार हाल से निकल गया था। सीबीआइ की टीम विधाननगर स्थित उस पुलिस बैरक में भी गई, जहां संजय रहता था। ठिकाने का भी मुआयना किया।

स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा के उपाय सुझाने के लिए समिति का होगा गठन

नई दिल्ली, प्रेट्र: स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव उपाय सुझाने की खातिर एक समिति का गठन किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि राज्य सरकारों सहित सभी पक्षकारों के प्रतिनिधियों को समिति के साथ अपना सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

मंत्रालय ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में एक महिला प्रशिक्षु डाक्टर से दुष्कर्म और हत्या के विरोध में देशभर में आंदोलन कर रहे चिकित्सकों से अनुरोध किया है कि वे व्यापक जनहित तथा डेंगू और मलेरिया के बढ़ते मामलों को देखते हुए अपने काम पर लौट आएं। फेडरेशन आफ रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन (फोरडा), इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) और दिल्ली के सरकारी मेडिकल कालेजों एवं अस्पतालों के रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने कोलकाता की घटना के मद्देनजर स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विभिन्न एसोसिएशन ने कार्यस्थलों पर स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा के संबंध में अपनी मांगें रखी हैं। एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को बताया गया कि सरकार उनकी मांगों के प्रति संवेदनशील है। इस बात का भी उल्लेख किया गया कि 26 राज्य पहले ही स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए कानून बना चुके हैं।

- आंदोलन कर रहे चिकित्सकों से स्वास्थ्य मंत्रालय ने किया काम पर लौटने का अनुरोध
- महिला डाक्टर से दुष्कर्म व हत्या के मामले में स्वास्थ्य मंत्री से मिले चिकित्सक प्रतिनिधि

आइएमए ने मोदी को लिखा पत्र, डाक्टरों की सुरक्षा की मांग उठाई

नई दिल्ली, एएनआइ: इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा और कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला प्रशिक्षु डाक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मद्देनजर सुरक्षा को लेकर कई मांगें कीं। आइएमए ने कहा कि अस्पतालों को सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया जाना चाहिए। अस्पतालों का सुरक्षा प्रोटोकाल किसी हवाई अड्डे से कम नहीं होना चाहिए। अनिवार्य सुरक्षा अधिकारों के साथ अस्पतालों को सुरक्षित क्षेत्र घोषित करना पहला कदम होगा। अस्पतालों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जा सकती है। आइएमए ने यह भी मांग की कि कोलकाता में हुए अपराध की पेशेवर तरीके से और समयबद्ध जांच की जानी चाहिए और न्याय दिया जाना चाहिए। शोक संतप्त परिवार को उचित और सम्मानजनक मुआवजा दिया जाना चाहिए।

अस्पतालों में महिलाकर्मियों की सुरक्षा के लिए बंगाल सरकार शुरू करेगी रात्रि साथी योजना

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- सभी मेडिकल कालेजों में महिला वालंटियर्स की होगी तैनाती

कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में महिला डाक्टर से दुष्कर्म व हत्या की घटना को लेकर देशभर में जारी आंदोलन के बीच बंगाल सरकार ने राज्य के सरकारी अस्पतालों में महिला डाक्टरों व कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए नए कदम उठाने का निर्णय लिया है। विशेषकर रात के समय काम करने वाली महिलाओं की सुरक्षा के लिए राज्य के सभी मेडिकल कालेजों सहित प्रमुख व जिला अस्पतालों में अब महिला वालंटियर्स की तैनाती की जाएगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मुख्य सलाहकार और राज्य के पूर्व मुख्य सचिव अलापन बंद्योपाध्याय ने शनिवार शाम सचिवालय में संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अस्पतालों में महिला डाक्टरों की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार रात्तिरेर साथी (रात्रि साथी) योजना शुरू करेगी। रात में महिला वालिंटियर्स तैनात रहेंगी, जो महिलाओं की सुरक्षा के लिए ही होंगी। सराकर एक विशेष मोबाइल ऐप भी लांच करेगी,जिसमें अलार्म होगा और यह स्थानीय पुलिस थाने से भी जुड़ा रहेगा। ऐप अस्पतालों में काम कर रही हर महिलाकर्मी को अनिवार्य रूप से डाउनलोड करना होगा।

विरोध के बाद बंगाल सरकार ने वापस लिया डाक्टरों के तबादले का आदेश

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में जूनियर महिला डाक्टर से दुष्कर्म व हत्या की घटना के विरोध में चल रहे जबरदस्त आंदोलन के बीच बंगाल सरकार ने शुक्रवार शाम एक साथ 43 डाक्टरों का तबादला कर दिया। इसे लेकर जब चौतरफा विरोध हुआ तो 24 घंटे से पहले ही आदेश को वापस ले लिया। जिनका तबादला किया गया था, उनमें अकेले आरजी कर अस्पताल के 10 डाक्टर और कई नर्सिंग स्टाफ शामिल थे। अन्य डाक्टर दूसरे सरकारी अस्पतालों के थे। दूरदराज के जिलों में सबका तबादला किया गया था। राज्य में मुख्य विपक्षी दल भाजपा समेत डाक्टरों के कई संगठनों ने शनिवार को इसका कड़ा विरोध किया था। शाम होते-होते मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर आदेश वापस ले लिया गया।

राज्य के स्वास्थ्य सचिव नारायण स्वरूप निगम ने शनिवार शाम पत्रकारों को आदेश वापस लिए जाने की जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि यह नियमित तबादला था। दो महीने पहले प्रक्रिया शुरू हो गई थी। भाजपा ने तबादला आदेश को ममता सरकार का तालिबानी फतवा करार देते हुए इसे आरजी कांड के खिलाफ आंदोलन करने की सजा बताई थी।

गृह मंत्री को लिखा पत्र: तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा (रास) सदस्य सुखेंदु शेखर राय ने अस्पताल की घटना के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कड़े कानून बनाने की मांग की है। उन्होंने इस बाबत संसद के आगामी सत्र में मसौदा विधेयक लाने को कहा है।

तोड़फोड़ में तृणमूल पार्षदों के करीबियों का बताया हाथ: भाजपा व माकपा ने 14 अगस्त की रात अस्पताल में तोड़फोड़ की घटना के पीछे तृणमूल पार्षदों के करीबियों का हाथ बताया है। भाजपा की बंगाल इकाई की ओर से एक्स पर पोस्ट करके हमलावरों के नाम भी बताए गए हैं। वहीं माकपा के वरिष्ठ नेता तन्मय भट्टाचार्य ने भी कहा है कि तोड़फोड़ के पीछे तृणमूल पार्षदों के लोग शामिल हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस इलाके में आ रही है लेकिन आरोपितों को गिरफ्तार नहीं कर रही। दूसरी तरफ पुलिस का कहना है कि अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उधर, तृणमूल कांग्रेस ने आरजी कर की घटना को भाजपा व माकपा की साजिश बताकर इसके विरोध में राज्यभर में रैलियां कीं। उत्तर 24 परगना जिले के नैहाटी में पार्टी सांसद पार्थ भौमिक के नेतृत्व में रैली निकाली गई। नाट्य जगत से जुड़े लोगों द्वारा भी रैली निकाली गई।

कोलकाता में प्रशिक्षु महिला डाक्टर के साथ दुष्कर्म एवं उसकी हत्या के विरोध में शनिवार को श्रीनगर में डाक्टरों एवं मेडिकल छात्रों ने प्रदर्शन किया। प्रेट्र

न्याय के लिए संघर्ष करने वालों पर कार्रवाई कर रही बंगाल सरकार : भाजपा

नई दिल्ली, प्रेट्र: भाजपा ने शनिवार को आरोप लगाया कि बंगाल सरकार प्रशिक्षु डाक्टर के दुष्कर्म और हत्या मामले में न्याय की मांग करने वाले डाक्टरों और मीडिया पर कार्रवाई कर रही है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार का एकमात्र एजेंडा सच्चाई को दबाना, दुष्कर्मियों को बचाना और किसी भी कीमत पर साक्ष्य नष्ट करना है। उन्होंने कहा, न्याय के लिए आवाज उठाने के कारण राज्य में 43 डाक्टरों को स्थानांतरित कर दिया गया है। इनमें से कुछ को दूरदराज के इलाकों में स्थानांतरित कर दिया गया है। न्याय के लिए धर्मयुद्ध लड़ रहे नागरिकों और पत्रकारों को पुलिस कानूनी कार्रवाई की धमकी दे रही है। इस मामले में न्याय की मांग को लेकर मार्च का नेतृत्व करने के लिए ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए पूनावाला ने पूछा कि जब ममता खुद गृह और स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रभारी हैं तो वह किस बात का विरोध कर रही थीं। उन्होंने कहा कि कुछ पत्रकारों को अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट को बंद करना पड़ा है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया, तृणमूल कांग्रेस तालिबानी, तानाशाही मानसिकता का प्रतिनिधित्व करती है। पूरे देश में आक्रोश है और राज्य सरकार अपराधियों को बचा रही है।

देहरादून में किशोरी से बस में सामूहिक दुष्कर्म

जागरण संवाददाता, देहरादून

कोलकाता में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म के बाद हत्या को लेकर पूरे देश में आक्रोश है। इसी बीच शनिवार को देहरादून स्थित अंतरराज्यीय बस अड्डा (आइएसबीटी) परिसर में खड़ी बस में 16 वर्षीय किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना 12 अगस्त मध्य रात्रि की है और पीड़िता मानसिक रूप से कुछ अस्वस्थ बताई जा रही है। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी ने उसे बदहवास स्थिति में आइएसबीटी से रेस्क्यू किया। किशोरी पंजाब की निवासी है। वह पंजाब से दिल्ली पहुंची और वहां से मुरादाबाद। इसके बाद परिवहन निगम की बस से देहरादून पहुंची थी। कमेटी के सदस्यों ने जब किशोरी की काउंसलिंग की तो घटना का पता चला। शनिवार शाम चाइल्ड वेलफेयर कमेटी ने आइएसबीटी पुलिस चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। चार अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पतंजलि योगपीठ में महिला चिकित्सक से छेड़छाड़

जासं, हरिद्वार: कोलकाता में महिला चिकित्सक के साथ हुए जघन्य अपराध को लेकर देशभर में व्याप्त आक्रोश के बीच हरिद्वार के बहादराबाद स्थित पतंजलि योगपीठ में रक्तदान शिविर के दौरान महिला चिकित्सक से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। बहादराबाद थाना पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। चिकित्सक ने उस पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया है और सुरक्षा की मांग की है।

बंगाल के सिलीगुड़ी में बच्ची का यौन उत्पीड़न

जासं, सिलीगुड़ी: बंगाल के सिलीगुड़ी में नाबालिग लड़की के यौन शोषण का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में 51 वर्षीय अधेड़ सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता के परिवार वालों की मानें तो गर्मी अधिक होने की वजह से शुक्रवार की रात अपार्टमेंट में स्थित स्वीमिंग पूल में किशोरी नहाने गई थी। तौलिया स्वीमिंग पूल किनारे ही छोड़ आई थी। वह जब तौलिया लेने आई तो सुरक्षा गार्ड ने उसके साथ जबरदस्ती की।

सिंघवी कांग्रेस के विधि विभाग के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस ने शनिवार को वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी को अपने विधि, मानवाधिकार और आरटीआइ विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से विधि, मानवाधिकार और आरटीआइ विभाग के पुनर्गठन प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। वरिष्ठ अधिवक्ताओं के पैनल में सलमान खुर्शीद, केटीएस तुलसी, विवेक तन्खा, हरिन रावल, प्रशांतो सेन, देवदत्त कामथ और विपुल माहेश्वरी को शामिल किया गया है। कांग्रेस के विधि विभाग के कार्यकारी पैनल में मुहम्मद अली खान सचिव बनाए गए हैं। उनके साथ ही अमन पंवार, उमर होदा, ईशा बख्शी, अर्जुन शर्मा, निशांत मंडल, अमित भंडारी, तरन्नुम चीमा, निंगोम्बम बुपेंडा मैतेयी, लालनुन्हलुई राल्ते और स्वाति ड्वैक भी कार्यकारी पैनल के सदस्य हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए तत्काल प्रभाव से वार-रूम अध्यक्षों की नियुक्ति के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी।

बांग्लादेशी घुसपैठ राजनीतिक मुद्दा नहीं : हिमंत

झारखंड सरकार पर प्रहार

- हेमंत सरकार की तुष्टीकरण की नीति से अपराधियों को मिल रही हिम्मत
- दिवंगत हवलदार चौहान हेंब्रम के स्वजन से मिले असम के मुख्यमंत्री

जागरण संवाददाता, गिरिडीह

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण झारखंड में आदिवासी संस्कृति खतरे में है। घुसपैठ को राजनीतिक मुद्दा बताकर छोड़ा नहीं जा सकता। यह राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि हकीकत है। उन्होंने राज्य में घुसपैठ और तुष्टीकरण को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को घेरा है। कहा है कि हेमंत सरकार की तुष्टीकरण की नीति के कारण ही राज्य में अपराधियों को हिम्मत मिल रही है। अपराधी पुलिस कर्मियों की भी हत्या कर रहे हैं लेकिन तुष्टीकरण के कारण उन्हें पकड़ा नहीं जा रहा है। सरमा शनिवार को झारखंड के गिरिडीह जिले के बिशनीशरण गांव में दिवंगत हवलदार चौहान हेंब्रम के स्वजन से मिलने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। मालूम हो कि 11 अगस्त की रात को हजारीबाग मेडिकल कालेज में चौहान हेंब्रम की हत्या कर दी गई थी। झारखंड भाजपा के सह चुनाव प्रभारी हिमंत ने कहा कि हत्या कर दी जाती है लेकिन अपराधियों को पकड़ने के प्रयास नहीं किए जाते हैं। यह तुष्टीकरण है। उन्होंने कहा कि दिवंगत हवलदार के परिवार के साथ भाजपा है। पार्टी की ओर से हरसंभव सहयोग करने का प्रयास करेंगे। हम यहां के मुख्यमंत्री से कहेंगे कि आरोपित को जल्द पकड़ें। सजा फांसी से कम नहीं होनी चाहिए। हिमंत की उपस्थिति में झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हवलदार की मां को एक लाख रुपये का आर्थिक सहयोग दिया।

मृतक हवालदार चौहान हेम्ब्राम के विशनीशरण स्थित घर में स्वजन से बात करते असम के मुख्यमंत्री हिम्मत विस्वा सरमा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, जिप अध्यक्ष मुनिया देवी। जागरण

इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला भाजपा की साजिशों को करारा जवाब : राहुल

नई दिल्ली, प्रेट्र : लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि 69,000 सहायक शिक्षकों की भर्ती पर इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला आरक्षण व्यवस्था से खिलवाड़ कर रही भाजपा सरकार की साजिश को करारा जवाब है। राहुल गांधी की यह टिप्पणी हाई कोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार को राज्य में सहायक शिक्षकों की नियुक्ति के लिए नई चयन सूची तैयार करने का निर्देश दिए जाने के बाद आई है। उन्होंने कहा कि यह न केवल अमित मौर्य जैसे हजारों युवाओं की, बल्कि सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे हर योद्धा की जीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरक्षण छीनने की भाजपा की जिद ने सैकड़ों निर्दोष उम्मीदवारों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भाजपा जानबूझकर इस तरह से भर्तियां कर रही है कि एससी, एसटी, ओबीसी वर्गों को आरक्षण से दूर रखा जा सके।

दैनिक जागरण के सहयोगी मीडिया प्लेटफार्म विश्वास.न्यूज की पड़ताल में सामने आया सच

विधायक पर हमले का पुराना वीडियो प्रसारित

विश्वास.News
क्योंकि सच जानना आपका अधिकार है
www.vishvasnews.com

जेएनएन, नई दिल्ली: इंटरनेट मीडिया पर सांप्रदायिक दावे के साथ एक वीडियो प्रसारित हो रहा है। इसमें दावा किया जा रहा है कि भगवा झंडा उतारने के आरोप में एक बुजुर्ग मुस्लिम शख्स की हिंदुओं ने बेरहमी से पिटाई कर दी। वीडियो में भीड़ को एक शख्स की पिटाई करते हुए देखा जा सकता है।

पड़ताल: विश्वास न्यूज ने प्रसारित वीडियो के बारे में जानने के लिए सबसे पहले इसके कई कीफ्रेम्स निकाले। फिर इन्हें गूगल लेंस टूल के जरिये सर्च किया। हमें एक न्यूज वेबसाइट पर घटना से जुड़ी खबर मिली। सात अप्रैल, 2018 को पब्लिश खबर में बताया गया कि दो अप्रैल को भारत बंद का आह्वान हुआ था। एसटी-एससी अधिनियम में हुए बदलाव के विरोध में यह बंद किया गया था। पूर्व संसदीय सचिव रामकेश मीणा ने भारत बंद के दौरान निकाली गई रैली का नेतृत्व किया था, मगर इस दौरान हालात बिगड़ गए और गंगापुर सिटी में उपद्रवियों ने पत्थरबाजी और आगजनी शुरू कर दी। रामकेश मीणा जब उपद्रवियों को समझाने पहुंचे तो उन्होंने रामकेश मीणा पर ही हमला कर दिया।

निष्कर्ष: विश्वास न्यूज की पड़ताल में पता चला कि कांग्रेस विधायक रामकेश मीणा पर हमले का पुराना वीडियो गलत और सांप्रदायिक दावे के साथ प्रसारित किया जा रहा है।

क्या हो रहा है प्रसारित
फेसबुक यूजर सीटीवी न्यूज इंडिया ने 12 अगस्त को एक वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा, 'राजस्थान मे भगवा झंडा उतारने का आरोप लगा कर हिंदू चरमपंथी की भीड़ ने एक अकेले मुस्लिम बुजुर्ग आदमी पर हमला बोल दिया।' प्रसारित पोस्ट के कंटेंट को यहां ज्यों का त्यों लिखा गया है। इसे सच मानकर दूसरे यूजर्स भी शेयर कर रहे हैं।

झूठी खबर और अफवाहों का सच जानने के लिए विश्वास न्यूज के वाट्सएप चैनल को फालो करने के लिए कोड स्कैन करें।

सीएम के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे सकते हैं राज्यपाल

भाजपा ने मांगा सिद्दरमैया का इस्तीफा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

नई दिल्ली, प्रेट्र : भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत किसी मुख्यमंत्री या मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में जांच और मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के लिए राज्यपाल सक्षम प्राधिकारी हैं। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुडा भूखंड आवंटन घोटाले के आरोप में मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए शनिवार को इसी अधिकार के तहत मंजूरी दी।

कर्नाटक के राज्यपाल सचिवालय ने कथित अपराधों के लिए भ्रष्टाचार निवारण (पीसी) अधिनियम, 1988 की धारा 17 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 218 के तहत सिद्दरमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग को स्वीकार किया। कानून के तहत मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के लिए राज्यपाल सक्षम प्राधिकारी हैं और कानूनी स्थिति के मद्देनजर आरोपित को पद से हटाने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा मंजूरी दी जानी चाहिए।

एक संशोधन के माध्यम से 2018 में शामिल की गई पीसी अधिनियम की धारा 17ए के तहत किसी लोक सेवक के खिलाफ पूछताछ या जांच शुरू करने से पहले सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति अनिवार्य है यानी प्रविधान कहता है कि एक पुलिस अधिकारी को ऐसे अपराधों की जांच करने से पहले पूर्वानुमति लेनी होगी। सक्षम प्राधिकारी को जांच एजेंसी से अनुरोध प्राप्त होने के 120 दिन के भीतर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने या अस्वीकार करने का निर्णय लेना होगा। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि पूर्व मंजूरी प्राप्त करने की उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोकसेवकों को परेशान न किया जाए। कर्नाटक के राज्यपाल ने बीएनएसएस की धारा 218 भी लागू की है, जिसने हाल ही में दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की जगह ली है। इस वजह से वह सक्षम प्राधिकारी हैं।

नड्डा बोले- सिद्दरमैया ने दलित की जमीन हड़पी, कांग्रेस के ढोंग का हुआ पर्दाफाश

इससे एक बार फिर साबित हो गया है कि कांग्रेस ने निजी लाभ के लिए आम लोगों के साथ विश्वासघात किया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि जब 2011 में तत्कालीन मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ इसी तरह तत्कालीन राज्यपाल ने अभियोजन की अनुमति दी थी तो सिद्दरमैया ने ही कहा था कि येदियुरप्पा को एक मिनट के लिए भी मुख्यमंत्री रहने का अधिकार नहीं रह गया है। अब खुद कुर्सी नहीं छोड़ रहे हैं।

कांग्रेसियों ने राज्यपाल के कदम के खिलाफ राज्य के कई हिस्सों में किया विरोध प्रदर्शन

प्रथम फ्रूट से आगे

उधर कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष व डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने राज्यपाल के कदम को असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक करार दिया। कहा- पूरी पार्टी और सरकार के साथ-साथ आइएनडीआइए भी सिद्दरमैया के पक्ष में खड़ा है। उन्होंने मुख्यमंत्री के इस्तीफे की भाजपा की मांग को भी सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ये झूठे आरोप हैं और हम कानूनी और राजनीतिक रूप से इसका मुकाबला करेंगे। सिद्दरमैया ने कहा कि राज्यपाल केंद्र सरकार के हाथों की कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं। हम उनके फैसले के खिलाफ अदालत जाएंगे। इस बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं और सिद्दरमैया के समर्थकों ने राज्यपाल के कदम के खिलाफ बेंगलुरु, मैसूर, मांड्या समेत राज्य के कई अन्य हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया। बेंगलुरु में कांग्रेसियों ने गहलोत विरोधी नारे लगाते हुए उनके पुतले जलाए। प्रदर्शनकारी हाथों में "राज्यपाल हटाओ, राज्य बचाओ" नारे लिखी तख्तियां लिए हुए थे।

****

240 से अधिक शासकीय व निजी वाहनों को 10 जून को भिलाई स्थित बलौदा बाजार कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन के दौरान फूंक दिया गया था। लगभग 12 करोड़ की संपत्ति का नुकसान हुआ था।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 18 अगस्त, 2024

उदयपुर हिंसा मामला ▸ मुस्लिम छात्र के हिंदू सहपाठी पर चाकू से हमले के बाद कठोर कार्रवाई

आरोपित छात्र के घर पर चला बुलडोजर

वन विभाग की जमीन पर बना था घर, शहर में इंटरनेट व स्कूल बंद

जागरण संवाददाता, जयपुर

सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले मुस्लिम छात्र द्वारा हिंदू सहपाठी पर चाकू से हमले के बाद हुए बवाल के दूसरे दिन शनिवार को भी राजस्थान के उदयपुर में तनावपूर्ण हालात को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन ने अफवाह पर रोक लगाने के लिए 24 घंटे तक इंटरनेट बंद करने के साथ ही अगले आदेश तक 12वीं कक्षा तक के स्कूल बंद कर दिए हैं। पुलिस ने आरोपित छात्र को हिरासत में ले रखा है, जबकि उसके पिता को गिरफ्तार किया गया है। शनिवार को नगर निगम प्रशासन ने आरोपित छात्र के अवैध घर पर बुलडोजर चला दिया। यह घर वन विभाग की जमीन पर बना हुआ था। सुबह निगम प्रशासन ने आरोपित के स्वजनों को घर के दस्तावेज प्रस्तुत करने का नोटिस दिया। बाद में जांच के दौरान सरकारी जमीन पर घर बने होने की बात सामने आई तो बुलडोजर चलाकर उसे गिरा दिया गया।

जानकारी के अनुसार बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों पर अत्याचार की बात पर चार दिन पहले दोनों छात्रों के बीच झगड़ा हुआ था, जिससे गुस्साए मुस्लिम छात्र ने शुक्रवार को सहपाठी पर चाकू से हमला कर दिया।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में भी सामने आया है कि दोनों छात्रों में पिछले तीन-चार दिनों से विवाद चल रहा था, लेकिन स्कूल प्रशासन को जानकारी नहीं मिली। आरोपित छात्र की इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट भी सामने आई है, जिसमें वह दूसरे दोस्तों के साथ हमले और जान से मारने की बात कर रहा है। जागरण इस पोस्ट की पुष्टि नहीं करता है। उदयपुर मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. विपिन माथुर ने बताया कि घायल बच्चे की अंतड़ियां कट गई थीं, जिससे खून ज्यादा बह गया है। मल्टी आर्गन फेल्योर जैसी स्थिति बनी हुई है।

बता दें कि शुक्रवार को हुई वारदात के बाद शहर में भारी तोड़फोड़ और आगजनी हुई थी। दोनों समुदाय आमने-सामने आ गए थे।

स्कूलों में चाकू, कैंची ले जाने पर रोक : शनिवार को अवकाश के बावजूद शिक्षा विभाग ने स्कूलों के लिए गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत अब प्रदेश के स्कूलों में छात्र धारदार हथियार, चाकू, कैंची और छुरी सहित किसी भी तरह का अन्य नुकीला सामान नहीं ले जा सकेंगे। शिक्षकों को नियमित तौर पर छात्रों के स्कूल बैग की जांच करनी होगी।

दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई : विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि पूरे विश्व में समाज विशेष का सोच हिंसा फैलाने का है। उदयपुर के मामले को सरकार गंभीरता से ले। दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस तरह की घटनाओं की पुनरावृति नहीं होनी चाहिए।

राजस्थान के उदयपुर में हिंदू सहपाठी पर चाकू से हमले के आरोपित मुस्लिम छात्र का घर शनिवार को बुलडोजर से ढहा दिया गया। प्रेट्र

जयपुर में युवक की हत्या, हंगामा

जागरण संवाददाता, जयपुर : जयपुर के शास्त्रीनगर इलाके में गाड़ी आगे-पीछे करने को लेकर विवाद में शुक्रवार देर रात ई-रिक्शा सवार तीन युवकों ने स्कूटी सवार दो युवकों से मारपीट की। इसमें स्कूटी सवार युवक दिनेश स्वामी की उपचार के दौरान मौत हो गई। शनिवार सुबह मृतक के आक्रोशित स्वजन और अन्य लोग बड़ी संख्या में थाने पहुंचे और रास्ता जाम कर नारेबाजी की। हंगामा बढ़ता देख बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर तैनात किए गए। पुलिस ने आरोपित शाहरुख नामक युवक को शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसके साथियों की तलाश की जा रही है। करीब छह घंटे तक हंगामे के बाद मुआवजे को लेकर सहमति बनी। मृतक के एक स्वजन को संविदा पर नौकरी देने के साथ डेयरी का बूथ आवंटित किया जाएगा।

बिहार में सामूहिक दुष्कर्म व हत्या के मुख्य आरोपित के घर जमींदोंज

▸ शुक्रवार को डुगडुगी बजाकर आरोपित के घर पर चस्पा किया गया था इश्तेहार

▸ समर्पण नहीं करने के बाद शनिवार दोपहर पुलिस ने की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई

मुजफ्फरपुर के पारू में दुष्कर्म के आरोपित संजय राय के घर को पुलिस ने शनिवार को बुलडोजर से ढहाया। जागरण

जासं. पारू (मुजफ्फरपुर)

बिहार में मुजफ्फरुपर जिले के पारू थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में अनुसूचित जाति की किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मुख्य आरोपित संजय राय के दो घरों पर शनिवार को पुलिस ने बुलडोजर चलाते हुए कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की। मजिस्ट्रेट के तौर पर पारू के अंचलाधिकारी (सीओ) मुकेश कुमार की मौजूदगी में यह कार्रवाई हुई।

एसडीपीओ कुमार चंदन के नेतृत्व में पुलिस ने फरार आरोपित के मकान की खिड़की-चौखट को उखाड़ डाला। वहीं, एस्बेस्टस वाले झोपड़ीनुमा घर को जमींदोज कर दिया। घर में रखे सामान की कुर्की-जब्ती कर थाने लाया गया। उत्तर प्रदेश के योगी सरकार की तरह मुजफ्फरपुर में इस तरह से किसी आरोपित के घर पर बुलडोजर चलाने की यह पहली कार्रवाई है।

मालूम हो कि शुक्रवार को मुनादी कर आरोपित संजय के घर पर इश्तेहार चस्पा किया गया था। उसकी गिरफ्तारी को लेकर शुक्रवार की देर रात कई जगहों पर छापेमारी की गई, लेकिन वह नहीं पकड़ा गया। हालांकि, संजय को भगाने में सहयोग करने वाले गोपालपुर के मिथलेश कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसमें प्रयुक्त बोलेरो को पहले ही जब्त किया गया था। शनिवार की दोपहर तक आरोपित ने समर्पण नहीं किया। बता दें कि 11 अगस्त को संजय राय ने गुर्गों के सहयोग से किशोरी को उसके घर से हथियार के बल पर अपहरण कर लिया था। इसके बाद उसकी हत्या कर गांव के पास के एक तालाब के समीप शव को फेंक दिया था।

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार हिंसा मामले में कांग्रेस विधायक गिरफ्तार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भिलाई : छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में बीते 10 जून को हुई आगजनी और हिंसा के मामले में शनिवार को भिलाई नगर से कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस की विधायक समर्थकों से जमकर झड़प भी हुई। गिरफ्तारी के पहले विधायक सफेद झंडा और संविधान की किताब थामे दिखे। पुलिस ने विधायक को बयान दर्ज कराने के लिए चार बार नोटिस देकर बुलाया था, लेकिन वह नहीं गए।

बता दें कि बलौदा बाजार में सतनामी समाज के धार्मिक स्तंभ को नुकसान पहुंचाने के विरोध में प्रदर्शन चल रहा था। लोग सीबीआइ जांच की मांग कर रहे थे। 10 जून को बलौदा बाजार कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन के दौरान व्यापक हिंसा हुई थी। इसमें 240 से अधिक शासकीय व निजी वाहनों को फूंक दिया गया था। इस मामले में अब तक 178 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस की जानकारी में यह आया था कि कलेक्टर कार्यालय के घेराव के पहले बड़ी सभा हुई थी। इसमें भिलाई नगर विधायक भी शामिल थे। इसलिए पुलिस उन्हें बयान दर्ज कराने के लिए बुला रही थी। विधायक यह कहकर टाल रहे थे कि वह अपनी राजनीति छोड़ बयान दर्ज कराने नहीं आ सकते। पुलिस को बयान लेना हो तो उनके पास आए।

नक्सलियों के सबसे मजबूत गढ़ को भेदेंगी दो सड़कें

अनिमेष पाल ● जगदलपुर

▸ सुकमा जिले में नक्सल कमांडर हिड़मा के पूवर्ती गांव तक 51.25 किमी लंबाई की रोड को मंजूरी

जगदलपुर : सुकमा जिले में नक्सलियों के गढ़ को भेदने के लिए दो प्रमुख सड़कों को केंद्र सरकार की स्वीकृति मिल गई है। दोनों सड़कें नक्सल कमांडर हिड़मा के गांव पूवर्ती तक जाएगी। 51.25 किमी और 13.25 किमी लंबी ये सड़कें एक दर्जन से अधिक ऐसे गांवों को जोड़ेंगी, जहां के ग्रामीण अब तक पगडंडी पर ही चलते रहे हैं। सुरक्षा बल की रणनीति अब देश में सबसे ताकतवर नक्सल संगठन दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के गढ़ को भेदने की है, ताकि भीतर की दुनिया में रहने वालों को बाहर की दुनिया से जोड़ा जा सके।

बस्तर पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि दोनों सड़कों का निर्माण नक्सलियों के सबसे मजबूत आधार क्षेत्र में होगा। सुकमा व बीजापुर जिले का सीमावर्ती यह क्षेत्र तेलंगाना राज्य की सीमा से सटा हुआ है। यह क्षेत्र नक्सलियों के केंद्रीय समिति के नेताओं की भी शरणस्थली है। लंबे समय तक

> दोनों सड़कों के लिए केंद्र से स्वीकृति मिल चुकी है। शीघ्र ही इनके निर्माण के लिए निविदा आमंत्रित की जाएगी।
> – जीआर रावटे, मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग

नक्सलियों के प्रभाव में रहने के कारण इस क्षेत्र के रहवासी पूरी तरह बाहरी दुनिया से कट चुके हैं। यहां सड़क बनने से इस क्षेत्र में लोगों तक राशन, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा की बुनियादी सुविधाओं के साथ सरकार की योजनाएं पहुंचाने का रास्ता तैयार हो जाएगा।

सड़कों से विकास का पथ : इस क्षेत्र में नक्सलियों की लड़ाकू बटालियन नंबर एक सक्रिय है। 2021 में सुरक्षा बल ने यहां घुसने का प्रयास किया था तो टेकुलगुड़ेम में 21 जवान बलिदान हो गए थे। इस वर्ष टेकुलगुड़ेम और फिर पूवर्ती में सुरक्षा बल ने कैंप स्थापित किया है।

बिहार : तीसरी बार गिरा निर्माणाधीन पुल का भाग

जागरण संवाददाता, भागलपुर

▸ भागलपुर और खगड़िया के बीच गंगा नदी पर नौ वर्ष से बन रहा पुल

▸ एक साल पहले जिस पाये का ढांचा गिरा था, उसी का बचा भाग ढहा

बिहार में भागलपुर और खगड़िया जिलों को जोड़ने के लिए गंगा पर निर्माणाधीन सुल्तानगंज-अगुवानी घाट फोरलेन पुल का एक हिस्सा शनिवार की सुबह नदी में समा गया। तेज आवाज के साथ पिलर संख्या नौ के ऊपर रखे आधा दर्जन सेगमेंट नदी में गिर गए। पुल के पिलर संख्या नौ से 12 तक का सुपर स्ट्रक्चर एक साल पूर्व ही गिर गया था। वर्तमान में गिरा ढांचा तब क्षतिग्रस्त हुए पुल का हिस्सा था। 30 अप्रैल 2022 को पहली बार पुल के 54 सेगमेंट नदी में गिर गए थे।

घटना के बाद बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड ने जानकारी दी कि पुल की जांच आइआइटी रुड़की द्वारा कराई गई थी। पाया गया कि इसकी डिजाइन में गड़बड़ी है। इसके बाद निर्माण कर रही कंपनी एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन को निर्देश दिया गया कि काम बंद कर स्पैन और बचे हुए सेगमेंट को हटा दे। क्षतिग्रस्त हिस्सों को हटाया जा रहा था। इसी दौरान नदी के जलस्तर में वृद्धि एवं तेज बहाव के कारण शनिवार को मलबा पानी में गिर गया।

निर्माण एजेंसी को हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से को वह अपने खर्चे पर बनाए। गौरतलब है कि 1,710 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस पुल का निर्माण 2015 में शुरू हुआ था। पुल की लंबाई गंगा नदी में 3.16 किलोमीटर है। दोनों ओर एप्रोच पथ को मिलाकर कुल लंबाई 25 किलोमीटर है।

बिहार में भागलपुर एवं खगड़िया जिलों को जोड़ने के लिए गंगा पर निर्माणाधीन पुल का एक भाग शनिवार को गिर गया। एएनआइ

400 करोड़ रुपये की ठगी में राउरकेला से चार गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, राउरकेला

▸ फीविन एप के जरिए आनलाइन गेम खेलने वालों से हुई ठगी

आनलाइन गेम फीविन में 400 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में कोलकाता ईडी ने शनिवार को राउरकेला से चार लोगों को गिरफ्तार किया। इसके बाद कोर्ट में पेश किया गया जहां से 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा गया। ईडी की टीम ने कोलकाता के कोसीपारा थाना क्षेत्र में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर यह कार्रवाई की है।

ईडी की टीम के अनुसार चीनी नागरिक की सहायता एवं सहयोग से यह आनलाइन गेम चल रहा था। फीविन एप के जरिए आनलाइन गेम खेलने वालों से करोड़ों रुपये की ठगी की गई है। अरुण और आलोक दोनों इस एप के जरिए स्थानीय लोगों को रातों रात करोड़पति बनने का सपना दिखा कर उनका एकाउंट खाली कर रहे थे। यह राशि विभिन्न बैंक एकाउंट में जमा की जा रही थी। ठगी के बाद भारतीय मुद्रा को क्रिप्टो करंसी में बदल दिया था। बाद में यह राशि चीन के किंग पिन के पास पहुंचता था। गिरफ्तार आरोपितों में चेन्नई के साफ्टवेयर इंजीनियर जोसफ स्टालिन चीनी नागरिक से हमेशा संपर्क में रहता था। वह भारतीय मुद्रा को विदेशी मुद्रा में बदलने एवं उस तक पहुंचाने में सहयोग करता था।

श्रद्धा का महासावन

लोक कल्याण की राह पर चलने से भी प्रसन्न होते हैं शिव

शिव का अर्थ है कल्याणकारी। कल्याण का भाव ही शिव-तत्व है। जन कल्याणकारी कार्यों की ओर प्रवृत्त होना ही सच्ची शिव-आराधना है। श्रावण मास में तन-मन से शिवार्चन किया जाता है। श्रावण उत्सव का माह है और भगवान शिव को अति प्रिय है। यही वजह है कि श्रावण माह में शिव आराधना का विशेष महत्व है। इस दौरान प्रकृति धरा को अलंकृत करती है। यह सृजन का काल भी है। इस माह के दौरान त्याग और तपस्या का विशेष विधान है। शिव को पाने के लिए अंदर से द्वेष, भय, क्रोध व अहंकार का परित्याग कर हृदय को निर्मल और पवित्र बनाएं। जब हमारे आचरण में सरलता, पवित्रता और प्रेम का गुण होगा, तभी प्रकृति में शिवत्व के भाव को महसूस कर पाएंगे। हम लोक कल्याण के मार्ग पर अग्रसर होकर भी शिवोपासना का लाभ अर्जित कर सकते हैं। इस दौरान शिव जी का चिंतन करते रहना चाहिए। त्रिगुण रहित शिव में और रुद्र में कोई अंतर नहीं है। सर्व शून्य होने पर भी सदाशिव विद्यमान रहते हैं। शिव सब प्रकार की विद्याओं के अधिपति हैं। शिव को वेदों को प्रकट करने वाला तथा वेदपति कहा गया है। हम प्राकृतिक शक्तियों के अधीन हैं लेकिन जब हम आध्यात्मिक रूप से जाग जाते हैं, तो शिव से मुलाकात होती है। विद्वानजन ने शिव को पाने के अनेक उपाय सुझाए हैं पर श्रावण मास में संस्कारित रहकर और त्याग व लोक कल्याण की राह पर चलकर भी भगवान शिव को प्रसन्न किया जा सकता है।

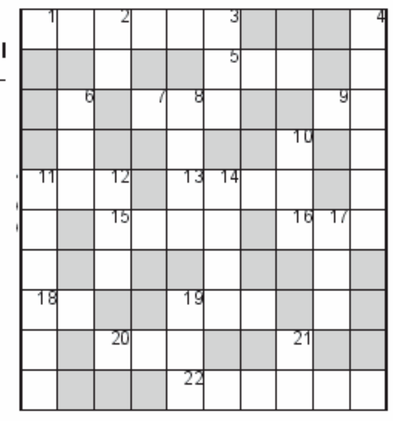

स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती, अटल पीठाधीश्वर

ईडी भी करेगी नीट-यूजी पेपर लीक मामले की जांच

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना : नीट-यूजी पेपर लीक की सीबीआइ जांच के बीच इस मामले में अब ईडी का भी प्रवेश हो गया है। सीबीआइ जांच के साथ ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) भी समान रूप से इस मामले की जांच करेगा। प्रवर्तन निदेशालय ने पेपर लीक मामले में सीबीआइ द्वारा दर्ज प्राथमिकी को आधार बनाकर इसीआइआर (इंफोर्समेंट केस इंवेस्टिगेशन रिपोर्ट) दर्ज कर जांच शुरू की है। प्रवर्तन निदेशालय अब नामजद अभियुक्तों की संपत्ति की जांच करेगा।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय इंफोर्समेंट केस इंवेस्टिगेशन रिपोर्ट में करीब दर्जन भर आरोपितों और अज्ञात के नाम दर्ज किए हैं, जिनकी संपत्ति की जांच संभावित है। सूत्रों की मानें तो बढ़ती जांच के दौरान अन्य के नाम भी निदेशालय शामिल कर सकता है।

मालूम हो कि इस वर्ष पेपर लीक होने पर मामले की प्रारंभिक जांच बिहार की पटना पुलिस और बाद में राज्य की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने शुरू की थी। 23 जून से मामले की जांच केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआइ ने शुरू की। सीबीआइ ने दिल्ली में इस मामले में पहले प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसे आधार बनाकर ईडी ने इसीआइआर दर्ज की है। मालूम हो कि सीबीआइ पेपर लीक मामले में अपनी पहली चार्जशीट भी दायर कर चुकी है। आरोपितों में कुछ नाम अभ्यर्थियों के भी हैं। मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने इसको लेकर सख्त टिप्पणी भी की थी।

केदारघाटी में आई आपदा के बाद 17 लोग अभी भी लापता

जागरण संवाददाता, रुद्रप्रयाग

केदारघाटी में 18 दिन पहले आई आपदा के बाद से अब तक सात शव मिल चुके हैं। इनमें से छह की पहचान हो पाई है। इस बीच सोनप्रयाग थाने में 23 व्यक्तियों की गुमशुदगी दर्ज कराई जा चुकी है। इनमें छह लोग वो हैं, जिनके शव बरामद हो चुके हैं। जिस शव की अभी तक पहचान नहीं हुई है, उसकी गुमशुदगी दर्ज है या नहीं, इसको लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। अब भी लापता 17 लोगों में तीर्थ यात्रियों के साथ कुछ स्थानीय लोग भी शामिल हैं। इनकी तलाश में सर्च अभियान जारी है।

31 जुलाई की रात बादल फटने और भूस्खलन होने से केदारनाथ पैदल मार्ग कई स्थानों पर ध्वस्त हो गया था। उस दिन पैदल मार्ग के पड़ावों और धाम में लगभग 15 हजार तीर्थयात्री मौजूद थे, जिसमें कुछ लोग लापता हो गए। इनके मलबे में दबे होने की आशंका के दृष्टिगत एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और डीडीआरफ की टीम भूस्खलन प्रभावित विभिन्न स्थानों पर खोजबीन कर रही है। अब तक मलबे से छह व्यक्तियों के शव मिल चुके हैं। इसके अलावा एक शव गुप्तकाशी के पास नदी में मिला है। गुरुवार को लिनचोली में मलबे व पत्थरों के नीचे तीन शव मिले थे। जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग के डा. मनीष कुमार ने बताया कि तीनों की मौत सांस की नली में मिट्टी जाने और दम घुटने से हुई। शव स्वजन को सौंप दिए गए हैं।

चारधाम रजिस्ट्रेशन के लिए नहीं रहेगी संख्या की बाध्यता : धामी

राज्य ब्यूरो, जागरण, देहरादून : उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सितंबर से लेकर कपाट बंद होने तक चारधाम यात्रा के लिए आनलाइन व्यवस्था पूर्व की भांति चलती रहेगी। जो तीर्थ यात्री चारधाम दर्शन के लिए आनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं करा पाएंगे, उन्हें मौके पर रजिस्ट्रेशन कराने की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें किसी भी प्रकार संख्या की बाध्यता नहीं रहेगी। इसके लिए आफलाइन स्पाट रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की जाएगी। यह व्यवस्था हरिद्वार, ऋषिकेश के साथ ही गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ एवं बदरीनाथ के मुख्य पड़ावों पर भी की जाएगी। पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को सचिवालय में कहा कि चारधाम यात्रा में देश-विदेश से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।

वर्ग पहेली-2724

बाएं से दाएं
1. बिलख-बिलख कर रोना (3,3)।
5. यूनानी चिकित्सक (3)। 7. पशु-पक्षी का बच्चा (3)।
9. शरीर की हड्डी (2)।
11. या, वा (3)। 13. चक्कर आना, कुछ भी समझ में न आना (4)।
15. लव-कुश के दादा (4)।
16. विवेक, अदब, शिष्टाचार (3)।
18. खून (2)। 19. घुंघरू, पाजेब (3)। 20. धूर्तता, चालाकी (3)।
22. प्रतिष्ठा बचा लेना (2,2,2)।

ऊपर से नीचे
2. कदम, डग (2)। 3. बेवजह, फिजूल में (3)। 4. चालाक, धूर्त, कपटी (6)।
6. सौगंध, कसम, प्रतिज्ञा (3)।
8. वनवासी, जंगल में रहने वाला (4)।
10. कार्य हेतु नियुक्त किया हुआ (3)।
11. मौके का फायदा उठाने वाला (6)।
12. बोलने या बजाने वाला (3)। 14. जो कहने लायक हो (4)। 17. मापक, लंबाई मापने की एक इकाई (3)। 19. बराबर करना, मिलाना (3)। 21. धाक, रोब, प्रतिष्ठा (2)।

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

का			म			अ	न	ब	न
र	ख	वा	ना			प		द	
खा			क	र		ना		हा	
ना	म	व	र		अ	ना	था	ल	य
			ना	था	ना		क		
		ग		म	म	ता			
हा	था	म	ल	ना		ली	ला	स्थ	ल
	ल		प		क	ब			स
	च		क			जा	न	व	र
दे	र	क	ना			ना			का

जागरण सुडोकू-2724

	3				1		6	
8	7		5		4		3	
		5		3		1		8
6			9					
	2			5	6	7		9
7		9	1				5	
	4		3		2			7
				4				
2		6		1		8		3

कल का हल

4	5	6	3	2	1	9	8	7
1	2	3	9	8	7	4	5	6
7	8	9	6	5	4	1	2	3
8	9	4	5	6	3	7	1	2
2	3	7	8	1	9	6	4	5
5	6	1	4	7	2	3	9	8
6	4	8	7	9	5	2	3	1
3	1	5	2	4	6	8	7	9
9	7	2	1	3	8	5	6	4

आज का भविष्यफल : 18 अगस्त, 2024 रविवार

के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रहस्थिति : श्रावण मास शुक्लपक्ष त्रयोदशी।
आज का राहुकाल : सायं 4 बजकर 30 मिनट से 6 बजे तक।
आज का दिशाशूल : पश्चिम। **विशेष :** चतुर्दशी तिथि की क्षय।

कल 19 अगस्त, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : पूर्व **विशेष :** रक्षाबंधन, मुहूर्त– दोपहर 1 बजकर 30 मिनट के पश्चात **भद्रा :** प्रातः 5 बजकर 6 मिनट से दोपहर 1 बजकर 30 मिनट तक। **पंचक :** सायं 7 बजे से प्रारंभ 23 अगस्त को सायं 7 बजकर 54 मिनट पर समाप्त। वर्षा ऋतु श्रावण मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तत्पश्चात प्रतिपदा श्रवण नक्षत्र 8 घंटे 11 मिनट तक, तत्पश्चात धनिष्ठा नक्षत्र शोभन योग 24 घंटे 47 मिनट तक, मकर में चंद्रमा सायं 7 बजे तक तत्पश्चात कुंभ में।

मेष : पारिवारिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। रिश्तों में निकटता आएगी।
वृष : उपहार या सम्मान प्राप्त होगा। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
मिथुन : स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।
कर्क : गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख भी मिलेगा।
सिंह : बहुप्रतीक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
कन्या : शासनसत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे। धन व्यय होगा।
तुला : व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
वृश्चिक : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सहयोग और सानिध्य मिलेगा।
धनु : किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
मकर : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।
कुंभ : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा।
मीन : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आर्थिक जोखिम न उठाएं।

केदारनाथ धाम

वर्ष 2013 की तबाही में चौमासी-केदारनाथ मार्ग से ही बचाई थी हजारों तीर्थ यात्रियों ने जान, मार्ग के विकसित होने की उम्मीद जगी, निर्माण को डीडीएमए ने भेजा 20 करोड़ का प्रस्ताव

'जीवन रक्षक' वैकल्पिक मार्ग की राह में रोड़ा बना वन भूमि हस्तांतरण

बृजेश भट्ट ● जागरण

रुद्रप्रयाग : वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा में हजारों तीर्थ यात्रियों की जान बचाने वाले पौराणिक चौमासी-केदारनाथ पैदल मार्ग को विकसित करने की राह में वन भूमि हस्तांतरित नहीं होने की चुनौती बनी हुई है। अब जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की ओर से मार्ग निर्माण को 20 करोड़ का प्रस्ताव शासन में भेजा गया है। इससे केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से वन भूमि हस्तांतरण होने की उम्मीद जगी है। केदारघाटी के चौमासी गांव से केदारनाथ धाम को जोड़ने वाले 19 किमी पैदल मार्ग का 13 किमी हिस्सा वर्तमान में जर्जर है। कभी इस मार्ग से तीर्थयात्री केदारनाथ पहुंचते थे। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता विनय झिंक्वाण का कहना है कि चौमासी-केदारनाथ पैदल मार्ग को विकसित करने के लिए केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की स्वीकृति के बाद ही कार्य शुरू हो पाएगा।

2013 की आपदा के बाद इस वर्ष फिर गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग को भारी नुकसान होने से पौराणिक चौमासी मार्ग की अहमियत समझ में आने लगी है। 2013 की आपदा में इसी मार्ग से सैकड़ों यात्रियों को निकाला गया था। ग्राम पंचायत चौमासी के प्रधान मुलायम सिंह का कहना है कि यह मार्ग सुरक्षित केदारनाथ यात्रा के लिए बेहद अहम है। 11 वर्ष पूर्व केदारनाथ में आई आपदा ने पूरी केदारघाटी में तबाही मचा थी। तब गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग का आठ किमी हिस्सा ध्वस्त हो गया था और 30 हजार से अधिक तीर्थयात्री धाम में फंस गए थे। शुरुआत में खराब मौसम के चलते हेलीकाप्टर उड़ान नहीं भर पा रहे थे। तब हजारों तीर्थ यात्रियों ने चौमासी मार्ग से अपनी जान बचाई थी। इस बार भी इस मार्ग ने सैकड़ों तीर्थ यात्रियों की जान बचाई। देखा जाए तो आपदा प्रबंधन की दृष्टि से यह मार्ग बेहद उपयोगी है। केदारनाथ क्षेत्र के पूर्व विधायक मनोज रावत कहते हैं कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इस पैदल मार्ग को विकसित करने के लिए कार्ययोजना तैयार की थी, लेकिन फिर किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

आपदा के बाद चौमासी पैदल मार्ग ट्रेक से वापस लौटते तीर्थयात्री व केदारघाटी के लोग। जागरण आर्काइव

पैदल मार्ग पर रोकी यात्रा

जागरण संवाददाता, रुद्रप्रयाग : केदारनाथ पैदल मार्ग आवाजाही के लिए भले ही सुचारू कर दिया गया हो, लेकिन कई स्थानों पर डेंजर जोन उभर आए हैं। शुक्रवार रात क्षेत्र में भारी वर्षा होने से इन स्थानों पर दुर्घटना का खतरा बढ़ गया। इसको देखते हुए शनिवार को किसी भी तीर्थयात्री को पैदल मार्ग से धाम जाने की अनुमति नहीं दी गई। 50 से अधिक तीर्थयात्री सोनप्रयाग से धाम के लिए रवाना होना चाहते थे, जिन्हें सुरक्षा की दृष्टि से वहीं रोक दिया गया। हेली सेवा से यात्रा जारी है।

****

4 पुलिसकर्मियों को हाल ही में एक भर्ती परीक्षा के दौरान उम्मीदवार की मदद करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सेवारत उम्मीदवार के पिता एक सेवारत कांस्टेबल हैं।

रविवार विशेष

पौधे संभालिए पर्यावरण संवरेगा

इस वर्ष मानसून में देश के पहाड़ी राज्यों में अतिवृष्टि और भूस्खलन की आपदा ने आमजन से लेकर विज्ञानियों तक सभी को चिंतित किया है। बड़े पैमाने पर हुई क्षति ने इस विषय पर गंभीरता से सोचने पर विवश किया है। दरअसल वृक्षों की आवश्यकता तो हर क्षेत्र को है, लेकिन पहाड़ों की पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए तो वृक्ष अतिआवश्यक हैं। जब पहाड़ सुरक्षित होंगे तो मैदान भी सुरक्षित रहेंगे। पौधे रोपने के सरकारी प्रयासों के बीच पढ़िए वृक्ष प्रेमियों की प्रेरक कहानियां जो निजी प्रयास से सहेज रहे हैं पर्यावरण:

उत्तराखंड के धनाऊ मल्ला गांव में हरेला पर्व पर पौधा रोपते ग्रामीण ● फोटो : कमल रावत

सहभागिता की 'नर्सरी' से प्रकृति के संरक्षण तक

उत्तराखंड के पौड़ी जिले के धनाऊ मल्ला में ग्रामीणों ने सहभागिता से पर्यावरण संरक्षण का ऐसा माडल विकसित किया है, जो कई जरूरतों को पूरा कर रहा है। ग्रामीणों ने 10 वर्ष पहले धनाऊ मल्ला में 1,500 पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का जो संकल्प लिया था, वह अब फलीभूत होने लगा है। ये पौधे आज पेड़ बनकर लहलहा रहे हैं। विशेष यह कि इन्हें बचाने के लिए हर ग्रामीण ने खुद की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की। महिलाएं जब भी चारापत्ती लेने या मवेशियों को चुगाने के लिए जातीं तो पौधों की देखभाल भी करतीं। मवेशियों को भी पौधों से दूर रखतीं। इतना ही नहीं वन पंचायत ने जंगल की बाड़बंदी भी की है।

> हमारे गांव की आबादी 156 है, जिसमें 87 महिलाएं हैं। महिलाओं की सक्रियता से बड़ी कामयाबी पाई है। 10 साल पहले रोपे गए पौधों के पेड़ बन जाने से काफी खुशी होती है। सबसे बड़ी बात यह कि गांव का प्राकृतिक जलस्रोत रिचार्ज हो गया है। गांव के हर व्यक्ति ने अपनी जिम्मेदारी निभाई है।
> – **कमल रावत**, ग्राम प्रधान, धनाऊ

ग्रामीणों ने ली जिम्मेदारी: पौड़ी से 23 किमी दूर स्थित धनाऊ मल्ला में 10 वर्ष पहले तक खेतों से सटे जंगल में बहुत कम पेड़ थे। जो पेड़ थे भी, उन्हें 'फायर सीजन' में नुकसान पहुंचता था। इस पर ग्राम प्रधान कमल रावत ने पौधारोपण की योजना बनाकर इसके लिए ग्रामीणों को राजी किया। शुरू में करीब 20 महिलाएं जुड़ीं। झाड़ियां काटकर वहां पौधे लगाने की योजना बनाई गई। वन विभाग से काफल, बांज, सिल्वर ओक, सुराई आदि प्रजाति के 1,500 पौधे लेकर इन्हें गांव के आसपास रोपा गया। अब बड़ा यह सवाल था कि इन पौधों को जीवित कैसे रखा जाए। इसके लिए ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे पौधों को परिवार का सदस्य मानकर निगरानी करेंगे। रास्ते में आते-जाते समय ग्रामीण इनकी निगरानी करते रहे। 'फायर सीजन' में एक ग्रामीण की ड्यूटी लगा दी जाती, ताकि पौधे आग से बच सकें। ये पौधे अब आठ से दस फीट ऊंचे पेड़ बन गए हैं। विशेष यह कि जितने पौधे रोपे गए थे, उनमें से अधिकांश सुरक्षित रहे।

नारी शक्ति की अहम भूमिका : कमल रावत बताते हैं कि वर्ष 2014 में वह वन पंचायत से जुड़े थे। ग्रामीण महिलाओं का सीधा जुड़ाव जंगल से था, सो उन्होंने महिलाओं के साथ बैठक कर एक समूह गठित किया। गांव से सटे वन पंचायत क्षेत्र में वन विभाग के सहयोग से बाड़बंदी की गई और फिर पौधे लगाने शुरू किए। बताया कि इस कार्य में संगीता देवी, जमुना देवी, लक्ष्मी देवी, लता देवी, सुमन देवी, अनीता देवी, मकान देवी, संगुली देवी, कलावती, लक्ष्मी, शोभा, ऊषा, गीता, रामेश्वरी, धूपा और गुड्डी आदि की भूमिका सच्चे पर्यावरण प्रेमी की रही है।

प्राकृतिक जलस्रोत भी रिचार्ज: ग्रामीणों के मुताबिक गर्मी के मौसम में उनके गांव में प्राकृतिक जलस्रोत पर पानी का प्रवाह कम हो जाता था। इससे ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कमल रावत बताते हैं कि प्राकृतिक स्रोत के ऊपरी हिस्से में पौधारोपण का फायदा यह हुआ कि स्रोत धीरे-धीरे रिचार्ज होने लगा। पौधरोपण के चार से पांच साल बाद यह अंतर दिखाई देने लगा। अब गर्मियों में पानी की समस्या खत्म हो गई है। (पौड़ी से गुरुवेंद नेगी)

धर्म और आस्था कर रही वनांचल की रक्षा

जंगल सिकुड़ रहे हैं। हरित आवरण कम हो रहा है। इसी बीच हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के चिंतपूर्णी क्षेत्र के लोग वन संपदा का संरक्षण कर रहे हैं। गुरेट गांव के आसपास डेढ़ दशक में नया वन तैयार किया गया है। गुरेट, अरहनवाल, सलोह बेरी और चौआर वनों में आग की घटनाएं न के बराबर होती हैं। पर्यावरण प्रेमी लोग पेड़ काटना तो दूर, बिना जरूरत के टहनी भी नहीं काटते। इसका कारण वन्य क्षेत्र में स्थित धार्मिक स्थल हैं। लोगों की मान्यता है कि वनों की सुरक्षा के लिए देवी-देवता इस क्षेत्र में विराजमान हैं। लोहारा जंगल में चन्नी देवी का मंदिर, बधमाणा में सिद्ध मंदिर, राजपुरा जसवां में भगवान जगन्नाथ का मंदिर, आरनवाल के वन्य क्षेत्र में बड़बैह बाबा का मंदिर, जिज्जर में गौर खड्ड के किनारे ऐतिहासिक शिव मंदिर, धर्मसाल महंता में बाबा गोदड़ी सिद्ध का मंदिर, गिंडपुर मलौण में बाबा टप्पा सिद्ध का मंदिर और कोटहड़ा में मां भगवती का मंदिर है।

सुरक्षित रहा वनक्षेत्र: इस वर्ष गर्मियों में प्रदेश में कई वनों में आग लगी, लेकिन लोगों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता के चलते गुरेट व अरहनवाल के वनों का 684 हेक्टेयर क्षेत्र सुरक्षित रहा। ऊना जिले में यह चीड़ के पेड़ों का सर्वाधिक घनत्व वाला वन है। यहां साल के पेड़ भी काफी हैं। चौआर के 176 हेक्टेयर वन्य क्षेत्र में भी आग की कोई घटना नहीं हुई। सलोह बेरी जंगल का 368 हेक्टेयर क्षेत्र भी आग से बचा रहा।

हिमाचल प्रदेश में ऊना जिले के चौआर वन में इस वर्ष गर्मी के मौसम में आग लगने की घटना नहीं हुई। वन्य प्राणी और वन संपदा सुरक्षित रहे ● जागरण

> गुरेट, अरहनवाल, सलोह बेरी और चौआर के वनों में इस 'फायर सीजन' के दौरान आग लगने की कोई घटना नहीं हुई। विभाग ने तो प्रयास किए ही हैं, साथ में स्थानीय जनता का भी सहयोग मिला है।
> – **किशोरी लाल**, वन परिक्षेत्र अधिकारी, भरवाईं, ऊना

> यहां की वन संपदा न केवल सुरक्षित है बल्कि बढ़ रही है। लोग भगवान में विश्वास रखते हैं। गर्मियों में वनों को बचाने में सभी सहयोग करते हैं। ग्रामीणों को मकान बनाने और पुराने मकान की मरम्मत के लिए लकड़ी दी जाती है।
> – **सुशील राणा**, वन मंडल अधिकारी, ऊना

नए पौधों को नुकसान न पहुंचाने की शपथ: गुरेट निवासी 85 वर्षीय गुरदास राम बताते हैं कि लगभग 15 वर्ष पहले तक गांव के वनों में पुराने पेड़ों का अस्तित्व समाप्त हो रहा था। यह देखकर आसपास के ग्रामीणों ने शपथ ली है कि वनों में नई पौध को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएगा। नए तैयार होते वन में आने-जाने पर रोक लगाई। अब गुरेट के वन्य क्षेत्र में कई स्थानों पर तो दिन में भी सूरज की रोशनी नहीं पहुंच पाती। लोहारा अपर की प्रधान संगीता बाला, जवाल पंचायत के प्रधान जोगेंद्र सिंह व धर्मसाल महंता (खास) पंचायत प्रधान मंजू ठाकुर बताती हैं कि लोग कई वर्षों से वनों की सुरक्षा के लिए प्रयासरत हैं। (ऊना से नीरज पराशर)

सीमा क्षेत्र में पर्यावरण प्रहरी की भूमिका निभा रहे सरकारी-निजी संस्थान

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को नियंत्रित करने का सबसे आसान उपाय है पौधारोपण। बीते वर्षों में देश में पौधारोपण को लेकर जागरूकता बढ़ी है, लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी है रोपे गए पौधों की परवरिश। चीन सीमा से लगे उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में सरकारी और निजी संस्थान पर्यावरण के सजग प्रहरी बनकर इस दिशा में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। कोरोनाकाल में इन संस्थानों ने गंगा विचार मंच के सहयोग से अपने परिसरों में रुद्राक्ष के 6,000 से अधिक पौधे रोपे। अच्छी परवरिश से अधिकांश पौधे अब वृक्ष में और परिसर वाटिका में तब्दील हो चुके हैं। इस कड़ी में उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यूजेवीएनएल) उल्लेखनीय योगदान कर रहा है। यूजेवीएनएल ने रुद्राक्ष वाटिका के बाद मिश्रित वन के लिए भूमि तैयार की है। यहां 200 पौधे रोपे जाने हैं।

निष्प्रयोज्य भूमि का सदुपयोग : उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से दो किमी की दूरी पर स्थित कंसेण और मनेरी भाली द्वितीय जल विद्युत परियोजना के जोशियाड़ा बैराज के पास यूजेवीएनएल की करीब 1.22 एकड़ भूमि निष्प्रयोज्य पड़ी थी। वर्ष 2022 में यूजेवीएनएल ने इस भूमि को रुद्राक्ष वाटिका के लिए तैयार किया। वाटिका तैयार करने में जिला प्रशासन के साथ ही गंगा विचार मंच के प्रांत संयोजक लोकेंद्र बिष्ट ने विशेष सहयोग किया। वर्तमान में यहां रुद्राक्ष के चार से सात फीट ऊंचे 300 से अधिक वृक्ष हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र भी समृद्ध: वाटिका में पारिस्थितिकी तंत्र का खूबसूरत दृश्य भी दिखने लगा है। रुद्राक्ष के कई पेड़ों पर बुलबुल के घोंसले हैं। पक्षी विशेषज्ञों के अनुसार बुलबुल, फिंच, गोल्डन ओरियोल आदि पक्षी घोंसला बनाने के लिए रुद्राक्ष का पेड़ पसंद करते हैं। रुद्राक्ष सदाबहार पेड़ों में शामिल है। इसलिए यह बड़ी मात्रा में कार्बन अवशोषित करने के साथ ही प्रचुर मात्रा में आक्सीजन देता है। यूजेवीएनएल के अधिशासी अभियंता महावीर नाथ ने बताया कि पौधों की नियमित देखरेख के लिए दो माली रखे गए हैं। जो नया मिश्रित वन तैयार किया जा रहा है, उसमें भी पौधों के संरक्षण की विशेष व्यवस्था की जाएगी।

यहां भी है रुद्राक्ष वाटिका : यूजेवीएनएल की भांति सीमा सड़क संगठन, आइटीबीपी सहित कई अन्य संस्थानों के परिसर में भी रुद्राक्ष वाटिका विकसित हो चुकी है। संस्थानों की मांग पर गंगा विचार मंच ने नेहरू पर्वतारोहण संस्थान को 600, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल की 12वीं वाहिनी को 50, 35वीं वाहिनी को 600, सीमा सड़क संगठन को 210, पुलिस अधीक्षक कार्यालय को 150, यूजेवीएनएल को 600, विवेकानंद फाउंडेशन स्कूल गणेशपुर को 50, टौंस वन प्रभाग को 100, अपर यमुना वन प्रभाग को 100 और श्याम स्मृति वन को रुद्राक्ष के 50 पौधे उपलब्ध कराए। इसके अलावा नगर की सभी मंदिर समितियों, आसपास के गांवों और होटल एसोसिएशन को भी पौधे उपलब्ध कराई गई। इस शर्त पर कि रोपे गए हर पौधे का संरक्षण भी किया जाएगा। (उत्तरकाशी से शैलेंद्र गोदियाल)

गंगा विचार मंच के सहयोग से सीमा सड़क संगठन के उत्तरकाशी में तेखला स्थित मुख्यालय परिसर में रुद्राक्ष के पौधों के साथ इस अनूठे अभियान से जुड़े सदस्य। ● जागरण

ऐसे किया गया अभियान का शुभारंभ

रुद्राक्ष वाटिका तैयार करवाने की पहल गंगा विचार मंच के प्रांत संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट ने की। लोकेंद्र बताते हैं कि कोरोनाकाल के दौरान वर्ष 2021 में वह परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद से मिले थे। इस दौरान स्वामी चिदानंद ने गंगा के कैचमेंट क्षेत्र में रुद्राक्ष की वाटिकाएं विकसित करने का सुझाव दिया और पौध भी उपलब्ध कराई। इसके बाद उन्होंने उत्तरकाशी के तत्कालीन जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला से भेंट की। साथ ही नगर में विभिन्न संस्थानों से संपर्क कर उनके पास उपलब्ध बंजर भूमि पर रुद्राक्ष के पौधे रोपने का आग्रह किया।

पंद्रह हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंचाया दुनिया का पहला पोर्टेबल अस्पताल

नई दिल्ली, प्रेट्र : वायुसेना और थलसेना ने साथ मिलकर पैरा-ड्राप अभियान के तहत लगभग 15,000 फीट की ऊंचाई वाले क्षेत्र में आरोग्य मैत्री हेल्थ क्यूब को पहुंचाया। आरोग्य मैत्री क्यूब दुनिया का पहला एयर-लिफ्ट पोर्टेबल अस्पताल है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि यह अपनी तरह का पहला सटीक पैरा-ड्राप अभियान है।

इसे भीष्म परियोजना (भारत हेल्थ इनिशिएटिव फार सहयोग हित एंड मैत्री) के तहत विकसित किया गया है। इस अभियान ने पहाड़ी क्षेत्रों में भी मानवीय सहायता और आपदा राहत के प्रभावी संचालन की क्षमता प्रदर्शित की है। सफल पैरा-ड्राप ने सशस्त्र बलों के तालमेल और समय पर और प्रभावी सहायता प्रदान करने की क्षमता को भी प्रदर्शित किया है।

वायुसेना ने क्यूब को एयरलिफ्ट करने और सटीक रूप से पैरा-ड्राप करने के लिए अपने उन्नत सामरिक परिवहन विमान सी-130जे सुपर हरक्यूलिस का उपयोग किया। थलसेना की पैरा ब्रिगेड ने

- आरोग्य मैत्री हेल्थ क्यूब गिराने के लिए थलसेना, वायुसेना का संयुक्त अभियान
- पैरा-ड्राप के लिए विमान सी-130जे सुपर हरक्यूलिस का किया उपयोग

प्रतीकात्मक।

उन्नत सटीक ड्राप उपकरणों का उपयोग करके क्यूब को गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

केवल 720 किलोग्राम का है आरोग्य मैत्री क्यूब्स : यह पोर्टेबल हेल्थ क्यूब आपात स्थिति में मददगार हो सकते हैं। आरोग्य मैत्री क्यूब्स 72 क्यूब्स से बने हैं। वायुसेना के अनुसार, पोर्टेबल अस्पताल में दो मास्टर क्यूब होते हैं, प्रत्येक में 36-36 मिनी क्यूब होते हैं। इसका वजन 720 किलोग्राम है। जरूरत पड़ने पर केवल 12 मिनट में हेल्थ क्यूब से अस्पताल बनाया जा सकता है। वायुसेना ने हाल ही में आगरा में इसका परीक्षण किया था।

जनवरी 2023 में ग्लोबल साउथ समिट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आरोग्य मैत्री' परियोजना की घोषणा की थी। इसके तहत भारत प्राकृतिक आपदाओं या मानवीय संकटों से प्रभावित किसी भी विकासशील देश को आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति प्रदान करेगा। यह उन्नत चिकित्सा सुविधाओं से भी सुसज्जित है, जिसमें आपरेशन थियेटर, एक्स-रे मशीन, रक्त परीक्षण उपकरण, वेंटिलेटर, जनरेटर, स्ट्रेचर, माड्यूलर चिकित्सा उपकरण, शामिल हैं। फायरिंग में घायल होने, जलने, सर्जरी, फ्रैक्चर में ये मददगार हैं। सौर ऊर्जा और बैटरियों का उपयोग इसकी स्थिरता और दक्षता को और बढ़ाता है। इस क्यूब से 200 से अधिक रोगियों का इलाज हो सकता है।

भाई का आरोप, अमित अज्ञात लोगों के साथ सुबह आवास पर पहुंचा था

प्रथम पृष्ठ का शेष

संजय के अनुसार वाहन चालक संदीप विश्वकर्मा व दीपक यादव भी भाई के साथ रहते थे। सहायक अभियंता अमित कुमार कुछ अज्ञात लोगों के साथ सुबह आवास पर पहुंचे थे। जल निगम में ही नियुक्त अमित बिहार में मधुबनी जिले का रहने वाला है।

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार इन्हीं लोगों ने हत्या की। पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने बताया कि तहरीर के आधार पर एफआइआर दर्ज की गई है। सहायक अभियंता अमित कुमार तथा अन्य आरोपितों की तलाश में पुलिस की चार टीमें लगाई गई हैं, जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। सुलतानपुर की जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना, पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा समेत अन्य अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। अधिशासी अभियंता संतोष कुमार मूलतः उत्तर प्रदेश के बलिया के रतसड़कला के रहने वाले थे। उनका परिवार प्रयागराज में रहता है।

रेडियो एक्टिव पदार्थ के रिसाव की आशंका से लखनऊ एयरपोर्ट पर अफरातफरी

जागरण संवाददाता, लखनऊ

शनिवार सुबह दस बजे इस खबर से सनसनी फैल गई कि चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर रेडियो एक्टिव पदार्थ लीक होने से तीन लोग बेहोश हो गए हैं। सीआइएसएफ ने तुरंत मोर्चा संभाला तो राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) भी पहुंच गया। मेट्रो और विमान सेवा के साथ ही कानपुर रोड बंद करने तथा डेढ़ किलोमीटर का क्षेत्र सील करने की अफवाहें तेजी से फैलीं। तीन घंटे तक मची रही अफरातफरी पर तब विराम लगा जब एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि यह गलती से बजा अलार्म था, यहां कोई रेडियो एक्टिव पदार्थ का रिसाव नहीं हुआ। इस घटना से विमान सेवाओं के संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा।

सुबह 9:30 बजे एयरपोर्ट के कार्गो क्षेत्र में लदान के लिए सामान की जांच हो रही थी। गुवाहाटी भेजी जा रहीं कैंसररोधी दवाओं की एक खेप की

- ले जाई जा रही थी कैंसर की दवाओं की खेप, जांच के दौरान अलार्म बजने से मचा हड़कंप

लखनऊ में शनिवार को हवाई अड्डे पर रेडियो एक्टिव पदार्थ के रिसाव की आशंका के बाद हवाई अड्डे के बाहर खड़े कर्मी। प्रेट्र

जांच की गई तो रेडियो एक्टिव पदार्थ के रिसाव का अलार्म बजा, जिससे परिसर में दहशत फैल गई। एयरपोर्ट प्रशासन ने तत्काल एनडीआरएफ को सूचना दी। एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की सीबीआरएन (केमिकल, बायलोजिकल, रेडियोलोजिकल व न्यूक्लियर) टीमों ने जांच के बाद खेप को सुरक्षित घोषित कर दिया। उसके संपर्क में आने वाले सीआइएसएफ के दारोगा एके सिंह समेत पांच कर्मचारियों को आइसोलेट किया गया। उनको आयोडीन की गोलियां दी गईं। एनडीआरएफ की 11वीं बटालियन के डिप्टी कमांडेंट अनिल पाल ने बताया कि टीमों ने सर्च आपरेशन चलाया, लेकिन परिसर के अंदर कोई विकिरण नहीं मिला। रेडियो एक्टिव विशेषज्ञ सौम्या श्रीवास्तव ने बताया कि कोई रिसाव नहीं था, यह झूठा अलार्म था। इन दावों से अलग एसडीआरएफ के इंस्पेक्टर मिथिलेश तिवारी का बयान भी काफी सुर्खियों में है।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि फ्लोरीन गैस के रिसाव की सूचना पर टीमें आई थीं। थोड़ा रिसाव जरूर हुआ, लेकिन यह खतरनाक नहीं था। एयरपोर्ट के मुख्य परिचालन अधिकारी अभिषेक प्रकाश का कहना था कि कैंसर रोगियों के लिए दवाओं की एक खेप ने कार्गो क्षेत्र में रेडियो एक्टिव पदार्थ के अलार्म को सक्रिय कर दिया। एनडीआरएफ को बुलाकर जांच कराई गई। ले जाई जा रही खेप को सुरक्षित घोषित कर दिया गया है। कोई बेहोश नहीं हुआ है।

पर्सनल ला में 15 वर्ष की लड़कियों के विवाह की अनुमति के विरोध में याचिका

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर

देशभर में यूनिफार्म सिविल कोड (यूसीसी) पर छिड़ी बहस के बीच मुस्लिम पर्सनल ला में 15 वर्ष की लड़कियों के विवाह की अनुमति के विरोध में मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में याचिका दायर की गई है। इसे बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 का उल्लंघन बताकर अदालत से हस्तक्षेप की मांग की गई है। हाई कोर्ट की डिविजनल बेंच ने प्रारंभिक बहस के बाद इस मामले पर आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड, केंद्र सरकार, कानून व न्याय मंत्रालय, महिला बाल विकास मंत्रालय, मप्र शासन और गृह विभाग को नोटिस जारी किया है। चार सप्ताह में इन सभी पक्षों से याचिका के बिंदुओं के आधार पर जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

बाल विवाह निषेध अधिनियम में लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष और लड़कों के लिए 21 वर्ष निर्धारित है। दूसरी ओर, मुस्लिम

- मप्र हाई कोर्ट ने मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड, केंद्र व कानून मंत्रालय से पक्ष मांगा

इंदौर खंडपीठ। फाइल

पर्सनल ला के तहत 15 वर्ष की लड़कियों के निकाह की अनुमति है। इंदौर में सामाजिक कार्यकर्ता अमन शर्मा ने एक ही देश में दो अलग-अलग कानून लागू होने से विरोधाभास को याचिका के माध्यम से उठाया है। याचिका में कहा कि कम उम्र में शादी से बच्चियों की शिक्षा, स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार में बाधा पड़ रही है। स्वास्थ्य और शिक्षा पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। सभी समुदायों के लिए विवाह की उम्र बाल विवाह निषेध एक्ट के अनुसार एक समान की जाए।

षड्यंत्र के साक्ष्य, हादसे पर भी होगी जांच

जागरण संवाददाता, कानपुर

साबरमती एक्सप्रेस के बेपटरी होने की प्राथमिक जांच में षड्यंत्र की आशंका अकारण नहीं है। आशंका को बल देने के लिए पर्याप्त साक्ष्य भी हैं। इंटेलीजेंस ब्यूरो (आइबी) और एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने षड्यंत्र के बिंदु पर जांच शुरू कर दी है। रेलवे हादसे पर भी जांच करा रहा है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से 12 नमूने लिए हैं।

जांच में जुटी एजेंसियों को पिलर नंबर 1338/16 के पास एक तीन फीट लंबा रेलवे की पुरानी पटरी का एक टुकड़ा मिला है। यह घटना के शुरुआती प्वाइंट से 69 मीटर आगे है। इससे एक मीटर आगे एक क्लैंप मिला जो अधिक क्षतिग्रस्त नहीं था। हालांकि इस क्लैंप का एक टुकड़ा जहां से डिरेलमेंट (बेपटरी) की शुरुआत बताई जा रही है, वहां से ढाई मीटर पहले से भी बरामद हुआ। रेल पटरी के टुकड़े के एक छोर पर रगड़ के निशान थे, जो ताजे हैं। इंजन के अगले हिस्से में कोई खास नुकसान नहीं हुआ था। यहां गिट्टी टकराने के निशान मिले हैं। इसका नमूना लिया गया है। फोरेंसिक

ट्रेन हादसा

- एटीएस व आइबी की टीम ने घटनास्थल पर खंगाले साक्ष्य
- फोरेंसिक विशेषज्ञों ने भी की पड़ताल, 12 नमूने एकत्र किए

टीम को ट्रेन के आखिरी डिब्बे से 48 मीटर पीछे से स्लीपर टूटे मिले हैं। जिस स्थान पर घटना हुई, वह सुनसान है। गश्त भी लगभग न के बराबर होती है। पुलिस को मौके पर कुछ हुक भी खुले मिले हैं, जिससे षड्यंत्र की आंशका और ज्यादा हो रही है। पुलिस आयुक्त अखिल कुमार ने बताया कि जांच की जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे उसी हिसाब से कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी।

इधर, रेलवे सूत्रों के अनुसार पटरी के टुकड़े के साथ क्लैंप मिलना संकेत है कि ट्रेन पलटाने के षड्यंत्र के तहत लोहे की पटरी के टुकड़े को क्लैंप की मदद से पटरी पर फंसा दिया गया था। ट्रेन की गति 70 से 80 किलोमीटर प्रतिघंटे थी, इसलिए क्लैंप छिटककर दूर जा गिरा, मगर ट्रेन वहीं से बेपटरी हुई।

****

पहले भी हादसों की सामने नहीं आई जांच रिपोर्ट

कानपुर और आसपास के क्षेत्रों में पिछले पांच वर्षों में इस तरह के कई हादसे हो चुके हैं। षड्यंत्र की बात सामने आई थी। उन हादसों पर आई जांच रिपोर्ट को जगजाहिर नहीं किया गया।

- 20 अप्रैल 2019 को रूमा के पास पूर्वा एक्सप्रेस ट्रेन के नौ कोच पटरी से उतर गए थे। हादसे में किसी की मौत तो नहीं हुई, लेकिन कई लोग घायल हो गए थे। तब बड़े षड्यंत्र की आशंका जताई गई थी।
- नवंबर 2022 में ट्रैक पर सीमेंटेड खंभा रखकर पूर्वा एक्सप्रेस को पलटाने का षड्यंत्र रचा गया था। इस मामले की जांच रिपोर्ट भी फाइलों में ही दब गई।
- नवंबर 2016 को इंदौर-पटना एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतर गए थे। इसमें 150 यात्रियों की मौत हो गई थी। आरोप लगे थे कि षड्यंत्र के तहत हादसा हुआ है। इसकी रिपोर्ट भी सामने नहीं आ सकी।

इथियोपिया के विमान में रखे केमिकल से भरे बैग में लगी आग

मुंबई, प्रेट्र : मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़ी चूक सामने आई है। इथियोपियाई एयरलाइंस की फ्लाइट में रखे गए केमिकल से भरे बैग में आग लग गई। यह घटना शुक्रवार सुबह की है। मुंबई पुलिस के अनुसार, केमिकल बैग ले जा रहे बंगाल निवासी समीर नारायणचंद्र विश्वास को नंदन दिनेश यादव, सुरेश सुब्बा सिंह, विश्वनाथ बालासुब्रमण्यम सेंजुंधर और अखिलेश गजराज यादव के साथ गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में कांगो में रह रहा नवीन शर्मा भी वांछित है।

मुंबई पुलिस के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि शुक्रवार सुबह करीब 10.30 बजे जब फ्लाइट में सामान लोड किया जा रहा था तो एक बैग से धुआं निकलता देखा गया और देखते ही देखते इसमें आग लग गई। लेकिन आग पर तुरंत काबू पा लिया गया। विश्वास को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

उसने पुलिस को बताया कि नंदन यादव नामक व्यक्ति ने उसे बैग दिया

- बैग में 10 किलोग्राम ज्वलनशील पदार्थ था। इसका आधा हिस्सा तरल रूप में और बाकी पाउडर के रूप में
- इस मामले में पांच लोगों को किया गया गिरफ्तार
- जांच के लिए केमिकल को फोरेंसिक प्रयोगशाला भेजा गया

था। इसे कांगो में नवीन शर्मा को सौंपना था। अधिकारी ने कहा कि बैग में 10 किलोग्राम ज्वलनशील पदार्थ था। इसका आधा हिस्सा तरल रूप में और बाकी पाउडर के रूप में था। जांच के लिए इसे फोरेंसिक प्रयोगशाला भेजा गया है। फ्लाइट में ज्वलनशील पदार्थ ले जाने के उद्देश्य की जांच की जा रही है। इथियोपियाई एयरलाइंस ने भी इस घटना को लेकर एक बयान जारी किया है। एयरलाइंस ने कहा है कि सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए विमान को रवाना किया गया। इससे विमान को किसी भी तरह की क्षति नहीं पहुंची थी।

दैनिक जागरण

सुंदर शरीर की तुलना में सुंदर आचरण ज्यादा अच्छा है

हड़ताल नहीं है समाधान

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज की प्रशिक्षु महिला डाक्टर के साथ दुष्कर्म और फिर हत्या पर देश भर के डाक्टरों और अन्य मेडिकल स्टाफ का आक्रोशित होना स्वाभाविक है, लेकिन इस घटना को लेकर अपना क्षोभ व्यक्त करने के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने जिस तरह 24 घंटे की हड़ताल की घोषणा की और उसमें निजी अस्पताल भी शामिल हो गए, उससे लाखों मरीजों की परेशान होना पड़ा। इस दौरान जिस प्रकार आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर अन्य सभी सेवाएं स्थगित रखने का फैसला किया गया, उससे मरीजों की मुसीबत और बढ़ गई। इस हड़ताल के दौरान आपरेशन तक स्थगित कर दिए गए और मरीजों को दवाएं तक नसीब नहीं हुईं। इस हड़ताल का औचित्य इसलिए समझ नहीं आया, क्योंकि कोलकाता की घटना पर देश के कई शहरों के अनेक अस्पतालों के डाक्टर पहले ही हड़ताल कर चुके थे। इससे इन्कार नहीं कि कोलकाता में बहुत ही जघन्य अपराध हुआ और ममता सरकार ने इस भयावह घटना पर हद दर्जे की संवेदनहीनता का परिचय दिया, लेकिन आखिर इसकी सजा मरीजों को क्यों दी जा रही है? उनका तो कोई दोष ही नहीं।

यह अच्छा नहीं हुआ कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने इसके बाद भी 24 घंटे के लिए हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने डाक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक उपायों पर विचार करने के लिए एक समिति गठित करने का आश्वासन दिया और साथ ही सभी मेडिकल कालेजों और अस्पतालों के प्रमुखों को निर्देश दिया कि यदि किसी डाक्टर या मेडिकल स्टाफ पर किसी तरह का कोई हमला होता है तो छह घंटे के भीतर रिपोर्ट दर्ज कराना आवश्यक होगा। निःसंदेह कोलकाता की घटना और उस पर ममता सरकार की लीपापोती को लेकर समाज के अन्य वर्गों के साथ चिकित्सक बिरादरी को अपना क्षोभ प्रकट करना ही चाहिए, लेकिन मरीजों को उनके हाल पर छोड़कर नहीं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने आरजी कर मेडिकल कालेज की घटना पर ममता सरकार को फटकार लगाई और मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी। सीबीआइ ने अपना काम शुरू भी कर दिया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन को इसे भी अनदेखा नहीं करना चाहिए कि महिलाओं के खिलाफ अपराध और विशेषकर दुष्कर्म सरीखे घिनौने अपराध एक सामाजिक समस्या हैं। तथ्य यह है कि ऐसे घिनौने अपराध का सामना सभी क्षेत्रों की महिलाएं कर रही हैं। निर्भया कांड के बाद महिलाओं के खिलाफ होने वाले यौन अपराध संबंधी कानूनों को कठोर बनाए जाने के बाद भी ऐसे अपराधों पर लगाम नहीं लग पा रही है। कोलकाता की घटना के बाद दुष्कर्म की कई घटनाएं सामने आई हैं। स्पष्ट है कि महिलाओं के प्रति समाज के नजरिये को बदलने की आवश्यकता है और इसमें अन्य वर्गों के साथ डाक्टरों को भी अपनी सक्रियता दिखानी चाहिए। उनकी सक्रियता कहीं अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकती है।

गैंगस्टरों पर नकेल जरूरी

पंजाब के अलग-अलग जिलों में गैंगस्टरों, आतंकियों के नाम पर रंगदारी मांगने की घटनाएं न रुकना चिंताजनक है। ताजा मामला गुरदासपुर के बटाला में कारोबारी से विदेश के फोन नंबर से बीस लाख रुपये रंगदारी मांगने का है। इससे पहले भी गुरदासपुर में ही कुछ कारोबारियों से रंगदारी मांगी गई थी और न देने पर उनके कार्यालयों पर गोलियां भी चलाई गई थीं। गुरदासपुर के अलावा तरनतारन, अमृतसर सहित अन्य जिलों में भी घटनाएं हो चुकी हैं। तरनतारन के दुकानदार को रंगदारी न देने पर कनाडा में छिपे आतंकी लखबीर सिंह के इशारे पर गोलियां मारी गई थीं। पुलिस ने बेशक एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन राज्य में लगातार हो रही इस तरह की घटनाओं से व्यापारियों, कारोबारियों एवं आम लोगों में डर पैदा होना स्वाभाविक है। नशा तस्करों, गैंगस्टरों व आतंकियों का गठजोड़ पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। सुरक्षा एजेंसियों के लिए इस गठजोड़ को तोड़ना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके साथ ही ऐसे संदिग्ध लोगों का पता लगाया जाना अत्यंत आवश्यक है जो गैंगस्टरों व आतंकियों के इशारे पर राज्य का माहौल खराब करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। गैंगस्टरों पर नकेल कसना जरूरी है। राज्य में व्यापारी व कारोबारी यदि डर के माहौल में रहेंगे तो जाहिर सी बात है कि कारोबार प्रभावित होगा। इतना ही नहीं, इस तरह की बार-बार हो रही घटनाओं से राज्य की छवि पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। कानून व्यवस्था को चुनौती देने वालों से पुलिस को सख्ती से पेश आना होगा।

> नशा तस्करों, गैंगस्टरों व आतंकियों का गठजोड़ पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है

अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्रधानमंत्री

संजय गुप्त

प्रधानमंत्री ने लाल किले से पंथनिरपेक्ष नागरिक संहिता और एक साथ चुनाव पर बल देकर यही स्पष्ट किया कि वह किसी राजनीतिक मजबूरी में नहीं बंधे हैं

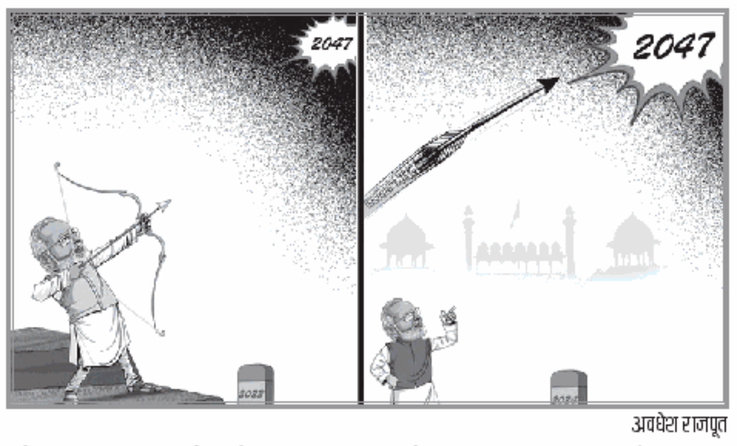

अवधेश राजपूत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से लगातार 11वीं बार देश को जिस तरह संबोधित किया, उससे यह तनिक भी नहीं प्रतीत हुआ कि वह अपने इस तीसरे कार्यकाल में गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके संबोधन ने यह भी बताया कि उनके लक्ष्यों में कोई बदलाव नहीं आया है। इसकी पुष्टि इससे होती है कि उन्होंने सेक्युलर सिविल कोड यानी पंथनिरपेक्ष नागरिकता संहिता बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अनेक बार सुप्रीम कोर्ट भी नागरिक संहिता की जरूरत जता चुका है। जब वह यह कह रहे थे तब अतिथियों के बीच सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश भी उपस्थित थे। यह अच्छा हुआ कि इसी मौके पर उन्होंने न्याय में देरी पर भी अपनी चिंता व्यक्त कर दी। भाजपा समान नागरिक संहिता की पैरवी एक लंबे समय से करती चली आ रही है। उत्तराखंड की भाजपा सरकार तो अक्टूबर से इसे लागू करने भी जा रही है। प्रधानमंत्री ने जिस तरह पंथनिरपेक्ष नागरिक संहिता और एक साथ चुनाव पर बल दिया, उससे यह भी स्पष्ट हुआ कि वह किसी राजनीतिक मजबूरी में नहीं बंधे हैं और उन्हें यह भरोसा है कि घटक दल और विशेष रूप से जनता दल-यू और तेलुगु देसम पार्टी उनके एजेंडे को बढ़ाने में सहायक होंगी। संभवतः उन्होंने समान नागरिक संहिता के स्थान पर पंथनिरपेक्ष नागरिक संहिता शब्द का प्रयोग इसीलिए किया, ताकि विपक्षी दल इस पर अनावश्यक आपत्ति न जता सकें। वह यह कहने से भी नहीं चूके कि अभी जो नागरिक संहिता है, वह सांप्रदायिक है।

प्रधानमंत्री ने शासन में सुधार लाने की बात करके यह भी जता दिया कि वह मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस के आधार पर चलना चाह रहे हैं। विपक्षी दल भले ही मोदी सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी नीति से असहमत हों, लेकिन प्रधानमंत्री ने यह साफ कर दिया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनका अभियान पूरी दृढ़ता से जारी रहेगा। प्रधानमंत्री ने सुधार कार्यक्रमों को विकसित भारत के लिए आवश्यक बताया और सभी संस्थाओं का आह्वान किया कि वे भी सुधार की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने देश की संस्थाओं को सुधार करने और उन्हें जमीन पर उतारने की बात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ही कही। उन्होंने बताया कि देश में पंचायत से लेकर राज्य स्तर पर करीब तीन लाख संस्थाएं काम कर रही हैं और यदि ये सभी संस्थाएं प्रति वर्ष दो सुधार करें तो हर साल 25-30 लाख सुधार हो सकते हैं। स्पष्ट है कि ऐसा होने से हर स्तर पर सुधार होगा और कामकाज की गुणवत्ता बढ़ेगी। इसका लाभ देश के लोगों को मिलेगा। प्रधानमंत्री ने यह भी साफ किया कि सुधार आर्थिक विकास की बुनियाद और विकास की रूपरेखा हैं।

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री ने देश के उद्योगपतियों का आह्वान किया कि वे बेहतर गुणवत्ता के उत्पाद बनाएं। वास्तव में उत्पादों के साथ सेवाओं की भी गुणवत्ता पर ध्यान देने की जरूरत है। वर्तमान में भारतीय उत्पाद और सेवाएं मध्यम दर्जे की गुणवत्ता के लिए जानी जाती हैं और इसी कारण भारत वैश्विक बाजार में अपनी छवि का निर्माण करने में कमजोर दिखता है। प्रधानमंत्री के संबोधन से यही आभास हुआ कि वह यह समझ रहे हैं कि आने वाले समय में वही देश विश्व में अपनी बेहतर पहचान बना पाएंगे, जिनके उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर की होगी। भले ही उन्होंने चीन का नाम न लिया हो, लेकिन सब जानते हैं कि चीनी कारोबारी कम गुणवत्ता के साथ ही बेहतर गुणवत्ता के उत्पाद भी बनाते हैं और इसीलिए यूरोप, अमेरिका समेत विश्व भर में उनके उत्पादों का बोलबाला है। भारतीय कारोबारियों के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वे अपने उत्पादों और सेवाओं के मानक अंतरराष्ट्रीय स्तर के बनाएं। भारतीय कारोबारियों को इसके लिए प्रेरित होना चाहिए, क्योंकि बेहतर गुणवत्ता के उत्पाद उनकी साख को ही बढ़ाने का काम करेंगे। जब ऐसा होगा तो भारतीय उत्पाद विश्व बाजार में आसानी से अपनी जगह बनाने के साथ देश को आर्थिक रूप से सबल बनाने में भी सहायक होंगे। प्रधानमंत्री विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए राज्यों का सहयोग चाहते हैं, यह इससे स्पष्ट हुआ कि उन्होंने राज्य सरकारों को वैश्विक कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित करने को कहा। अच्छा होगा कि राज्य सरकारें इसे लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा करें। वे प्रधानमंत्री के इस कथन से असहमत नहीं हो सकतीं कि निवेश लाने के लिए जो कुछ जरूरी है, वह अकेले केंद्र सरकार नहीं कर सकती।

अपने लंबे संबोधन में प्रधानमंत्री ने कई विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इसी क्रम में उन्होंने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज की प्रशिक्षु महिला डाक्टर के साथ दुष्कर्म एवं हत्या के जघन्य मामले का जिक्र किए बिना महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम पर बल दिया। यह एक ऐसी जरूरत है, जिसकी पूर्ति हर हाल में की जानी चाहिए। इसके लिए यह आवश्यक है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों को अंजाम देने वालों के मन में भय व्याप्त हो। यह तभी हो सकता है, जब ऐसे लोगों को समय रहते सख्त सजा मिले। अभी ऐसा नहीं हो रहा है। प्रधानमंत्री ने यह सही कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों की तो खूब चर्चा होती है, लेकिन जब अपराधियों को सजा मिलती है, तो उसे महत्व नहीं दिया जाता।

प्रधानमंत्री के भाषण से यह भी स्पष्ट हुआ कि वह अपनी सरकार के भावी एजेंडे को आगे बढ़ाने के साथ देशवासियों को विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए यह आवश्यक है कि देशवासी भी अपने हिस्से की जिम्मेदारी का निर्वाह करें। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों की नकारात्मक राजनीति की ओर संकेत करते हुए उन्हें नसीहत दी। कहना कठिन है कि विपक्ष अपने नकारात्मक रवैये का परित्याग करने के लिए तैयार होता है या नहीं, पर इतना अवश्य है कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर पक्ष-विपक्ष को दलगत राजनीतिक हितों से ऊपर उठने की आवश्यकता है। देश को आगे ले जाने का काम तभी आसानी से किया जा सकता है, जब दलगत राजनीतिक हितों के स्थान पर राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। अभी ऐसा नहीं है। कई विपक्षी दल अभी भी चुनावी मुद्रा में ही दिख रहे हैं।

response@jagran.com

मोबाइल पर एक चटपटी मुलाकात

हास्य-व्यंग्य

संतोष त्रिवेदी

अनजान लिंक पर क्लिक करने पर पैसे उड़ जाते हैं, पर मैंने न कोई लिंक छेड़ा था और न ही खाते में कोई पैसा छोड़ा था

सुबह-सुबह मोबाइल देख रहा था कि स्क्रीन पर सहसा एक छोटी खिड़की खुल गई। 'मैं आपकी सहायिका हूं। कहिए आपके लिए क्या कर सकती हूं?' यह लिखा देकर एकदम से भाव-विह्वल हो उठा। ऐसा पहली बार हो रहा था, इसलिए थोड़ी घबराहट भी होने लगी। खुद पर काबू पाते हुए मैंने अनाम प्रेयसी से पूछ लिया, 'आप कौन हैं? कहां से आई हैं?' उसने उतनी ही तेजी से प्रतिक्रिया दर्ज की, 'मैं कहीं से आई नहीं। यहीं प्रकट हुई हूं। कुछ लोग मुझे 'ए आइ' समझते हैं, पर मैं आपको अपना असली नाम बताती हूं। आप मुझे 'चटपटी जी' कह सकते हैं। मैं दिन-रात आपकी सेवा में उपस्थित हूं।' बिना पल गंवाए प्रतिक्रिया दी, 'मैं समझा नहीं। तुम मेरी सहायिका कैसे हुई? मैंने तो किसी को नियुक्त नहीं किया।' उसने जवाब बड़े सलीके से दिया, 'अरे नहीं, नहीं। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। मुझे कोई नियुक्त नहीं करता, मैं खुद ही सेवा में हाजिर रहती हूं। आपको कोई समस्या हो, कुछ सूझ न रहा हो, मैं चुटकियों में समझा सकती हूं।' चटपटी जी ने अपना उत्तर झटपट उछाल दिया।

बरसों बाद मुझे इस तरह लिखकर कोई संदेश दे रहा था। अंदर बड़ी जोर की कुलबुलाहट मची थी, पर मन अब भी थोड़ा शंकित था। आए दिन खबरें पढ़ता रहता हूं कि अनजान लिंक पर क्लिक करने पर लाखों रुपये उड़ जाते हैं, पर न तो मैंने कोई लिंक छेड़ा था और न ही खाते में कोई पैसा छोड़ा था। इसलिए इसका डर मुझे नहीं था। थोड़ा लोक-लाज का डर जरूर था, पर अगले ही पल एक घुटे हुए साहित्यकार की तरह उससे कहा, 'प्रिय सुंदरी, तुम जो भी हो, मेरे फोन को हैंग कर सकती हो, पर मुझे नहीं। मैं तुम्हें अपनी समस्या क्यों बताऊं? साहित्य में मेरी अच्छी-खासी दखल है। मैं अपनी अंतर्दृष्टि से किसी भी लेखक का एक्स-रे कर सकता हूं।' उधर से नया संदेश उभरा, 'आप मेरी क्षमताओं से अनभिज्ञ हैं। मैं किसी बात का पता नहीं करती, दूसरों को बताती हूं। आपको ही लीजिए। आप 49 पुस्तकों के लेखक हैं। पिछले 40 वर्षों से एक जैसा लिख रहे हैं।'

मैंने तुरंत डाटा दुरुस्त किया, 'देखिए, तुम्हारी सूचना बिल्कुल 'फेक' है। मेरी 49 नहीं, पूरी 50 पुस्तकें छप चुकी हैं। 40 बरसों से एक जैसा लिख पाना बड़े संतुलन और कमाल की बात है। मैं वजनी साहित्यकार हूं। साहित्य में सौ ग्राम वजन भी घटना मुझे पसंद नहीं। मेरा वजन मेरा गर्व है।' उसके सामने मैंने अपना 'विजन' साफ कर दिया। 'नहीं, मेरे आका! मैं तो केवल यह बताना चाह रही थी कि आपको अब सोचना नहीं है। अब इतना लंबा-लंबा टाइप करने के लिए अंगुलियों को क्यों कष्ट देना? इसके लिए मैं हूं न! मुझे एक बार सेवा का मौका दें।' उसने सफाई दी।

'यदि तुम कुछ करना ही चाहती हो, तो मेरे लिए एक लेख लिख दो। संपादक जी ने तुरंत मांगा है। मुझे कुछ नहीं सूझ रहा।' मैंने उसे टटोलना चाहा। 'यह मेरे लिए बेहद आसान है, पर यदि अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में कुछ बताएं तो और बेहतर रहेगा।' उसने पूछा। 'मैं सोते-सोते उठ बैठता हूं। टहलते हुए और नित्य-क्रिया के दौरान भी सोचता हूं। बार-बार चाय पीता हूं। इसके बाद भी विचार नहीं आते तो उठक-बैठक करने लगता हूं। बड़ी बेचैनी-सी महसूस करता हूं।' मैंने उसे अपनी अधूरी प्रक्रिया ही बताई। 'यह सब कुछ नहीं करना होता मुझे। पलक झपकते सारे ब्रह्मांड के मस्तिष्कों को खंगाल लाती हूं। जरा सा भी बेचैन हुए बिना। मेरी यही एकमात्र रचना प्रक्रिया है। आप निश्चिंत हो जाएं। कल के अखबार में अपना लेख देख लेना। मैंने सीधे संपादक को भेज दिया है।' उसने आश्वस्त किया। 'मगर मेरी भाषा, शैली, सरोकार, मौलिकता। उसका क्या?' 'आप अपनी दाल-रोटी से सरोकार रखिए, बाकी मैं देख लूंगी। आपकी मौलिकता बरकरार रहेगी, जैसे आपने बरसों से रखी हुई है।' उसने मुझे आश्वस्त किया। अब मुझे कल का इंतजार है!

response@jagran.com

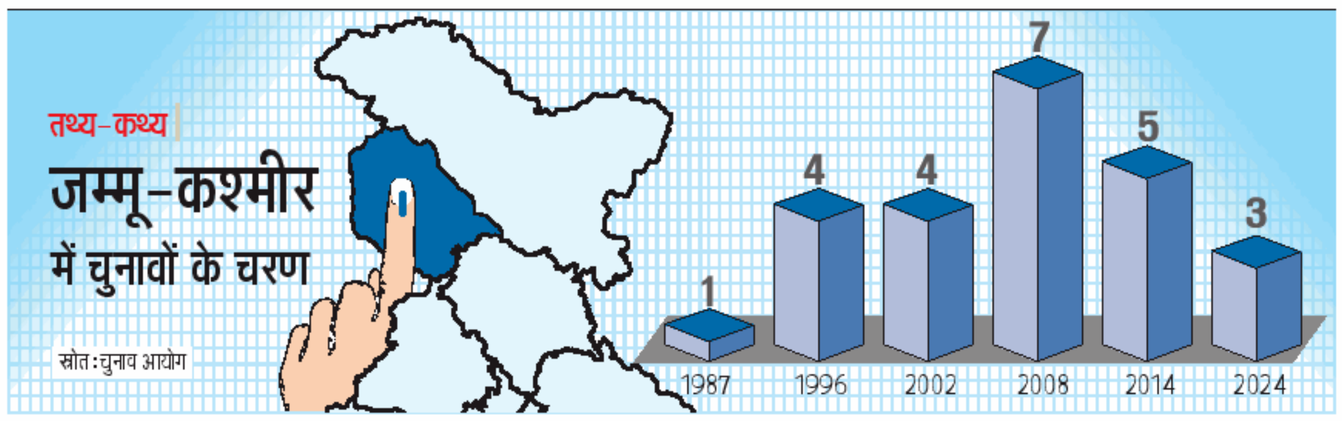

ऊर्जा

विचार

जगत में मानव के अतिरिक्त सभी प्राणी आत्मकेंद्रित जीवन जीते हैं। उनके सभी क्रियाकलाप स्वार्थ के लिए होते हैं। विधिप्रदत्त अल्पमति के कारण उनमें स्व की प्रधानता होती है, 'पर' का भाव दृष्टिगोचर नहीं होता। जबकि मनुष्य प्रकृति से ही त्याग, दया, परोपकार आदि भावों के साथ विकसित बुद्धि लेकर जन्म लेता है। अतः उसमें विस्तृत चिंतनदृष्टि होती है, जो विचारों को जन्म देती है। ये विचार ही कर्म में परिवर्तित होकर वर्तमान एवं भविष्य का निर्माण करते हैं। जीवन के अनुभवों के साथ इनका क्षेत्र विस्तृत होता रहता है। प्रायः चिंतन के दो रूप परिलक्षित होते हैं- सकारात्मक एवं नकारात्मक। सकारात्मक चिंतन से उपजे विचार सत्कर्म में परिणत होते हैं, जबकि नकारात्मक विचार बुरे कर्म में। अतः विचारों में शोधन की जरूरत होती है। ये शोधित विचार ही मानव की शोभा बन जाते हैं।

विचार ऊर्जा शक्ति के अपरिमित भंडार हैं। मन-मस्तिष्क पर सर्वाधिक प्रभाव इन्हीं का पड़ता है। संत, महापुरुष और साहित्य विचारों के जीवंत रूप हैं। विचारों के बिना इनका कोई महत्व नहीं। साहित्य तो विचारों का लिखित दस्तावेज है, जिसकी वाणी मौन होकर भी सदा मुखर रहती है। वेद, पुराण, उपनिषद् इसके उदाहरण हैं, जो अनंत काल से आज तक ज्ञान की अजस्र धारा प्रवाहित कर रहे हैं। समाज में फैली कुरीतियों-विषमताओं के उन्मूलन में समाज सुधारकों के इन्हीं ऊर्जावान विचारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर समाज को सही दिशा प्रदान की है। विचार जीवन के प्रतीक हैं, जबकि विचार शून्यता मृत्यु की। भगवान बुद्ध ने कहा था- ''हम जो थे विचारों के कारण थे, जो हैं विचारों के कारण हैं और जो होंगे, विचारों के कारण होंगे।'' इसलिए सामाजिक निर्माण में विचारों की केंद्रीय भूमिका रहती है। आइए, उच्च चिंतनदृष्टि रखकर अपने रचनात्मक विचारों से प्रगतिशील समावेशी समाज की संरचना करें।

डा. सत्यप्रकाश मिश्र

अंतरिक्ष के चट्टानों का खतरा!

मुकुल व्यास

आज से लगभग 6.6 करोड़ वर्ष पहले मेक्सिको के चिक्सुलब क्षेत्र में गिरने वाली चट्टान एक क्षुद्रग्रह का दुर्लभ हमला था

अंतरिक्ष से आई एक चट्टान ने 6.6 करोड़ वर्ष पहले पृथ्वी पर डायनासोर युग का अंत किया था। विज्ञानी अभी तक यह नहीं जान पाए थे कि यह चट्टान कहां से आई थी। अब एक नए अध्ययन में बताया गया है कि पृथ्वी पर गिरने वाली चट्टान दरअसल बृहस्पति से परे एक क्षुद्रग्रह का दुर्लभ हमला था। इस अंतरिक्ष चट्टान के गिरने से मेक्सिको के चिक्सुलब क्षेत्र में 145 किलोमीटर चौड़ा गड्ढा बन गया था। नई खोज अंतरिक्ष चट्टान की प्रकृति और हमारे सौरमंडल के भीतर इसकी उत्पत्ति को दर्शाती है। इससे हमारे ग्रह पर क्षुद्रग्रह हमलों की भविष्यवाणी करने वाली तकनीक को लाभ मिल सकता है। अधिकांश विज्ञानी इस बात से सहमत हैं कि यह चट्टान हमारे सौरमंडल के भीतर से आई थी, लेकिन इसकी सटीक उत्पत्ति स्पष्ट नहीं थी, क्योंकि विज्ञानियों के पास ठोस रासायनिक सुबूतों की कमी थी। अब यूरोपीय क्षेत्रों से एकत्र किए गए इस चट्टान के अवशेषों में विज्ञानियों ने रूथेनियम नामक एक दुर्लभ तत्व की खोज की है। उन्होंने इस तत्व की रासायनिक संरचना को मंगल और बृहस्पति की कक्षाओं के बीच मंडराते वाले क्षुद्रग्रहों के समान पाया है।

अध्ययन का नेतृत्व करने वाले जर्मनी के कोलोन विश्वविद्यालय के भूविज्ञानी मारियो फिशर-गाड का कहना है कि यह तत्व मुख्य क्षुद्रग्रह बेल्ट में मौजूद चट्टानों का फिंगरप्रिंट है, जहां 6.6 करोड़ वर्ष पहले पृथ्वी से टकराने से पहले शहर के आकार की चट्टान खड़ी थी। इस क्षुद्रग्रह को संभवतः अन्य अंतरिक्ष चट्टानों के साथ टक्कर या बाहरी सौरमंडल के प्रभावों द्वारा पृथ्वी की ओर धकेला गया था। बाहरी सौरमंडल में बृहस्पति जैसे विराट गैसीय पिंडों में विशाल ज्वारीय बल होते हैं, जो स्थिर रहते वाली क्षुद्रग्रह कक्षाओं को अस्तव्यस्त करने में सक्षम होते हैं। साइंस पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के निष्कर्ष फिशर-गाड द्वारा विकसित नई तकनीक पर आधारित हैं। इस तकनीक से विज्ञानी चिक्सुलब में गिरी चट्टान में रूथेनियम के विशिष्ट स्तरों को मापने में सफल रहे। पृथ्वी के भू-दृश्यों के लगातार पुनर्चक्रण और भूगर्भीय गतिविधियों के बावजूद यह तत्व अरबों वर्षों से स्थिर बना हुआ है।

शोधकर्ताओं ने दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और रूस में अन्य क्षुद्रग्रह प्रभाव स्थलों के नमूनों से अपने परिणामों की तुलना की। उन्होंने कुछ कार्बनयुक्त उल्कापिंडों से भी इनकी तुलना की, जो मुख्य क्षुद्रग्रह बेल्ट के बाहरी क्षेत्र पर हावी हैं। चिक्सुलब चट्टान में रूथेनियम के रासायनिक हस्ताक्षर केवल कार्बनयुक्त उल्कापिंडों के अनुरूप थे, जो बाहरी सौरमंडल में इसकी उत्पत्ति की ओर इशारा करते हैं। नया अध्ययन इस बात को खारिज करता है कि डायनासोर को मारने वाली अंतरिक्ष चट्टान एक धूमकेतु थी।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

ड्रैगन की बदली चाल

दिल्ली के कूटनीतिक सर्किल में आजकल चीनी दूतावास को लेकर चर्चाओं का बाजार काफी गर्म है। आमतौर पर दुनिया भर में चीन के दूतावास काफी चुप्पी साधे रहते हैं और गाहे-बगाहे ही अपनी कूटनीति के इतर जाकर सक्रियता दिखाते हैं, लेकिन जब से भारत में चीन के नए राजदूत शु फीहोंग ने कार्यभार संभाला है, उन्होंने अपनी सक्रियता से सभी को अचंभित कर दिया है। जरूरी सूचनाओं को भी छिपाने में माहिर चीन के दूतावास की तरफ से हर छोटी-बड़ी जानकारी सार्वजनिक की जा रही है। चाहे घर में पार्टी दें, स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल हों, नए राजदूत हर जानकारी इंटरनेट मीडिया पर देते हैं। हर बार वह यह बताना नहीं भूलते कि भारत और चीन के बीच दोस्ती कितनी महत्वपूर्ण है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारी राजदूत फीहोंग की इस कूटनीति को समझने की कोशिश कर रहे हैं।

निष्पक्ष चुनाव आयोग

हरियाणा विधानसभा चुनाव की अचानक घोषणा लुटियंस दिल्ली में चर्चा का विषय बन गया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री से लेकर भाजपा के तमाम नेता अभी राज्य में चुनाव की घोषणा नहीं होने का दावा कर रहे थे। बताया जा रहा है कि एक महीने बाद चुनाव की तारीखों के एलान के अनुमान के अनुसार हरियाणा में केंद्र और राज्य की कई विकास परियोजनाओं और लोकलुभावन योजनाओं का एलान किया जाना था, लेकिन चुनाव की घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण सारी तैयारी धरी की धरी रह गई। इससे चुनाव आयोग पर सरकार की कठपुतली की तरह काम करने का विपक्ष का आरोप भी ध्वस्त हो गया। विपक्ष लगातार चुनाव की तारीखों का एलान सरकार की सुविधा के अनुसार करने का आरोप लगाता रहा है। चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए विपक्ष इसे लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा बताता रहा है। जाहिर है हरियाणा के चुनाव का एलान कर चुनाव आयोग ने अपनी निष्पक्षता का एक सुबूत दे दिया है।

राजरंग

कार्यकारी अध्यक्ष का पेच

भाजपा में कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति में आरएसएस का पेच फंस गया है। भाजपा शीर्ष नेतृत्व फिलहाल कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर पूर्णकालिक अध्यक्ष का मामला जनवरी में सांगठनिक चुनावों तक टालना चाहता है, लेकिन आरएसएस की ओर से साफ कर दिया गया है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने का मानदंड अभी तय हो जाए और उसी के अनुरूप कार्यकारी अध्यक्ष का चयन किया जाए, जो स्वाभाविक रूप से जनवरी में सांगठनिक चुनावों के बाद पूर्णकालिक अध्यक्ष की भी जिम्मेदारी संभाले। इसे लेकर आरएसएस और भाजपा के शीर्ष नेताओं के बीच कई दौर की बात हो चुकी है। देखना यह होगा कि 31 अगस्त से केरल में शुरू होने जा रहे आरएसएस से संबद्ध संगठनों की समन्वय बैठक के पहले कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति हो पाती है या नहीं?

अफसर की पहचान

अगर आपसे कोई पूछे कि भीड़ में बैठे हुए किसी अधिकारी को कैसे पहचानेंगे तो जवाब क्या होगा? इसका क्लू पिछले दिनों एक पूर्व अधिकारी ने बताया, जो बाद में राजनीति में आ गईं। पूर्व आइपीएस अधिकारी किरण बेदी पंचायती राज मंत्रालय के एक कार्यक्रम में भाग लेने आई थीं। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह पूर्व वह एयरपोर्ट पर थीं तो वीआइपी लाउंज में एक व्यक्ति चुपचाप बैठा था। वह किसी से बात नहीं कर रहा था। यह देख कर मैं समझ गई कि यह कोई अफसर है और संभवतः आइएएस अफसर है, क्योंकि वह अपने में सिमटे थे।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए; नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

आजकल

उच्च शिक्षा के वैश्विक संस्थान का स्वप्न

अनंत विजय

anant@nda.jagran.com

हमारा देश विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर है। ऐसे अनेक तथ्य आज हमारे समक्ष हैं, जो इसे रेखांकित भी करते हैं। परंतु उच्च शिक्षा के कई संस्थान अपने उद्देश्यों को पूरा कर पाने में काफी हद तक असफल होते दिख रहे हैं। जबकि इनके समक्ष संसाधनों की कोई कमी नहीं है, केवल बेहतर प्रशासन और बेहतर समन्वय की कमी के कारण ये संस्थान अपने उद्देश्यों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। स्वाधीनता दिवस के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री इसे इंगित कर चुके हैं, लिहाजा इस बारे में सभी संबंधित पक्षों को विचार करना चाहिए

क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी का विकास करने के लिए की गई इस विश्वविद्यालय की स्थापना। फाइल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वाधीनता दिवस के अवसर पर लालकिला की प्राचीर से विकसित भारत के सुझावों की चर्चा की थी। कई सुझावों का उल्लेख करने के क्रम में प्रधानमंत्री ने विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय की बात भी की थी। प्रधानमंत्री ने भले ही सुझावों के क्रम में इसकी चर्चा की, लेकिन भारत में विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय या शैक्षणिक संस्थानों की कमी महसूस की जाती है। विश्वस्तरीय विवि या शैक्षणिक संस्थान के लिए तकनीक के अलावा भाषा या कला के क्षेत्र में प्रयास किया जाना चाहिए। इस प्रयास को फलीफूत करने के लिए 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा की गई। शिक्षा नीति में भाषा और कला पर बहुत अधिक जोर दिया गया। विकसित भारत के लिए यह आवश्यक भी है कि हमारे देश में विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान हों। एक विश्वविद्यालय है- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय। यह महाराष्ट्र के वर्धा में है। वर्ष 1997 में इस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। इस विवि के उद्देश्यों में तीन ऐसे हैं जिन्हें हासिल करने के लिए यदि गंभीरता से प्रयास किया गया होता तो यह विवि वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुका होता। ये तीन उद्देश्य हैं- हिंदी को वैश्विक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के लिए सुसंगत प्रयास, अंतरराष्ट्रीय शोध केंद्र के रूप में विवि का विकास और अंतरराष्ट्रीय विमर्श केंद्र के रूप में विवि का विकास। अपनी स्थापना के 27 वर्षों में इस विवि में कोई भी ऐसा ठोस कार्य नहीं हुआ जिसके आधार पर कहा जा सके कि यह इन तीन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गंभीर है। विवि के पहले कुलपति अशोक वाजपेयी तो दिल्ली में बैठकर ही वर्धा स्थित विवि चलाते रहे। पत्रिकाएं निकालते रहे। वैश्विक संस्थान बनाने के लिए कुछ नहीं किया। बाद के कुलपतियों ने नियुक्तियां कीं और भवन बनवाए। पिछले सालभर से यहां कोई स्थायी कुलपति नहीं है।

अब बताया जा रहा है कि कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। प्रश्न यही उठता है कि किसी कुलपति के अचानक जाने के बाद भी इतना समय चयन में क्यों लगता है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि अपने आरंभिक दिनों से ही विवादों में रहा है। पिछले वर्ष जब विवि के कुलपति ने पद छोड़ा था, तब केंद्र सरकार ने आइआइएम, नागपुर के निदेशक को कुलपति का अतिरिक्त प्रभार दे दिया था। हाईकोर्ट ने इसे नियम विरुद्ध बताते हुए उनके प्रभार को रद कर दिया था। नए सिरे से विवि को नियमानुसार कुलपति की नियुक्ति प्रक्रिया आरंभ करने को कहा गया था। नियमानुसार कुलपति की नियुक्ति के लिए जो समिति बनती है, उसके दो सदस्यों के नाम का चयन करके विवि की कार्यपरिषद शिक्षा मंत्रालय को भेजती है। कार्यपरिषद की बैठक कुलपति बुलाते हैं। हाईकोर्ट के आदेश के बाद होना यह चाहिए था कि नियमानुसार विवि के वरिष्ठतम प्रोफेसर को कुलपति का प्रभार दिया जाता। वह कार्यपरिषद की बैठक बुलाते। ऐसा नहीं हुआ। विवि के तत्कालीन कुलसचिव ने बैठक आहूत की। फाइल पर लिखा कि 'सभी तथ्यों और शिक्षा मंत्रालय के मौखिक निर्देश और कार्यपरिषद के सदस्यों के साथ मोबाइल पर हुई वार्तानुसार सभी के मतानुसार तत्काल कार्यपरिषद की बैठक बुलाई जाने की सभी की सहमति बनी।' कार्यपरिषद की बैठक हुई। दो नाम चयनित कर मंत्रालय को भेज दिए गए। चयन समिति बन गई। समिति ने योग्य उम्मीदवारों के साथ चर्चा कर संभावित कुलपति के नामों का पैनल तैयार कर लिया। अब प्रश्न उठ रहे हैं कि क्या शिक्षा मंत्रालय के मौखिक आदेश पर और कार्यपरिषद के सदस्यों से मोबाइल पर स्वीकृति लेकर बैठक बुलाई जा सकती है। जानकारों का कहना है कि ऐसा नहीं हो सकता। शिक्षा मंत्रालय का दखल अनावश्यक है और कुलसचिव को कार्यपरिषद की बैठक बुलाने का अधिकार नहीं है। अगर ऐसा है तो कुलपति की पूरी चयन प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। विवि एक बार फिर से विवाद में घिर जाएगा। फाइल पर यह लिखना भी कि शिक्षा मंत्रालय के मौखिक आदेश पर ऐसा किया गया, वह भी कई प्रश्न खड़े करता है।

विवादों के बारे में इस कारण चर्चा की गई, क्योंकि इससे विवि अपने मूल उद्देश्यों से भटकता रहता है। किसी भी संस्थान में यदि उसका मुखिया नहीं होगा तो उसका अपने उद्देश्यों से भटकना स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री मोदी निरंतर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए प्रयासरत हैं, शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान भी गंभीरता से इसके क्रियान्वयन में लगे हैं, लेकिन सिस्टम या कोई अदृश्य शक्ति बाधा बन रही है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि ही नहीं, बल्कि शिमला का भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान भी कई वर्षों से स्थायी निदेशक की बाट जोह रहा है। कभी किसी तो कभी किसी कुलपति को प्रभार दे दिया जाता है। कई और केंद्रीय विवि में कुलपति के पद खाली हैं। होना यह चाहिए कि जब किसी कुलपति या निदेशक के कार्यकाल का छह महीना शेष रहे तो नए कुलपति या निदेशक की चयन प्रक्रिया आरंभ कर दी जाए। ऐसा होने से प्रशासनिक और अकादमिक निरंतरता बनी रहती है। जैसे केंद्र सरकार में जब कोई सचिव अवकाश प्राप्त करनेवाला होता है तो उनका स्थान लेने वाले व्यक्ति को विशेष कार्याधिकारी बनाकर वहां पदस्थ कर दिया जाता है। कहा जा सकता है कि इस बार लोकसभा चुनाव के कारण देरी हुई, लेकिन जहां सालभर और तीन वर्ष से नियुक्ति टल रही है उससे तो बचा जा सकता था। शिक्षा और संस्कृति मंत्रालयों के अधीन चलनेवाली संस्थाओं में नियुक्तियों में तुलनात्मक रूप से अधिक देरी क्यों होती है, इस पर विचार करना आवश्यक है।

अगर हमें अपने देश में विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान बनाना है तो इन प्रशासनिक कार्यों की चूलें कसनी होंगी। शिक्षा के क्षेत्र में, विशेषकर उच्च शिक्षण संस्थानों में संसाधन की कमी बिल्कुल नहीं है, कमी है तो बेहतर प्रशासन की, बेहतर समन्वय की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा के चार वर्ष हो गए, लेकिन अब तक स्कूली शिक्षा के अनुकूल सारी पुस्तकें तैयार नहीं की जा सकी हैं। कब तक होंगी, यह भी ज्ञात नहीं हो सकता है। राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद का पुस्तकें तैयार करने का दायित्व है। यदि हम शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण और शोध का स्तर बढ़ाना चाहते हैं तो उसे राजनीति और अफसरशाही के शिकंजे से भी मुक्त करना होगा। कुलपतियों को हमारे देश में बहुत अधिक अधिकार हैं, लेकिन कम ही कुलपति ऐसे हैं जो शोध और शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए प्रयासरत दिखते हैं। इस बारे में भी एक मैकेनिज्म बनाया जाना चाहिए जिससे यह पता चल सके कि अमुक उच्च शिक्षा संस्थान में कितने नवाचार हुए। जबकि हो यह रहा है कि अधिकतर विवि आयोजनों में लगे हैं। सेमिनार आदि अगर नए विषय और ज्ञान की खोज के लिए हों तो संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ती है। परंतु कार्यक्रम का उद्देश्य आयोजन करवा कर गिनती बढ़ाना हो तो उससे कुछ हासिल नहीं होता, केवल करदाताओं के पैसे की बर्बादी होती है। विकसित भारत के लिए शिक्षा के क्षेत्र में भी ठोस काम करने होंगे।

खरी खरी

अभिवादन के शार्टकट

मुकेश राठौर

अभिवादन मानव संचार की वह क्रिया है जिसमें लोग एक-दूसरे को अपनी उपस्थिति से अवगत करवाते हैं। अभिवादन न करे तो कौन बगल से गुजर गया, पता भी नहीं चलेगा और हम तांगे के घोड़े टाइप केवल सामने देख चले जाएंगे। अभिवादन कोई अभी-अभी तो शुरू नहीं हुआ, बल्कि जबसे मानव सुसभ्य हुआ, यह चलन में आया। अभिवादन एक तरह का शाब्दिक विनिमय है, जिसमें शब्दों का लेन-देन होता है। इसमें या तो आपका दिया शब्द ही परावर्तित होकर लौटता है या बदले में दूसरा शब्द मय मूल ब्याज के। परिवेश, परिस्थिति और पदानुसारे लोग प्रणाम, नमस्ते, नोमोस्कार, वणक्कम, राम-राम, सत श्री अकाल, आदाब, सलाम, हाय, हेलो... जैसे अभिवादन करते दिखाई पड़ते हैं। आज जब आदमी आपने मां-बाप और सहोदरों से सही से पेश आने को तैयार नहीं, ऐसे में औपचारिकतावश ही सही, अभिवादन करना बहुत तसल्ली देने वाला है।

एक समय था जब अभिवादन का 'साष्टांग प्रणाम' स्वरूप प्रचलन में था, जिसमें अभिवादक या आराधक अपने आराध्य के सम्मुख मय सिर, हाथ, पैर, घुटने, हृदय, आंखें, मन और वचन के दंडवत हो जाता था। प्रभु जी तुम स्वामी हम दासा- कुछ इस भाव में। बीते वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री जी को एकाधिक अवसरों पर सार्वजनिक रूप से ऐसा करते आपने देखा होगा। वैसे अब जैविकों में ऐसा कम ही देखने को मिलता है। हाल यह है कि लोग दंडवत प्रणाम तब तक नहीं करते, जब उनके लिए ऐसा करना अत्यंत आवश्यक न हो।

अन्य सेवाओं की तर्ज पर अभिवादन के भी अब शार्टकट प्लान आ गए हैं। टेलीकाम कंपनियों के छोटे पैक के मानिंद चरण स्पर्श, हाथ मिलाने, गले लगने से लेकर राम-राम करने तक के शार्ट फार्म बुद्धिजीवियों ने विकसित कर लिए हैं। जीएम, जीएन और जेएसके जैसे शार्ट फार्म देखने-सुनने में आए होंगे। कभी गुरुजन, माता-पिता और तमाम बड़ों लोगों के चरण स्पर्श लोग बड़े आदर भाव से किया करते थे, अब लोग घुटने स्पर्श करने लगे हैं। वह दिन दूर नहीं जब कमर स्पर्श करने लगेंगे। यानी जहां से पैर शुरू हुए, वहीं स्पर्श कर लो। आदमी जैसे-जैसे बड़ा हो रहा है, उसने झुकना कम कर दिया है, बल्कि उसका सारा जोर झुकाने पर आ टिका है। कदाचित झुकने में छुटपन का अहसास होता है। लोगों को अपने बाप के सामने भी झुकने में हीनताबोध होता है। बहुएं घर में सुबह-शाम सास के पैर पड़ती थीं, परंतु अब तो घर में सास के पैर तक नहीं पड़ने दे रही हैं।

चरण स्पर्श की तरह हाथ मिलाने का भी यही हाल है। आदमी हाथ मिलाने से पहले हाथ छुड़ाने का प्रयास करता दिखाई पड़ता है। कुछ तो हाथ छोड़िये, बमुश्किल उंगलियां स्पर्श करवाते हैं, जैसे सामने वाला छूत रोगी हो। ऐसे चलताऊ अभिवादनकाल में गले मिलने की तो बात ही क्या करें!

ससंपर्क अभिवादन की तरह मौखिक अभिवादन का भी हाल बेहाल है। देखने में आया है कि अभिवादन करने और स्वीकारने की सबकी अपनी शैलियां हैं। कोई सिर झुका देता है, कोई हाथ उठाता है तो कोई मुस्कुरा देता है। कई बार हमारे नमस्कार के जवाब में बंदा बिन कुछ कहे जवाबी कार्रवाई करते हुए दाएं-बाएं गर्दन घुमाता है तो लगता है कि वह हमारे नमस्कार का साक्षात बहिष्कार कर रहा है। अभिवादक की दशा उस समय देखने लायक होती है जब कोई सिरीमान टाइप आदमी आपके नमस्कार को अनसुना करके आगे बढ़ जाता है, बावजूद उन्हें नमस्कार तो करना ही पड़ता है। करो तो देखेंगे नहीं, यदि न करो तो फिर जरूर देखेंगे। (लेखक व्यंग्यकार हैं)

पोस्ट

मुस्लिम बहुल कश्मीर में 370 हटने पर भी हिंदू नहीं बस पाए, तो बांग्लादेश का 84 साल का कठपुतली प्रधानमंत्री वहां के हिंदुओं को क्या खाक सुरक्षा देगा? कुछ करना है तो भारत सरकार को ही करना होगा। दिव्य कुमार सोती@DivyaSoti

अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता- इन तीनों पर सुविधाजनक सोच ने देश को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। हम अपनी सुविधा और अपने लाभ के आधार पर मौन रहने या मुखर होने का विकल्प चुनते हैं।

अमिताभ अग्निहोत्री@Aamitabh2

हर वह कामयाबी हार है, जिसका मकसद किसी को नीचा दिखाना है।

बबीता फोगाट@BabitaPhogat

यह समझना मुश्किल है कि ममता बनर्जी ने विरोध प्रदर्शन किसके खिलाफ किया? हत्यारों को फांसी देने की मांग किससे की? बंगाल की मुख्यमंत्री तो वही हैं। राज्य में सरकार तो उनकी ही है।

रजत शर्मा@RajatSharmaLive

हर व्यक्ति की एक कमजोर नस होती है। उस नस को ढूंढने और दबाने वाले को ही आजकल रणनीतिकार कहा जाता है।

अखिलेश शर्मा@akhileshsharma1

चुनाव आयोग के आंकड़े यह साबित करते हैं कि दूध, दही का खाना कहीं अधिक बेहतर है। चुनाव आयोग के मुताबिक हरियाणा में 10 हजार से ज्यादा वोटरों की आयु 100 वर्ष से अधिक है।

आदेश रावल@AadeshRawal

जागरण जनमत कल का परिणाम

क्या विपक्ष को पंथनिरपेक्ष नागरिक संहिता का समर्थन करना चाहिए?

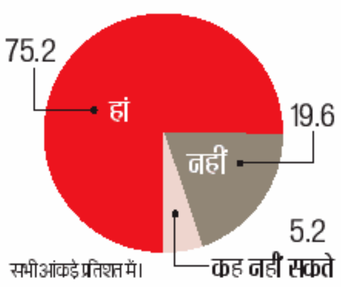

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या रेल दुर्घटनाएं किसी आपराधिक साजिश का परिणाम हैं?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

पीओके तक जायगी जम्हूरियत की न्यूज,
तब तो पाकी फौज का और उड़ेगा फ्यूज।
और उड़ेगा फ्यूज व्यूज देगी तब जनता,
चलो मिलें उस मुल्क काम जिसमें हो बनता।
अगर नई सरकार काम दिखलाए ओके,
तो 'जय भारतवर्ष' जल्द बोले पीओके!

- ओमप्रकाश तिवारी

रचनाकर्म

सैन्य पुरोधा के अनुभवों का संग्रह

प्रणव सिरोही

यह पुस्तक बांग्लादेश के जन्म में अहम भूमिका निभाने वाले लेफ्टिनेंट जनरल जेएफआर जैकब की आत्मकथा है, जिसमें उन्होंने सैन्य अधिकारियों से लेकर राजनीतिक बिरादरी से जुड़े लोगों के बारे में बेबाक राय रखी है...

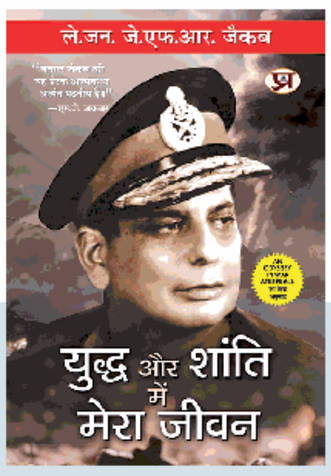

पुस्तक : युद्ध और शांति में मेरा जीवन
लेखक : ले.ज. जेएफआर जैकब
अनुवादक : रमाशंकर सिंह
प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन
मूल्य : 400 रुपये

ढाका से लेकर कोलकाता तक का घटनाक्रम इन दिनों सुर्खियों में है। वैसे तो इन दोनों स्थानों से कई लोगों का करीबी नाता रहा होगा, किंतु लेफ्टिनेंट जनरल जैक फर्ज राफेज जैकब उनमें संभवतः एक पायदान ऊपर माने जाएंगे। जेएफआर जैकब कलकत्ता (अब कोलकाता) में जन्मे तो बांग्लादेश के जन्म में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। जैकब की आत्मकथा 'युद्ध और शांति में मेरा जीवन' पढ़कर अनुभूति होती है कि जिस बांग्लादेश के निर्माण में भारतीय सेना ने पराक्रम और समर्पण का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया, उसकी मौजूदा हालत उन्हें शायद टीस देती। इसी तरह जिस कोलकाता को वह सपनों का जैसा शहर मानते आए, वहां की मौजूदा दशा-दिशा भी संभवतः उन्हें विचलित करती।

एक सैनिक के निर्माण में पहली सीढ़ी अनुशासन की होती है, जिसका प्रत्यारोपण भी प्रायः प्रथम पाठशाला परिवार द्वारा होता है। बचपन में जैकब ने यदि दूध से बनी चीजों को खाने के लिए बनी कटलरी से मांसाहारी व्यंजन चख लिया तो उन्हें उसके लिए धमकी मिल जाती। देश-विदेश के तमाम स्थानों पर समय बिताने के बावजूद कोलकाता उनके दिल के करीब रहा। यहां से जुड़ी यादों को उन्होंने कलमबद्ध किया है।

लेखक ने ब्रिटिश राज में सेना में शामिल होने से लेकर भारत विभाजन, पाकिस्तान से साथ युद्धों, सैन्य अधिकारी के रूप में अपने वृत्तांत के साथ ही राजनीतिक जुड़ाव और गोवा एवं पंजाब के राज्यपाल के रूप में अपने व्यापक अनुभव इस किताब में साझा किए हैं। इसमें 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम का विवरण रोचक बन पड़ा है, क्योंकि वह सीधे उस अभियान की कमान संभाले हुए थे। पाकिस्तानी जनरल नियाजी से आत्मसमर्पण-पत्र पर हस्ताक्षर कराने के सूत्रधार जैकब ही थे।

आत्मकथा में निजी जीवन की यात्रा के साथ समानांतर चरित्रों की उपस्थिति स्वाभाविक है। इस कसौटी पर लेखक की स्पष्टता और ईमानदारी झलकती है। उन्होंने सैन्य अधिकारियों से लेकर राजनीतिक बिरादरी से जुड़े लोगों तक के बारे में बेबाक राय रखी है। तत्कालीन रक्षा मंत्री कृष्ण मेनन के बारे में उन्होंने दो टूक लिखा है कि 'उनका कार्यकाल भारतीय सेना के लिए विनाशकारी सिद्ध होने वाला था। उन्होंने सेना को आधुनिक बनाने के लिए कुछ नहीं किया और हमेशा संदिग्ध योग्यता वाले राजनीतिक रूप से प्रेरित अधिकारियों को नियुक्त किया।' अमूमन सैन्य बलों को आदर्श संगठन माना जाता है, लेकिन जैकब ने उसकी अंदरूनी गंदगी को भी उजागर किया कि मानेकशा के विरुद्ध गवाही न देने के चलते जनरल कौल ने उन्हें कैसे धमकाया और उन्हें इसका क्या परिणाम भुगतना पड़ा। इस पुस्तक से यह भी पता चलता है कि मानेकशा ने किससे योजना आयोग का उपाध्यक्ष बनाए जाने की गुजारिश की और अरोड़ा ने राज्यपाल बनाए जाने की और ये दोनों ही अनुरोध कैसे खारिज हो गए। यह भी कि खुद का भूटान से विशेष लगाव होने के बावजूद वहां राजदूत बनने को लेकर वह क्यों अनिच्छुक रहे। भविष्य की दृष्टि से उन्होंने यह दृष्टिकोण भी रखा कि नक्सलवाद से निपटने में कभी न कभी सैन्य बलों का सहारा लेना ही पड़ेगा।

औरों से अलग लगने के चलते वह भाजपा से जुड़े और फिर यह लिखने से भी संकोच नहीं किया कि पार्टी की स्थिति दूसरे दलों जैसी होने लगी है। गोवा में राज्यपाल रहने के दौरान एक 'अनुचित काम' के लिए कैसे उन्होंने भाजपा के एक नेता को फोन पर ही झिड़क दिया था और उसी नेता ने विहिप द्वारा पार्टी अध्यक्ष के रूप में उनका नाम बढ़ाए जाने का विरोध किया। सैन्य मामलों और इतिहास में रुचि रखने वाले पाठकों को यह पुस्तक अच्छी लगेगी।

कारपोरेट जीवन की कला

कन्हैया झा

पुस्तक : आफिस सीक्रेट्स : जानिए कामकामी जीवन की जरूरी 50 बातें
लेखक : हरीश भट
अनुवादक : डा. संजीव मिश्र
प्रकाशक: पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया
मूल्य : 250 रुपये

किसी भी कार्यालय में आपको ऐसे अनेक लोग मिल सकते हैं, जो वहां की कार्यशैली से अप्रसन्न दिखें, परंतु वहीं आपको कई ऐसे लोग भी मिल जाएंगे, जिन्हें इस बारे में कोई शिकायत नहीं होती। वस्तुतः कार्यालय में हम जिस ढंग से काम करते हैं, उन्हीं में कई ऐसे राज छिपे होते हैं, जिससे वहां की कार्यशैली प्रभावित होती है। टाटा संस के ब्रांड संरक्षक हरीश भट ने अपने लगभग 35 वर्षों के अनुभव से जो कुछ प्राप्त किया, उसे इस पुस्तक में रेखांकित करने का प्रयास किया है। लेखक ने सूझबूझ, हास्य और शालीनता के साथ आधुनिक कामकाजी जीवन की खुशियों और रहस्यों को उजागर किया है।

यह एक विचित्र विरोधाभास है कि जैसे-जैसे जीवन बड़ा होता जाता है, छोटी-छोटी चीजें अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। पुस्तक यह रेखांकित करती है कि यह दुनिया अक्सर जटिल और भ्रमित करने वाली हो सकती है, परंतु यह प्रेरक और सार्थक भी हो सकती है। आम तौर पर देखा जाता है कि बिजनेस प्रोफेशनल्स अपने काम को बहुत गंभीरता से लेते हैं, परंतु लेखक ने अपने हास्यबोध के माध्यम से बहुत सी ऐसी बातों को समझने-समझाने का प्रयास किया है, जिन्हें कारपोरेट जीवन में कम ही स्थान मिल पाता है। इस पुस्तक में 50 अध्याय शामिल किए गए हैं : बैठकों के समय लोग क्यों करते हैं इतनी बातें, क्या आपके सवाल वास्तव में मायने रखते हैं, नोटबुक के उपयोग का आनंद, कार्यालय में जूनियर्स से सलाह, संवाद में सावधानी की कला आदि। इन अध्यायों में आपको कार्यालय जीवन के संबंध में विचारशील टिप्पणियां मिल जाएंगी। डा. संजीव मिश्र ने बढ़िया अनुवाद किया है। जीवन में कला भाव को दर्शाती यह पुस्तक आपके कामकाजी जीवन को बेहतर बनाने में उपयोगी साबित हो सकती है।

यतीन्द्र मिश्र

जुलाहे, रंगरेज और जादूगर के कौतुक जैसा गद्य

भारत में पारंपरिक जातक कथाओं से जो प्रेरणास्पद बातें हम सीखते आए हैं, उसकी पश्चिमोन्मुख झांकी इस पुस्तक में सरलता और गंभीर लाक्षणिकता के साथ दर्शाई गई है...

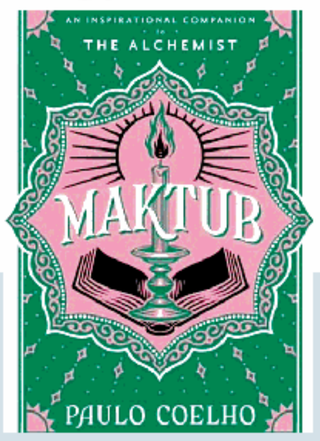

पुस्तक : मकतूब
लेखक : पाओलो कोएलो
प्रकाशक : थारसंस-एन इनप्रिंट आफ हार्पर कालिंस पब्लिशर्स, लंदन
मूल्य : 499 रुपये

'द अलकेमिस्ट', 'द पिलग्रिमेज' और 'द जहीर' जैसी कृतियों से दुनिया के नक्शे पर उभरे लोकप्रिय और बहुपठित लेखक पाओलो कोएलो की दार्शनिक टिप्पणियों और बोधकथाओं पर आधारित किताब 'मकतूब' का प्रकाशन एक अविस्मरणीय घटना है। भारत और पश्चिमी देशों में प्रेरणास्पद पुस्तकों और उपन्यासों की एक बड़ी परंपरा रही है, जिसमें नीति और ज्ञान की बातें कहानी या निबंध का आशय व्यक्त करती हैं। भारत में 'कथा सरित्सागर', 'पंचतंत्र', 'हितोपदेश', 'जातक कथाओं' के अतिरिक्त विभिन्न मतों-पंथों के विचारकों और संतों की वाणियों तथा उद्देश्यपरक कहानियों की महान परंपरा विद्यमान है। विदेश में इस उद्देश्य से बौद्ध और जैन परंपरा की कहानियां, बाइबिल से संबंधित शिक्षापरक घटनाएं और नीतिकथाओं के अलावा दार्शनिक ढंग की पुराकथाएं भी पढ़ी जाती हैं। इस रचनाधर्मिता में पाओलो कोएलो के अलावा रोबर्तो कलासो, हैंस क्रिश्चन हैंडरसन, हरमन हेस और तिक न्यात हन्ह के नाम लिए जा सकते हैं।

'मकतूब' पूरी तरह से विश्व चेतना को समर्पित मानव सभ्यता को पढ़ने का ऐसा आत्मीय भाष्य है, जिसमें छोटी-छोटी कहानियां, जेन कथाओं का आस्वाद रचती हैं। 'द एलकेमिस्ट' उनका कालजयी काम माना जाता है। उसी से निकली हुई 'मकतूब' की ध्वनि एक ऐसे वैश्विक संदर्भ से मुखातिब है, जहां ज्ञान, परंपरा, आत्मबोध, स्वचेतना, पारस्परिकता, दया, करुणा, स्वयं से संवाद और समानुभूति जैसे प्रत्ययों को बेहतरीन ढंग से लिपिबद्ध किया गया है। कई बार लगता है कि हम किसी ऐसे दार्शनिक के अनुभव पढ़ रहे हैं, जिसने स्वयं को बरसों तक एकाकी रखते हुए जीवन को अर्थ देने के लिए साधना का मार्ग चुना हो। हालांकि यह पुस्तक किसी भी तरह धार्मिक या आध्यात्मिक झुकाव का समर्थन नहीं करती, बावजूद इसके इसमें कहीं गीता, तो कहीं रमण महर्षि या जे. कृष्णमूर्ति के उद्धरणों और अहिंसा पर चले महात्मा गांधी के विचारों की कौंध आती है।

एक तरह से कहा जा सकता है कि भारत में जो परंपरा जातक कथाओं से होती हुई दार्शनिकों की जीवनियों तक फैली थी, जिसमें कबीर, दादू, नानक, गुलाल, दरिया साहब, मीराबाई, तुकाराम जैसे संतों के निजी जीवन की प्रेरणास्पद बातें हम बचपन से सीखते चले आए थे, उसकी पश्चिमोन्मुख झांकी यहां सूक्ष्मता, सरलता और गंभीर लाक्षणिकता के साथ समझाई गई है। कोएलो स्वीकारते हैं, 'यह कृति पूरी तरह से किताब नहीं है, बल्कि अनुभवों का आदान-प्रदान है।' एक वर्ष तक प्रतिष्ठित पत्र में लिखी गई कहानियों का संचयन, जिसके बारे में एंथोनी डी मेलो कहते हैं, 'यह मेहनत एक जुलाहे या रंगरेज की तरह का काम था, जिसमें लेखक ने अपना कोई भी श्रेय उसी तरह नहीं लिया है, जिसके लिए वह कपास और धागे चुनकर लाया है।' मकतूब में वह सब कुछ है, जो जादूगर के पिटारे में होता है। छोटी कहानियों के आशयों में आने वाले बुजुर्ग संत, अजन्मा ईश्वर, गुरु, मानेस्ट्री, ज्ञान की गुफाएं, मठ और चर्च, आदम का बगीचा, विज्ञानी, युवा स्त्री, दर्शन को प्रेरित बुद्धिजीवी, यायावर, बौद्ध भिक्षु, फूलों से भरा बगीचा, सौदागर और करतब करने वाले कुछ बाजीगर मौजूद हैं। इन लोगों की उपस्थिति से कहानियां बुनी गई हैं, जिसमें शांति, सद्भावना और सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा अंतिम लक्ष्य पाने जैसा है। कुछ-कुछ परिकथाओं, तो कुछ-कुछ धार्मिक उपदेशों की तरह लगता हुआ यह गद्य भीतर तक गुदगुदाने के साथ उन कहानियों के विस्तार की मांग भी करता है।

संग्रह की एक कहानी, एक शिष्य का वर्णन करती है जो निरंतर ज्ञान की तलाश में रहता है। एक दिन उसे सही राह दिखाने हेतु उसके गुरु आधा मिनट तक उससे सूरज को देखने को कहने के बाद अपने आस-पास के परिदृश्य का वर्णन करवाते हैं। शिष्य ऐसा नहीं कर पाता, क्योंकि सूरज की तेज रोशनी से वह अंधा हो जाता है। गुरु उसे समझाते हैं कि जैसे केवल सूरज को घूरने वाला अंधा हो जाता है, ठीक उसी प्रकार जो व्यक्ति दूसरों की परवाह किए बिना केवल अपने लिए ज्ञान की तलाश करता है, वह इससे सदा वंचित रहता है। एक अन्य कहानी लक्ष्य करती है कि बदलाव के समय अनजाने में हम मन-मस्तिष्क में अपनी असफलताओं के टेप चलाते रहते हैं और जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, मुश्किलों का कोटा भी बढ़ता जाता है। हालांकि हम इनके माध्यम से अपनी असफलताओं पर काबू पाने का अनुभव प्राप्त करते हैं। जीवन में सफल होने के लिए असफलता भी काफी महत्त्व रखती है। ऐसी ही एक संवेदनशील सीख देती है एक जेन कहानी, जिसमें ध्यान करते वक्त गुरु एक बांस की छड़ी लेकर आते हैं और जो विद्यार्थी अपनी साधना पर ध्यान केंद्रित करने में विफल रहते हैं, गुरु उनमें से प्रत्येक को कंधे पर तीन बार मारते हैं। शुरू में यह बेतुका लगता है। मगर बाद में महसूस होता है कि नकारात्मक विचारों के भयानक परिणामों को समझने में बहुत समय लग जाता है, लेकिन जब ये विचार शारीरिक दर्द के रूप में प्रकट होते हैं, तो समझ में आता है कि ये कितना नुकसान करते हैं। ऐसी कथाओं की सुंदर कृति है यह पुस्तक!

****

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बिजनेस
रविवार 18 अगस्त, 2024
www.jagran.com

भारत ने अंजीर जूस की पहली खेप पोलैंड भेजी

नई दिल्ली : भारत ने अंजीर के रस की पहली खेप पोलैंड को निर्यात की है। अनूठे कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाने की पहल के तहत अंजीर रस की यह खेप भेजी गई है। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने जीआइ टैग वाले पुरंदर अंजीर से बने रस के पोलैंड को निर्यात की सुविधा प्रदान की है। (प्रेट्र)

ब्लू-कालर क्षेत्र में कम वेतन वाली नौकरियों की संख्या बहुत ज्यादा है और उच्च आय के अवसर सीमित हैं। इस असमानता का सामाजिक स्थिरता और आर्थिक विकास पर व्यापक प्रभाव पड़ता है।

— नीलेश डूंगरवाल, सीईओ, वर्क इंडिया

2027 तक तीसरी सबसे बड़ी आर्थिकी बन जाएगा भारत

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने कहा, बीते वर्ष उम्मीद से बेहतर रही भारत की विकास दर

नई दिल्ली, आइएएनएस: 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि भारत सभी क्षेत्रों में बड़े सुधार कर रहा है और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने भी पीएम के इस दावे का समर्थन किया है। आइएमएफ की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने कहा है कि भारत वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत अभी पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और दमदार विकास दर की बदौलत जल्द ही सबसे आगे निकल सकता है।

गीता गोपीनाथ का कहना है कि पिछले वित्त वर्ष के दौरान भारत की विकास दर उम्मीद से बेहतर रही है। इसका कारण सभी क्षेत्रों में बढ़ोतरी होना रहा है। खासतौर पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निजी खपत बढ़ी है। साथ ही, दोपहिया की बिक्री से लेकर एफएमसीजी क्षेत्र तक सभी का प्रदर्शन बेहतर रहा है। मौसम विभाग ने इस साल मानसून सामान्य रहने का अनुमान जताया है। गीता गोपीनाथ ने कहा कि बेहतर मानसून के साथ उपज भी बेहतर होती है और कृषि आय बढ़ती है। इससे आगे भी खपत बढ़ने का सिलसिला जारी रह सकता है।

विकास की राह पर बने रहने के लिए और सुधारों की जरूरत : प्रेट्र के अनुसार, गीता गोपीनाथ ने कहा कि आर्थिक विकास को बढ़ाने के रास्ते पर बने रहने और देश में पर्याप्त रोजगार सृजन सुनिश्चित करने के लिए भारत को और सुधारों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि अगर भारत वैश्विक सप्लाई चेन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहता है तो उसे आयात शुल्क कम करने की जरूरत होगी। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। गोपीनाथ ने कहा कि विकसित देश का दर्जा प्राप्त करना एक जबरदस्त आकांक्षा है, लेकिन यह स्वतः नहीं होता है। इसे प्राप्त करने के लिए कई क्षेत्रों में व्यापक पैमाने पर निरंतर, सुसंगत प्रयासों की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि अब जीएसटी ने अच्छे नतीजे देने शुरू कर दिए हैं। अगर भारत जीएसटी दरों को और सरल बना सकता है और तो अतिरिक्त राजस्व में जीडीपी में एक प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकता है।

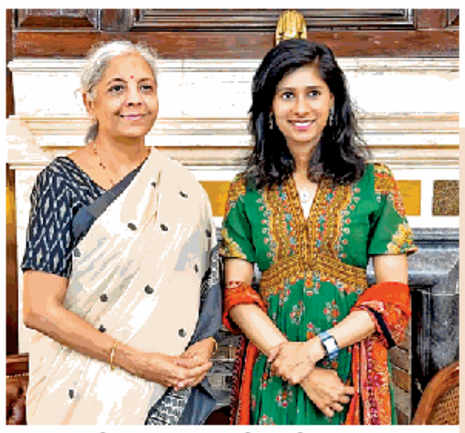

आइएमएफ की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने शनिवार को नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भेंट की ● प्रेट्र

- मानसून बेहतर रहने से उपज के साथ कृषि आय में बढ़ोतरी होगी
- सप्लाई चेन में बड़ी भूमिका के लिए घटाना होगा आयात शुल्क

आइएमएफ के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार भारत

नई दिल्ली, प्रेट्र: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को आइएमएफ की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ से मुलाकात की। इस दौरान वित्त मंत्री ने कहा कि भारत आइएमएफ के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए और अधिक तरीके तलाशने को तैयार है। मुलाकात के दौरान गोपीनाथ ने राजकोषीय समेकन में नीतिगत निरंतरता के लिए वित्त मंत्री को बधाई भी दी। वित्त मंत्रालय ने एक एक्स पोस्ट में बताया, 'वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत आइएमएफ के साथ अपने संबंधों और निरंतर सहभागिता को अत्यधिक महत्व देता है। भविष्य को देखते हुए भारत सरकार आइएमएफ के साथ सहयोग को बढ़ाने के लिए और अधिक तरीके तलाशने के लिए तैयार है।'

जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए वर्ष 2030 तक 14.8 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित करने की जरूरत

नई दिल्ली, प्रेट्र: दिल्ली स्कूल आफ इकोनमिक्स के एक कार्यक्रम में आइएमएफ की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने कहा कि जी-20 देशों में रोजगार सृजन के मामले में भारत पिछड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए भारत को 2030 तक 14.8 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित करने की आवश्यकता है। 2010 से शुरू होने वाले दशक में भारत की औसत वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रही, लेकिन रोजगार दर 2 प्रतिशत से कम रही। इसलिए कम समय में बहुत अधिक रोजगार सृजित करने होंगे। उन्होंने कहा कि अधिक रोजगार सृजित करने के लिए निजी निवेश बढ़ाने की जरूरत है क्योंकि यह सकल घरेलू उत्पाद में सात प्रतिशत की वृद्धि के अनुरूप नहीं है। हालांकि, सार्वजनिक निवेश अच्छा चल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी शिक्षा प्रणाली में सुधार करना चाहिए, ताकि कुशल कार्यबल तैयार हो सके।

शार्ट-सेलिंग और राजनीतिक हस्तक्षेप

हिंडनबर्ग की मुहिम पर किसी भी व्यक्ति के दो अलग नजरिये हो सकते हैं

धीरेंद्र कुमार, संपादक, धनक डाट काम

पहला : हिंडनबर्ग एक इक्विटी रिसर्च संस्था है जो नकारात्मक रिसर्च करने में माहिर है। ये ज्यादा मूल्यांकन वाली कंपनियों के खिलाफ गंदगी खोदकर लाती है। उन शेयरों को शार्ट करती है। अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक करती है और इस तरह बहुत सारा पैसा कमाती है। ये आम तौर पर बाज़ारों की भी मदद करती है क्योंकि कंपनियों के लिए सही तरीके से मूल्यांकन किया जाना अच्छा है। 2023 की शुरुआत में अदाणी समूह के शेयरों के ख़िलाफ़ इसकी रिपोर्ट की प्रकृति ऐसी ही थी।

दूसरा : हिंडनबर्ग ने भारत के सबसे बड़े व्यापारिक समूहों और सरकार को बदनाम करने के लिए एक राजनीतिक अभियान के हिस्से के तहत, खासतौर पर अदाणी समूह को निशाना बनाया। इस पूरी कवायद में इसने इन शेयरों को शार्ट करके बहुत सा पैसा कमाया।

बोनस

2023 में एक समय तक, कई लोगों को लगा कि पहला प्वाइंट ज्यादातर सही था। उस समय भारत में एक महत्वपूर्ण कहानी चल रही थी कि हिंडनबर्ग की मुख्य भूमिका भारतीय लोकतंत्र को बचाने की कोशिश करने वाले एक योद्धा की थी या फिर कुछ इसी तरह की बकवास थी। सच्चाई ये है कि इस संगठन का पूरा बिजनेस माडल स्टाक को क्रैश करके पैसा बनाना था, जिसे आसानी से भुला दिया गया।

हालांकि, जैसे-जैसे समय बीतता गया और ज्यादा जानकारियां सामने आईं, जनता की राय पलट गई। अब, हमारे पास सेबी के कारण बताओ नोटिस का जवाब देने से इन्कार करने की हिंडनबर्ग की बेशर्मी भरी कोशिश है। इसके अलावा, ये संगठन एक और रिपोर्ट लेकर आया है जिसमें सेबी चेयरपर्सन, उनके पति और अदाणी समूह के बीच 'संबंध' होने का दावा किया गया है। जिन लोगों ने असल में ये रिपोर्ट पढ़ी है, उनका कहना है कि इसमें कुछ भी नहीं है, और अब ये पूरी तरह से स्पष्ट हो चुका है। हालांकि, असली सवाल ये है कि हिंडनबर्ग ने ऐसे आरोप जो जांच के दायरे में नहीं आएंगे, उनसे हासिल करने की उम्मीद की थी? इसका जवाब दोहरा है।

सबसे पहले तो ये 'हमला ही सबसे अच्छा बचाव है' वाला कदम है। एक बार जब ये रेगुलेटर के खिलाफ आरोप लगा देता है तो ये रेगुलेटर द्वारा की गई किसी भी जांच और कार्रवाई को पक्षपात भरा बताकर खारिज कर सकता है। इसने कारण बताओ नोटिस को 'बकवास' बताकर खारिज कर दिया और जवाब देने से इन्कार कर दिया है। उसकी इस बहादुरी का एक पहलू उसके नस्लवादी या औपनिवेशक रवैये में निहित है। चूंकि हिंडनबर्ग एक पश्चिमी संस्था है, इसलिए भारत जैसे गैर-पश्चिमी देश में रेगुलेटर ने इस पर सवाल उठाने की हिम्मत कैसे की?

दूसरे, ये एजेंडा राजनीतिक और मीडिया प्रतिष्ठानों के एक हिस्से द्वारा आसानी से स्वीकार किया जाता है और आगे बढ़ाया जाता है। जिस गति से हिंडनबर्ग के आरोपों को सही माना गया और फिर दोहराया और बढ़ाया गया, उससे ये स्पष्ट हो गया कि ये एक संगठित और समन्वित प्रयास था। इसका मकसद था, हिंडनबर्ग के खुद के बचाव को मजबूत करना और उम्मीद ये थी कि बाजार डूब जाएगा और इससे रेगुलेटर की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। जो हमें देखने को मिला, वो ये था कि संकेत मिलते ही राजनेताओं और मीडिया का एक वर्ग हिंडनबर्ग के समर्थन में एक साथ खड़ा दिखा।

कोई भी शख्स जो इस नाटक को देख रहा है, उसे समझना चाहिए कि हम भारत में राजनीतिक विमर्श के काफी खतरनाक हो चले चरण में प्रवेश कर चुके हैं। स्पष्ट दिखता है कि हमारे पास एक शक्तिशाली घरेलू राजनीतिक विचारधारा है जो अब देश और इसकी अर्थव्यवस्था को संस्थागत तरीके से चोट पहुंचाने को राजनीतिक लड़ाई जीतने जैसा समझती है।

बड़े नकद लेनदेन की जांच करे कर विभाग

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर विभाग से कहा है कि वह होटल, लक्जरी ब्रांड की बिक्री, अस्पताल और आइवीएफ क्लीनिक जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नकद लेनदेन की जांच करे। बोर्ड ने विभाग से कहा है कि यह जांच गैर-जरूरी हस्तक्षेप के बिना होने चाहिए।

बोर्ड की ओर से हाल ही में जारी केंद्रीय कार्य योजना (सीएपी) 2024-25 में आयकर विभाग से कहा गया है कि बकाया मांगों की वसूली के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वित्तीय संस्थानों के दो लाख रुपये से अधिक के नकद लेनदेन को वित्तीय लेनदेन के विवरण (एसएफटी) के जरिये बताना आवश्यक था, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा था। ऐसी रिपोर्टों की जांच करने पर पाया गया कि इन प्रविधानों का उल्लंघन व्यापक रूप से किया जा रहा है। सीएपी में कहा गया है कि उच्च मूल्य वाले उपभोग व्यय को करदाता के बारे में जानकारी के साथ सत्यापित करने की जरूरी है। इसके अलावा, आयकर की धारा 139ए के अधीन लेनदेन में पैन (स्थायी खाता संख्या) प्रदान करना या प्राप्त करना जरूरी है। लेकिन इस नियम के पालन का निर्धारण करने के लिए कोई रिपोर्टिंग या सत्यापन तंत्र नहीं है।

सीबीडीटी ने होटल, लक्जरी ब्रांड के खुदरा विक्रेता, अस्पताल आदि की बिना हस्तक्षेप जांच करने का दिया निर्देश

आयकर विभाग ने होटल, बैंक्वेट हाल, लक्जरी ब्रांड के खुदरा विक्रेताओं, आइवीएफ क्लीनिक, अस्पताल, डिजाइनर कपड़ों की दुकान और एनआरआइ कोटा वाली मेडिकल कालेज सीटों की पहचान की है, जहां इन नियमों का पालन नहीं हो रहा है और बड़ा नकदी लेनदेन हो रहा है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अर्थव्यवस्था में नकदी की मात्रा का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान आयकर विभाग ने देशभर में 1,100 तलाशी या छापे मारे। इनमें लगभग 2,500 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई, जिसमें से 1,700 करोड़ रुपये नकद थे।

बोर्ड ने कहा कि आयकर विभाग को वित्त वर्ष 2023-24 के मुकाबले चालू वित्त वर्ष में आयकर रिटर्न (आइटीआर) दाखिल करने वालों की संख्या में 10 प्रतिशत की वृद्धि करने का लक्ष्य दिया है। बोर्ड ने पिछले वर्षों में बकाया मांग के आंकड़ों में वृद्धि पर भी चिंता जताई है। एक अप्रैल 2023 को 24,51,099 करोड़ रुपये का बकाया था, जो एक अप्रैल 2024 को बढ़कर 43,00,232 करोड़ रुपये हो गया है।

केंट ने पेश किया आटा और ब्रेड मेकर

केंट आटा मेकर ●

नई दिल्ली, वि.: वाटर प्यूरीफायर बनाने वाली कंपनी केंट ने रक्षाबंधन से पहले बहनों को तोहफे में देने के लिए आटा और ब्रेड मेकर पेश किया है। कंपनी का कहना है कि यह एक विविधतापूर्ण उपकरण है, जिसमें केवल एक बटन दबाने से घर में ताजा आटा गूंथा जा सकता है और रोटियां बनाई जा सकती हैं।

कंपनी ने कहा कि नए उत्पाद से समय की बचत होगी और कम मेहनत लगेगी। केंट आटा और ब्रेड मेकर को आसानी से प्रयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मूल्य 6,999 रुपये रखा गया है। इसको एमेजोन और फ्लिपकार्ट समेत अन्य ई-कामर्स प्लेटफार्म से खरीदा जा सकता है।

डेट बाजारों में एफपीआइ निवेश एक लाख करोड़ रुपये के पार

जेएनएन, नई दिल्ली: भारत के डेट या बांड बाजार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) को खूब आकर्षित कर रहे हैं। यही कारण है कि 2024 में अब तक डेट बाजारों में एफपीआइ निवेश एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के डाटा के अनुसार, चालू कैलेंडर वर्ष में 16 अगस्त तक डेट बाजारों में एफपीआइ निवेश 1,00,100 करोड़ रुपये हो गया है।

डाटा के अनुसार, अगस्त में अब तक एफपीआइ डेट बाजारों में 9,112 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। इससे पहले जुलाई में 22,363 करोड़ रुपये का निवेश किया था। डेट बाजारों में एफपीआइ के आकर्षण का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2024 में अब तक केवल एक महीने यानी अप्रैल में निकासी की गई है। अन्य सभी महीनों में एफपीआइ डेट बाजारों में शुद्ध रूप से निवेशक रहे हैं।

- अगस्त में अब तक डेट बाजारों में 9,112 करोड़ रुपये का निवेश
- इक्विटी बाजारों से एफपीआइ ने 21,201 करोड़ रुपये निकाले

हालांकि, इक्विटी बाजारों में एफपीआइ निवेश में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। अगस्त में अब तक एफपीआइ इक्विटी बाजारों से 21,201 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। इसके साथ ही 2024 में अब तक इक्विटी बाजारों में एफपीआइ का कुल निवेश घटकर 14,365 करोड़ रुपये रह गया है। इससे पहले जुलाई और जून में एफपीआइ ने इक्विटी में क्रमशः 32,365 करोड़ और 26,565 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। वाटरफील्ड एडवाइजर्स के विपुल भोवार का कहना है कि घरेलू बाजारों में बीती कुछ तिमाहियों में जबरदस्त तेजी के बाद कुछ एफपीआइ मुनाफावसूली कर रहे हैं।

राष्ट्रीय फलक

न्यूज गैलरी

राजनाथ करेंगे एमआरसीसी भवन का उद्घाटन

नई दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को चेन्नई में भारतीय तटरक्षक के नवनिर्मित अत्याधुनिक समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) भवन का उद्घाटन करेंगे। रक्षा मंत्री रविवार को ही दो अन्य प्रमुख केंद्रों का भी उद्घाटन करेंगे। इन में चेन्नई में क्षेत्रीय समुद्री प्रदूषण प्रतिक्रिया केंद्र (आरएमपीआरसी) और पुडुचेरी में तटरक्षक वायु एन्क्लेव (सीजीएई) शामिल हैं। (प्रेट्र)

हजरत मोहम्मद विरोधी पोस्ट करने वाले को जमानत नहीं

चेन्नई : मद्रास हाई कोर्ट ने फेसबुक पर हजरत मोहम्मद के विरुद्ध अपमानजनक पोस्ट करने वाले आर मुरुगेसन की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। कोयंबटूर पुलिस ने 20 जुलाई को मुरुगेसन के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के प्रविधानों के तहत मामला दर्ज किया था। कोयंबटूर जिला सत्र अदालत ने आठ अगस्त को अर्जी खारिज कर दी थी। (आइएएनएस)

नवी मुंबई में माल को ईमेल से बम की धमकी मिली

ठाणे : नवी मुंबई के वाशी क्षेत्र में एक प्रमुख माल को बम की धमकी मिलने के बाद शनिवार को खाली करा लिया गया। पुलिस ने कहा कि तलाशी के बाद धमकी झूठी निकली। वासी थाने के अधिकारी ने बताया कि इन आर्बिट माल को 11:59 बजे दिन में मिले ईमेल में कहा गया था कि भवन में बम लगाया जा चुका है। भवन के भीतर मौजूद हर व्यक्ति मारा जाएगा। दोपहर बाद 2:50 बजे तलाशी पूरी हो गई और माल खोला गया। (प्रेट्र)

पृथक त्रिपुरा आदिवासी राज्य के लिए दिल्ली में प्रदर्शन

अगरतला : जनजातीय पार्टी इंडिजेनस पीपुल्स फ्रंट आफ त्रिपुरा (आइपीएफटी) 23 अगस्त को नई दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन करेगी। त्रिपुरा में भाजपा की मुख्य सहयोगी आइपीएफटी केंद्र पर त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद) को उन्नत कर जनजातियों के लिए 'त्रिपरालैंड' या एक पृथक राज्य बनाने का दबाव डालेगी। (आइएएनएस)

भारत की पहली वंदे मेट्रो ट्रेन दौड़ने को तैयार

हस्नेक सिंह जैनपुरी ● जागरण

- प्रोटोटाइप रैक इसी माह आरसीएफ कपूरथला से होगा रवाना
- ट्रायल के पश्चात यात्रियों के लिए करवाई जाएगी उपलब्ध
- 16 वातानुकूलित डिब्बों वाली वंदे मेट्रो की गति 130 किमी

आरसीएफ कपूरथला द्वारा तैयार की गई देश की पहली वंदे मेट्रो ट्रेन का प्रोटोटाइप रैक। जागरण

कपूरथला : वंदे भारत ट्रेन के बाद अब देश की पहली वंदे मेट्रो ट्रेन दौड़ने के लिए तैयार है। रेल डिब्बा कारखाना (आरसीएफ) कपूरथला में निर्मित वंदे मेट्रो ट्रेन के 16 कोचों का प्रोटोटाइप रैक इसी माह रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड्स आर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) को सौंपा जाएगा। आरडीएसओ कुछ समय वंदे मेट्रो ट्रेन का विभिन्न रेल पटरियों पर ट्रायल करेगा तथा परीक्षण सफल होने पर इसे भारतीय रेल यात्रियों के लिए उपलब्ध करवा दिया जाएगा। आरडीएसओ रेल मंत्रालय का तकनीकी मामलों में परामर्शदाता संगठन है।

भारत की इस पहली स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड ट्रेन को आरसीएफ के कुशल इंजीनियरों व कर्मचारियों ने वंदे भारत की तरह ही डिजाइन किया है। 16 डिब्बों के रैक वाली इस वंदे मेट्रो ट्रेन का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और आने वाले कुछ दिनों में केंद्र सरकार में पंजाब से संबंधित एक प्रतिनिधि की ओर से प्रोटोटाइप रैक रवाना किया जाएगा।

आरसीएफ के महाप्रबंधक मंजुल माथुर का कहना है कि वंदे मेट्रो ट्रेन 250 किलोमीटर की दूरी तय करने वाले इंटरसिटी यात्रियों की सुविधा के लिए डिजाइन की गई है। वंदे मेट्रो ट्रेन 16 वातानुकूलित डिब्बों वाली ट्रेन होगी जिसकी अधिकतम गति 130 किमी प्रतिघंटा रहेगी। हर कोच में 280 यात्रियों को ले जाने की क्षमता है। इनमें 100 यात्री बैठ सकेंगे और 180 यात्री खड़े होकर सफर कर सकेंगे। पूरी ट्रेन में कुल 4,364 यात्री आसानी से सफर कर सकेंगे। 3 गुणा 3 बेंच-टाइप सिटिंग अरेंजमेंट अधिकतम यात्रियों को आरामदायक सफर का लुत्फ उठाने में मदद करेगी। यात्री संचार को वरीयता देते हुए वंदे मेट्रो कोच एमरजेंसी की स्थिति में ट्रेन चालक से संवाद करने के लिए टाक बैक सिस्टम से लैस होंगे। हर कोच में 14 सेंसर के साथ आग व धुएं का पता लगाने वाले सिस्टम लगाए गए हैं ताकि ट्रेन में किसी प्रकार के उठने वाले धुएं का तुरंत पता चल सके। दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए कोचों में व्हील-चेयर सुलभ शौचालय की सुविधा भी रहेगी। जीएम माथुर ने बताया कि ट्रेन कवच प्रणाली से लैस होगी जिसे टकराव को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण उपाय माना जाता है।

फाक्सकान के चेयरमैन ने कहा- भारत में करेंगे और अधिक निवेश

श्रीपेरंबुदूर, प्रेट्र : ताइवान की इलेक्ट्रानिक कंपनी फाक्सकान के चेयरमैन यंग लियू ने शनिवार को कहा कि फाक्सकान आने वाले वर्ष में और अधिक निवेश की योजना बना रही है। कंपनी ने भारत में अब तक 10 अरब अमेरिकी डालर निवेश किया है। पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित लियू ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हम भारत के विकास के साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे। लियू ने श्रीपेरंबुदूर में फाक्सकान संयंत्र के पास कंपनी के आवासीय परिसर के उद्घाटन किया। इसे केवल महिलाओं के लिए बनाया गया है। लियू ने कहा, फाक्सकान में बिना भेदभाव नौकरी दी जाती है, लेकिन भारत में महिलाएं हमारे कार्यबल का बड़ा हिस्सा हैं। गौरतलब है कि ताइवानी कंपनी पर हाल ही में शादीशुदा महिलाओं को नौकरी पर रखने में भेदभाव के आरोप लगे थे। फाक्सकान ने रिपोर्ट को खारिज कर दिया था।

उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता ने दी आत्महत्या की धमकी, मुआवजे की मांग

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- महिला आयोग के हेल्पलाइन नंबर 198 पर किया था फोन
- मौके पर पहुंची पुलिस, उच्चाधिकारियों को दी जानकारी

उन्नाव दुष्कर्म कांड की पीड़िता ने मुआवजा न मिलने पर महिला आयोग को फोन कर आत्महत्या की धमकी दी। आयोग की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़िता से बात कर जल्द मुआवजा संबंधित परेशानी हल करने का आश्वासन दिया।

पुलिस के मुताबिक 16 अगस्त को बसंत कुंज साउथ थाना पुलिस को महिला आयोग से सूचना मिली कि एक महिला ने 198 पर फोन कर आत्महत्या करने की धमकी दी है। पुलिस ने महिला के बारे में जानकारी जुटाई और उस तक पहुंची। महिला ने बताया कि वह दुष्कर्म पीड़िता है। उसे कोर्ट के आदेश पर मुआवजा मिलना था, जो अब तक नहीं मिल पाया है। उत्तर प्रदेश में उसे जान का खतरा है। इसलिए वह अपना घर छोड़ कर दिल्ली में शिफ्ट हो गई है। ऐसे में अब उसके सामने आर्थिक समस्या हो रही है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि अगर उसे जल्द मुआवजा नहीं दिलाया गया तो उसके सामने आत्महत्या करने के अलावा कोई रास्ता नहीं रहेगा। पुलिस ने आला अधिकारियों को मामले की सूचना दी और महिला की काउंसलिंग कराई गई। महिला आयोग के संबंधित अधिकारियों को इस बारे में सूचना दी गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला आयोग जल्द से जल्द मुआवजा दिलाने के लिए उचित कार्रवाई करेगा।

बता दें, चार जून 2017 को उत्तर प्रदेश के उन्नाव में एक 17 वर्षीय लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया था। पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को 20 जून को मामले में दोषी ठहराया गया था। दिसंबर 2019 को सेंगर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हुई थी।

ऊपरी बर्थ से गिरे यात्री, ट्रैक के पत्थर कोच में पहुंचे

प्रथम पृष्ठ से आगे

कानपुर सेंट्रल स्टेशन से साबरमती एक्सप्रेस रात 1:59 बजे अहमदाबाद के लिए निकली थी। पनकी में पहुंचते ही अचानक तेज आवाज हुई। ट्रेन का प्रेशर कम हुआ तो लोको पायलट एपी सिंह बुंदेला और सहायक लोको पायलट चेतराम मीना ने इमरजेंसी ब्रेक लगाया। लोको पायलट के अनुसार, इंजन के कैटल गार्ड से कोई वस्तु टकराई थी, जिससे वह मुड़ गया। जब तक ट्रेन रुकती तब तक डिब्बे पटरी से उतरते चले गए। जितनी दूर ट्रेन चली, ट्रैक क्षतिग्रस्त होता चला गया। अचानक झटका लगने से कोच के अंदर ऊपर की बर्थ पर सो रहे कई यात्री नीचे गिर गए। ट्रैक पर पड़े पत्थर कोच के अंदर उछलकर पहुंचे जिससे कुछ यात्रियों को मामूली चोटें भी आईं। दुर्घटना के आधा घंटे बाद डिप्टी सीटीएम आशुतोष सिंह और एसीएम एसके त्रिपाठी के साथ-साथ रेलवे की मेडिकल टीम, एंबुलेंस, जीआरपी और आरपीएफ व कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। एनडीआरएफ की दो टीमें भी पहुंचीं।

एलएचबी कोच से टला बड़ा हादसा : ट्रेन के कोच लिंक हाफमैन बुश (एलएचबी) तकनीक से बने थे। इसलिए बड़ा हादसा होने से टल गया। एलएचबी कोच के दुर्घटना में टकराने की आशंका कम रहती है और ये आघात सहने के लिए अधिक मजबूत माने जाते हैं। दुर्घटना से अप लाइन की एक ओर की 300 मीटर पटरी उखड़ गई। डाउन लाइन पर फंसी तीन ट्रेनों को निकालने के बाद ट्रैक की मरम्मत शुरू की गई। दोनों लाइनें बंद की गईं। इस कारण झांसी रूट पर जाने वाली 14 ट्रेनों को निरस्त किया गया और 20 से अधिक ट्रेनों को बदले रास्ते से भेजा गया। ट्रेन और बसों से 1,700 से ज्यादा यात्रियों को सेंट्रल स्टेशन लाया गया और सुबह आठ बजे विशेष ट्रेन से गंतव्य की ओर भेजा गया।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार, 18 अगस्त, 2024 से शनिवार 24 अगस्त, 2024 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)
मन में शांति और प्रसन्नता रहेगी, आत्मसंयम रखें। किसी से भी बातचीत के दौरान भावनाओं को नियंत्रित रखें, बेकार के क्रोध से बचें, किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में वृद्धि हो सकती है, व्यय अधिक। शुभ अंक 3

वृष (इ, ऊ, ए, ओ, पा, वी, वू, वे, वो)
दांपत्य सुख में वृद्धि, घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं, भाग-दौड़ अधिक रहेगी, नौकरी के कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है, व्यापार में सफलता के योग, परिश्रम बढ़ेगा। शुभ अंक 1

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)
मन में उतार-चढ़ाव रहेगा, किसी राजनेता से भेंट हो सकती है, नौकरी में परिवर्तन के योग हैं, परिवार से दूर किसी दूसरे स्थान पर जाने का योग, कार्य क्षेत्र में नई नीति का प्रयोग करें, वाहन, आभूषण योग। शुभ अंक 2

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
व्यर्थ की चिंताओं से मन अशांत रहेगा, आत्मसंयत का परिचय दें, क्रोध के अतिरेक से बचें, जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें, परिवार के सदस्यों का साथ मिलेगा, खर्च बढ़ेगें, व्यय अधिक होगा। शुभ अंक 5

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
आत्मसंयत रहें, क्रोध से बचें, नौकरी में बदलाव के योग बन रहे हैं, तरक्की के मौके मिल सकते हैं, आय में वृद्धि होगी, खर्च भी बढ़ सकते हैं, कार्य में सफलता, अर्थसाधन अच्छा, दिनचर्या व्यस्ततम् रहेगी। शुभ अंक 7

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मन में निराशा व असंतोष रहेगा, धर्म के प्रति श्रद्धा भाव बढ़ेगा, शैक्षिक कार्यो के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं, भाग-दौड़ अधिक रहेगी, माता-पिता का सेहत का ध्यान रखें, व्यय अधिक शुभ अंक 4

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
मन शांत रहेगा, बातचीत में संयत रहे, जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें, परिवार का साथ मिलेगा, रहन-सहन अव्यवस्थित होगा, कार्य शैली में परिवर्तन करें, चिंता योग, धर्म में रुचि, व्यय अधिक शुभ अंक 8

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)
नौकरी और व्यापार में सफलता के योग, संतान सुख में वृद्धि होगी, मन शांत रहेगा, संपत्ति में वृद्धि हो सकती है, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा, कारोबार में सफलता के योग। शुभ अंक 1

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं, घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं, वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ेगा, भागदौड़ अधिक रहेगी, पूंजी निवेश में सावधानी, विदेश कार्य में प्रयास, व्यय अधिक। शुभ अंक 5

मकर (भो, जा, ज, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
भावनाओं पर नियंत्रण रखें, क्रोध के अतिरेक से बचें, परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा, शैक्षिक कार्य के लिये विदेश जाने के अवसर मिलेगें, परिवार का सहयोग मिलेगा। शुभ अंक 2

कुम्भ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सा, दा)
व्यर्थ की चिंताओं से मन परेशान रहेगा, बुरे विचारों से प्रभावित होने से बचें, परिवार के सदस्यों की सेहत का ध्यान रखें, पिता का साथ मिलेगा। नौकरी और व्यापार में सफलता के योग हैं। शुभ अंक 9

मीन (दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची)
वाणी में मधुरता रहेगी, नौकरी और व्यापार में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, स्थान परिवर्तन हो सकता है, परिवार से दूर रहना पढ़ सकता है, खर्च में वृद्धि होगी, व्यय अधिक होगा। शुभ अंक 4

****

बांग्लादेश में हिंसक आंदोलन के दौरान करीब 650 लोगों की गई जान

अराजकता ▶ संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की प्रारंभिक रिपोर्ट में आया आंकड़ा

दूरदराज से सूचनाओं का मिलना जारी, अवामी लीग रही निशाना

बांग्लादेश में छात्रों ने प्रदर्शन के दौरान जमकर हिंसा की थी और उत्पात मचाया था। प्रेट्र

जिनेवा, प्रेट्र : बांग्लादेश में 16 जुलाई से लेकर 11 अगस्त तक बने हिंसा और अराजकता के माहौल में करीब 650 लोगों की मौत हुई और सैकड़ों घायल हुए। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की बांग्लादेश के संबंध में शनिवार को सार्वजनिक हुई प्रारंभिक रिपोर्ट में दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश में 16 जुलाई से तीन अगस्त के बीच आरक्षण विरोधी आंदोलन में 400 लोग अकाल मौत के शिकार हुए जबकि 250 लोग चार अगस्त से शुरू हुए शेख हसीना के इस्तीफे की मांग वाले आंदोलन में मारे गए। पांच अगस्त को हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा था और इस समय वह भारत में हैं। इन मृतकों और घायलों में वे हिंदू अल्पसंख्यक भी शामिल हैं जिन्हें आंदोलन के दौरान उपद्रवियों ने निशाना बनाया था। बांग्लादेश में उपद्रवियों के हमलों में दो हिंदुओं की मौत हुई थी और करीब 50 हिंदू घायल हुए थे।

दूरदराज के इलाकों से जैसे-जैसे सूचनाएं आ रही हैं, वैसे-वैसे पता चल रहा है कि गांवों में भी हिंसा हुई और वहां पर कमजोर और अल्पसंख्यकों की मदद करने वाला कोई नहीं था। हिंसक आंदोलन के दौरान मुख्य रूप में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं और संपत्तियों को निशाना गया। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में भी दर्जनों लोग मारे गए हैं। बांग्लादेश के हालात की जांच के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों का दल अगले सप्ताह आएगा और वह हिंसा से प्रभावित रहे इलाकों का दौरा करेगा।

कोलकाता में ट्रेनी डाक्टर की हत्या पर ढाका में छात्रों का प्रदर्शन : कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में ट्रेनी डाक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या पर ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी विरोध जताया है। उन्होंने घटना के विरोध में कोलकाता समेत पूरे भारत में चल रहे विरोध प्रदर्शनों का समर्थन किया है। ढाका विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने आवाज तोलो नारी (महिलाओं, आवाज उठाओ) का बैनर लेकर मार्च किया और घटना के प्रति अपना विरोध प्रदर्शित किया। प्रदर्शनकारी हाथों में दुष्कर्मी-हत्यारे को फांसी दो, क्या अब मेरा नंबर है...??, हिंसा बंद करो...के नारे वाले पोस्टर भी लिए हुए थे।

बांग्लादेश में शेख हसीना पर एक और हत्या का मामला

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ हत्या का एक और मामला दर्ज किया गया है। शनिवार को दर्ज यह मामला एक छात्र की हत्या से संबंधित है। छात्र की मौत जुलाई में आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान हुई थी। इस मामले में हसीना के अतिरिक्त पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी नोफेल और 32 अन्य लोगों को आरोपित किया गया है। प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद हसीना के खिलाफ हाल के दिनों में दर्ज हुआ यह सातवां मामला है। ये मामले हत्या, नरसंहार, अपहरण, मानवाधिकारों के हनन जैसे जघन्य अपराधों के हैं। ऐसे ही एक मामले की जांच इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल शुरू कर चुका है। माना जा रहा है कि जांच आगे बढ़ने पर बांग्लादेश भारत में मौजूद 76 वर्षीय शेख हसीना की मांग कर सकता है।

बिल गेट्स ने भारत को बताया ग्लोबल लीडर

अमेरिका के ग्रेटर सिएटल क्षेत्र में आयोजित पहले भारत दिवस समारोह के दौरान माइक्रोसाफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स व अन्य। प्रेट्र

ग्रेटर सिएटल क्षेत्र में पहले भारत दिवस समारोह के दौरान मनमोहक प्रस्तुति देते कलाकार। प्रेट्र

सिएटल, प्रेट्र : माइक्रोसाफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने भारत को ग्लोबल लीडर बताया। वह अमेरिका के सिएटल में पहले भारत दिवस समारोह को हरी झंडी दिखाने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भारत के महावाणिज्य दूतावास के निमंत्रण पर पहुंचे गेट्स ने प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वास्थ्य सेवा में भारत की प्रगति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इन नवाचारों का जीवन बचाने और उसे और बेहतर बनाने में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित टीकों से लेकर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण न केवल भारतीयों, बल्कि पूरी दुनिया की मदद कर रहा है।

बिल गेट्स ने कार्यक्रम की तस्वीरें भी साझा कीं। उन्होंने कहा कि समारोह में भाग लेना सम्मान की बात है। भारत

▶ माइक्रोसाफ्ट के सह-संस्थापक ने अमेरिका में भारत दिवस समारोह में कही यह बात

▶ कहा, सुरक्षित टीकों के निर्माण से लेकर डिजिटल बुनियादी ढांचा दुनिया की मदद कर रहा

प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वास्थ्य देखभाल जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण नवाचारों के साथ एक ग्लोबर लीडर है, जो जीवन को बचा रहा है और महत्वपूर्ण सुधार कर रहा है। भारत दिवस समारोह के दौरान भारतीय सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया गया।

मेयर एरिक एडम्स ने न्यूयार्क को अमेरिका की नई दिल्ली बताया : स्वतंत्रता दिवस पर एक कार्यक्रम के दौरान मेयर एरिक एडम्स ने न्यूयार्क शहर को अमेरिका की नई दिल्ली बताया। उन्होंने भारतीयों की भागीदारी की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जब आप व्यवसाय मालिकों, स्वास्थ्य पेशेवरों, शिक्षकों की संख्या देखते हैं, तो यह भारतीय समुदाय की स्पष्ट उपस्थिति को दर्शाता है।

पंकज त्रिपाठी होंगे अतिथि : न्यूयार्क में 42वां इंडिया डे परेड रविवार को आयोजित होगा। इसके मुख्य अतिथि अभिनेता पंकज त्रिपाठी होंगे। पंकज त्रिपाठी ने कहा कि यह उनके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि हम यहां अमेरिका में लोगों को वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देंगे। इसमें हजारों की संख्या में भारतीयों के शामिल होने की उम्मीद है। त्रिपाठी के साथ अभिनेता-राजनेता मनोज तिवारी परेड में अतिथि होंगे, जबकि अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इकबाल भी इसमें शामिल होंगे।

न्यूज गैलरी

ब्राजील में अपना कारोबार बंद करेगा एक्स

साओ पाउलो : एक्स ने शनिवार को कहा कि ब्राजील में वह अपना कारोबार बंद कर देगा। ब्राजील के न्यायाधीश एलेग्जेंडर डी मोरेस के 'सेंसरशिप आदेश' के कारण एक्स ने अपना परिचालन बंद करने का निर्णय लिया है। न्यायाधीश ने एक कानूनी प्रतिनिधि को प्लेफार्म से कुछ सामग्री हटाने के कानूनी आदेश का पालन नहीं करने पर गिरफ्तार करने की धमकी दी थी। (रायटर)

अफगानिस्तान पहुंचे उज्बेकिस्तान के प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद : उज्बेकिस्तान के प्रधानमंत्री अब्दुल्ला एरिपोव शनिवार को अफगानिस्तान पहुंचे। तीन वर्ष पहले तालिबान के सत्ता पर कब्जा करने के बाद पहली बार किसी विदेशी नेता की यह पहली उच्चस्तरीय यात्रा है। एक प्रतिनिधिमंडल के साथ आए एरिपोव का काबुल हवाई अड्डे पर तालिबान के उपप्रधानमंत्री अब्दुल सलाम हनाफी एवं सरकार के अन्य उच्च अधिकारियों ने स्वागत किया। (एपी)

पीएमएल-एन का पीटीआइ से बातचीत से इन्कार

इस्लामाबाद : नवाज शरीफ की सत्ताधारी पीएमएल-एन ने शनिवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआइ के साथ किसी भी तरह की बातचीत से इन्कार किया। पीएमएल-एन के सीनेटर इरफान सिद्दीकी ने कहा कि इमरान को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। यदि पीटीआइ गंभीरता से संपर्क करती है तो पीएमएल-एन व गठबंधन सहयोगी उसके बारे में विचार करेंगे। (प्रेट्र)

पाकिस्तान में सरकार के आलोचकों का अपहरण जारी

लाहौर : पाकिस्तान में इंटरनेट मीडिया और ब्लाग में शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान एवं सरकार की आलोचना करने वालों का गुप्तचर एजेंसियां अपहरण कर रही हैं। पंजाब प्रांत की अदालतों का दरवाजा खटखटाने वाले परिवारों ने यह आरोप लगाया है। पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पीटीआइ के कार्यकर्ताओं के अलावा ब्लागर-हास्य कलाकार अउन खोसा को गुप्तचर एजेंसियों ने गिरफ्तार कर लिया है। (प्रेट्र)

बांग्लादेश में गृह मंत्री पद से हटाए गए सखावत हुसैन

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश में अनिश्चितता का दौर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अंतरिम सरकार के गठन के नौ दिन के भीतर ही ब्रिगेडियर जनरल (रिटायर्ड) एम सखावत हुसैन को प्रभारी गृह मंत्री के पद से हटा दिया गया है। बताते हैं कि हुसैन की न्यायोचित और सबको साथ लेकर चलने वाली कार्यप्रणाली शेख हसीना को अपदस्थ करने वाले छात्र नेताओं को पसंद नहीं आ रही थी। इसी के चलते गृह मंत्रालय मिलने के आठ दिन के भीतर सखावत हुसैन को पद छोड़ना पड़ गया। अब उन्हें अंतरिम सरकार में कपड़ा और जूट मंत्रालय का कार्यभार दिया गया है।

गृह मंत्रालय का प्रभार अब शुक्रवार को सरकार में शामिल किए गए ब्रिगेडियर जनरल (रिटायर्ड) जहांगीर आलम चौधरी को दिया गया है। चौधरी के पास कृषि मंत्रालय का भी प्रभार रहेगा। शुक्रवार को चौधरी समेत चार नए सलाहकार अंतरिम सरकार में शामिल किए गए थे।

युद्ध विराम वार्ता रुकने के बाद गाजा में संघर्ष तेज, 18 की मौत

▶ हमले के वक्त घटनास्थल पर 40 से अधिक लोग मौजूद थे

▶ दक्षिण लेबनान में भी हमला, दो बच्चों सहित 10 लोग मारे गए

गाजा पट्टी में शनिवार को इजरायली हमले के बाद राहत-बचाव कार्य में जुटे लोग। रायटर

काहिरा, रायटर : पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के लिए दोहा में शुरू हुई गाजा युद्धविराम वार्ता शुक्रवार को रुक गई। अब यह अगले हफ्ते प्रारंभ होगी। मध्यस्थ युद्धविराम समझौते को लेकर काफी आशावादी रुख अपनाए हुए हैं। इस बीच, गाजा पट्टी में शनिवार को संघर्ष फिर से तेज हो गया। इजरायली हवाई हमले में 18 लोग मारे गए। सभी एक ही परिवार के थे। कई लोग घायल भी हुए।

शनिवार सुबह गाजा में हवाई हमले में अल-जवैदा के क्षेत्र में विस्थापितों को शरण देने वाले एक घर और निकटवर्ती गोदाम को निशाना बनाया गया था। मरने वालों में आठ बच्चे और चार महिलाएं भी शामिल हैं। हमले के वक्त 40 से अधिक लोग वहां मौजूद थे।

मध्य गाजा के इलाकों को खाली करने के लिए फिर से आदेश जारी किया गया है। इजरायली सैन्य प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने कहा कि मघाजी शरणार्थी शिविर के आसपास रहने वाले फलस्तीनियों को जगह छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र से राकेट हमले हो रहे हैं जिसके जवाब में इजरायली सेना कार्रवाई करेगी।

लेबनान ने 55 राकेट दागे : वहीं, दक्षिण लेबनान के नबातीह में एक आवासीय इमारत पर इजरायली हवाई हमले में दो बच्चों सहित 10 लोग मारे गए और पांच घायल हो गए। सभी सीरियाई नागरिक हैं। इजरायली सेना ने कहा कि हिजबुल्ला के हथियार डिपो को निशाना बनाया गया था। हिजबुल्ला ने भी नबातीह हमले के जवाब में उत्तरी इजरायल के किबुत्ज पर हमला बोला है। इसमें दो सैनिक घायल हुए। लेबनान की ओर से 55 राकेट दागे गए।

इजरायल ने गाजा-मिस्र सीमा पर 50 सुरंगें ध्वस्त कीं

इजरायली सैनिकों ने पिछले महीने मिस्र-गाजा सीमा क्षेत्र में हमास के 50 सुरंग मार्गों को नष्ट कर दिया। सभी सुरंगें फिलाडेल्फी गलियारे में थीं, जो एक बफर जोन है। यह 14 किलोमीटर लंबी गाजा-मिस्र सीमा तक फैला हुआ है। सेना ने यह नहीं बताया कि क्या कोई सुरंग मिस्र के सिनाई क्षेत्र को पार भी कर रही थी। चार अगस्त को आइडीएफ की विशिष्ट याहलोम लड़ाकू इंजीनियरिंग इकाई के सैनिकों ने मिस्र की ओर जाने वाली तीन मीटर लंबी तस्करी सुरंग को भी नष्ट कर दिया। इसका लक्ष्य हमास को फिर से संगठित होने से रोकने और उसके नेताओं को बंधकों के साथ सिनाई में भागने से रोकना है।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचा रूसी अंतरिक्ष यान प्रोग्रेस

मास्को, आइएएनएस : रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस ने शनिवार को बताया कि रूस का मालवाहक अंतरिक्ष यान प्रोग्रेस एमएस-28 शनिवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) पहुंच गया। प्रोग्रेस एमएस-28 को गुरुवार को बैकोनूर कास्मोड्रोम से लांच किया गया था।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार रोस्कोसमोस ने कहा कि अंतरिक्ष यान अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के ज्वेज्दा माड्यूल से जुड़ गया है। आइएसएस पर मौजूद रूसी अंतरिक्ष यात्री ओलेग कोनेनेंको, निकोलाई चूब और अलेक्जेंडर ग्रीबेनकिन ने इस प्रक्रिया की निगरानी की। प्रोग्रेस एमएस-28 सामान लेकर गया है इनमें 420 लीटर पेयजल और 50 किलोग्राम कंप्रैस्ड नाइट्रोजन शामिल है। आइएसएस पर मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए प्रोग्रेस एमएस-28 लगभग तीन टन भोजन, वैज्ञानिक उपकरण और अन्य सामान भी लेकर गया है।

यूक्रेन अमेरिकी मिसाइलों से कुर्स्क में आम नागरिकों को बना रहा निशाना : रूस

▶ सियाम नदी पर बने पुल को ध्वस्त करने में किया गया इस्तेमाल

▶ रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा, 24 यूक्रेनी सैनिकों ने किया आत्मसमर्पण

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में सियाम नदी पर बने पुल पर यूक्रेनी हमले के बाद उठता धुआं। वीडियोग्रैब/रायटर

मास्को, आइएएनएस : रूस के कुर्स्क में यूक्रेनी सेना लगातार आगे बढ़ रही है। इस बीच रूस ने दावा किया है कि यूक्रेनी सेना इस क्षेत्र में आम लोगों को निशाना बनाने के लिए पश्चिमी देशों से मिली मिसाइलों का इस्तेमाल कर रही है। रूसी रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि हमले में अमेरिका निर्मित राकेट लांचर हिमार्स का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। सियाम नदी पर बने पुल को ध्वस्त करने में इसका इस्तेमाल किया गया। हमले में पुल पर बचाव कार्य में शामिल लोग मारे गए।

रूस ने यूक्रेन पर जापोरीजिया परमाणु संयंत्र के पास स्थित एक सड़क पर ड्रोन से हमला करने का आरोप लगाया है। रूसी अधिकारी ने कहा कि इससे यहां तैनात कर्मचारियों को खतरा हो सकता है। साथ ही, रूसी स्टेट न्यूज एजेंसी आरआइए ने कहा है कि 24 यूक्रेनी सैनिकों ने कुर्स्क में कोमारोव्का के पास आत्मसमर्पण किया है। रूस ने भी यूक्रेन के सुमी में मिसाइल से हमला बोला है। हमले में दो लोग घायल हुए हैं और कार और इमारत को नुकसान पहुंचा है। इस दौरान यूक्रेन की ओर से 14 रूसी ड्रोन मार गिराए गए।

यूक्रेन ने भी कुर्स्क क्षेत्र में रूसी सैनिकों को बंदी बनाया है। इसे लेकर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सैनिकों को बधाई दी। उन्होंने पकड़े गए रूसी सैनिकों को एक्सचेंज फंड बताया। कहा कि यह रूस के साथ वार्ता के दौरान काम आएंगे। छह अगस्त को यूक्रेनी सेना अप्रत्याशित रूप से रूसी क्षेत्र में घुस गई। कीव का दावा है कि अबतक उसने 82 बस्तियों को नियंत्रण में ले लिया है।

अमेरिका में लुटेरे ने भारतवंशी की गोली मारकर की हत्या

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : अमेरिका के नार्थ कैरोलिना स्थित एक स्टोर में लूटपाट के दौरान किशोर ने भारतीय मूल के युवक को गोली मार दी। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। यह वारदात मंगलवार की है। मरने वाले मैनांक पटेल मूल रूप से गुजरात के रहने वाले थे। स्कूल की पढ़ाई पूरा करने के बाद वह 2007 में अमेरिका चले गए थे।

काउंटी शेरिफ कार्यालय की ओर से कहा गया है कि उन्हें घटनास्थल पर गोलीबारी की सूचना मिली थी। अधिकारी जब पहुंचे तो पाया कि मैनांक पटेल वहां घायल पड़े थे। उन्हें पास स्थित नोवंत हेल्थ रोवान मेडिकल सेंटर ले जाया गया। हालात अधिक खराब होने के बाद वहां से कहीं अन्य रेफर कर दिया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। पटेल की पत्नी साढ़े सात महीने की गर्भवती हैं और उनकी एक पांच साल की बेटी भी है। ग्राहकों और कर्मचारियों का कहना है कि पटेल किसी के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते थे।

ट्रंप को हैरिस के खिलाफ डिबेट के लिए तैयार कर रहीं तुलसी गबार्ड

▶ ट्रंप और हैरिस के बीच 10 सितंबर को एबीसी पर प्रेसिडेंशियल डिबेट होनी है

तुलसी गबार्ड की फाइल फोटो। एपी

गबार्ड 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान हैरिस के साथ कर चुकी हैं बहस

वाशिंगटन, एएनआइ : पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के बीच 10 सितंबर को एबीसी चैनल पर प्रेसिडेंशियल डिबेट होनी है। इसके लिए ट्रंप पूरी जोरशोर से तैयारी कर रहे हैं। अपनी मदद के लिए उन्होंने पूर्व डेमोक्रेटिक कांग्रेस सदस्य तुलसी गबार्ड की मदद ले रहे हैं। वह उनके क्लब और घर पर अभ्यास सत्र आयोजित कर रही हैं। गबार्ड ने 2020 के राष्ट्रपति पद के लिए अपनी दौड़ के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ दी थी।

ट्रंप की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने एक ईमेल में गबार्ड की ओर से डिबेट में मदद की पुष्टि की है। लेविट ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति राजनीतिक इतिहास में सबसे अच्छे बहस करने वालों में से एक साबित हुए हैं। इसकी झलक जो बाइडन के साथ बहस के दौरान साफ नजर आई थी।

उन्होंने कहा कि ट्रंप को पारंपरिक बहस की तैयारी की जरूरत नहीं है, लेकिन वह तुलसी गबार्ड जैसी सम्मानित नीति सलाहकारों से मिलना जारी रखेंगे, जिन्होंने 2020 में बहस के मंच पर कमला हैरिस पर सफलतापूर्वक दबदबा बनाया था। यही कारण है कि गबार्ड ट्रंप की कई मायनों में मदद कर सकती हैं। पहली बात यह कि वह महिला हैं और ट्रंप का बहस एक महिला प्रतिद्वंद्वी से है। वह सदन की पूर्व सदस्य हैं और उन्हें नीतिगत अनुभव प्राप्त है। साथ ही ट्रंप के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि गबार्ड ने हैरिस के साथ बहस मंच साझा किया है।

राष्ट्रीय फलक

अयोध्या में फैंसी लाइट लगाने वाले विकास प्राधिकरण पर भी प्राथमिकी दर्ज

जागरण संवाददाता, अयोध्या

▶ रामपथ और भक्ति पथ से बेंबू एवं गोबो प्रोजेक्टर लाइट चोरी की संदिग्ध घटना के बाद कार्रवाई

▶ फैंसी लाइटों के चोरी होने का प्रकरण 11 अगस्त को प्रकाश में आया

रामपथ। फाइल फोटो

रामपथ एवं भक्ति पथ पर लगी फैंसी लाइटों के चोरी होने की संदेहास्पद घटना ने प्रशासन की नींद उड़ा दी है। फर्म ने बड़ी संख्या में लाइटें चोरी होने की प्राथमिकी दर्ज कराई तो, अयोध्या विकास प्राधिकरण ने भी फर्म पर झूठी शिकायत एवं टेंडर की शर्तों का उल्लंघन किए जाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा लिखा दिया है। इस योजना की कार्यदायी संस्था विकास प्राधिकरण है। प्राधिकरण के अभियंताओं की निगरानी में ही लाइटें लगवाई गई हैं।

रामनगरी में फैंसी लाइटों के चोरी होने का प्रकरण गत 11 अगस्त को प्रकाश में आया था। लाइटें लगाने वाली फर्म मेसर्स यश इंटरप्राइजेज एवं कृष्णा आटोमोबाइल के प्रतिनिधि शेखर शर्मा की ओर से दर्ज प्राथमिकी के अनुसार विकास प्राधिकरण के निर्देश पर उन्होंने रामपथ के पेड़ों पर 6400 बेंबू लाइट एवं भक्तिपथ पर 96 गोबो प्रोजेक्टर लाइटें लगाई हैं। गत 19 अप्रैल को निरीक्षण में पाया गया कि कुछ लाइटें कम हैं। गणना करने पर ज्ञात हुआ कि 3800 बेंबू लाइट और 36 गोबो प्रोजेक्टर लाइटें चोरी कर ली गई हैं। यह प्राथमिकी दर्ज होने के बाद जांच की गई तो ज्ञात हुआ रामपथ पर कुल 2600 बेंबू लाइटें लगाई गई हैं, लेकिन फर्म की प्राथमिकी में 3800 लाइटें चोरी होने का उल्लेख है। इसके बाद फर्म के साथ-साथ कार्यदायी संस्था विकास प्राधिकरण के उन अधिकारियों की कार्यशैली भी संदेह में आ गई है, जिनकी निगरानी में यह कार्य हुआ है। मंडलायुक्त गौरव दयाल ने फर्म की कार्रवाई पर संदेह व्यक्त करते हुए विकास प्राधिकरण को प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया। विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अश्विनी पांडेय ने बताया कि गत 14 अगस्त की रात में ही फर्म पर प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है।

नेताजी के अवशेष जापान से लाने के लिए कदम उठाएं पीएम मोदी : बोस

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : नेताजी सुभाष चंद्र बोस के परपोते चंद्र कुमार बोस ने एक बार फिर पीएम नरेन्द्र मोदी से जापान के रेंकोजी मंदिर में रखे बताए जा रहे महान स्वतंत्रता सेनानी के अवशेष को भारत लाने की अपील की है। शनिवार को पीएम बोस ने लिखा- 'मैं आपसे नेताजी के अवशेषों को रेंकोजी से भारत लाने की एक बार फिर अपील करता हूं। नेताजी के आकर्षक व्यक्तित्व, प्रखर बुद्धि, असाधारण साहस, निःस्वार्थ भाव व स्वतंत्रता के लिए अटूट समर्पण ने उन्हें न केवल भारत के पुरुषों और महिलाओं, बल्कि विश्वभर के स्वतंत्रता-प्रेमी लोगों के दिलों और दिमाग में हमेशा के लिए एक नायक बना दिया है।' सरकार द्वारा नियुक्त न्यायमूर्ति मुखर्जी जांच आयोग की 2005 की रिपोर्ट में यह पाया गया कि नेताजी की मौत हवाई दुर्घटना में नहीं हुई थी, लेकिन इस रिपोर्ट में मौलिक त्रुटियां पाई गईं थीं।

****

अंग व्यापार रैकेट में शामिल चार लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

▶ आरोपित युवाओं को पैसे के बदले अंग दान के लिए प्रेरित करते

▶ विभिन्न सरकारी कार्यालयों और अधिकारियों की मुहरों एवं हस्ताक्षरों सहित जाली दस्तावेज तैयार किए थे

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने केरल के नेदुंबसेरी में मेडिकल पर्यटन की आड़ में अंतरराष्ट्रीय अंग व्यापार रैकेट में शामिल चार आरोपितों के विरुद्ध आरोप-पत्र दाखिल किया है। इसमें कहा गया है कि आरोपित युवाओं को पैसे के बदले अंग दान के लिए प्रेरित करते थे। वे एक बड़े अंग व्यापार रैकेट के तहत विदेश में अंगों की तस्करी करते थे।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) की जांच के अनुसार, आरोपित भारत में अंगदाताओं की पहचान करते थे। एजेंट और इंटरनेट मीडिया के माध्यम से उन्हें पैसे का लालच देकर उनका शोषण करते थे।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि गिरोह ने जरूरत वाले भारतीय मरीजों से भी संपर्क किया और ईरान में उनके अंग प्रत्यारोपण की सुविधा के लिए उनसे लगभग 50 लाख रुपये वसूले। गिरोह ने दानकर्ताओं और प्राप्तकर्ताओं को यह विश्वास दिलाया कि ईरान में अंग व्यापार कानूनी है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों ने अवैध अंग व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सरकारी कार्यालयों और अधिकारियों की मुहरों एवं हस्ताक्षरों सहित जाली दस्तावेज तैयार किए थे। तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनकी पहचान सबित कोरुकुलथ नासर, सजित श्याम, बेलमकोंडा राम प्रसाद के रूप में हुई है, जबकि चौथा मधु जयकुमार फरार है।

यौन इच्छाओं पर नियंत्रण की हाई कोर्ट की सलाह पर फैसला 20 को

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट 20 अगस्त को कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिकाओं पर अपना आदेश सुनाएगा, जिसमें उसने यौन उत्पीड़न के एक मामले में आरोपित को बरी कर दिया था। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने किशोरियों को यौन इच्छाओं को नियंत्रित करने की सलाह देते हुए आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। शीर्ष अदालत ने पिछले साल आठ दिसंबर को फैसले की आलोचना की थी और हाई कोर्ट द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों को अत्यधिक आपत्तिजनक और पूरी तरह से अनुचित करार दिया था। शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट की टिप्पणियों का संज्ञान लिया था और सुनवाई शुरू की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजों से निर्णय लिखते समय उपदेश देने की अपेक्षा नहीं की जाती है। कोर्ट बंगाल सरकार की अपील और स्वतः संज्ञान याचिका पर 20 अगस्त को फैसला सुना सकती है।

प्रमोद का भारतीय दल में नहीं होना एक बड़ा झटका है, लेकिन पैरालिंपिक के सभी खिलाड़ी पदक के दावेदार हैं। मैंने 25 पदक और पदक तालिका में शीर्ष 20 में आने का लक्ष्य रखा है। — देवेंद्र झाझड़िया, पीसीआइ अध्यक्ष

नदीम बोले, हमें बेहतर सुविधाओं की जरूरत

कराची, प्रेट्र : पेरिस ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले पाकिस्तान के भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम ने कहा कि शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पाकिस्तान की महिला खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाओं की जरूरत है। नदीम ने कहा, 'हमें अपने क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए महिलाओं और यहां तक कि पुरुषों के लिए सुविधाओं की सख्त जरूरत है। युवा खिलाड़ियों को सर्वोत्तम सुविधाएं दिए जाने की जरूरत है।'

पेरिस से स्वदेश वापसी पर भावुक हुईं विनेश

आइजीआइ एयरपोर्ट से लेकर गांव पहुंचने तक हुआ भव्य स्वागत, बजरंग-साक्षी को देखकर फफक कर रो पड़ीं

जागरण टीम, नई दिल्ली/झज्जर/चरखी दादरी : पेरिस ओलिंपिक के दौरान 50 किग्रा भार वर्ग में कुश्ती के फाइनल में 100 ग्राम वजन अधिक होने की वजह से अयोग्य घोषित की गईं पहलवान विनेश फोगाट शनिवार सुबह भारत पहुंचीं। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) एयरपोर्ट पर उनका गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत हुआ। उनके स्वागत के लिए पहलवान बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक व कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा समेत सैकड़ों समर्थक एयरपोर्ट पर पहुंचे। बजरंग पूनिया व साक्षी मलिक से जब विनेश मिलीं तो वे फफक कर रोने लगीं। इस दौरान उन्होंने फोगाट का मनोबल बढ़ाया। इसके बाद विनेश ने देशवासियों का शुक्रिया अदा किया।

विनेश के स्वागत में आइजीआइ एयरपोर्ट के बाहर फूल-मालाओं से सजाई गई जीप सुबह ही लेकर लोग पहुंच गए थे। विनेश शनिवार सुबह जब एयरपोर्ट के बाहर पहुंचीं तो उनका माला पहनाकर स्वागत किया गया। दीपेंद्र हुड्डा ने उनको मिठाई खिलाई और विजय का प्रतीक गदा भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। एयरपोर्ट से निकलने के बाद वे समर्थकों के साथ द्वारका के एक मंदिर में गईं और वहां पूजा-अर्चना की। इसके बाद हरियाणा के बलाली गांव की ओर चली गईं। सुबह 11 बजे दिल्ली से काफिले के साथ निकलीं विनेश फोगाट रात 12 बजे गांव बलाली पहुंचीं।

अयोग्य घोषित होने के बाद विनेश ने खेल पंचाट न्यायालय में इस निर्णय को चुनौती दी थी। इसका परिणाम आने तक वे पेरिस में ही रुकी हुई थीं। हालांकि, परिणाम उनके पक्ष में नहीं रहा इसके बाद शनिवार को वह लौटीं। साक्षी मलिक ने कहा कि विनेश ने देश और महिलाओं के लिए जो किया है, वह सराहनीय है। उन्हें भले ही पदक नहीं मिला, लेकिन वे सभी के लिए चैंपियन हैं। उन्हें और अधिक सम्मान और सराहना मिलनी चाहिए। उन्होंने पदक के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, वहीं बजरंग ने कहा कि देश के लोग विनेश को बहुत प्यार दे रहे हैं।

पेरिस से आइजीआइ एयरपोर्ट के बाहर पहुंची पहलवान विनेश फोगाट (मध्य) अपनी दोस्त साक्षी मलिक व बजरंग को देखकर रोने लगीं ● एएनआइ

विनेश ने इंटरनेट पर भावुक पोस्ट कर याद किए थे पुराने दिन

दिग्गज पहलवान ने अयोग्य ठहराए जाने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में शुक्रवार को कहा था कि उन्हें लगता है कि विभिन्न परिस्थितियों में वह 2032 तक खेल सकती हैं क्योंकि उनमें अभी काफी कुश्ती बची है, लेकिन अभी वह अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित है क्योंकि हो सकता है कि चीजें पहले की तरह न हों। अयोग्य ठहराए जाने के बाद विनेश ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। इंटरनेट मीडिया पर एक भावनात्मक पोस्ट में विनेश ने अपने बचपन के सपने और अपने पिता को खोने के बाद की मुश्किलों के बारे में बताया। उन्होंने अपनी इस असाधारण यात्रा में लोगों के योगदान को भी याद किया।

हरियाणा में बहादुर बेटी का हुआ स्वर्णिम स्वागत

करीब 145 किमी तक चले काफिले का जगह-जगह स्वागत किया गया। उनका काफिला कई घंटे जिला झज्जर में रहा। साथी पहलवान बजरंग पूनिया उनके साथ खुली जीप पर रहे। खाप प्रतिनिधियों से लेकर राजनेताओं ने विनेश का चैंपियन की तरह स्वागत किया। तय कार्यक्रम से करीब 3 घंटा देरी से पहुंचने के बावजूद लोग इंतजार में खड़े रहे। इस दौरान उन्हें गदाएं भेंट की गईं। बादली में एक स्कूटी और नोटों की माला भी पहनाई गई। छुछकवास के क्षेत्र से होते हुए वह दादरी जिला में प्रवेश कर गईं। वहीं, रात 11 बजे के बावजूद चरखी दादरी शहर में पहुंचने पर लोग बेटी के स्वागत के लिए सड़कों पर मौजूद रहे। सरदार झाड़ू सिंह चौक पहुंची पहलवान विनेश फोगाट को लड्डुओं से तौलकर सम्मान दिया गया।

तिरंगे पर जूते पहन खड़े हुए बजरंग

जब विनेश एयरपोर्ट के बाहर पहुंचकर ओपन जीप में सवार हुईं तो उस जीप के बोनट पर विनेश का पोस्टर चिपकाया गया था। उस पोस्टर पर तिरंगा भी लगा था। इस दौरान बजरंग बोनट पर तिरंगे पर दोनों पैर रखकर खड़े थे। इंटरनेट मीडिया पर इसको लेकर लोग बहुत नाराजगी है। लोगों ने इसे लेकर अपनी नाराजगी भी व्यक्त की। एक प्रशंसक ने फेसबुक पर इस वीडियो को अपलोड कर लिखा है कि वे ऐसे पहलवान का सम्मान नहीं कर सकतीं जो अपने देश के तिरंगे को पैरों तले रौंद रहा है। ऐसे ही और लोगों ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

नारंग ने विनेश को कहा चैंपियन

लंदन ओलिंपिक के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज और पेरिस ओलिंपिक में भारतीय दल के नेता गगन नारंग ने विनेश को चैंपियन करार दिया। यह दोनों एक ही उड़ान से दिल्ली पहुंचे थे। नारंग ने पेरिस हवाई अड्डे पर विनेश के साथ खींची गई तस्वीर को एक्स पर पोस्ट किया। नारंग ने लिखा, 'वह खेल गांव में पहले दिन चैंपियन के रूप में पहुंची थीं और वह हमेशा हमारी चैंपियन रहेंगी। कुछ अवसरों पर करोड़ों लोगों को प्रेरित करने के लिए ओलिंपिक पदक की जरूरत नहीं पड़ती। विनेश फोगाट आपने लोगों को प्रेरित किया है। आपके जज्बे को सलाम।'

विराट-रोहित को मैदान पर गुजारना होगा समय

सुनील गावस्कर

कलम से

जिस खबर से खेल जगत के लोग और खेल प्रशंसक डर रहे थे, उसका निर्णय निर्धारित समय से पहले ही आ गया। विनेश फोगाट को अयोग्य करार दिए जाने के विरुद्ध किए गए अपील को खेल पंचाट न्यायालय ने एक ही लाइन में खारिज कर दिया। इससे लाखों भारतीयों की उम्मीदें टूट गईं जो पदक की आशा कर रहे थे।

कुछ लोगों को यह एक मामूली गलती लगी, लेकिन कोर्ट की नजरों में यह नियमों का उल्लंघन था, और इस फैसले ने लाखों उम्मीदों पर पानी फेर दिया। सभी ने कहा कि विनेश ने अपने व्यवहार से दिल जीत लिया। हालांकि, यह ओलिंपिक में पदक जीतने जैसा नहीं है, लेकिन वह हमेशा सभी के दिलों में रहेंगी।

न्यायालय के इस निर्णय पर कई प्रतिक्रियाएं आइ हैं जिससे पता लगता है कि विनेश को देश कितना महत्व देता है, जिन्होंने न केवल कुश्ती के मैदान पर बल्कि दिल्ली की सड़कों पर भी अपने साथी एथलीटों के लिए न्याय पाने के लिए संघर्ष किया था। बजरंग पूनिया, उनके कठिन वक्त पर उनके साथ थे, उन्होंने कहा कि विनेश विश्व चैंपियन व रुस्तम-ए-हिंद हैं। लेकिन, उन्होंने यह कुछ ज्यादा कह दिया कि जिनको पदक चाहिए, वो इसे 15 रुपये में खरीद सकते हैं। यह सही है या गलत यह तो पता नहीं, लेकिन अगर वह उनसे पदक खरीदने के लिए कह रहे हैं, तो वह न केवल विनेश की लड़ाई को कमतर आंक रहे हैं, बल्कि दूसरे पदक जीतने वालों को भी कमतर समझ रहे हैं। उन्होंने भी पदक जीते हैं, तो क्या उसे 15 रुपये में खरीदा था? या पदक जीतने वाले दूसरे एथलीटों ने खरीदा था? नहीं सर, उन्होंने इसके लिए कड़ी मेहनत की और कई बलिदान दिए जिसके बाद विजेता बने।

भारतीय क्रिकेट में घरेलू सत्र की शुरुआत दलीप ट्राफी से होने वाली है और इस बार कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इसमें हिस्सा लेंगे। चयनकर्ताओं के पास यह एकमात्र तरीका है जहां वह गेंदबाजों व बल्लेबाजों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए आंक पाएंगे। कई बार यह देखने को मिलता है कि अंडर-19 खिलाड़ी प्रथम श्रेणी स्तर पर अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष करता है क्योंकि विपक्षी टीम का स्तर जूनियर टूर्नामेंटों की तुलना में कहीं ज्यादा प्रतिस्पर्धात्मक होता है। वहीं, जो खिलाड़ी राज्यों के टी-20 लीग में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, उसे सैयद मुश्ताक अली ट्राफी या आइपीएल में नहीं दोहरा पाते क्योंकि वहां का स्तर कहीं अधिक ऊंचा होता है। फ्रेंचाइजी को अब यह लग रहा है कि राज्यों की प्रीमियर लीग में चमकने वाले खिलाड़ियों के लिए करोड़ों खर्च करना अच्छा विचार नहीं है।

चयनकर्ताओं ने कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को दलीप ट्राफी के लिए नहीं चुना है, और वह शायद बांग्लादेश टेस्ट सीरीज में बिना अधिक अभ्यास किए उतरेंगे। हालांकि, जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी के लिए सावधानी बरतने की जरूरत है, लेकिन बल्लेबाजों को मैदान पर समय गुजारना चाहिए। जब कोई खिलाड़ी अपने खेल में 30 की आयु में पहुंचता है तो उसे लगातार खेलने की जरूरत होती है, जिससे वह अपने खेल के उच्च मानकों को बरकरार रख सके। जब कोई खिलाड़ी लंबे समय के लिए खेल से आराम लेता है तो उसकी मांसपेशियों की याददाश्त कुछ हद तक कमजोर हो जाती है और पहले की तरह खेल पाना उसके लिए आसान नहीं होता।

यह बहुत निराशाजनक है कि आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश अभ्यास मैच को दो दिवसीय कर दिया गया है। वरिष्ठ खिलाड़ियों को आराम देना जरूरी है, लेकिन युवा खिलाड़ियों को दो दिवसीय मैच के बजाय एक उचित प्रथम श्रेणी मैच में खेलने का अवसर मिलना चाहिए, जो न हमारे देश में होगा और न आस्ट्रेलिया में। आखिरकार, टीम वहां क्रिकेट खेलने जा रही है, न कि आराम करने। आस्ट्रेलिया बदला लेने के लिए तरस रहा है और भारतीयों को वहां सीरीज जीतकर हैट ट्रिक लगाने के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अभी भी समय है कि इसे तीन दिवसीय खेल में बदल दिया जाए और युवा खिलाड़ियों को विश्व टेस्ट चैंपियन के विरुद्ध सफल होने का अवसर दिया जाए। बीसीसीआइ, आप यह कर सकते हो।

एक नजर में

भारत की रियोहलांग होंगी फीफा की सहायक रेफरी

नई दिल्ली : रियोहलांग धर डोमीनिकन गणराज्य में होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप के लिए चुनी जाने वाली दूसरी भारतीय महिला सहायक रेफरी बन गई हैं। मेघालय की 34 वर्षीय रियोहलांग को शुक्रवार को फीफा ने 38 मैच अधिकारियों की सूची में शामिल किया जो 10 अक्टूबर से तीन नवंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में अधिकारी की भूमिका में उपस्थित रहेंगी। उवेना फर्नांडिस विश्व कप में अधिकारी की भूमिका निभाने वाली पहली भारतीय महिला सहायक रेफरी हैं। (प्रेट्र)

कोलकाता में होने वाला डूरंड कप का मैच रद

कोलकाता : मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच रविवार को यहां साल्ट लेक स्टेडियम में होने वाला डूरंड कप मैच को शहर में मौजूदा अशांति के कारण रद कर दिया गया। यह निर्णय कोलकाता पुलिस अधिकारियों और टूर्नामेंट के आयोजकों के बीच एक बैठक के बाद लिया गया। एक अधिकारी ने बताया, 'दोनों टीमों को एक-एक अंक दिया जाएगा, जबकि प्रशंसकों को खरीदे गए टिकटों का पूरा पैसा वापस मिलेगा।' (प्रेट्र)

रेहान पीजीटीआइ पदार्पण पर जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी

कोयंबटूर : दुबई के रहने वाले रेहान थामस ने पीजीटीआइ में अपने पदार्पण पर शनिवार को यहां अंतिम दौर में चार अंडर 68 के स्कोर से कोयंबटूर ओपन गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब जीता। रेहान कल तक संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर थे, लेकिन अंतिम दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 अंडर 274 के कुल स्कोर से एक शाट की बढ़त के साथ खिताब जीतने में सफल रहे। वह पीजीटीआइ में पदार्पण करते हुए जीत दर्ज करने वाले सिर्फ दूसरे गोल्फर हैं। (प्रेट्र)

पंजाब किंग्स मालिकों में विवाद

प्रीति जिंटा ने जिला न्यायालय में दायर की याचिका, मोहित बर्मन के 11.5 प्रतिशत शेयर किसी और बेचने पर रोक लगाने की मांग की

जासं, चंडीगढ़ : इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) की मेगा नीलामी से पहले फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स में नया विवाद छिड़ गया है। केपीएच ड्रीम क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड की सह-मालिक अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने कंपनी के ही एक सह-मालिक मोहित बर्मन के विरुद्ध चंडीगढ़ जिला न्यायालय में याचिका दायर की है। इस याचिका में प्रीति ने मोहित बर्मन के साढ़े 11 प्रतिशत शेयर किसी और को बेचने पर रोक लगाने की मांग की है। इस याचिका पर 20 अगस्त को जस्टिस संजय संधीर के न्यायालय में सुनवाई होगी।

प्रीति जिंटा।

याचिका के अनुसार, मोहित बर्मन केपीएच ड्रीम क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में सबसे अधिक 48 प्रतिशत के हिस्सेदार हैं जबकि 23-23 प्रतिशत हिस्सेदारी प्रीति जिंटा और नेस वाडिया के पास है। शेष शेयर चौथे हिस्सेदार करण पाल के हैं। आइपीएल में पंजाब किंग्स इसी कंपनी की टीम है। याचिका के मुताबिक प्रीति जिंटा का कहना है कि मोहित बर्मन अपने हिस्से से 11.5 प्रतिशत शेयर किसी अन्य पार्टी को बेचने की धमकी दे रहे हैं। इसलिए उन्होंने बर्मन को ये शेयर बेचने से रोक लगाने की मांग की है। इस पर न्यायालय ने बर्मन को जवाब देने के लिए नोटिस जारी कर दिया है।

दूसरे पारी में द. अफ्रीका की स्थिति मजबूत

प्रोविडेंस, एपी : प्रोविडेंस मैदान में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में मेहमान देश दक्षिण अफ्रीका ने पकड़ मजबूत कर ली है। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में बल्लेबाज एडेन मार्करैम और काइल वेरेन की अर्धशतकीय पारी की मदद से वेस्टइंडीज के विरुद्ध 239 रन की बढ़त हासिल कर ली।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे दिन के खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में पांच विकेट गंवाकर 223 रन बनाए। मार्करैम ने 50 रन बनाए जबकि वेरेन 51 रन और वियान मुल्डर 34 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले वेस्टइंडीज पहली पारी में 144 रन पर आउट हो गई थी। जेसन होल्डर ने नाबाद 54 रन की पारी खेली थी। उन्होंने शमार जोसेफ (25) के साथ 10वें विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी की थी।

मैच हारने पर अलकराज ने रैकेट पर निकाला गुस्सा

टेनिस डायरी

सिनसिनाटी, एपी : चार बार के ग्रैंडस्लैम विजेता कार्लोस अलकराज ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में गेल मोनफिल्स से हारने के बाद अपना रैकेट पटक-पटककर तोड़ डाला। मैच में मोनफिल्स ने तीन सेट तक चले इस कड़े मुकाबले में 4-6, 7-6 (7-5), 6-4 से जीत दर्ज की।

दूसरी वरीयता प्राप्त अलकराज ने मैच हारने के बाद बताया कि उन्हें लगता है कि यह उनके करियर का सबसे खराब मैच रहा। साथ ही उन्होंने मैच के लिए अच्छी तैयारी की थी, लेकिन वह उस तरह का खेल नहीं दिखा पाए। हालांकि, वह इस मैच को भूलना चाहते हैं और यूएस ओपन में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। हालांकि, मोनफिल्स का सफर भी लंबा नहीं चल सका और शुक्रवार को बाद में खेले गए मैच में वह होल्गर रुने से हार गए। यह टूर्नामेंट 26 अगस्त से शुरू होने वाले यूएस ओपन की तैयारी के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

मैच हारने के बाद रैकेट पर अपना गुस्सा निकालते कार्लोस अलकराज ● यूएसए टुडे स्पोर्ट्स

वोंद्रोसोवा और नारी चोट के कारण यूएस ओपन से बाहर

न्यूयार्क, एपी : विंबलडन 2023 की चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा और कैम नारी चोटिल होने की वजह से यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट से हट गए हैं। विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान वाली वोंद्रोसोवा के हाथ में चोट लगी है जबकि नारी को बांह में समस्या है। यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिलाओं के ड्रा में वोंद्रोसोवा की जगह पेट्रा मार्टिच जबकि पुरुष वर्ग में नारी की जगह फ्रांसिस्को कोमेसाना को शामिल किया गया है। चेक गणराज्य की 25 वर्षीय वोंद्रोसोवा ने पिछले वर्ष विंबलडन में अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। वह 2019 फ्रेंच ओपन में उपविजेता भी रही थीं। साथ ही उन्होंने 2021 में टोक्यो ओलिंपिक में रजत पदक भी जीता था।

लिवरपूल-आर्सेनल की जीत, सलाह ने बनाया रिकार्ड

सलाह (मध्य) के गोल दागने के बाद जश्न मनाते लिवरपूल के खिलाड़ी ● एपी

लंदन, प्रेट्र : लिवरपूल और आर्सेनल ने प्रीमियर लीग सत्र के पहले शनिवार की शुरुआत जीत के साथ की। इस दौरान मोहम्मद सलाह और जेम्स मिल्नर ने रिकार्ड बनाए।

कोच आर्ने स्लाट की अगुआई में लिवरपूल के नए युग की शुरुआत इप्सविच पर 2-0 की जीत के साथ हुई। मोहम्मद सलाह इसके साथ ही शुरुआती मैच में गोल दागकर प्रीमियर लीग सत्र के शुरुआती दौर में नौ गोल दागने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इससे पहले आठ गोल के साथ वह महान इंग्लिश फुटबालर वेन रूनी, एलन शियरर और फ्रैंक लैंपर्ड के साथ बराबरी पर थे।

पिछले दो सत्र से लीग में उपविजेता रहे आर्सेनल ने भी काई हैवर्ट्ज और बुकायो साका के अद्भुत गोल के दम पर वाल्वरहैम्प्टन के विरुद्ध घरेलू मैदान पर 2-0 से जीत हासिल की।

प्रीमियर लीग सत्र के शुरुआती दौर में नौ गोल दागने वाले पहले खिलाड़ी बने सलाह, दिग्गज रूनी, शियरर, लैंपर्ड को छोड़ा पीछे

गत चार बार की चैंपियन मैनचेस्टर सिटी के लिए इस सत्र में लिवरपूल और आर्सेनल सबसे बड़ा खतरा बन सकते हैं। मैनचेस्टर सिटी रविवार को चेल्सी के विरुद्ध अपने खिताब की रक्षा की शुरुआत करेगी। शुक्रवार को मैनचेस्टर युनाइटेड ने फुलहम को 1-0 से हराकर सत्र की शुरुआत की।

शनिवार को हुए अन्य मुकाबलों में न्यूकासल ने 28वें मिनट में फेबियन स्कार को मिले रेड कार्ड के बावजूद साउथैम्पटन को 1-0 से हराया। वहीं, एश्ले यंग को रेड कार्ड मिलना एवर्टन पर भारी पड़ा, जिसे घरेलू मैच में ब्राइटन ने 3-0 से हरा दिया।

प्रगनानंद अंतिम स्थान पर, फिरोजा ने सेंट लुइस चरण जीता

सेंट लुइस, प्रेट्र : भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंद ने ब्लिट्ज वर्ग में बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन इसके बावजूद सेंट लुइस रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट में अंतिम स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के अंतिम दिन प्रगनानंद के ब्लिट्ज वर्ग में आठ अंक रहे। वह इससे पहले रेपिड वर्ग में चार ही अंक जुटा पाए थे। इस ग्रैंड शतरंज टूर प्रतियोगिता में प्रगनानंद के कुल 12 अंक रहे। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने रेपिड में 11 और ब्लिट्ज में 12 अंक से कुल 23 अंक के साथ खिताब जीता।

पीटर ने भारतीय निशानेबाजी कोच पद के लिए आवेदन किया

नई दिल्ली, प्रेट्र : ग्रेट ब्रिटेन के महान डबल ट्रैप निशानेबाज पीटर विल्सन ने भारतीय टीम को कोचिंग देने में रुचि दिखाई है और उनका लक्ष्य 2028 लास एंजिलिस खेलों के लिए निशानेबाजों को प्रशिक्षित करना है।

लंदन ओलिंपिक 2012 में सबसे कम आयु में डबल ट्रैप स्वर्ण पदक विजेता बने विल्सन की देख रेख में हाल ही में पेरिस ओलिंपिक में ग्रेट ब्रिटेन के नाथन हेल्स ने शीर्ष स्थान हासिल कर इस स्पर्धा में अपने देश के 12 वर्ष के पदक के सूखे को समाप्त किया था। इस 37 वर्षीय निशानेबाज के नाम डबल ट्रैप में विश्व रिकार्ड है। वह क्रिकेटर बनना चाहते थे लेकिन स्नो-बोर्डिंग दुर्घटना के बाद उन्होंने निशानेबाजी शुरू कर दी। विल्सन ने इंग्लैंड से बताया, 'मैंने अपना 'बायोडाटा' भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआइ) को भेज दिया है और मुझे अब उनके जवाब का इंतजार है।' उन्होंने कहा, 'मैं सीनियर टीम के साथ काम करके उन्हें लास एंजिलिस ओलिंपिक खेलों और जूनियर टीम को अगले आठ से 12 वर्षों के लिए तैयार करना चाहता हूं।'

उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य सफलता है और उन्हें भारत में काम करने में कोई परेशानी नहीं आएगी। इस दिग्गज निशानेबाज ने कहा, 'एशियाई खेल, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप जैसे आयोजन ओलिंपिक पदक जीतने के लक्ष्य की दिशा में एक कदम है और वह इन आयोजनों में बेहतर परिणाम देने की कोशिश करेंगे।'

लंदन ओलिंपिक 2012 में सबसे कम आयु में डबल ट्रैप स्वर्ण पदक विजेता बने थे विल्सन

राष्ट्रीय फलक

एफआइआर दर्ज करने से पहले कानूनी राय लेने के हाई कोर्ट के आदेश पर रोक

उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दी थी हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा हाल ही में जारी किए गए उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें पुलिस से कहा गया था मामला सिविल विवाद का लग रहा हो तो वह धोखाधड़ी, जालसाजी या आपराधिक विश्वासघात के लिए एफआइआर दर्ज करने से पहले सरकार की कानूनी राय ले।

पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका पर नोटिस जारी किया और हाई कोर्ट के फैसले के कुछ पैराग्राफ पर रोक लगा दी, जिसमें अधिकारियों को कई निर्देश जारी किए गए थे। पीठ ने 14 अगस्त के अपने आदेश में कहा कि, नोटिस जारी करें, जिसका चार सप्ताह में जवाब दिया जाए। 18 अप्रैल, 2024 के आदेश के पैरा 15 से 17 का क्रियान्वयन अगली तारीख तक स्थगित रहेगा।

शीर्ष अदालत में यूपी सरकार ने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। कोर्ट ने भूमि के स्वामित्व और मालिकाना हक से संबंधित एक दीवानी विवाद की सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया था। हाई कोर्ट ने इस बात पर चिंता व्यक्त की थी कि दीवानी विवादों को तेजी से आपराधिक मामलों का रंग दिया जा रहा है। कोर्ट ने डीजीपी को निर्देश दिए थे कि वह सभी एसएसपी को निर्देश दें कि अपने-अपने पुलिस थानों के एसएचओ को सुनिश्चित करने के लिए कहें कि सिविल या कामर्शियल विवाद की स्थिति में एफआइआर दर्ज करने से पहले जिला सरकारी वकील की सलाह ली जाए।

लालू और तेजस्वी के खिलाफ आरोपपत्र पर अदालत 24 को ले सकती है संज्ञान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

रेलवे में जमीन के बदले नौकरी घोटाले में ईडी ने 11 आरोपितों के खिलाफ दाखिल किया है पूरक आरोप

रेलवे में जमीन के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में ईडी की ओर से पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और अन्य आरोपितों के खिलाफ दायर पूरक आरोपपत्र पर अदालत 24 अगस्त को संज्ञान ले सकती है। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने मामले में आरोपितों को समन जारी करने पर फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले अदालत ने आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के निर्णय को 17 अगस्त तक ये कहकर स्थगित कर दिया था कि दस्तावेज बहुत ज्यादा हैं।

ईडी इस मामले में बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी, मीसा भारती और हेमा समेत अन्य को पहले ही आरोपित बना चुकी है। जांच एजेंसी ने गत छह अगस्त को दायर पूरक आरोपपत्र में 11 और आरोपितों के नाम शामिल किए हैं। इनमें ललन चौधरी, हजारी राय, धर्मेंद्र कुमार, अखिलेश्वर सिंह, रविंदर कुमार, स्वर्गीय लाल बाबू राय, सोनमतिया देवी, स्वर्गीय किशुन देव राय और संजय राय शामिल हैं। ईडी के अनुसार, यह मामला वर्ष 2004 से 2009 तक लालू यादव के रेल मंत्री रहने के दौरान जबलपुर में रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में ग्रुप-डी की नियुक्तियों से संबंधित है, जिसके एवज में नियुक्ति पाने वाले लोगों द्वारा लालू यादव परिवार या सहयोगियों के नाम पर जमीनों का उपहार के रूप में या सस्ते मूल्य पर हस्तांतरण किया गया था। इस मामले में एके इंफोसिस्टम और एबी एक्सपोर्ट नाम की दो फर्मों को भी ईडी आरोपित बना चुकी है।

ईडी ने कहा था कि वर्ष 2006-07 में अमित कत्याल ने एके इंफोसिस्टम का गठन किया था और उसका व्यवसाय आइटी डाटा विश्लेषण का था। कोई वास्तविक व्यवसाय नहीं किया गया, इसके बजाय कंपनी द्वारा जमीनों के कई टुकड़े खरीदे गए। एक टुकड़ा जमीन के बदले नौकरी घोटाले के अपराध से संबंधित है।

****

सेतु से गिर रही महिला को टैक्सी चालक, ट्रैफिक पुलिस ने बचाया

ठाणे, प्रेट्र : दक्षिण मुंबई और नवी मुंबई को जोड़ने वाले अटल सेतु से समुद्र में गिर रही एक 56 वर्षीया महिला को सतर्क टैक्सी चालक और चार ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने बचा लिया।

मुलुंद निवासी रीमा मुकेश पटेल शुक्रवार को शाम सात बजे के आसपास एक टैक्सी से अटल सेतु पहुंची और बीच में वाहन को रुकवा लिया।

अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद महिला साइड क्रैश बैरियर तक गई और रेलिंग पर बैठ गई। घटना के वायरल वीडियो में टैक्सी चालक महिला के समीप खड़ा दिखता है। जैसे ही एक पुलिस गश्ती वाहन वहां आकर रुकी, महिला पुल से लटकने लगी। समीप खड़े टैक्सी चालक ने पलक झपकते ही महिला के बालों को पकड़ लिया। यह देख चार ट्रैफिक पुलिस दौड़कर रेलिंग पर चढ़ गए।

मुंबई में अटल सेतु से समुद्र में गिर रही महिला को बचाते पुलिसकर्मी व अन्य। वीडियोग्रैब/प्रेट्र

इस बीच एक पुलिसकर्मी ने झुककर महिला को पकड़ा और फिर चारों पुलिसकर्मियों ने उसे ऊपर खींच लिया। महिला ने बताया कि पुलिस को अपनी ओर आते देख डर से वह संतुलन खो बैठी थी।

भाला फेंक के लिए मैं एक कोचिंग सेंटर खोलना चाहता हूं ताकि जो बच्चे इसमें अपना करियर बनाना चाहते हैं, उन्हें मदद मिल सके। जब मेरा खेल पूरा हो जाएगा तब अलग रणनीति बनाऊंगा कि मैं कैसे अपना योगदान दे सकता हूं

खेल महाशक्ति बनने के लिए प्रतिभाओं की बेहतर खोज आवश्यक : नीरज

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा पेरिस ओलिंपिक में रजत पदक जीतने के साथ ही देश के सबसे सफल एथलीट बन गए हैं। बड़े मंच पर देश का नाम रोशन करने की यह उनकी भूख ही है कि ओलिंपिक के बाद उन्होंने स्विट्जरलैंड में आगामी डायमंड लीग चरणों की तैयारी शुरू कर दी है। नीरज से हुई आनलाइन बातचीत में यह पूछने पर कि देश खेल महाशक्ति कैसे बन सकता है, उन्होंने बताया कि इसके लिए प्रतिभाओं की बेहतर ढंग से खोज आवश्यक है। दैनिक जागरण के वरिष्ठ उप संपादक सुकांत सौरभ ने नीरज चोपड़ा से विशेष बातचीत की। पेश हैं मुख्य अंश :

सप्ताह का साक्षात्कार

● नीरज पहले तो आपको बहुत-बहुत बधाई। क्या अभी भी आप जर्मनी में हो? हमने सुना था कि ओलिंपिक के बाद आप वहां परामर्श लेने गए हो?

– बहुत-बहुत धन्यवाद जी। नहीं, मैं डायमंड लीग से पहले प्रशिक्षण के लिए स्विट्जरलैंड आ गया हूं। मैं पिछली ओलिंपिक की तरह सत्र की समाप्ति से पहले नहीं हटना चाहता था। सौभाग्य से पेरिस में प्रतियोगिता के दौरान मेरी चोट नहीं बढ़ी क्योंकि मैंने इसका अतिरिक्त ख्याल रखा। मैं फिलहाल विदेशी एथलीटों की तरह अपना सत्र जारी रखने के बारे में सोच रहा हूं। सत्र समाप्त होने में एक महीना शेष है। मैं इस बीच डाक्टरों से मिलने की कोशिश करूंगा।

● पेरिस ओलिंपिक फाइनल में जब अरशद ने 92.97 के थ्रो के साथ रिकार्ड बनाया तब आपके दिमाग में क्या चल रहा था? क्या आपको आशा थी कि आप उन्हें पछाड़ सकते हैं?

– देखिए, मैं सच बोलूं तो मुझे बिल्कुल भी ऐसा नहीं लगा था कि मैं उन्हें नहीं पछाड़ सकता। यहां तक कि उनके सर्वश्रेष्ठ थ्रो के बाद ही मैंने 89.45 मीटर का थ्रो फेंका था। मुझे लग रहा था कि भले ही आज तक मैंने 90 मीटर का मार्क क्रास नहीं किया, लेकिन शायद आज कर लूंगा। मुझे अपनी तकनीक में भी थोड़ा परिवर्तन करना होगा क्योंकि जब मैं भाले के साथ दौड़ता हूं तो क्रास स्टेप लेने पर कमर पर काफी दबाव पड़ता है, लेकिन अभी मैं अपनी तकनीक में बदलाव नहीं कर पा रहा हूं। इसके अलावा पेरिस में मेरी भाले की लाइन भी सही नहीं थी। पेरिस में आर्क स्पीड अच्छी थी, लेकिन लाइन सही नहीं हो पा रही थी, अगर यह सीधी होती तो मैं इससे दो तीन मीटर दूर निकल सकता था। मैंने एक बार भी नहीं सोचा था कि अरशद के थ्रो से बेहतर नहीं किया जा सकता। मेरा दिमाग तैयार था, लेकिन शरीर साथ नहीं दे रहा था।

● नीरज अब आगामी टूर्नामेंट में 90 मीटर के लक्ष्य को लेकर आपकी क्या रणनीति है?

– अब लगता है कि इस तरह के लक्ष्य को 'ऊपरवाले' पर छोड़ना होगा। मैं बस अच्छी तरह से तैयारी करना चाहता हूं और देखना चाहता हूं कि भाला कहां जाता है। 90 मीटर के बारे में पहले ही बात हो चुकी है, अब मुझे लगता है कि इसे रहने दो। पेरिस में मुझे लगा था कि यह होगा और यह हो सकता था। अब मैं अगले दो या तीन प्रतियोगिताओं में अपना 100 प्रतिशत दूंगा और देखूंगा कि क्या होता है। इस दौरान मैं अपनी खामियों को सुधारने पर काम करूंगा।

● देशभर के एथलीट आपसे प्रेरणा लेते हैं। आगामी बड़े टूर्नामेंट में युवा पीढ़ी को आगे ले जाने का भी अब आप पर दायित्व होगा। अपनी इस भूमिका को आप कैसे देखते हैं?

– मुझे लगता है कि मेरी सबसे बड़ी भूमिका यही है कि मैं स्वयं आगामी टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करूं ताकि भारतीय एथलीटों का दिमाग इस दिशा में खुले। मुझे यह हमेशा लगता है कि सबसे बड़ी भूमिका दिमाग की होती है। अगर हम मानसिक रूप से ताकतवर होंगे और स्वयं पर भरोसा रखेंगे तभी हम अपने प्रदर्शन में निरंतरता ला सकेंगे। शारीरिक रूप से हम खुद को तैयार कर लेते हैं, लेकिन मानसिक रूप से भी तैयार रहना बहुत आवश्यक है। अभी के लिए मैं यही कर सकता हूं कि मैं स्वयं अच्छा प्रदर्शन करूं ताकि उन्हें यह लगे कि वह भी कर सकते हैं। दूसरी चीज मैं यह करना चाहता हूं कि विशेषकर भाला फेंक के लिए मैं कोई कोचिंग जरूर खोलना चाहता हूं ताकि जो बच्चे इसमें अपना करियर बनाना चाहते हैं, उन्हें मदद मिल सके। या जो शुरू कर चुके हैं उन्हें मदद मिले। जब मेरा खेल पूरा हो जाएगा तब अलग रणनीति बनाऊंगा कि मैं कैसे अपना योगदान दे सकता हूं।

● भारत लौटने और खेल से ब्रेक लेने को लेकर आपने क्या योजना है?

– अभी सर्वप्रथम 22 अगस्त को डायमंड लीग के लुसाने चरण में भाग लूंगा। ब्रुसेल्स में 14 सितंबर को डायमंड लीग के फाइनल में भाग लेने के बाद यह सत्र समाप्त हो जाएगा। इसके बाद ही मैं ब्रेक लूंगा। इसमें डाक्टरों से मिलना होगा, घर जाना है या जहां पर भी जाना है जा सकूंगा। संभवतः सितंबर के अंत तक मेरा भारत आना होगा।

● ओलिंपियनों के जीवन में मां की कितनी भूमिका होती है? आप भी अपनी मां के बेहद करीब हैं और नदीम का भी हमने यही देखा है। एथलीट के जीवन में माता-पिता की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होती है?

– सबसे पहले तो परिवार से ही समर्थन मिलता है। उन्हीं से प्रेरणा मिलती है। आप जब धीरे-धीरे बाहर उपलब्धि प्राप्त करने लगते हो तब सभी का सहयोग मिल पाता है। उनकी भूमिका किसी भी एथलीट के जीवन में सर्वाधिक होती है क्योंकि जब हम कुछ नहीं थे तब यह उनका ही समर्थन था कि हमें बेहतर करने की प्रेरणा मिली। हम जीतें या हारें उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, उनके लिए हम वैसे ही रहते हैं। यही सबसे अच्छी बात है। मेरी मां से मैं बहुत कम मिल पाता हूं, लेकिन मैं उनसे बातें करता रहता हूं। जब भी बात होती है उन्हें मेरी चिंता रहती है। वह जब भी मेरी वेटलिफ्टिंग की वीडियो देखती हैं या मुश्किल ट्रेनिंग करते हुए देखती हैं तो वह यही कहती हैं कि बेटा थोड़ा कम भार उठा। फिर मैं उन्हें समझाता हूं कि मां अगर मैंने ट्रेनिंग में कम भार उठाया तो प्रतिद्वंद्वी मेरे से आगे निकल जाएंगे।

● पेरिस ओलिंपिक के बाद कोच क्लाउज से आपकी क्या चर्चा हुई? आप दोनों के संबंध कैसे हैं?

– मैं स्वयं को बहुत सौभाग्यशाली मानता हूं कि 2019 से मैं कोच क्लाउज के साथ हूं। 2019 में मेरी सर्जरी के बाद से उन्होंने मेरा बहुत साथ दिया और मैंने अच्छा कमबैक किया। हमारा रिश्ता बहुत ही अच्छा है। हमारी जो भी योजना होती है हम बैठ के अच्छे से चर्चा करते हैं। आपस में मजाक भी बहुत होता है। पेरिस ओलिंपिक के बाद हमारी यही बात हुई कि तकनीक में हमें काम करना होगा। कमी यही है कि मैं थ्रो अधिक नहीं कर पा रहा। कोच काम अधिक इसलिए नहीं कर सकते क्योंकि जब तक थ्रो अधिक नहीं होगी तो वह बहुत मदद नहीं कर सकते। शेष सभी ट्रेनिंग मैं अच्छे से कर लेता हूं। समस्या यह है कि जब हम भाला लेकर क्रास स्टेप में दौड़ते हैं तो पूरा जोर ग्रोइन पर आता है। इसमें इंजरी की वजह से भी मेरी थ्रो नहीं बढ़ पा रही है। मुझे अपनी लाइन में भी काम करना होगा। आगे की ट्रेनिंग में मेरी यही रणनीति होगी। कोच मैदान में भी मजाक कर माहौल को हल्का कर देते हैं।

● क्या लंबे समय से ग्रोइन की समस्या से जूझ रहे हैं तो क्या आपको नहीं लगता कि पहले ही सर्जरी करा लेनी चाहिए थी?

– नहीं, उसमें समस्या यह थी कि जब मैं दोहा गया था विश्व चैंपियनशिप से कुछ पहले तो डाक्टर ने सर्जरी के लिए बोल दिया था। जैसा कि आपको पता है कि तब केवल विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीतना शेष था और मेरी ट्रेनिंग तब बहुत अच्छी चल रही थी। मेरी तैयारी भी बहुत अच्छी थी, लेकिन अचानक से इंजरी हो गई। मैंने जिन प्रतियोगिताओं में नाम दिया था वापस लेना पड़ा। उसके बाद डाक्टर ने कहा कि आपको सर्जरी करानी ही होगी क्योंकि नहीं पता इसमें कब दर्द वापस से शुरू हो जाए। मेरे दिमाग में सबसे बड़ी चिंता दरअसल यही है कि कहीं यह दर्द वापस से शुरू न हो जाए, जो मुझे हर बार रोकता है। मेरे दिमाग में हमेशा यही रहता है कि इसको बचाकर चलना है। अगर सर्जरी करा लेता तो वो साल तो पूरा निकल जाता, मुझे नहीं पता कि ओलिंपिक तक मैं रिकवर भी कर पाता या नहीं। मेरे लिए अच्छा यह रहा कि वहां मैंने स्वर्ण जीता, इसके बाद एशियाई खेलों में भी स्वर्ण जीता। इसके बाद सत्र समाप्त हुआ पर तब भी इतना समय नहीं था कि सर्जरी के लिए जाऊं क्योंकि ओलिंपिक के लिए तब समय नहीं बचता। इसलिए मैं बच-बचकर चल रहा था। समस्या यह है कि मैंने इसे अच्छे से संभाला था, पर इस वर्ष की शुरुआत में ओस्ट्रावा खेलने से पहले फिर से समस्या हो गई थी। इस सत्र के बाद अब मैं निर्णय ले सकता हूं।

● पेरिस में फुटबाल के दिग्गज सुनील छेत्री से आपकी क्या बातचीत हुई थी?

– बिल्कुल, सुनील भाई के साथ बहुत कम ही बात हो पाई, लेकिन बहुत अच्छा लगा उनसे मिलकर। जब भी उनसे मिलता हूं बहुत अच्छा लगता है। मैंने सुनील भाई से पूछा उनकी डाइट को लेकर क्योंकि भले ही हमारा खेल अलग हो, लेकिन मैं चाहता हूं कि मैं भी खुद को उनकी तरह फिट रखूं और अपना करियर लंबा खींच सकूं। मैं जानता हूं कि भाला फेंक एथलीट के लिए यह बहुत मुश्किल है लेकिन मैं उनसे यह जानना चाहता था कि इसमें मानसिक भूमिका कितनी है। वह जगह बात करने के लिए नहीं थी, लेकिन सुनील भाई ने बहुत अच्छे से बात की।

● अगर पिछले ओलिंपिक से तुलना करें तो अगर आप वह थ्रो लगाते तो छठे स्थान पर रहते। ऐसे में क्या इस बार भाला फेंक में प्रतियोगिता का स्तर बहुत बढ़ गया था?

– जी बिल्कुल, इस बार पेरिस में सभी एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का स्तर बहुत बढ़ गया। इसका प्रमुख कारण है खेल विज्ञान में हो रही उन्नति। नए तरह के ट्रैक बनाए जा रहे हैं, स्पाइक्स में भी बहुत सुधार हुआ है। पेरिस में ट्रैक बहुत स्पीडी था। इस कारण मुझे थोड़ी समस्या भी हो रही थी। भाला फेंक अब एक वैश्विक खेल बन गया है इसलिए इसमें हमें अब हमेशा प्रतिस्पर्धा दिखेगी।

● इस बार अगर आप भारतीय दल के प्रदर्शन की बात करें तो हम पिछली बार के बराबर भी नहीं पहुंच सके। आप भारतीय दल के प्रदर्शन से कितना संतुष्ट हैं?

– मैं अगर व्यक्तिगत रूप से बात करूं तो मुझे सभी का प्रदर्शन बहुत अच्छा लगा। विश्व के सर्वश्रेष्ठ एथलीट को वह कड़ा मुकाबला दे रहे थे। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर हमें ऐसे मंच पर प्रदर्शन करना है तो हमें मानसिक रूप से सुदृढ़ रहना होगा। जो हमारे जूनियर एथलीट हैं, जैसे लक्ष्य से मैं मिला, निशांत से मिला और भी जो एथलीट थे वे बिल्कुल भी घबराए हुए नहीं थे। उन्हें पता था कि हम यहां जीतने के लिए आए हैं। वो चीज मुझे बहुत अच्छी लगी। इससे मुझे लगा कि हमारा भविष्य अच्छे हाथों में है। हम भले ही पदक पिछली बार से कम जीते पर अगर विनेश का ऐसा नहीं होता तो हम पिछली बार के बराबर पहुंच जाते और इस बार हमारे छह एथलीट चौथे स्थान पर रहे। इसे खराब प्रदर्शन नहीं कह सकते। आने वाले समय में एथलीट और अच्छी तैयारी करेंगे और अभी जो कांस्य और रजत हैं वह स्वर्ण में बदलेंगे और जो चौथे स्थान थे वह पदक बनेंगे।

● नीरज आपके अनुसार देश को खेल महाशक्ति बनाने के लिए क्या करना होगा? हम 2036 ओलिंपिक की मेजबानी करना चाहते हैं, ऐसे में हमें किन खेलों में अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है?

– विदेशों में प्रतिभाओं की खोज करने वाले अधिक लोग हैं। उदाहरण के लिए, मैंने भाला फेंकना सीखा, मुझे नहीं पता कि कैसे, मुझे यह पसंद आया इसलिए मैंने इसे अपनाया। लेकिन अगर हमारे पास प्रतिभा पहचान करने वाले हों तो हम और अच्छा कर सकते हैं। इसके अलावा, हम केवल एक खेल पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सकते। हमें सभी खेलों में अच्छा होने की जरूरत है। मुझे लगता है कि पदक तालिका में जो देश शीर्ष (चीन, अमेरिका, जापान) पर हैं, वे सभी विभिन्न क्षेत्रों में शक्तिशाली देश हैं। आशा है कि हम अगले ओलिंपिक में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हमें फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की दिशा में काम करना होगा। क्रिकेट में हम पहले से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारे देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है पर हमें और अधिक कोच की भी आवश्यकता है।

पावनी बनीं देश की सबसे कम उम्र की 'आयरनमैन'

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की 18 वर्षीया पावनी सपकाल ने फिलीपींस के डेवाओ शहर में आयोजित आयरनमैन ट्रायथलान 70.3 प्रतियोगिता में जीत हासिल कर देश की यंगेस्ट फी-मेल आयरनमैन बनने का गौरव हासिल किया। पावनी भोपाल में ही 12वीं कक्षा की पढ़ाई कर रही हैं। इसके साथ ही वह नीट की तैयारी भी कर रही हैं। पिता से प्रेरणा लेकर पावनी ने देश की सबसे कम उम्र की फी-मेल आयरनमैन बनने का गौरव हासिल किया है। उनकी उपलब्धि इस मायने में और खास हो जाती है, क्योंकि उन्होंने आयरनमैन प्रतियोगिता के लिए निर्धारित समय से पहले ही सारे टास्क पूरे कर लिए। पावनी एक सामान्य परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता प्रवीण सपकाल भी आयरनमैन रह चुके हैं। अब वह इसके लिए युवाओं को प्रशिक्षण देते हैं। पिता के मार्गदर्शन में तैयारी करने वाली पावनी ने महज 18 वर्ष की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की है :

उपलब्धि

पावनी सपकाल। स्वयं

मुकेश विश्वकर्मा ● नईदुनिया

भोपाल: आयरनमैन प्रतियोगिता का नाम सुनते ही आपके दिमाग में यह आता होगा कि आखिर ये प्रतियोगिता होती क्या हैं? दरअसल इस प्रतियोगिता के लिए सबसे पहले समुद्र में तैराकी करनी होती है। फिर साइकल चलानी होती है और बाद में मैराथन दौड़ भी लगानी होती है। दुनिया में आयरनमैन से जुड़ी कई प्रतियोगिताएं होती हैं और सभी के मापदंड अलग-अलग हैं। पावनी ने इस प्रतियोगिता के लिए समुद्र में तैराकी के जरिये 1.9 किमी. की दूरी तय की। इसके बाद 90 किमी. साइकल चलाई। फिर 21.1 किमी. की हाफ मैराथन को पूरा किया। उन्होंने ये तीनों गतिविधियां मात्र सात घंटे बाइस मिनट में पूरी कर लीं, जबकि इसे पूरा करने का निर्धारित समय आठ घंटा तीस मिनट था।

आयरनमैन चैम्पियनशिप में विभिन्न देशों के 24 प्रतिभागी शामिल हुए थे। इनमें पावनी भारत की सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी के रूप में शामिल हुईं। पावनी ने 18 से 24 आयु वर्ग में भाग लिया। विशेष बात यह रही कि पावनी इस चैम्पियनशिप के शुरू होने के तीन दिन पहले ही 18 वर्ष की हुई थीं। पावनी कहती हैं कि जब मैं फिलीपींस पहुंची तो वहां का मौसम बहुत गर्म था। इस वजह से मुझे ऐसा लगा जैसे मैं देश के ही किसी गरम स्थान में आ गई हूं। हालांकि वहां उमस बहुत अधिक थी, इसलिए साइकिलिंग और रनिंग एक्टिविटी में काफी पसीना बहा, लेकिन मैंने शरीर में पानी की कमी नहीं होने दी, साथ ही समय प्रबंधन करते हुए तय समय में लक्ष्य पा लिया। पावनी कहती हैं कि मुझे आयरनमैन बनने की प्रेरणा पिता प्रवीण सपकाल से मिली। मेरे पिता भोपाल के पहले आयरनमैन हैं। जब पापा अपनी तैयारी कर रहे थे, तब मैं करीब सात वर्ष की थी, लेकिन मैं उनके साथ प्रतिदिन अभ्यास करने के लिए जाती थी। यह चैंपियनशिप मेरी लिए बहुत कठिन थी, लेकिन पिता के मार्गदर्शन के कारण तैयारी करना आसान रहा। इसके लिए मैं हर दिन सुबह जल्दी उठकर करीब तीन घंटे तैयारी करती थी। इस दौरान भोपाल के वन विहार में साइकिलिंग करती थी और फिर दौड़ लगाती थी। इसके बाद लगभग एक घंटा तैराकी करती थी।

जितना ध्यान खेल में, उतना ही पढ़ाई में भी

पावनी कहती हैं कि मैं अपना जितना ध्यान खेल में लगाती हूं, उतना ही ध्यान पढ़ाई में भी रहता है। मैं अपनी स्कूली पढ़ाई के साथ-साथ नीट की भी कोचिंग कर रही हूं। इसके लिए कई घंटे तैयारी कर रही हूं। साथ ही पूरी नींद भी लेती हूं। कारण, सेहत सही रखने के लिए नींद पूरी होना भी जरूरी है। मेरा एक छोटा भाई पार्थ है और मां शिक्षिका हैं। पावनी कहती हैं कि इस उपलब्धि के बावजूद मैं डाक्टर बनने के अपने लक्ष्य को पूरा करने में जी-जान से लगी हुई हूं।

बेटी के साथ-साथ अब तक तैयार किए 13 आयरनमैन

पावनी के पिता प्रवीण सपकाल कहते हैं कि मैंने वर्ष 2017 में थाइलैंड में हुई आयरनमैन चैंपियनशिप में भाग लिया था। वहां से लौटने के बाद मेरे मन में ख्याल आया कि क्यों न युवाओं को भी इसका प्रशिक्षण दिया जाए। मैंने सुपर एथलीट के नाम से एक ग्रुप बनाया है, जिसके तहत आयरनमैन तैयार करता हूं। अभी तक भोपाल में 13 आयरनमैन तैयार किए हैं।

मां बोलीं-पावनी देश की बेटियों के लिए प्रेरणा बने

भोपाल के एक निजी स्कूल में शिक्षिका पावनी की मां प्रियंका सपकाल बेटी की उपलब्धि पर फूली नहीं समा रही हैं। वह कहती हैं कि मैं बहुत खुश हूं। मेरी बेटी पढ़ाई के साथ-साथ कठिन परिश्रम भी कर रही है। हालांकि एक विद्यार्थी के लिए रोजाना ऐसा करना बहुत मुश्किल होता है। मैं चाहती हूं कि मेरी बेटी को देखकर देश की अन्य बेटियां भी प्रेरणा लें।

सात मिनट में एक हेक्टेयर खेत में दवा छिड़क देती हैं बनास की 'ड्रोन दीदी'

अमूल का वह ख्यात विज्ञापन याद कीजिए, जिसमें गुजरात की ग्रामीण महिलाओं ने साथ मिलकर 'श्वेत क्रांति' को अंजाम दिया और एक विशाल कंपनी खड़ी कर दी। वह खुद भी आत्मनिर्भर बनीं और डेयरी प्रोडक्ट के क्षेत्र में देश को भी आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दिया। ऐसी ही एक ओर क्रांति इन दिनों यहां दिखाई दे रही है। वह है खेती में ड्रोन का उपयोग। आधुनिक युग के इस तकनीक को अपनाकर बनासकांठा की आशाबेन चौधरी 'ड्रोन दीदी' बन गई हैं :

सशक्तीकरण

ड्रोन के साथ आशाबेन चौधरी। स्वयं

58 महिलाओं को ड्रोन संचालित करने का प्रशिक्षण मिला गुजरात में

500 से 1000 स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रदान करने का निर्णय किया गया है

शत्रुघ्न शर्मा ● जागरण

गांधीनगर: बनासकांठा की डीसा तहसील के तालेपुरा गांव की निवासी 31 वर्षीय आशाबेन चौधरी पशुपालन और खेती-बाड़ी से जुड़े परिवार से हैं। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग तक की पढ़ाई की है, लेकिन गांव में रहकर रोजगार के इतने अवसर नहीं मिल रहे थे। मन में इस बात का भी कहीं न कहीं मलाल था कि अपनी पढ़ाई का कहीं कोई सटीक उपयोग हो सके। इसी बीच उन्हें पीएम मोदी के नेतृत्व में देशभर में लांच की गई नमो ड्रोन दीदी योजना के बारे में पता चला। उन्होंने एक हाथ से अपने परिवार की परंपराओं और संस्कृति को थाम रखा है तो उनके दूसरे हाथ में तकनीक है।

पहले इंटरव्यू, फिर पुणे में पास की परीक्षा: ड्रोन उड़ान क्षेत्र में करियर बनाने के बारे में आशाबेन ने कहा, "मुझे ड्रोन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, लेकिन मैं सखी मंडल द्वारा आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों में शामिल होती थी, इसलिए मुझे ड्रोन दीदी कार्यक्रम के संबंध में जानकारी मिली। इस कार्यक्रम के तहत मैंने 2023 में पुणे में 15 दिनों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सफलता का अर्थ केवल सरकारी नौकरी ही नहीं: आशापुरी सखी मंडल संचालित करने वाली आशाबेन सिर्फ अपनी ही नहीं, बल्कि अन्य सखी मंडलों से जुड़ी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। वह दो बेटियों की मां हैं और उनके परिवार की ओर से भी उन्हें इस काम के लिए पर्याप्त सहयोग और प्रोत्साहन मिल रहा है। वह कहती हैं कि मैं महिलाओं को यह समझाने की कोशिश करती हूं कि सफलता का अर्थ केवल सरकारी नौकरी करना ही नहीं है, सरकार की योजनाओं से नए क्षेत्रों के द्वार खुले हैं।

ड्रोन की मदद से सात मिनट में एक एकड़ क्षेत्र में छिड़काव

आशाबेन बताती हैं, ड्रोन से छिड़काव व्यवस्थित तरीके से होता है और इससे समय और पैसा दोनों की बचत होती है। एक ड्रोन सात मिनट के भीतर एक एकड़ क्षेत्र में छिड़काव कर सकता है। सौंफ जैसी ऊंची फसलों में ड्रोन से छिड़काव काफी सुलभ विकल्प है। अब तो हमें अहमदाबाद और सुरेन्द्रनगर से भी आर्डर मिलने लगे हैं। वह बताती हैं इसे संचालित करने से पहले ड्रोन में खेत का नक्शा फीड करती हूं और फिर कम्पास का कैलिब्रेशन कर निर्धारित क्षेत्र में संचालित करती हूं। इसमें महारत हासिल हो जाने की वजह से नुकसान कम होता है। यही वजह है कि लोग मुझे बुलाने लगे हैं।

उपहास का जवाब 'एपल कपल' ने नवाचार से दिया

अनुराग उनियाल ● जागरण

नई टिहरी: ये कहानी है 'एपल कपल' के नाम से चर्चित टिहरी जिले के बडोनी दंपती की, जिसने कड़ी मेहनत से देवप्रयाग ब्लाक के क्वीली सिलोड़ गांव में वर्षों से निष्प्रयोज्य पड़ी जमीन को आबाद तो किया ही, अब उसमें सेब की फसल भी लहलहा रही है। वर्ष 2020 में जब इस दंपती ने अपनी एक हेक्टेयर पुश्तैनी जमीन पर नेशनल एपल मिशन के तहत सेब के 500 पौधों का रोपण किया तो गांव वालों ने उपहास किया, क्योंकि गांव में इससे पहले कभी किसी ने सेब नहीं उगाया था, लेकिन बडोनी दंपती इस सबसे बेखबर नवाचार में जुटा रहा और आज उनके बाग में लगभग 450 पेड़ सेब से लकदक हैं।

जिला मुख्यालय नई टिहरी से 40 किमी दूर क्वीली सिलोड़ गांव निवासी राजेश्वर प्रसाद बडोनी वर्ष 2011 तक परिवार के साथ दिल्ली में रहते थे। वहां उनका अपना व्यवसाय था। लेकिन, इसी वर्ष दिल्ली में सीलिंग की कार्रवाई हुई तो उन्हें व्यवसाय समेटकर गांव लौटना पड़ा। इसके बाद उन्होंने गांव में खेती-बागवानी शुरू कर दी, हालांकि तब नींबू, माल्टा आदि फसलों का बाजार में अच्छा दाम नहीं मिल पाता था। वर्ष 2014 में राजेश्वर क्वीली सिलोड़ के प्रधान निर्वाचित हुए और वर्ष 2019 से उनकी पत्नी तनुजा बडोनी यह जिम्मेदारी संभाल रही हैं। वर्ष 2020 में राजेश्वर तत्कालीन जिला उद्यान अधिकारी डा. डीके तिवारी के कार्यालय में पहुंच गए। डा. तिवारी ने उन्हें एपन मिशन के तहत सेब का बागीचा लगाने की सलाह दी।

साधा लक्ष्य

उत्तराखंड के टिहरी जिले के बडोनी दंपती ने एपल मिशन से लिखी सफलता की दास्तान... समुद्रतल से 5,500 फीट गांव में तैयार किया सेब का पहला बागीचा। पहली में बार ही एक हेक्टेयर में 40 क्विंटल सेब का उत्पादन किया। अब उन्हें देखकर गांव वाले भी हो रहे हैं प्रेरित मन। जानिए, इस नवाचार के बारे में :

बाग से सेब तोड़ते राजेश्वर और तनुजा बडोनी। जागरण

गांव वाले कहते थे बेकार मेहनत कर रहे हो...कुछ होने वाला नहीं है

डा. तिवारी की सलाह पर राजेश्वर ने पत्नी तनुजा के साथ मिलकर अपनी अनुपयोगी पड़ी एक हेक्टेयर जमीन में सेब के 500 पौधे रोप दिए। तब गांव वालों ने उन्हें कहा कि बेकार मेहनत कर रहे हो, कुछ नहीं होने वाला, लेकिन यह दंपती गांव वालों की बात को कान देने के बजाय अपने कर्म में तल्लीन रहा। नतीजा, आज सबके सामने है। उनके बागीचे में सेब की लगभग 40 क्विंटल फसल तैयार है। विशेष यह कि समुद्रतल से 5,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित क्वीली सिलोड़ गांव में इससे पहले कभी किसी ने सेब की खेती नहीं की थी, लेकिन बडोनी दंपती के लगन व उसके सुफल को देख अब अन्य ग्रामीण भी मन बना रहे हैं।

20 महिलाओं को दिया रोजगार

बडोनी दंपती ने बागीचे की देखभाल को 'सृष्टि' महिला समूह का गठन किया है। इसी संगठन से जुड़ी 20 महिलाएं बागीचे में पेड़ों की देखभाल, सिंचाई आदि का जिम्मा संभालती हैं। तनुजा ने बताया कि बागवानी में उनकी बेटी-बेटा भी मदद करते हैं। उनके बागीचे में रूट स्टाक, एम नाइन, रेड गाला, जीरो माइन, फ्यूजी गाला व सुपर चिप प्रजाति के सेब के पेड़ हैं।

बडोनी दंपती के बागीचे में सेब की जबर्दस्त फसल हुई है। इससे जिले के अन्य काश्तकारों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। जिला प्रशासन की ओर से बडोनी दंपती के इस माडल को जिले के अन्य गांवों में भी लागू करने की तैयारी की जा रही है।

– अभिषेक त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी, टिहरी गढ़वाल

****

दैनिक जागरण
राष्ट्रीय संस्करण
रविवार 18 अगस्त, 2024
आजकल
14
www.jagran.com

खड़गपुर में पहले प्रौद्योगिकी संस्थान का उद्घाटन किया गया

1951 में आज ही बंगाल के खड़गपुर में पहले भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी खड़गपुर) का उद्घाटन किया गया। पहला सत्र कुल 42 शिक्षकों और 224 छात्रों के साथ शुरू हुआ था। आज भारत में कुल 23 आइआइटी हैं, जिनमें से कुछ दुनिया के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में गिने जाते हैं।

भारत में सूर्य ग्रहण देख पियर जैन्सेन ने की हीलियम की खोज

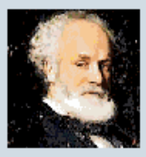

1868 में आज ही के दिन फ्रांसीसी खगोलविद पियर जैन्सेन ने आंध्र प्रदेश के गुंटूर में सूर्य ग्रहण का अवलोकन करते समय गैसीय वातावरण में हीलियम की खोज की थी। यह एकमात्र ऐसा तत्व है, जिसे रसायनज्ञों के बजाय खगोलविदों ने खोजा है। 1895 में विलियम रामसे ने पृथ्वी पर इसे खोजा।

यूएन महासभा की पहली महिला अध्यक्ष हैं विजयलक्ष्मी

नेता और राजनयिक विजयलक्ष्मी पंडित का जन्म 1900 में आज ही इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था। स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रहीं और तीन बार जेल गईं। स्वतंत्रता पश्चात मास्को, वाशिंगटन, मेक्सिको, लंदन, डबलिन में भारत के राजदूत के रूप में कार्य किया। 1953 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष चुनी जाने वाली दुनिया की पहली महिला बनीं। 1962 से 1964 तक महाराष्ट्र की राज्यपाल के रूप में कार्य किया। 1964 से 1968 तक वह लोकसभा की सदस्य रहीं।

अल्जाइमर व पार्किंसंस का मिल सकता है नया उपचार

अध्ययन ▶ एसएन बोस नेशनल सेंटर के विज्ञानियों ने यह पता लगाया है कि प्रोटीन अणु कैसे मुड़ते और खुलते हैं

रायल सोसाइटी आफ केमिस्ट्री की पत्रिका नैनोस्केल में प्रकाशित किया गया अध्ययन

अस्मोलाइट्स नामक छोटा अणु तनावपूर्ण परिस्थितियों में प्रोटीन की संरचना और कार्य को बनाए रखने में करता है मदद

60 वर्ष के आसपास पार्किंसंस रोग व्यक्ति की हरकत को प्रभावित करता है, कंपन सामान्य लक्षण है, लेकिन इसमें अकड़न या शरीर की हरकत धीमी पड़ना भी लक्षण है।

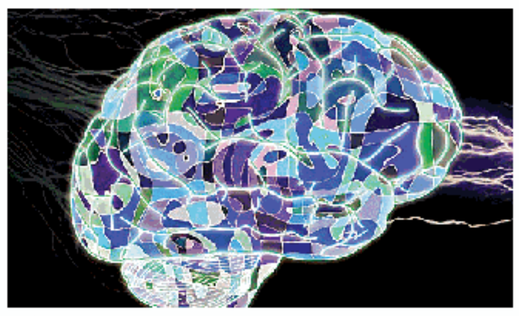

प्रोटीन के अध्ययन से होगा अल्जाइमर और पार्किंसंस का इलाज। फाइल

नई दिल्ली, आइएएनएस : विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के स्वायत्त संस्थान एसएन बोस नेशनल सेंटर फार बेसिक साइंसेज के विज्ञानियों ने एक नए अध्ययन में यह पता लगाया है कि प्रोटीन अणु कैसे मुड़ते और खुलते हैं, जिससे अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसी बीमारियों के उपचार विकसित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। टीम ने सहसंयोजक मैगनेटिक टेवजर्स नामक एक तकनीक का उपयोग करके यह देखा कि अलग-अलग प्रोटीन अणु अलग-अलग परिस्थितियों में कैसे मुड़ते और खुलते हैं और आस्मोलाइट्स के साथ कैसे संवाद करते हैं।

रायल सोसाइटी आफ केमिस्ट्री की पत्रिका नैनोस्केल में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया है कि अस्मोलाइट्स नामक छोटे अणु तनावपूर्ण परिस्थितियों में प्रोटीन की संरचना और कार्य को बनाए रखने में मदद करते हैं।

उच्च सांद्रता पर टीएमएओ ने प्रोटीन एल की ताकत को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा दिया, जिससे यह खुलने के प्रति अधिक प्रतिरोधी हो गया। कम सांद्रता (1एम तक) पर टीएमएओ का प्रोटीन के खुलने वाले बल पर बहुत कम प्रभाव पड़ा। हालांकि, उच्च सांद्रता (1.5एम) पर, अनफोल्डिंग बल में भारी वृद्धि हुई, जो दर्शाता है कि टीएमएओ प्रोटीन एल की मुड़ी हुई अवस्था के साथ अंतःक्रिया करता है। टीम ने कहा कि यह दर्शाता है कि टीएमएओ प्रोटीन के साथ इस तरह से अंतःक्रिया करता है कि यह मुड़ा हुआ और स्थिर रहने में मदद करता है। टीएमएओ के उच्च स्तर हृदय रोगों से जुड़े होते हैं।

दूसरी ओर, ट्रेहलोस ने प्रोटीन के बिन मुड़े अवस्था को स्थिर किया। इससे पता चलता है कि विभिन्न आस्मोलाइट्स का प्रोटीन पर अलग-अलग प्रभाव हो सकता है। शोध इस बात की समझ को भी आकार दे सकता है कि आस्मोलाइट्स प्रोटीन को कैसे स्थिर करते हैं और न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों और प्रोटीन मिसफोल्डिंग से संबंधित अन्य स्थितियों के लिए बेहतर दवाएं डिजाइन करने में मदद करेगा।

गलत तरीके से मुड़े प्रोटीन ठीक से नहीं कर पाते काम

एसएन बोस नेशनल सेंटर में डा. शुभाशीष हलदर और उनके छात्र दीप चौधरी के नेतृत्व में शोध दल ने कहा कि आस्मोलाइट्स छोटे अणु होते हैं जो प्रोटीन को स्थिर कर और उन्हें गलत तरीके से मोड़ने से रोककर कोशिकाओं को तनाव से बचने में मदद करते हैं। गलत तरीके से मोड़े गए प्रोटीन अपना काम ठीक से नहीं कर पाते, जिससे बीमारियां होती हैं। प्रोटीन संरचनाओं की स्थिरता बनाए रखने में ओस्मोलाइट्स महत्वपूर्ण हैं, जो उन्हें नई दवाओं के लिए संभावित निशाना बनाते हैं। प्रोटीन एल नामक प्रोटीन पर ध्यान केंद्रित करते हुए टीम ने दो आस्मोलाइट्स ट्राइमेथिलैमाइन एन आक्साइड (टीएमएओ) और ट्रेहलोस के साथ इसकी परस्पर क्रिया का परीक्षण किया।

क्विल्ट-फोल्डिंग काम्पटिशन...

चीन में झेजियांग प्रांत स्थित डोंगयांग में एक सीनियर हाई स्कूल के खेल के मैदान में सैन्य शैली के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान एक 'क्विल्ट-फोल्डिंग काम्पटिशन' (रजाई मोड़ने की प्रतियोगिता) हुआ, जिसमें रजाई को सटीक एवं साफ-सुथरे ढंग से मोड़ने का कार्य दिया गया। एक साधन के रूप में शयन कक्ष को साफ-सुथरा एवं व्यवस्थित रखने के साथ-साथ आत्मअनुशासन को प्रोत्साहित करने के लिए सेना में एक परंपरा रही है। एएफपी

मांसपेशियों में कमजोरी से इनगुइनल हर्निया

पेरिस ओलंपिक 2024 में भाला फेंक में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा भी हर्निया के शिकार

इनगुइनल हर्निया के कारण पेट के निचले हिस्से में होता है दर्द। फाइल

नई दिल्ली, नेशनल डेस्क : दुनिया में लाखों लोग पेट की कई गंभीर समस्याओं के शिकार हैं। हार्निया ऐसी स्थिति है, जिसका खतरा भी बढ़ता देखा जा रहा है। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के लिए भाला फेंक में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा भी हार्निया के शिकार हैं। उन्हें इनगुइनल हर्निया की दिक्कत है जिसके लिए वह जल्द इसकी सर्जरी करा सकते हैं। यहां जानना जरूरी है कि इनगुइनल हर्निया भी हार्निया का ही एक प्रकार है। पेट के निचले हिस्से की मांसपेशियों में कमजोरी की इस समस्या में सर्जरी की जरूरत होती है। ओलंपिक के चलते काफी समय से नीरज अपनी सर्जरी को टाल रहे थे। इसके लिए आपको स्वस्थ वजन बनाए रखना, आहार में हाई फाइबर वाले खाद्य पदार्थों को शामिल कराना फायदेमंद हो सकता है।

वृद्धों में अधिक खतरा : स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि हार्निया की दिक्कत किसी को भी हो सकती है। वैसे तो वृद्ध लोगों में इसका खतरा अधिक देखा जाता है, पर वयस्क और किशोर भी इसका शिकार हो सकते हैं। इनगुइनल हर्निया इसका सबसे आम प्रकार है। हर्निया तब होता है जब आपके पेट के अंदरूनी भाग का कोई हिस्सा किसी छिद्र से बाहर निकल जाता है या उस मांसपेशी या ऊतकों में कमजोरी आ जाती है। हर्निया धीरे-धीरे विकसित होता है। इनगुइनल हर्निया भी ऐसी ही एक समस्या है। हार्निया की समस्या के कारण पेट में उभार हो सकता है।

गंभीर हो सकती है इनगुइनल हर्निया की स्थिति : खांसने, छींकने, झुकने या भारी चीजों को उठाने आदि के कारण दर्द बढ़ सकता है। हर्निया का जोखिम उम्र के साथ बढ़ता है और महिलाओं की तुलना में पुरुषों में अधिक देखा जाता रहा है। कुछ मामलों में हर्निया जन्मजात भी हो सकता है। उन बच्चों में भी इसका खतरा देखा जाता रहा है जिनकी पेट की दीवार में कमजोरी होती है। लंबे समय तक कब्ज के कारण शौच के लिए अधिक जोर लगाना, लगातार खांसी आना, सिस्टिक फाइब्रोसिस, प्रोस्टेट की समस्या और अधिक वजन या मोटापा के कारण भी हार्निया की दिक्कत हो सकती है।

क्या होते हैं लक्षण? : स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि हार्निया के कारण सभी लोगों में लक्षण नजर आएं, ऐसा जरूरी नहीं है। आमतौर पर इसमें पेट में गांठ या उभार दिखता है जो शारीरिक गतिविधियों के दौरान स्पष्ट नजर आता है। हर्निया के कारण पेट में दर्द या चुभन महसूस होती है। पेट पर दबाव बढ़ने की स्थिति में दर्द व जटिलताएं महसूस हो सकती हैं।

बच्चों का तकनीक व इंटरनेट मीडिया का ज्यादा इस्तेमाल गलत

1,146 अभिभावकों के सर्वे में माता-पिता अपने बच्चों के तकनीक के साथ बहुत अधिक समय बिताने पर चिंतित

बच्चों में अपनेपन का एहसास कराने में मदद करने के महत्व पर जोर दिया

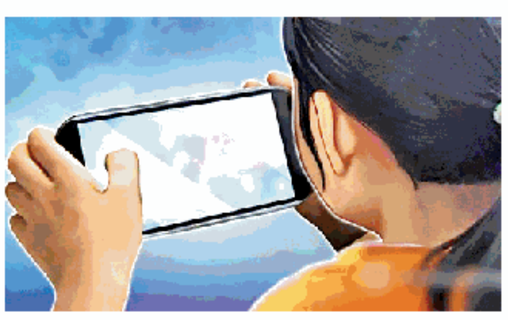

इंटरनेट मीडिया का ज्यादा बच्चों के लिए खतरनाक। फाइल

नई दिल्ली, आइएएनएस: पिछले दिनों अमेरिका में हुए एक अध्ययन के अनुसार तकनीक और इंटरनेट मीडिया पर अत्यधिक समय व्यतीत करना बच्चों को सार्थक संबंध बनाने से रोक सकता है।

इस बारे में 1,146 अभिभावकों के सर्वेक्षण पर आधारित निष्कर्षों से पता चला है कि माता-पिता अपने बच्चों के तकनीक के साथ बहुत अधिक समय बिताने (50 प्रतिशत), बदमाशी (30 प्रतिशत) और महामारी के सामाजिक प्रभाव (22 प्रतिशत) को लेकर चिंतित हैं। लगभग पांच में से एक अभिभावक (19 प्रतिशत) रिपोर्ट करते हैं कि नस्ल, जातीयता, संस्कृति, सामाजिक आर्थिक स्थिति या लिंग पहचान में अंतर उनके बच्चों को स्कूल में फिट होने से रोकता है।

द किड्स मेंटल हेल्थ फाउंडेशन की कार्यकारी क्लिनिकल निदेशक और नेशनवाइड चिल्ड्रन हास्पिटल की बाल रोग मनोवैज्ञानिक डा. एरियाना होएट ने कहा कि संबंध अपनेपन की भावना को बढ़ावा देते हैं, जो शैक्षणिक सफलता और समग्र कल्याण के लिए आवश्यक है। होएट ने कहा कि प्रौद्योगिकी के अपने फायदे और नुकसान हैं।

माता-पिता को चेतावनी के संकेतों के प्रति सचेत रहना चाहिए जो संकेत देते हैं कि उनके बच्चे का तकनीक का उपयोग उनके वास्तविक दुनिया के सामाजिक संपर्कों को प्रभावित कर सकता है। होएट ने माता-पिता को समय का ध्यान न रखना, उपकरणों में व्यस्त रहना, वास्तविक दुनिया की गतिविधियों से अलग रहना, चिड़चिड़ापन, शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव और आफलाइन बातचीत या स्कूल के प्रदर्शन में बदलाव जैसे संकेतों पर नजर रखने की सलाह दी। ये संकेतक माता-पिता को यह आकलन करने में मदद कर सकते हैं कि उनके बच्चे का स्क्रीन टाइम उनके सामाजिक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है या नहीं।

सर्वेक्षण में कक्षा के कनेक्शन से संबंधित अतिरिक्त चिंताओं पर भी प्रकाश डाला गया है, जैसे कि फिट होना (14 प्रतिशत), कक्षा में नए दोस्त बनाना (17 प्रतिशत), धमकाया जाना या बहिष्कृत होना (13 प्रतिशत) और खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में दोस्ती बनाना (5 प्रतिशत) शामिल है। होएट ने हाशिए पर पड़े या कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों के बच्चों को अपनेपन का एहसास कराने में मदद करने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने सुझाव दिया कि माता-पिता और देखभाल करने वाले सकारात्मक व्यवहार के लिए मार्गदर्शक खोजें। ऐसे माहौल की तलाश करें, जहां उनका बच्चा फिट हो सके और सामाजिक संबंधों और आनलाइन अनुभवों से संबंधित किसी भी मुद्दे को संबोधित करने के लिए नियमित रूप से अपने बच्चे से संपर्क करें।

होएट ने कहा कि शिक्षक और माता-पिता अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि यह अप्रवासी माता-पिता के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है जो स्कूल प्रणाली और संस्कृति को पूरी तरह से नहीं समझ सकते हैं।

इधर-उधर की

लक्जरी बैग सीट के नीचे न रखने की जिद पड़ गई भारी

पुलिस ने महिला को विमान से नीचे उतार दिया। इंटरनेट मीडिया

बीजिंग, एजेंसी : यात्रियों के बीच विवाद या झगड़े की वजह से उड़ान में देरी के आपने कई मामले सुने होंगे। लेकिन चीन में एक लक्जरी हैंडबैग की वजह से उड़ान में एक घंटे की देरी हुई। यहां चोंगकिंग के एक हवाई अड्डे पर विमान उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। तभी इकोनामी क्लास में बैठी एक महिला ने लुई विटान का हैंडबैग यह कहकर सामने वाली सीट के नीचे रखने से इन्कार कर दिया कि यह महंगा है। महिला अड़ गई कि वह हैंडबैग बगल में रखकर ही यात्रा करेगी। फ्लाइट अटेंडेंट के बार-बार कहने पर भी जब महिला नहीं मानी तो पुलिस को बुलाकर महिला को विमान से उतार दिया गया। इस दौरान यात्रियों ने तालियां बजाई। हैंडबैग की कीमत तीन हजार डालर यानी करीब ढाई लाख रुपये बताई जा रही है।

हृदय संबंधी समस्या व अल्जाइमर में आनुवंशिक संबंध का पता चला

अनुसंधान

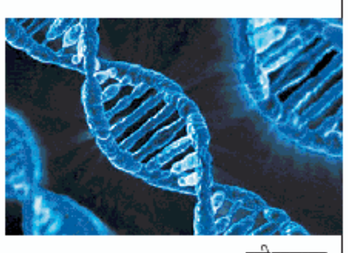

प्रतीकात्मक

आस्ट्रेलिया के एडिथ कोवान यूनिवर्सिटी के अध्ययनकर्ताओं ने एक शोध में पता लगाया है कि हृदय संबंधी समस्या और अल्जाइमर रोग में आनुवंशिक संबंध है। इसमें कहा गया है कि दोनों की उत्पति के पीछे के कारण समान हो सकते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि इसके पर्याप्त सुबूत मिले हैं कि दिल की बीमारी वाले लोगों में याददाश्त से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। साथ ही उनमें डिमेंशिया का खतरा 26 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। डिमेंशिया की वजह से याददाश्त और सोचने की शक्ति पर असर पड़ता है, जो आगे चलकर रोजमर्रा के कार्य करने में परेशानी उत्पन्न करते हैं। डिमेंशिया का एक आम रूप अल्जाइमर है। यह अध्ययन इंटरनेशनल जर्नल आफ मालिक्यूलर साइंसेज में प्रकाशित किया गया है।

दिल की धमनी (आर्टरी) की समस्या में आम तौर पर हृदय की ओर खून का प्रवाह कम होने लगता है, क्योंकि रक्त वाहिकाएं पतली होती जाती हैं। यहां तक कि ब्लड में वसा का असामान्य स्तर और सूजन दिल की धमनी की समस्या और अल्जाइमर का खतरा बढ़ा सकता है। टीम ने हृदय रोग से संबंधित सात कारकों जैसे कोरोनरी धमनी रोग और एनजाइना और कोलेस्ट्रल सहित 13 लिपिड का अध्ययन किया। इसके व्यापक विश्लेषण से अल्जाइमर रोग और तीन लिपिड लक्षणों, एलडीएल (बैड कोलेस्ट्राल), ट्राइग्लिसराइड्स और कुल कोलेस्ट्राल के बीच महत्वपूर्ण और सकारात्मक आनुवंशिक सहसंबंध का पता चला है। शोधकर्ताओं ने कहा कि इससे पता चलता है कि कुछ लिपिड का अल्जाइमर रोग के साथ अधिक सीधा आनुवंशिक संबंध हो सकता है। (प्रेट्र)

स्क्रीन शाट

आयुष्मान हटे, तो बार्डर 2 पर वरुण डटे

बार्डर 2 में वरुण निभाएंगे सैन्य अधिकारी की भूमिका। फाइल

श्रीराम राघवन के निर्देशन में घोषित फिल्म इक्कीस में अभिनेता वरुण धवन सैन्य अधिकारी की भूमिका निभाने वाले थे। यह फिल्म परमवीर चक्र विजेता शहीद अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित है। हालांकि, उम्र ज्यादा होने के कारण वरुण यह फिल्म नहीं कर पाए और फिल्म में उनकी जगह अगस्त्य नंदा को कास्ट कर लिया गया।

अब वरुण के पास दोबारा सैन्य अधिकारी की भूमिका निभाने का मौका आया है। वह भी इस जानर की सबसे लोकप्रिय फिल्मों में से एक बार्डर फिल्म की फ्रेंचाइज में। पहले सनी देओल के साथ अभिनेता आयुष्मान खुराना बार्डर 2 फिल्म करने वाले थे, लेकिन उन्होंने फिल्म छोड़ दी। अब इस फिल्म में वरुण धवन के आने की खबरें हैं। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के अनुसार, वरुण ने यह फिल्म साइन कर ली है। वह इस फिल्म में एक मेजर की भूमिका निभाएंगे। वरुण स्वयं भी बार्डर फिल्म के बड़े प्रशंसक हैं। उनका मानना है कि बार्डर 2 उनके करियर में एक बड़ा मील का पत्थर साबित हो सकती है। बार्डर 2 की शूटिंग नवंबर में शुरू होगी और वरुण दिसंबर में फिल्म बेबी जान प्रदर्शित होने के बाद इस फिल्म की टीम से जुड़ेंगे। वहीं सनी फिलहाल तेलुगु निर्देशक गोपीचंद के साथ अपनी पैन इंडिया फिल्म जट्ट की शूटिंग में व्यस्त हैं।

निजी अनुभवों के सहारे शूजित ने अभिषेक के साथ बनाई है फिल्म

पिता बेटी के रिश्ते पर आधारित फिल्म में मुख्य भूमिका में होंगे अभिषेक। फाइल

पर्दे पर दिखने वाली फिल्मों की कहानियां काल्पनिक हो या वास्तविक, उसमें कहीं न कहीं निर्देशक और लेखक का नजरिए और निजी अनुभवों की झलक दिख ही जाती है। हिंदी सिनेमा में पीकू और बरेली की बर्फी जैसी कई फिल्मों में पिता-पुत्री के रिश्तों के अलग-अलग रंग देखने को मिले हैं। अब फिल्मकार शूजित सरकार ने अभिषेक बच्चन के साथ इसी रिश्ते के एक अलग पहलू को दिखाते हुए एक और फिल्म बनाई है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं है, लेकिन फिल्म की शूटिंग हो चुकी है। शूजित ने पिछले साल सितंबर में अमेरिका में इस फिल्म की शूटिंग की थी। इस फिल्म के बारे में शूजित का कहना है, 'मुझे इस फिल्म के बारे में ज्यादा बात करने को लेकर चेतावनी दी गई है। मुझे खुशी है कि इस फिल्म में मैंने अभिषेक के साथ काम किया है। इस फिल्म में आप उनकी सबसे बेहतरीन परफार्मेंस देखेंगे। पिता और पुत्री की कहानियां बताना जटिल होता है, इसलिए हमने जिंदगी के अनुभवों से फिल्म में कई चीजें शामिल की है।' वही वर्तमान दौर में टिकट खिड़की पर गैर कमर्शियल मसाला फिल्मों के प्रदर्शन पर शूजित का कहना है कि मुझसे हमेशा कहा गया है कि मेरी फिल्में बाक्स आफिस पर नहीं चलती हैं, फिर वह मद्रास कैफे हो या अक्टूबर। मेरा ध्यान हमेशा पटकथा और स्टोरीटेलिंग पर होता है। ऐसे कई सिनेप्रेमी हैं, जिन्हें मेरी स्टोरीटेलिंग पसंद आती है।

कुछ फिल्मों को दोबारा रिलीज करना चाहते हैं इम्तियाज अली

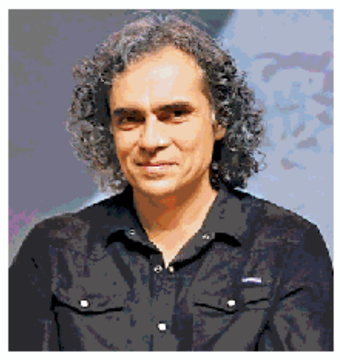

रोमांटिक जानर में अपनी अलग कहानियों को लिए प्रख्यात हैं इम्तियाज। टीम इम्तियाज

फिल्मों को दोबारा रिलीज करने का सिलसिला जारी है। इम्तियाज अली निर्देशित फिल्म राकस्टार के बाद उनके निर्माण कंपनी तले बनी साल 2018 की फिल्म लैला मजनू भी दोबारा रिलीज हुई। इस फिल्म ने बाक्स आफिस पर छह दिनों में 4.2 करोड़ रुपये की कमाई की। हालांकि, जब यह फिल्म साल 2018 में रिलीज हुई थी, तब इसने केवल 2.2 करोड़ रुपये की कमाई की थी। अब इम्तियाज अपनी किस फिल्म को दोबारा जनता की मांग पर थिएटर में लाने की इच्छा रखते हैं? इस पर उन्होंने कहा कि मैं तो चाहता हूं कि मेरी कई फिल्में दोबारा रिलीज हों। उनमें हाइवे और सोचा ना था खास हैं। सोचा ना था साल 2005 में रिलीज हुई थी। 19 साल हो गए हैं। इतने वर्षों में पूरी पीढ़ी जवान हो जाती है। राकस्टार जब 14 साल बाद रिलीज हुई, तो उसने एक बार फिर निर्माता, निर्देशक, डिस्ट्रिब्यूटर्स को फायदा पहुंचाया। इससे पता चलता है कि फिल्में स्थाई होती हैं। वह हमेशा के लिए बनती हैं। जो फिल्में किसी कारणवश थिएटर में कम समय के लिए रह पाई थी, उन्हें दर्शक चाहे तो दोबारा थिएटर में लाने की ताकत रखते हैं। लैला मजनू दोबारा रिलीज होने के बाद जितनी थिएटर में चली, उतनी साल 2018 में नहीं चली थी। हो सकता है इन फिल्मों के दोबारा रिलीज होने से एक नया ट्रेंड शुरू हो जाए।

जब खुशी ने मानी सर्जरी की बात, तो हुई सराहना

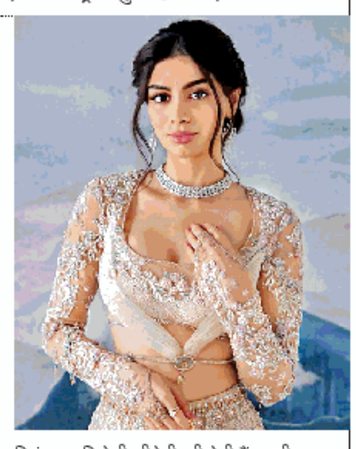

दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी हैं खुशी। इंस्टाग्राम - @khushi05k

फिल्म इंडस्ट्री की अपनी डिमांड होती है। खासकर अभिनेत्रियों के लिए जिनका पर्दे पर खूबसूरत दिखना भी मायने रखता है। ऐसे में नैन-नक्श ठीक करने के लिए उन्हें कास्मेटिक सर्जरी भी करवानी पड़ती है। अभिनेता हो या अभिनेत्री कईयों ने सर्जरी करवाई है, कुछ लोग मान लेते हैं और कुछ लोग नहीं मानते हैं। द आर्चीज फिल्म की अभिनेत्री खुशी कपूर ने यह मान लिया है कि उन्होंने होंठ और नाक की सर्जरी करवाई है। उन्होंने यह बात स्वीकारी इंस्टाग्राम पर एक यूजर के कमेंट करने के बाद। दरअसल, एक यूजर ने इंस्टाग्राम पर श्रीदेवी और खुशी की पुरानी वीडियो साझा करते हुए लिखा कि ईमानदारी से कहूं, तो खुशी वैसी ही दिखती हैं, जैसी पहले दिखती थीं। ऐसा लगता है कि उन्होंने वाकई अपना वजन कम कर लिया है। इस पर खुशी के फैन पेज से जवाब आया कि धन्यवाद, इस वीडियो में खुशी 12 साल की हैं। तब उनके दांतों में ब्रेसेस (दांतों में तार) लगे थे। अब उन्होंने लिप फिलर्स (होंठ को मोटा कर सुंदर बनाने की सर्जरी) कराई हैं। इस पर खुशी ने जवाब में लिखा कि लिप फिलर और नोज जाब (नाक की सर्जरी कराकर उसे बेहतर बनाया है) कराया है, हाहाहा। खुशी के ऐसा लिखते ही हर कोई उनकी सराहना करने लगा। एक यूजर ने लिखा कि अच्छा लगा कि आपने ईमानदारी से इस बात को स्वीकारा है। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा कि ऐसे लोग पसंद हैं, जो अपने से जुड़ी इन बातों को मान लेते हैं। ऐसा (कास्मेटिक सर्जरी) करवाने में कोई हर्ज नहीं है।

पंजत पिनांग...

जहां फिसलन हो, वहां दो कदम भी संभलकर चलना कठिन होता है। ऐसे में यदि अत्यंत फिसलन भरे खंभे पर चढ़ना हो तो? इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में शनिवार को एनकोल बीच पर ग्रीस लगे सात मीटर ऊंचे खंभे पर चढ़ने की प्रतियोगिता हुई। देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस पर हुई इस प्रतियोगिता में लोगों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इसमें प्रतिभागियों के समूह होते हैं एवं खंभे के शीर्ष पर पहुंचना होता है, जहां लटकाई गई वस्तुएं पुरस्कार स्वरूप प्राप्त होती हैं। फिसलन भरे खंभे पर चढ़ने के इस पारंपरिक खेल को 'पंजत पिनांग' कहा जाता है। इस उत्साह भरे खेल में कौशल एवं दृढ़ संकल्प दोनों की आवश्यकता होती है। एएफपी

****